



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 6, 1980 (अग्रहायण 15, 1902)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6, 1980 (AGRAHAYANA 15, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4
[PART III—SECTION 4]

विविध निकायों द्वारा द्वारा की गई विविध अधिकृतमाण इसमें कि आदेश, विज्ञापन और
सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and
Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय स्टेट बैंक

(स्थानीय प्रधान कार्यालय)

कार्यालय प्रबन्धक विभाग

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 नवम्बर 1980

सूचना

सं. ओ० एम०छो० : 12205-- श्री वी० वी० चड्हा, वरिष्ठ
अधिकारी ने 8 स्टाफ नवम्बर 1980 की कार्य समाप्ति पर श्री वी०
एल० बन्सल के स्थान पर क्षेत्रीय प्रबन्धक क्षेत्र-II, नई दिल्ली
स्थानीय प्रधान कार्यालय का पूर्ण कार्यभार संभाला।

बैंक प्रकाश बंसल
कार्यालय प्रबन्धक

भारतीय डाक तार विभाग

डाक तार महानिदेशक का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक नवम्बर 1980

(शुद्धि पत्र)

सं. 25-4/80-एल० आई०—कृपया इस कार्यालय के
पत्र संख्या 25-4/80-एल० आई० दिनांक 10-7-80 में
जारी की गई सूचना में ऋम संख्या 13 पर दी गई संख्या,
दिनांक तथा पालिसी संख्या को 30,000/- रुपयों के लिये
संख्या ए-9630 दिनांक 20-7-1978 के स्थान पर
“15,000/- रु के लिये ए-9703 दिनांक 11-9-1978” पढ़ें।

सं. 25-4/80-एल० आई०—इस कार्यालय की सं.
25-4/80-एल० आई० दिनांक 25-4-1980 के अन्तर्गत
जारी की गई सूचना के ऋम सं. 3 पर उद्भूत “श्री भीषण”
के स्थान पर श्रीमादार का नाम “श्री भीमपा” पढ़ा जाए।

सु० च० जैन,
निदेशक (डाक जीवन श्रीमा)

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र उद्योग समिति

टैक्सटाइल सेंटर, 34, पी० ३० मेलो रोड

वाडी बंदर, बम्बई-400 009

मशीनरी निरीक्षण विभाग

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23 की उपधारा (ठी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार को पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति:—

- (क) ये विनियम वार्ष टॉप मोशन के लिए ड्राप वायर निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रूपों कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ:—

- (क) माल का तात्पर्य वार्ष टॉप मोशन के लिए ड्राप वायर से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक(कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना:—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करते से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरवायी होंगे

ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहाँ पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास अवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड:—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथा दर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता की इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैंपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैंपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्तीकृति:—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अर्थात् लूटि को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल की अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण

विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाइयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर से जा सकेगा जबकि उसे वहां जांच की पूर्ण मुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि को उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाण पत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो अस्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण-पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:—

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाइयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना :

सारणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	स्वीकृति का स्तर	
		स्वीकृति संख्या	अस्वीकृति संख्या
से 100000 तक	पहला नमूना 50	2	5
	दूसरा नमूना 50	6	7
10001 से 35000 तक	पहला नमूना 80	3	7
	दूसरा नमूना 80	8	9
35001 से 150000 तक	पहला नमूना 125	5	9
	दूसरा नमूना 125	12	13
150001 से 500000 तक	पहला नमूना 200	7	11
	दूसरा नमूना 200	18	19
500001 से ऊपर	पहला नमूना 315	11	16
	दूसरा नमूना 315	26	27

(ख) कच्चा माल : इँप वायर अच्छे कार्बन फौलाव की पट्टियों से बनाये जायेंगे जिसमें 0.60 से 1.0 प्रतिशत के बीच कार्बन की मात्रा होगी। भेजने वाले के परीक्षण प्रमाण पत्र के अनुसार उसकी जांच की जायेगी। वस्त्र उद्योग समिति भी संघ-टक के सत्यापनार्थ परीक्षा करेगी।

2. फिनिश तथा दोष मुक्तता : इँप वायर चिकने होंगे। केक खुरदुरे तथा नोकोले कोनों और ऐसे सभी दोषों से मुक्त होंगे जिनसे धागा टूटने की संभावना होगी। धागे के छिद्रों पर अच्छी पालिश की जानी चाहिए।

3. प्लेटिंग : इँप वायरों पर जिन्क, निकेल, ओमियम, केडमियम या यूनीक्रोम (जिन्क प्लेटिंग पर ओम कवर) या अन्य ऐसी प्लेटिंग धातु की जिनकी ऋता तथा विक्रेता के बीच संविदा हुई हो की प्लेटिंग होनी चाहिए। प्लेटिंग की कम से कम मोटाई निम्न लिखित अनुसार हो :—

धातु	कम से कम प्लेटिंग मोटाई
जिन्क	0.025 मि० मी०।
निकेल	0.030 मि० मी०।
ओमियम	0.025 मि० मी०।
केडमियम	0.313 मि० मी०।
यूनीक्रोम	0.025 मि० मी०।
अन्य कोई धातु	ऋता तथा विक्रेता की संविदानुसार

भेजने वाले के परीक्षण प्रमाण पत्र के अनुसार ही प्लेटिंग की मोटाई की जांच की जायेगी। समय समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी मोटाई की जांच करेगी।

आयाम :—इँप वायरों के आयाम संबंधी व्यारे निम्न छूट समेत ऋता तथा विक्रेता के बीच समत विशेषता/इँप/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

लम्बाई पर छूट	± 0.3 मि० मी०।
चौड़ाई पर छूट	± 0.15 मि० मी०।

मोटाई पर छूट :—

से 0.25 मि० मी० पर	± 0.02 मि० मी०।
0.25 से 0.40 मि० मी० पर	± 0.025 मि० मी०।
0.40 से 0.60 मि० मी० पर	± 0.035 मि० मी०।
0.60 से 1.00 मि० मी० पर	± 0.040 मि० मी० पर—

धागे के छिद्र के व्यास पर छूट :—

से 4 मि० मी० व्यास पर	± 0.2 मि० मी०।
4.1 से 5.25 मि० मी० व्यास पर	± 0.25 मि० मी०।
5.26 से ऊपर	± 0.50 मि० मी०।

5. पहचान :—ऋता तथा विक्रेता द्वारा अनुमोदित पहचान के नमूने के अनुसार ही इँप वायर की मोटाई आंकी जायेगी।

6. वजन :—100 ड्रॉप वायरों पर वजन का मन्त्र
± 5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। प्रत्येक 100 में से
पांच नमूने लेकर जांचे जायेंगे तथा सभी नमूने विशिष्टियों
के अनुरूप होंगे।

(9) पैकिंग :—

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति पैक किया
जायेगा :—

1. ड्रॉप वायर अच्छे बोक्सों में निर्यात के लिए पैक
किये जायेंगे ताकि वे संग्रह तथा यातायात की सामान्य
बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति
में न पैक किया गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान
करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही
भरा गया है, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन पैक
बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :—खण्ड 9(1) के अधीन यथा-
पेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर
वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान भी निर्माता ही
उपलब्ध करवायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का
क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, को धारा
23 की उपधारा (डा०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की
धारा 4 को उपधारा 2 के अधीन स्थायं को प्रदान की गई
शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय
मरकार को पूर्वानुमति में निर्गमित के लिए वस्त्र समीनरों
सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरक्षण का
प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :

(क) ये विनियम कपड़ा मिलों के लिए फ्लैट बोर्ड बोर्डिंग
निरक्षण विनियम 1980 कहलाये।

(ख) यह मशानरों निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए
सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन
के भाग वे स्वयं में या अन्य रूपों को इस माल
बनाते हैं।

(2) परिभाषा :—

(क) 'माल' का तात्पर्य कपड़ा मिलों के लिए फ्लैट
बोर्डिंग है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो
जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण को ही जिनका
नमूना लेफ्ट जांच करने हुए अंगीकरण अवधारित
किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना
आदि) को दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन,
गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या
अधिक खातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरोक्षक का तात्पर्य किसी माल को जांच करने
के लिए प्रतिनियुक्त व्यवित से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा
नथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963
(1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र
वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973
(1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द
तथा अभिव्यक्तियां वह; अर्थ रखेंगे; जो कि क्रमांक
उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले
निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदारी होने
ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो
अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वाकृत समुच्चय किरण में निरीक्षणार्थ प्रस्तुत
नहीं किया जायेगा उब तक कि निर्माताओं ने
उसका पुनः निरक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भाँति ब्रांड शेड
में एक टेबल के पास रखा जायेगा वहां पर
निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करते हेतु एक सहायक
उपस्थित रहेगा। निरक्षण हेतु सभी खास खास
आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा
में ही) उपलब्ध कराना उस; निर्माता का जिम्मा
होगा जो कि निरक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पद संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1)
में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरक्षण इस विनियम में यथा
दण्डित मानकों एवं छूटों से अनुसार होगा यदि
क्रेता तथा विक्रेता के बांध इस निरक्षण विनियम
में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट
के अनबन्धों का संविदा न की गई हो। इस
अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार
निरक्षण दिया जायेगा। यदि कोई निर्माता
किसी विदेशी सहयोग/फार्म से समझौता करके
माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी
उसे विदेशी फार्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार
होगा जिनका उल्लेख निरक्षण विनियम की
धारा (बा०) में किया गया है। निर्माता को
इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) गमुच्चय को तभी स्वाक्षर भाना जायेगा जबकि
अस्वाकृत यन्त्रों की संख्या उस संख्या से

जयदा न हो जिसका स्वतंत्रता सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दो गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वत्तुत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगा जिनका छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दो गई है।

(5) सुधार तथा अस्वत्तुत

(क) इस निरक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दीरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा छूट को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वत्तुत कर दिया जायेगा ऐसे यूनिटों की संख्या इस निरक्षण विनियम में दो गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरक्षण माल को अस्वत्तुत तभी बरेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मामलों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनमें उत्तेज उपरोक्त विनियम में हैं और यदि दोषपूर्ण इकाइयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निम्निणी स्थान से दूर ले जा सकेगा जबकि उस वहाँ जांच को पूर्ण सुविधापूर्वक प्राप्त न हो। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि को उपस्थिति में की जा सकते हैं।

(7) प्रमाणांक:—

प्रत्येक समुच्चय जिसका जांच निरीक्षक द्वारा को गई और जो अस्वत्तुत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग मन्त्रित द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी की एक प्रमाणपत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र को वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इन प्रमाणपत्र को फिर से वैध करने के लिए कुछ संख्या का पांच प्रतिशत (50%) या ताजा बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच को जायेगो।

(८) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:—

निरीक्षण निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाइयों की आवश्यक संख्या वही नीचे दर्शायदर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना

भारणी संख्या—।

समुच्चय का आकार नमूनों का आकार स्वीकार्य गुण विशेष का स्तर

स्वीकार्यता	अस्वीकार्यता	क्र०	क्र०
3000 तक पहला नमूना	32	2	5
दूसरा नमूना	32	6	7
3001 से 10000 तक पहला नमूना	50	3	7
दूसरा नमूना	50	8	9
10001 से ऊपर पहला नमूना	80	5	9
दूसरा नमूना	80	12	13

ख. कच्चा माल : बोबिन भली भाँति पकायी हुई इमारती लकड़ी/प्लास्टिक/धातु या क्रेता तथा विक्रेता के बीच करारानुसार बनाये जायेंगे।

लकड़ी के बोबिन बार्क पाकेट, चिटकने, गमडक्ट, जाला, गांठ, फटने, कुमि सूराख जैसे दोषों से मुक्त होंगे तथा ऐसे अन्य दोषों से भी मुक्त होंगे जिनसे बोबिन के जीवन तथा उपयोगिता के नष्ट होने की संभावना रहती है।

2. फिनिश :

क. बोबिन की सतह चिकनी होगी तथा ऐसे सभी दोषों से मुक्त होगी जिनसे बोबिन के जीवन तथा उपयोगिता के नष्ट होने की संभावना रहती है।

ख. लकड़ी के बोबिनों पर बारनिश या पालिश किया जायेगा।

3. धातु परिरक्षक : बोबिन के ऊपर तथा तल पर धातु परिरक्षक जोड़ा जायेगा। परिरक्षक टिन प्लेट के बनाये जायेंगे जिसकी मोटाई कम से कम 0.315 मि० मी० (30 एस० डब्ल्य० जी०) होगी। टिन प्लेट से अन्य किसी धातु के लिए मोटाई निर्माता की विशिष्टि के अनुसार होगी तथा छूट 0.03 मि० मी० होगी। इसकी जांच 5 नवीन नमूनों पर की जायेगी तथा समस्त नमूने विशिष्टि के अनुसार होंगे।

ख. परिरक्षकों को मजबूती से बोबिन के साथ जोड़ा जायेगा।

4. आयाम : बोबिनों के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूटों समेत श्रेता तथा विक्रेता के बीच ममस्त विशेषता/इराई/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

क. संपूर्ण लंबाई पर छूट 2.0 मि० मी०

ख. बोन्क के बाहरी व्यास पर छूट ± 1 मि० मी०

ग. फलेंग के बाहरी व्यास पर छूट ± 1 मि० मी०

घ. बोबिन के सतह तथा तल ± 0.5 मि० मी०

के भीतरी छिद्र के व्यास पर छूट ± 0.0 मि० मी०

झ. फलेंग की मोटाई पर छूट ± 0.5 मि० मी०

च. फलेंगों के बीच के अन्तर पर छूट ± 1.0 मि० मी०

5. उत्केन्द्रता : रिंग डबलिंग तथा ट्रिस्टिंग फ्रेम के शेंक के बोबिन की उत्केन्द्रता 0.5 मि० मी० से अधिक नहीं होगी। अन्य फलेंगड बोबिनों की उत्केन्द्रता 1.0 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

6. वजन : बोबिन के वजन पर छूट \pm 4 प्रतिशत होगी।

(9) पेकिंग : निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा।

बोबिनों को निर्यात के लिए अच्छे केसों में भरा जायेगा जो संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य आधारों को सहन करने में समर्थ हों।

2. यदि माल निरीक्षित की सार्थक या प्रत्यक्ष उपस्थिति में पैक न किया गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है अधिक से अधिक तीन बोक्स पैक बोक्सों में से खोल सकेगा।

3. निरीक्षित नमूने (टैग/मार्क/मुहर) तथा उस पैकेज नंबर द्वारा पहचाने जायेंगे जिनका उल्लेख निरीक्षण रिपोर्ट में होगा।

(10) मुहर बंद करना :—

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23 की उपधारा (टी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रशान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार को पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम लूमों में प्रयुक्त कॉटन हीलडस निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रात्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषा :—

(क) माल का तात्पर्य लूमों में प्रयुक्त कॉटन हीलडस से है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) को दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (को) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अप्रभावित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 के क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनःनिरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहाँ पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथोर्धित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा। यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विवित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विवेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विवेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (टी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा

न हो जिसकी स्वीकृति संपर्किंग प्लान की द्वारा 8-ए० में दी गई है।

(ग) समुच्चय की अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट संपर्किंग प्लान की द्वारा 8-ए० में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा लुटि को छूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि को उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसको जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो अस्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्घोग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पाठों की एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र को वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाणपत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) या तीन बज्जूँ (जो भी कम होगा) को फिर से चांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना:

भारिणी संख्या — 1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	प्रनुस्त्रय इकाईयों की संख्या
से 100 तक	5	0
101 से 150 तक	8	0
151 से 300 तक	13	1
301 से 500 तक	20	1
501 से 1000 तक	32	2
1001 से 3000 तक	50	3
3001 से 10000 तक	80	5
10000 से ऊपर	125	7

ख. आयाम :

1. हिल्डों के आयाम संबंधी और निम्न छूट तथा परीक्षण समेत श्रेता तथा विक्रेता के बीच समत विशेषता/ड्राइंग/अनुसार नमूने के अनुसार होंगे।

(क) हिल्डों के काउंट की संख्या विशिष्ट के अनुसार ही होगी।

(ख) हील्ड की गहराई पर छूट ± 3 मि० मी०।

(ग) हील्ड के छिद्र के आकार पर छूट 1.00 मि० मी०।

(घ) संपूर्ण चौड़ाई—सेट में एक सिरे की हील्ड की दूरी उल्लिखित से कम नहीं होगी।

2. नम्यता : हील्ड के तल तथा ऊपरी सिरे के कुछ भाग को छोड़ कर पूरी गहराई पर वार्निश किया जायेगा। वार्निश किया हुआ भाग आनम्य होगा। 5 नमूने लेकर इसकी जांच की जायेगी। मध्ये नमूने विशिष्टियों के अनुरूप होंगे।

नोट: वार्निश किए हुए भाग की आनम्यता की जांच परिशिष्ट 'बी' में उल्लिखित काटन लम्बों के लिए काटन हील्ड की भारतीय मानक विशिष्टियों: 1739—1968 (आधुनिक संस्करण) के अनुसार की जायेगी।

3. फिनिश :

(क) हील्ड वार्निश के उभरे हुए निशान, चिपचिपे तथा दरारों, दोषयुक्त छिद्रों, वार्निश के कारण बंद हुए छिद्रों या ठीक स्थान से हटे छिद्रों आदि दोषों से मुक्त होंगे। हील्ड देखने में चिकने तथा चमकदार होंगे।

(ख) लीश की गाठ बहुत पतली तथा बाहर निकली हई नहीं होगी। लीश की गाठों की संख्या हील्ड के कुल छिद्रों की संख्या से 1.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

(9) पैकिंग :

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा :—

- (1) काटन हील्डों को उचित बोक्सों में निर्यात के लिए भरे जायेंगे जो संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।
- (2) यदि माल निरीक्षक को प्रत्यक्ष अथवा सार्थक उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस भारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।
- (3) निरीक्षित नमूने (टेंग मार्क मुहर) तथा उस पैकेज नंबर द्वारा पहचाने जायेंगे जिनका उल्लेख निरीक्षण रिपोर्ट में होगा।

(10) मुहर बन्द करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगाएगा जिसपर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहरबन्दी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्रं 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23 की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार को पूर्यनुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मर्शीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति:

- (क) वे विनियम स्पिनिंग /डब्लिंग फ्रेमों के रिंग रबेथ बोबिनस निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मर्शीनरी निर्माताओं को समिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मर्शीन के भाग के रूप में या अन्य रात्या कोई माल बनाते हैं।

2. परिभाषाएँ:—

- (क) 'माल' का तात्पर्य स्पिनिंग/डब्लिंग फ्रेमों के रिंग रबेथ बोबिनस से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका

नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) को दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी भाल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (इ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति के अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 के क्रं 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करका रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड:—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथा दर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि फ्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विवित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों को संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (डी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(४) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा ८-ए में दी गई है।

(५) समुच्चय को प्रस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा ८-ए में दी गई है।

(५) सुधार तथा अस्वीकृति:—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा लूट को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल की अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाइयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(६) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच को पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(७) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो अस्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारों संबंधित पार्टी की एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिए जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण-पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (५०/०) या तीन बज्जूँ (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(८) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाइयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना :

सारिणी संख्या-१

समुच्चय का नमूने का आकार	स्वीकार्य गुण स्तर	स्वीकार्य अस्वीकार्य संख्या संख्या	
		आकार	स्वीकार्य अस्वीकार्य संख्या
— से 3000 तक	पहला नमूना 32	1	4
	दूसरा नमूना 32	4	5
3001 से 10000	पहला नमूना 50	2	5
तक	दूसरा नमूना 50	6	7
10001 से 35000	पहला नमूना 80	3	7
तक	दूसरा नमूना 80	8	9
35000 से ऊपर	पहला नमूना 125	5	9
	दूसरा नमूना 125	12	13

ख. कच्चा माल बोबिन निम्न में से किन्हीं जातियों की भली प्रकार पकाई गई इमारती लकड़ी या झेता तथा विक्रेता के करारानुसार बनाये जायेंगे :—

व्यापारिक नाम	वानस्पतिक नाम
पचं	बेटुला जाति
हाल्डू	अदीना काढ़फोलिया हुक एफ
केम	मिट्रागिना पर्वीफोलिया कोर्थ
मैपल	असर जाति
मुलीलम	जेन्थे जाइलम रेष्टा सी
	जेन्थो जाइलम बुड़ंगा सी
ह्वाइट सेडार	डिसीजाइलम मलावरीएम बेड

अथवा

बोबिन ऋता तथा विक्रेता की संविदानुसार किसी सिन्धेटिक वस्तु के बनाए जायेंगे।

बूजेन बोबिन बार्फ, पाकेट, चिटकने, गमडकट, जाला, गांठ, फटने, कृमिसूराख तथा ऐसे किसी अन्य प्रकार के वोषों के नष्ट होने की संभावना रहती है।

2. फिनिश :

(क) बोबिनों पर इनेमल या वानिश किया जायेगा तथा वे चिपचिपे नहीं होंगे।

(ख) बोबिनों की सतहें चिकनी तथा खरांच रहित होंगी।

3. धातु परिरक्षक:—

(क) धातु परिरक्षक कम से कम 0.315 मि० मी० की मोटी टिन प्लेट से बनाये जायेंगे अथवा किसी धातु से झेता तथा विक्रेता के करारानुसार बनाए जायेंगे तथा छूट 0.03 मि० मी० होंगी।

(ख) परिरक्षकों को बोबिन के साथ मजबूती से जोड़ा जायेगा।

4. आयाम :

बोबिनों के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूटों समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समाप्त विशेषता/ड्राईग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

- (क) संपूर्ण नम्बार्ड पर छूट ± 1 मि० मी० ।
- (ख) तल के बाहरी व्यास पर छूट ± 0.5 मि० मी०
- बोबिनों को काटकर निम्नलिखित आयाम संबंधी परीक्षण किये जायेंगे। जांच पांच नमूनों पर की जायेगी तथा सभी नमूने विशिष्टिके अनुसार होंगे।
- (ग) लेट आँन की लम्बाई पर छूट ± 4.0 मि० मी० 0.0 मि० मी०
- (घ) बोबिन के तल के अन्वर के व्यास पर छूट $+0.06$ मि० मी० -0.0 मि० मी०
- (ङ) तल पर स्पिडल तथा बोबिन के बीच रेडिकल क्लियरेन्स छूट 0.25 मि० मी० से 0.30 मि० मी० के बीच होगी।

5. फिटिंग :

मानक स्पिडल पर बोबिन की फिटिंग इस प्रकार से होगी कि बोबिन के तल तथा छ्वावं के सिरे की दूरी क्रेता तथा विक्रेता के अनुमोदन के अनुसार तथा ± 2 मि० मी० की छूट सीमा में रहे।

6. उत्केन्द्रिता :

बोबिन की उत्केन्द्रिता किसी योग्य फिक्सर पर दो विन्दुओं (सिरे से 20 मि० मी० नीचे तथा तल से 20 मि० मी० ऊपर) पर जांची जायेगी।

सिरे तथा तल की उत्केन्द्रिता 0.5 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

7. वजन:

बोबिनों का वजन उल्लिखित वजन के ± 4 प्रतिशत के भीतर होगा। प्रयेक 100 के पांच नमूने लिए जाएंगे तथा परीक्षा की जायेगी और सभी नमूने स्वीकार्य विशिष्टियों के अनुसार होंगे।

(9) पेंकिंग :

1. माल को निर्यात के लिए उपयुक्त केसों में भरा जायेगा जो संग्रह, यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

2. निरीक्षित नमूने (टैग/मार्क/मुहर तथा उस पैकेज नम्बरों द्वारा पहचाने जायेंगे)। जिनका उल्लेख जांच रिपोर्ट तथा प्रमाण पत्र में होगा।

(10) मुहर बन्द करना : खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पेक केस पर निरीजक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा

सी० श्रीधरन
सेक्टरी

टेक्सटाइल्स कमिटी, बम्बई

परिशिष्ट 1

आवेदन प्रपद

दिनांक :

सेवा में,

निदेशक,
मशीनरी निरीक्षण कक्ष,
वस्त्र उद्योग समिति,
बम्बई-400009

प्रिय महोदय,

कृपया ————— जिसकी विशिष्टियां
नीचे दी हैं, के निरीक्षण की व्यवस्था कीजिए :—

1. निर्यातक का नाम _____
2. निर्माता का नाम और पता _____
- 2(क) समुद्र पार क्रेता का नाम
तथा पता _____
3. निर्यात संविदा का क्रमांक
और दिनांक (साथ में निर्यात
संविदा की प्रति जोड़ी जाये) _____
4. कितनी मात्रा की संविदा है _____
5. निरीक्षण के लिए कितनी मात्रा
प्रस्तुत की है _____
6. निर्माण संबंधी विशिष्टियां
तथा विशेषताएं (आवश्यक
होने पर अलग पृष्ठ जोड़िए) _____
7. स्थान जहां वस्तु निरीक्षणाथ
प्रस्तुत की जायेगी _____
8. निरीक्षण किस दिनांक को
प्रयोगित है _____
9. निर्यात का स्थान _____
10. प्रेषित माल की एफ० ओ० बी०
की कीमत _____
11. बक्सों की संख्या तथा मार्क
(चिह्न) _____

मवदीय,

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्रं 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (बी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियंति के सिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उत्तिक्षित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम ड्राफिटिंग पद्धतियों के लिए एप्रेन तथा एप्रेन ट्यूब्स निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य ड्राफिटिंग पद्धतियों के लिए एप्रेन तथा एप्रेन ट्यूब्स की है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो कि एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोष-पूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 के क्रं 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि अमरण्य उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरवाही होंगे ताकि कोई

ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।

- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में व्यापारित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विवेशी सहयोग/फर्म में समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विवेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में निश्चित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या में ज्यादा न हो। जिसकी स्वीकृति सैपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या में अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) मुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के द्वारा दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें मुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल की अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल

न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षण परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहाँ जांच की पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5) या तीन बज्रों (जो भी कम होगा) को फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :—

निरीक्षक निम्न नमूनायोजना के अनुसार इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :—

सारिणी संख्या-1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुक्रम दोष-पूर्ण इकाईयों की संख्या
— से 300	13	1
301 से 500	20	1
501 से 1000	32	2
1001 से 3000	50	3
3001 से 10000	80	5
10001 से ऊपर	125	7

(ख) आयाम :

एप्रेन के आयाम संबंधी ब्यौरे निम्न छूट सहित क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

(1) सिन्थेटिक टाप एप्रेन :

(क) मोटाई में छूट 0.1 मि० मि०

(ख) भीतरी व्यास पर छूट :

भीतरी व्यास	छूट क्रम
— से 48 मि० मि० तक	0.3 मि० मि०
48 से 85 मि० मि० तक	0.4 मि० मि०
85 से 90 मि० मि० तक	0.5 मि० मि०
90 से 110 मि० मि० तक	0.8 मि० मि०
110 से ऊपर	1.0 मि० मि०

(ग) चौड़ाई में छूट :

— से 60 मि० मि० तक	+ 0 मि० मि०—0.5 मि० मि०
60 से 100 मि० मि० तक	+ 0 मि० मि०—1.0 मि० मि०
100 से ऊपर	+ 0.5 मि० मि०—1%

(2) सिन्थेटिक बाटम एप्रेन्स :

(क) मोटाई में छूट —0.1 मि० मि० के क्रम में

(ख) भीतरी व्यास पर छूट :

भीतरी व्यास	कुल छूट का क्रम
— से 90 मि० मि० तक	2.0 मि० मि०
90 से 140 मि० मि० तक	3.0 मि० मि०
140 से ऊपर	4.0 मि० मि०

(ग) चौड़ाई पर छूट :

100 मि० मि० तक	+ 0.0 मि० मि०—1.0 मि० मि०
100 से ऊपर	+ 0.0 मि० मि०—1%

(3) चमड़ा एप्रेन :

(क) मोटाई में छूट—0.2 मि० मि० के क्रम में।

(ख) एप्रेन के भीतरी व्यास क्रम पर छूट

50 मि० मि० तक	+ 0.0 मि० मि०—0.2 मि० मि०
50 से ऊपर	+ 0.0 मि० मि०—0.3 मि० मि०

(ग) चौड़ाई पर छूट :

क्रेडल एप्रेन पर + 0.0 मि० मि०—0.5 मि० मि०

रोलर एप्रेन पर ± 0.4 मि० मि०

नोट—1 : एप्रेन ट्यूब्स के मामले में चौड़ाई विशेष निर्धारित सीमा से कम नहीं होनी चाहिए और धारा 8(ई)(11) (वर्कमैनशिप तथा फिनिश) एप्रेन ट्यूब्स पर लागू नहीं होती।

नोट—2 : खुले एप्रेन के मामले में लम्बाई की छूट एप्रेन के भीतरी व्यास के समान ही होगी।

नोट—3 : उपर्युक्त नियम 'अनब्लूफ' एप्रेन पर लागू नहीं होंगे।

नोट—4 : विनियम में जहाँ भी छूट का उल्लेख हो तो उसे निर्माता धारा वर्णित डिजाइन की विशिष्टियों या संविदात्मक विशिष्टियों के अनुसार ही एक एक्शन या ब्रिपक्षीय रूप में प्रहृण किया जायेगा। यदि विशिष्टियां नहीं दी गईं तो छूट सीमा को दोनों पक्षों में समान रूप से माना जायेगा। (उदाहरणार्थ—0.3 की छूट सीमा को ± 0.15 माना जायेगा।)

वर्कमैन शिप तथा फिनिश :—

सिन्थेटिक एप्रेन्स में दरार, फकोले, 0.4 मि० मि० से ज्यादा व्यास वाले छेद तथा बाहरी आवरण संबंधी त्रुटियां नहीं होनी चाहिए।

(9) पैकिंग :—

(1) जिस समुच्चय को निरीक्षण करके पारित किया गया है उसे निम्न तरीके से पैक किया जाये :—

विभिन्न आकारों के एप्रनों को अलग-अलग जल निरोधक-यैलियों में पैक किया जाये। निर्यात किये जाने वालों को इस प्रकार से पैक किया जाये कि वे अपने सफर के दौरान आने वाली कठिनाईयों से बिगड़ न जाये।

(2) यदि माल निरीक्षक की उपस्थिति में न पैक किया गया हो तो यह वह जानने के लिए कि निरीक्षक अथवा स्वीकृत माल ही पैक किया गया है अधिक से अधिक तीन पैक अपनी सन्तुष्टि के लिए खुलवा सकता है।

(10) मुहर बंद करना :—

खंड (9) की धारा (1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इसके लिए आवश्यक सामान मुहर आदि निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23 (क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम ड्राफिटिंग पढ़ति हेतु काट्स एण्ड काट्स ट्रूबस निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

(क) 'माल' का तात्पर्य ड्राफिटिंग पढ़ति हेतु काट्स एण्ड काट्स ट्रूबस से है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हैं जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंग्रेजीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) को दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी भानक (कों) के बारे में एक या अधिक वातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 के क्र० 51) में परिभाषित समस्त गब्द तथा अधिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित भानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा वहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिणिष्ठ-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि ऋता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम से विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग कर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी कर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैप्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिसकी छूट सैप्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा तुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण-पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बज्जूँ (जो भी कम होगा) को फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएं:

निरीक्षक निम्न नमूने योजना के अनुसार इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना:—

सारिणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुज्ञेय दोषपूर्ण इकाईयों की संख्या
— से 100	5	0
101 से 150	8	0
151 से 300	13	1
301 से 500	20	1
501 से 1000	32	2
1001 से 3000	50	3
3001 से 10000	80	5
10001 से ऊपर	125	7

(ख) (1) अनमांउटिड कांट का आयाम:—

अनमांउटिड कांट के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूट समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

(क) अनमांउटिड कांट की दीवार की मोटाई किसी भी दशा में विशिष्ट फिनिश लाइन से कम से कम 0.5 मि० मी० ज्यादा होगी।

(ख) कांट का भीतरी व्यास निर्माता द्वारा उल्लिखित विशिष्टियों के अनुसार होगा और इस पर छूट + 0.00—0.8 मि० मी० होगी किन्तु भीतरी व्यास बी० आर० डी० (बेयर रोलर व्यास) से अधिक नहीं होना चाहिए।

(ग) चौड़ाई उल्लिखित से कम नहीं होगी।

(2) माउंटिड कांट तथा बफ्ट कांट के आयाम

बफ्ट कांट के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूट एवं विस्तार समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग के अनुरूप होंगे।

(क) बाहरी व्यास में छूट ± 0.2 मि० मी०

(ख) चौड़ाई में छूट ± 1.8 मि० मी०

टिप्पणी:—कांट ट्यूब्स की चौड़ाई उल्लिखित से कम नहीं होगी।

(3) कठोरता:—बफ्ट या अनबफ्ट कांट की कठोरता ± 5 शेर छूट के अन्तर्गत विशिष्ट के अनुसार होगी फिर भी किन्हीं दो बिन्दुओं पर अमुक कांट की कठोरता 5 शेर से अधिक नहीं होगी।

वर्कमैन शिप तथा फिनिश :

अनावृत कांटों का बाहरी आवरण सीधा रहित होना चाहिए। जब कांट को माउंट तथा बफ्ट करना हो तो उसके परिष्कृत व्यास के आवरण पर खरोंच या फफोले अथवा बाहरी वस्तु के लिए छिप्रता आदि तुटियां नहीं होनी चाहिए।

अनमांउटिड कांटों का परिष्कार इस रूप में होना चाहिए कि उपरोक्त तुटियों की उपेक्षा भी हो जाये तथा अधिक से अधिक बारीकी भी प्राप्त की जाये।

(4) पैकिंग

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा।

(क) एक ही व्यास तथा चौड़ाई के कांट एक जलनिरीधक पीलीधीन बैग में भरे जायेंगे। निर्यात के लिए ऐसे बैग बोक्सों में रखे जायेंगे जो कि संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

(ख) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पैक न किये गये हों तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उसमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही पैक किये गये हैं पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :—

बंड (४) की धारा (१) के अधीन यथावैक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इसके लिए आवश्यक सामान मुहर आदि निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्रं 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुयति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम रिंग स्पिनिंग तथा डबलिंग फ्रेम स्पिडल इनसर्ट निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य रिंग स्पिनिंग तथा डबलिंग फ्रेम स्पिडलों के इनसर्ट से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी, मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 के क्रं 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा

माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शीत मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/कर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी कर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उत्तेज निरीक्षण विनियम की धारा (भी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संज्ञा उस संज्ञा से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपरिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संज्ञा उस संज्ञा से अधिक हो जायेगी जिनकी छट सैपरिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में ग्रच्छा माल दिया जायेगा अन्याय तुटि को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूमरा माल नहीं दिया गया हो तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संज्ञा इस निरीक्षण विनियम में दी गई छट संज्ञा से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल

न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहाँ जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण-पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण-पत्र को फिर से वैध करने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुस्य इकाईयों की ग्रावश्यक संख्या कहीं से भी चुन कर यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :—

सारिणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुज्ञेय दोषपूर्ण इकाईयों की संख्या
— से 100 तक	5	0
101 से 150 तक	8	0
151 से 300 तक	13	1
301 से 500 तक	20	1
501 से 1000 तक	32	2
1001 से 3000 तक	50	3
3001 से 10000 तक	80	5
10001 से ऊपर	125	7

(ख) 1. कच्चा माल—फुट स्टेप रोलर वियरिंग के लिए :—

(क) रोलर तथा बाहरी रेस निम्न मिलावट के वियरिंग फौलाद में बनेंगे :—

कार्बन	0.9 से 1.2 प्रतिशत
सिलिकाना	0.1 से 0.35 प्रतिशत
मैग्नीज	0.2 से 0.8 प्रतिशत
क्रोमियम	0.9 से 1.6 प्रतिशत
सल्फर	0.035 से प्रतिशत से अधिकतम
फासफोरस	0.02 प्रतिशत से अधिकतम

(ख) प्लेन वियरिंग इन्स्टर्ट के लिए कच्चे माल की मात्रा वही होगी जो ऋता तथा विक्रेता के बीच निश्चित हूई है। भेजने वाले के परीक्षण प्रमाण-पत्र के अनुसार मिलावट

की जांच की जायेगी तथा समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी मिलावट के सत्यापनार्थ परीक्षा करेगी।

2. (क) मंयोजन-फूट स्टेप से वियरिंग के बीच का या इन्स्टर्ट के मिरे का अन्तर निर्माताओं की विशिष्टियों एवं निम्न-लिखित छूटों के अनुसार होगा।

1. रोलर वियरिंग इन्स्टर्ट पर : ± 0.6 मि० मी०

2. प्लेन वियरिंग इन्स्टर्ट पर : ± 1.0 मि० मी०

(ख) इन्स्टर्ट की फिटिंग का व्यास (सामान्य) $+0.00$ मि० मी०— -0.05 मि० मी० की छूट के अन्तर्गत निर्माताओं के विशिष्टियों के अनुसार होगा।

(ग) रोलर वियरिंग इन्स्टर्ट का फिटिंग व्यास (प्रेस फिट प्रकार) -0.00 मि० मी०— -0.025 मि० मी० की छूट के अन्तर्गत निर्माताओं की विशिष्टियों के अनुसार होगा। बाल्सटर में फिट इन्स्टर्ट का निरीक्षण करने के लिए कम से कम तीन नमूने लिये जायेंगे तथा वे सभी नमूने विशिष्टियों के अनुरूप होने चाहिए।

(घ) वियरिंग की धुरी तथा फुट स्टेप की धुरी के बीच मिसहलाइनमेंट 0.025 मि० मी० (0.05) से अधिक नहीं होना चाहिए।

3. (क) वियरिंग : वियरिंग का भोतरी व्यास निर्माताओं की विशिष्टियों तथा निम्न छूटों के अन्तर्गत होगा।

1. रोलर वियरिंग इन्स्टर्ट पर : $+0.005 + 0.022$ मि० मी०

2. प्लेन वियरिंग इन्स्टर्ट पर : $+0.01$ मि० मी० $+ 0.05$ मि० मी०

(ख) रोलर वियरिंग इन्स्टर्ट बाहरी रेस कठोरता में 61—65 आर० एच० सी० के बीच होगा। कम से कम तीन नमूनों पर यह जांच की जायेगी तथा सभी नमूने उपरोक्त वर्णित गुणों के अनुसार होने चाहिए।

4. फुटस्टेप (केवल रोलर वियरिंग इन्स्टर्टों के लिए)

कम से कम तीन नमूने निकाल कर जांचे जायेंगे तथा सब नमूने नीचे दी गई विशिष्टियों के अनुरूप होंगे।

क—फुटस्टेप का कोण : 1 होगा।

ख—फुटस्टेप की क्रिया : $+0.1$ मि० मी०— -0.0 मि० मी० होगी।

ग—फुटस्टेप की कठोरता 62 आर०एच०सी० होगी।

मम्य-समय पर वस्त्र उद्योग समिति द्वारा इसकी जांच होती रहेगी।

(ङ) पैकिंग :—

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा।

1. इन्स्टर्ट यंत्र निरोधक एंजेंट सहित उचित बोक्स में निर्धारित के लिए पैक किये जायेंगे। ताकि वे संग्रह तथा यातायात की समस्त आधारों को सहन करने में समर्थ हों। ये इस प्रकार

भरे जायेंगे कि वे एक दूसरे में दबने या बक्स की शीवाल भे लगने पर न तो झुके और न तो उन पर खड़े होंगे ही आने पायें।

2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक अप्रसिद्धि में पैक न किया गया हो तो वह हस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरे गये हैं, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :—

खण्ड (9) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इस कार्य के लिए आवश्यक समान निर्माता ही उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं. 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्रं. 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र भण्डारी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम स्पिनिंग डबलिंग तथा ट्रिविस्टिंग फेमों के लिए निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के स्पूं में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषा :—

'माल' का नात्पर्य स्पिनिंग-डबलिंग तथा ट्रिविस्टिंग फेमों के लिए में है।

- (ख) समुच्चय का नात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोपूर्ण का नात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई में है। जो विचाराधीन, गुण संवधान मानक(को) के बारे में एक या अधिक बारों में दोषपूर्ण हों।

- (घ) निरीक्षक का नात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं.

41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्रं. 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित माल-नुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहाँ पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक महायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-वास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र मंलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदान की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से ममझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत युनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण युनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिसकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पार्गित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।

(अ) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण के स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहाँ जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राप्तिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके निखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की श्रेष्ठाएँ :—

निरीक्षक इकाईयों की श्रेष्ठता संख्या सारिणी—I में कहीं से चुनकर क्रमांक 2, 3, 4, टेस्ट कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी संख्या—I

रिंगों की संख्या	नमूने का आकार	नमूने की संख्या में छूट	असदृश्य रिंग देस्ट के लिए रिंग संख्या	प्रोफाइल
— से 100 तक	8	0	1	
101 से 300 तक	13	1	2	
301 से 500 तक	20	1	2	
501 से 1000 तक	32	2	3	
1001 से 3000 तक	50	3	3	
3001 से ऊपर	80	5	5	

टिप्पणी :— धारा 8-ए के अधीन सारिणी के 2 नम्बर के कालम के रिंगों की वर्कमैनेशिप, श्रायाम, चपटापन, ओवालिटि तथा कठोरता के संदर्भ में जांच की जायेगी। जब प्रोफाइल निरीक्षण करना होगा तो सारिणी संख्या एक के कालम संख्या चार से रिंग चुने जायेंगे। जो भी रिंग निरीक्षणार्थ चुने जायेंगे वे 8-ए के अधीन धारा 34 में दी गई सभी शर्तों को पूरा करते हों।

(ख) कच्चा माल :—

उल्लिखित कठोरता प्राप्त करने की दृष्टि से रिंग आई० एस० 105 एम० एस० 80 या किसी उचित ऐलोय/कार्बन फौलाद से बनाई जायें।

2. श्रायाम :

रिंगों के श्रायाम संबंधी व्यावेरे निम्न छूट समेत क्रेता तथा विक्रेता के समस्त विशेषता इकाई/अनुमोदित नमूनों के अनुरूप होंगे।

(क) ओवालिटि में छूट होगी :—

भीतरी व्यास ओवालिटि में छूट

— से 41 मि० मी० तक 0.2 मि० मी०

41 से 51 मि० मी० तक 0.3 मि० मी०

51 से 70 मि० मी० तक 0.4 मि० मी०

71 से 90 मि० मी० तक 0.5 मि० मी०

91 से ऊपर क्रेता तथा विक्रेता के समझौते के अनुसार।

(ख) वेब मोटाई में छूट

± 0.05 मि० मी०

(ग) स्पिरिंग फ्रेम के रिंग के फिटिंग व्यास पर छूट :

फिटिंग व्यास छूट

— से 57 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.2 मि० मी०

57 से 72 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.25 मि० मी०

72 से ऊपर क्रेता तथा विक्रेता के समझौते के अनुसार।

डबलिंग तथा ट्रिविसटिंग के रिंग फ्रेम के फिटिंग व्यास पर छूट :—

फिटिंग व्यास छूट

— से 91 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.25 मि० मी०

91 से 140 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.32 मि० मी०

140 से 173 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.4 मि० मी०

173 से 283 मि० मी० तक + 0 मि० मी० — 0.55 मि० मी०

283 से ऊपर क्रेता तथा विक्रेता के समझौते के अनुसार।

(घ) भीतरी व्यास के गिलर पर छूट :

भीतरी व्यास छूट

— से 41 मि० मी० तक ± 0.2 मि० मी० तक

41 से 51 मि० मी० तक ± 0.3 मि० मी० तक

51 से 70 मि० मी० तक ± 0.4 मि० मी० तक

70 से ऊपर ± 0.5 मि० मी० तक

3. कठोरता :

* (30 कि० ग्राम वजन) या 81 से 85 एच० आर० ए०

* (60 कि० ग्राम वजन) या 60 से 67 एच० आर० मी०

* (150 कि० ग्राम वजन) पर रिंग की कठोरता 701 से 900

एच० मी० के बीच होगी।

* ये सब निरीक्षण के मान्य वजन हैं।

4. फिनिशः :

रिंग का अंतिम स्वरूप चिकना होगा तथा खड़े दरोदोदार, वरोदार, खुरदरा, निकला दुआ तथा टेढ़ा मेढ़ा नहीं होगा।

5. रूप रेखा परीक्षा :

प्रोफाइल प्रोजेक्टर से रूप रेखा अन्तर की परीक्षा की जायेगी निर्माता के रूप रेखा मानकों से ± 5 प्रतिशत तक की छूट होगी।

6. अधिक कठोरता वाले रिंगों के बोक्सों के स्थान की गहराई कम में कम 0.25 होगी और समय गमय पर इसकी जांच समिति द्वारा की जायेगी।

7. रिंगस फ्लेट होने वाहिए और जब फ्लेट रिंग फ्लेट पर स्वतंत्र रखा जाये तो ए 0.25 मी॰ का फलीयर गेज रिंग तथा ऊपरी घ्येट में गुजर नहीं सकता।

(9) पैकिंग :—

1. निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा।

रिंगों पर जंग निरोधक आवरण चढ़ा हो, बंडल के रूप में तैल पेपर में लपेटी जायेगी। ऐसे बंडलों की उचित संख्या निर्धारित हेतु समुचित बोक्स में भरी जायेगी जो कि संग्रह तथा यातायात संबंधी बाधाएँ सहन करने में समर्थ हो।

2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पैक न किये गये हों तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित माल ही भरा गया है, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :—

खंड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इस कार्य हेतु आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्धारित के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के भानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) मंक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम रिंग स्पिनिंग फ्रेम तथा उबलिंग फ्रेम (सामान्य तथा प्लगाकार) हेतु स्पिडल निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य रिंग स्पिनिंग फ्रेम तथा उबलिंग फ्रेम स्पिडल (सामान्य तथा प्लगाकार) से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हो जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दणा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिणिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर

छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म के समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों परं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृत सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों परं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना:

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जबकि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाण पत्र:

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 प्रतिशत) या तीन बजसों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की उपेक्षाएँ:

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाईयों की प्रावश्यक संख्या कहां से भी चुनकर यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना:

सारणी संख्या—1

समुच्चय में स्पिडलों की संख्या	नांन डिस्ट्रिक्टिव ट्रेस्टरिंग स्पिडलों की संख्या	अनुशंश दोषपूर्ण स्पिडलों की संख्या
— से 100 तक	9	0
101 से 300 तक	13	0
301 से 500 तक	20	1
501 से 1000 तक	32	1
1001 से 3000 तक	50	2
3001 से 10000 तक	80	3
10001 से ऊपर	125	5

(ख) 1. कच्चा माल : स्पिडल ब्लेड ओम/वाल बियरिंग स्टील से बनाये जायेंगे। भेजने वाले के प्रमाणपत्र के अनुसार डस्की जांच की जायेगी तथा समय समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी संघटकों के सत्यापनार्थ परीक्षा करेगी।

2. आयाम : स्पिडल ब्लेड के आयाम संबंधी व्यास निम्न छूट समेत क्रता तथा विक्रेता के बीच समत विशेषता/ड्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुरूप होंगे।

(क) बियरिंग भाग में स्पिडल के व्यास में छूट + 0.000 मिं 0 मी०—0.015 मिं 0 मी०।

(ख) तल नोंक पर स्पिडल के व्यास में छूट ± 0.015 मिं 0 मी०।

(ग) तल नोंक क्रिया पर छूट + 0.1 मिं 0 मी०—0.0 मिं 0 मी०।

3. रत्नप्राउट : रत्नप्राउट 0.05 मिं 0 मी० से अधिक नहीं होगा तथा इसका स्पिडलों के सिरे से तथा ब्लार्व से मिलान किया जायेगा।

4. कठोरता : स्पिडलों में कठोरता निम्नलिखित अनुसार या इन्पर्ट निर्माताओं की अनुसार होगी।

तल नोंक से 7 मिं 0 मी० : 58 से 64 एच०ग्रार० सी० (बियरिंग भाग) कम से कम 58 एच०ग्रार० सी०

बियरिंग भाग की जांच के लिए कम से कम तीन नमूनों की जांच की जायेगी तथा सभी नमूने अपेक्षानुरूप होने चाहिए।

टिप्पणी : प्लेन बियरिंग इन्पर्ट में लगने वाले स्पिडलों की कठोरता (नोंक तथा बियरिंग भाग पर) विक्रेता के बीच हुए समझौते के अनुसार होगी।

5. श्रल्मोनियम प्लग वाले स्पिडलों में बटन सतह से कम से कम 0.7 मिं 0 मी० निकले रहेंगे।

6. वर्कमेनेशिप तथा फिनिश : स्पिडलों पर फफोले, दरारे, मुरदरापन, जंग के निशान तथा सतह संबंधी दोष नहीं होने चाहिए।

(9) पैकिंग :

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय को निम्न रीति से पैक किया जायेगा।

(क) स्पिडल, जिन पर जंग निरोधक आवरण चढ़ा होगा, उचित बोक्सों में नियर्ति के लिए भरे जायेगे ताकि वे संग्रह, यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को महसून करने में समर्थ हों। ये इस प्रकार भरे जायेगे ताकि वे एक दूसरे से दबने या बोक्स के ढीवार से लगने पर न तो झुक़े और न खुरदरहे हों।

(ख) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या मार्थक उपस्थिति में न पैक किये हों तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित माल ही भरा गया है, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खंड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इस कार्य हेतु आवश्यक सामान निर्भाता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियर्ति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के 1की तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी, 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान ले तहे।

(1) संक्षिप्त नाम परंपरा प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम रिंगस्पिनिंग तथा उबलिंग फैमों के लिए वार्प ट्यूबों के लिए निरीक्षण विनियम 1980 कहनाये।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के स्प में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिमापाएँ :—

(क) 'माल' का तात्पर्य रिंग स्पिनिंग तथा उबलिंग फैमों के लिए वार्प ट्यूबों से है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों, जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए, अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी

मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(मै) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के अनुसार मुद्रार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियाँ वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमण: उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्राप्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल ग्रेड किया जा सके जो कि अपेक्षित भानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करते हेतु पाक सहायक उपस्थित रहेंगा। निरीक्षण हेतु सभी खास व्याप्र आवश्यक मामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र मंलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि ऐसा तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए. में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिसकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 78-ए. में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा दृष्टि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरोक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकता जबकि उसे वहाँ जांच की पूर्ण मुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकती।

(7) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसको जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वेच्छा नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिये जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध करने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:—

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर यथादर्शित निरीक्षण कर सकता।

नमूना योजना

सारणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	स्वीकार्य गुण का स्तर	स्वीकृति अस्वीकृति	संख्या
1	2	3	4	
3000 तक				
प्रथम नमूना	32	1	4	
द्वितीय नमूना	32	4	5	

	1	2	3	4
3001 से 10000 तक				
प्रथम नमूना	50	2	5	
द्वितीय नमूना	50	6	7	
10001 से 35000 तक				
प्रथम नमूना	80	3	7	
द्वितीय नमूना	80	8	9	
35001 से ऊपर				
प्रथम नमूना	125	5	9	
द्वितीय नमूना	125	12	13	

(ख) 1. कच्चा माल :—

वार्ष ट्यूबे क्राफ्ट पेपर से मिन्थेटिक अथवा ओता तथा विक्रेता के बीच हुए समझौतेनुसार सामान से बनाई जायेंगी। वार्ष ट्यूब का ऊपरी भाग क्रेता तथा विक्रेता द्वारा अनुमोदित सेपल के अनुरूप/विशिष्टियों/ड्राइंग के अनुरूप ही चिकना होगा। सिरे पर मोड़ी गई पेपर ट्यूबों की सूरत में ऊपरी सिरा गोलाकार तथा चिकना होगा।

ख. धातु परिरक्षक :—

ओता तथा विक्रेता के समझौते, अनुमोदित नमूने/विशिष्टियों/ड्राइंग के अनुसार वार्ष ट्यूबों में धातु की शिल्डें लगाई जायेंगी। इन धातु शिल्डों की मौटाई कम से कम 32 प्र० से 32 प्र० डब्ल्यू० जी० हो।

5 नमूने निकाल कर जांचे जायेंगे तथा वे उपयुक्त विशिष्टियों के अनुरूप होंगे।

2. आयाम :—

वार्ष ट्यूबों के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूट समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुरूप होंगे।

फिट तथा सम्पूर्ण लम्बाई सम्बन्धी छूट निम्न प्रकार हो :—

लम्बाई	लम्बाई पर छूट
— से 230 मि० मी० तक	± 1.5 मि० मी०
230 से 300 मि० मी० तक	± 2.0 मि० मी०
300 से 340 मि० मी० तक	± 2.5 मि० मी०
340 से 380 मि० मी० तक	± 3.0 मि० मी०
380 से ऊपर	± 3.5 मि० मी०

फिट छूट :—स्पिडल पर ट्यूब का फिट किसी बिना आवश्यक दबाव तथा मर्गोड़ के गेज की ओर ट्यूब ढुका कर जांचा जायेगा यदि ट्यूब का तल गेज पर मार्क दो रेखाओं के अन्तर्गत होगा तो ट्यूब फिट की दृष्टि से मंतोपजनक मानी जायेगी। गेज पर ट्यूब के प्रमाणित तल की सामान्य स्थिति से ± ½ के अन्तर पर दो

रेखायें खींची जायेगी। 'वी' का मान (मूल्य) निम्न प्रकार में जात होगा—

$$\begin{array}{r} \text{डी०} \times 3 \\ \text{वी०} = \\ \hline 10 \end{array}$$

जहां वी० = फिट छूट तथा
डी० = तन का भीतरी व्यास

3. उत्केन्द्रता:—

उचित जांच फिक्सर पर ट्यूब की उत्केन्द्रता जांची जायेगी जो कि 0.50 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

4. वजन:—

बोबिनों का वजन वही होगा जिसकी ओता तथा विक्रेता के बीच संविदा हुई हो। परिवर्तन + 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। वार्प ट्यूबों की अवस्था में औमत वजन ट्यूब के ($1\text{ मैट्रिग्रेड} \pm 2\text{ सेंटीग्रेड}$) औक्षण शृंख वजन + आद्रेता पुनःप्राप्ति 10% के बराबर होगा। प्रत्येक 100 के पांच नमूने लेकर जांचे जायेंगे तथा स्वीकृति हेतु विणिष्ठियों के अनुसृप्त होंगे।

5. पानी सोखना:—

यदि ट्यूबें रूम तापमान पर 30 मिनट तक पानी में भीगें तो वजन 5% से अधिक नहीं होना चाहिए। इसकी जांच समय समय पर वस्त्र उद्योग समिति द्वारा की जायेगी। पांच नमूने सिए जायेंगे और सभी नमूने अपेक्षाओं के अनुसृप्त होने चाहिए।

6. फिनिश:—

वार्प ट्यूबों के ऊपरी तल की फिनिश चिकनी होनी चाहिए।

(9) पैकिंग :

निरीक्षित तथा पारिन अनुच्चय निम्न रीति से पैक किया जाये:—

(क) नियति के लिए वार्प ट्यूबें उचित बोक्सों में भरी जायेंगी जो संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

(ख) यदि माल निरीक्षक को प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पैक न किये गये हों तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेंगा।

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड (9) की धारा (1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इसके लिए ग्रावश्यक सामान मुहर आदि निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संग्राधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) नथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करने हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मणिनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करते हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र से सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) मंक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम रिंग स्पिनिंग तथा ड्रॉलिंग फेमों के लिए इस्पात ट्रावेलर्स के लिए निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मणिनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मणिन के भाग के रूप में या अन्य रूप्त्वा कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

(क) 'माल' का तात्पर्य रिंग स्पिनिंग तथा ड्रॉलिंग फेमों के लिए इस्पात ट्रावेलर्स से है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्त्रों के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विवाराधीन, गुण संबंधी मानक(कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोष-पूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने में पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानु-मारन हो।

(ख) अस्त्रीकृत समुच्चय फिर में निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं में उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

- (ग) पूर्वी निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित छोड़ में एक टेब्ल के पास खाद्य जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ महायता प्रदान करने हेतु एक महायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु भभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिस्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिणिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छटों के अनुसार होगा यदि त्रेता तथा वित्रेता के बीच हम निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चन्तर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदान की गई हो। इस अवस्था में उच्चन्तर तथा निकटतर छटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म में समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) मुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) उस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अछला माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें मुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिटों की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या में अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छट संख्या में अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के

निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जबकि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाग्रापत न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुस्पष्ट इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना
मारिणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का	स्वीकार्य गुण	विशेष कठोरता
आकार	स्वीकार्यता	अस्वीकार्य	आकार
अमांक	अमांक	लचक	जांच

— से 3000 तक

पहला नमूना	20	1	4	5
दूसरा नमूना	20	4	5	5

3001 से 10000

पहला नमूना	32	2	5	8
दूसरा नमूना	32	6	7	8

10001 से 35000

पहला नमूना	50	3	7	13
दूसरा नमूना	50	8	9	13

35000 से ऊपर

पहला नमूना	80	5	9	20
दूसरा नमूना	80	12	13	20

वर्कमैनशिप के नियम, गेप की चौड़ाई का निरीक्षण कालम संख्या 2 में उल्लिखित ट्रैवलर्स संख्या के दूसरे नमूने लेकर की जायेगी। दूसरा नमूना लेना तभी आवश्यक होगा जबकि अस्वीकार्य ट्रैवलर्स की संख्या कालम 3 से बढ़ जायेगी और कालम 4 में दी गई संख्या से कम होगी।

कठोरता, आकार तथा तत्त्वावधीक्षण के लिए कालम क्र० 5 के अनुस्पष्ट ट्रैवलर्स संख्या ली जायेगी तथा भभी ट्रैवलर अपेक्षाओं के अनुस्पष्ट हों। वजन के लिए ट्रैवलर्स के दो सैट [धारा 8ख (7)]

के अनुसार] जबकि समुच्चय संख्या 10000 हो और यदि यह संख्या 10000 से ज्यादा हो तो 5 सैट ट्रैवलर्स में विभागित की जायेगे।

(ख) कच्चा मान :

1. धारा 8 (बी) के (4) में उल्लिखित कठोरता प्राप्त करने में सक्षम इस्पात प्रयोग किया जाये :

2. वर्कमनशिप तथा फिनिश :

ट्रैवलर्स का सिरा चिकना तथा चमकदार होना चाहिए ; जंज तथा निमिति की अन्य छुटियों से भी मुक्त होना चाहिए। (सारिणी संख्या—1 के अनुसार)

3. गैप की चौड़ाई :

रिंग ट्रैवलरों के लिए ट्रैवलरों के सिरों से बीच अन्तर की छूट ± 0.25 मि० मि० से अधिक नहीं होगी। (नमूने के लिए सारिणी क्र० 1 देखिए)

4. कठोरता :

ट्रैवलर कठोर तथा संतुलित होंगे। 1, 2½, 5 क्र० ग्राम के वजन पर विकट कठोरता जांची जायेगी। ट्रैवलर्स के आकार पर छूट निम्न प्रकार से होगी।

(1) रिंग फ्रेम ट्रैवलर्स:

सं० 10 से ज्यादा वजन पर	= 500—600 एच० बी०
10 से 17/0	= 580 = 677 एच० बी०
संख्या 17/0 से कम वजन पर	= 580 = 701 एच० बी०

(2) रिंग डबलिंग फ्रेम ट्रैवलर्स की कठोरता निम्न होगी:-

कठोरता 485 से 700 एच० बी० के बीच होगी। यदि विशेष आकार या डिजाइन के रिंग डबलिंग ट्रैवलर्स हो तो कठोरता सीमा 100 एच० बी० से अधिक नहीं बढ़ेगी।

5. रिंग फ्रेम ट्रैवलर पर तनाव परीक्षण :

रिंग फ्रेम ट्रैवलरों की उचित कठोरता की परीक्षा ठीक परीक्षण स्थायक पर तनाव परीक्षण द्वारा की जायेगी। ट्रैवलरों के दोनों सिरों के बीच का अन्तर जबकि उसके सिरों की परीक्षण स्थायक पर खींचा गया हो उसके टूटने के समय 2.5 मि० मी० से कम तथा 6 मि० मी० से अधिक नहीं होगा।

6. रूप रेखा :

ट्रैवलर के आकार की परीक्षा आकार प्रोजेक्टर पर की जायेगी। निर्माता द्वारा दिये गये मानकों, ड्राइंग से अन्तर $\pm 3\%$ सीमाओं के भीतर रहेगा।

7. वजन पर छूट :

ट्रैवलरों की वजन संख्या पर छूट

ट्रैवलर संख्या

वजन किये जाने वाली ट्रैवलर संख्या

6 ग्राम तथा अधिक वजन वाले 100

ट्रैवलरों में

10

6 ग्राम से कम वजन वाले 100

ट्रैवलरों में वजन पर छूट $\pm 3\%$ रहेगी

100

(9) पैकिंग :

1. निरीक्षित दवा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा :—

(क) ट्रैवलर अच्छे छिक्कों में भरे जायेंगे जो संग्रह, यातायात तथा सामान उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

(ख) धातु के ट्रैवलर पोलिथीन बैग में उचित जंग निरोधक के साथ बन्द किये जायेंगे ताकि रखने में उनकी फिनिश खराब न हो।

2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पैक न किया गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने के लिए कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुपोदित भास्त ही पैक किये हैं अधिक से अधिक तीन पैक डब्बेकिस खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक छिक्कों/किसों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उच्चोग समिति का मार्क होगा।

इसके लिए आवश्यक समान मुहर आदि निर्माता उपलब्ध करवायेगा।

वस्त्र उच्चोग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उच्चोग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उच्चोग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :

(क) ये विनियम सिलिन्डर, डॉफर लिकर-इन गारनेट वायर तथा सॉव ट्यूब वायर फॉर वूलेन वर्सटेंड रोलर तथा बेस्ट कार्डंस के लिए धातुमय कार्ड क्लोरिंग वायर निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रीत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ:—

- (क) 'माल' का तात्पर्य सिलिन्डर डॉफर्, लिकर-इन गारनेट वायर तथा सॉबूथेड वायर फॉर बूलेन वर्सटेड रोलर तथावेस्ट कार्डस के लिए धातुमय कार्ड क्लोदिंग वायर है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्थृत तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंग्रेजीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (झ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना:—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं में उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दृष्टि में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिषिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड:—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता

किसी विदेशी गहर्यांग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति संपर्किंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट संपर्किंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दीरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा तुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल की अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पार्ही जायेंगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच को पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक गमुच्चय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक हो होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 प्रतिशत) या तीन बज्जूं (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:

निरीक्षण निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी अं०—1

रोल में समुच्चय का आकार	रोल में नमूने का आकार	अनुशेष्य दोषपूर्ण इकाईयों की संख्या
—से 50 तक	.	5 0
51 से 100 तक	.	8 0
101 से 150 तक	.	13 0
151 से 300 तक	.	20 1
301 से ऊपर	.	32 1

(ख) कच्चा भाल :

1. धातु कार्ड क्लोर्डिंग श्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त कार्बन इस्पात या अच्छे इस्पात से बनाया जायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति कच्चे माल के परीक्षण के लिए समय पर नमूने लेगी।

2. फिनिश : धातु वायर के दांते चिकने होंगे तथा उनमें खुरदरेपन या जंग के दाग नहीं होने चाहिए।

3. नम्यता : धातु वायर की नम्यता की परीक्षा एक सिलिन्डर पर लपेट कर की जायेगी। जिसका आयाम 125 मि० मी० होगा। वायर टूटा हुआ या अलग हुआ नहीं होगा।

5. विभिन्न बंडलों में से प्रत्येक 20 फुट के पांच नमूने लेकर उनकी परीक्षा की जायेगी तथा सभी नमूने उपयुक्त स्वीकृति संबंधी विशिष्टयों के अनुरूप होने चाहिए।

4. आयाम : धातु कार्ड क्लोर्डिंग के आयाम संबंधी और निम्न छूट समेत श्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/डाईंग/ अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे :—

चैक सीमा बिन्दु

छूट

	पिच	दांते का कोण	वायर की ऊँचाई	तल की मोटाई	सिरे की कठोरता	तल की कठोरता
1. डांफर वायर	± 0.5 मि० मी०	± 0.30	± 0.03 मि० मी०	± 0.02 मि० मी०	± 3 एच० आर० सी०	± 2 एच० आर० सी०
2. सिलिन्डर वायर	± 0.05 मि० मी०	± 0.30	± 0.03 मि० मी०	± 0.02 मि० मी०	± 3 एच० आर० सी०	± 2 एच० आर० सी०
3. लिकर इन वायर	± 0.1 मि० मी०	± 0.30	± 0.05 मि० मी०	± 0.05 मि० मी०	± 2 एच० आर० सी०	± 2 एच० आर० सी०

कठोरता : सिलिन्डर तथा डांफर की नोंक और तल के दांते को कठोरता श्रेता तथा विक्रेता के द्वारा अनुमोदित नमूने की विशिष्टियों/डाईंग में दी गई छूट के अनुसार होगी, जिसका उल्लेख सारिणी संख्या (4) में है।

गारमेन्ट वायर तथा सैल ट्रूथेड वायर (वूलेन और बर्सटेड के लिए) रोलर तथा बेस्ट कार्ड के तल तथा नोंके दांते की कठोरता श्रेता तथा विक्रेता के बीच अनुमोदित नमूने की विशिष्टियों/ डाईंग के अनुसार ± 3 एच० आर० सी० या समान एच० वी० के अनुरूप होगी।

प्रत्येक नमूने के रोल के 8 (बी), (2), (4) तथा (5) परीक्षण किये जायेंगे।

(9) पेकिंग :

1. निरीक्षित तथा पारिन समुच्चय निम्न गीति से पैक किया जायेगा।

(क) धातु वायर पर अच्छे जंग निरोधक का लेप किया जायेगा।

(ख) वायर अच्छे फिरकियों पर लपेटा जायेगा।

(ग) फिरकियों नियति के लिए अच्छे केसों में भरी जायेंगी जो यातायात, संग्रह तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित माल ही भरा गया है, अधिक से अधिक तीन केस खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खंड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पेक केस पर निरीक्षक मुहर लगायेगा। जिस पर वस्त्रउद्योग समिति का मार्क होगा।

इस कार्य के लिए आवश्यक सामान निर्माता ही उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रवान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है:—

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :

- (क) ये विनियम स्पीड फ्रैम के लिए प्लायर बोबिन निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के हूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :

- (क) 'माल' का तात्पर्य स्पीड फ्रैम के लिए प्लायर बोबिन।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक(कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (झ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वहीं अर्थ रखेंगी जो कि क्रमांक: उन्हें अधिनियम में हिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं

किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं में उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली-भांति प्रकाशित घोड़े में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दणा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिस्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतीकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथावृक्षित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता स्था विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदिकोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (नी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति संपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट संपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के द्वारान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा नुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं विद्या गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना :

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर से जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र:

प्रत्येक समूच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैश्य कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर की जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएं :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाइयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी घुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी अधीक्षक : 1

समूच्चय का आकार	नमूने का आकार	स्वीकार्य गुण	
		विशेष स्तर	स्वीकार्यता अस्वीकृति
		क्र०	कार्यता
3000 तक	प्रथम नमूना	32	2 5
	द्वितीय नमूना	32	6 7
3001 से 10000	प्रथम नमूना	50	3 7
	द्वितीय नमूना	50	8 9
10001 से	प्रथम नमूना	80	5 9
	द्वितीय नमूना	80	12 13

(ख) कल्पा माल : बोधिन निम्न में से किन्हीं जातियों की भली भांति पकाई हुई शारीरी लकड़ी या क्रेता तथा विक्रेता के बीच करारनामानुसार बनाये जायेंगे।

व्यापारिक नाम	वानस्पति नाम
(1)	(2)
बीच	फागस जाति
बर्च	बेटुला जाति
हालू	ग्रीटीना कार्बोकोलिया
कैम	हुक एफ मिट्रागिला पर्वो फेलिया कोर्ड

(1)	(2)
मेपल	असर जाति
मुलीलम	जेन्याजाइलम
छाइट सेडार	रेस्टा झी सी
	डीसीडाइस्लस मलाबारी
	एम बेड

2. फिनिश : बोधिन के टिम्बर बार्ड पाकेट चटकने, गमडब्ट, जाला, गांठ, फटने छुमिसुराख जैसे दोषों तथा ऐसे किसी अन्य प्रकार के दोषों से मुक्त होंगे जिनसे कि फ्लायर बोधिनों के जीवन या उपयोगिता के नष्ट होने की संभावना रहती है।

सभी प्रकार के फ्लायर बोधिनों की सतहें चिकनी तथा खरांच रहत होंगी।

3. धातु परिरक्षक : सभी लकड़ी के फ्लायर बोधिनों के ऊपर तथा तल पर धातु परिरक्षक जोड़ा जायेगा। परिरक्षक टिन या टैरी प्लेट के बनाये जायेंगे जिनकी मोटाई कम से कम 0.315 (30 एस० डब्ल्यू० जी०) मि० मी० होगी। टिन प्लेट से अन्य किसी धातु के लिए मोटाई निर्माता की विशिष्टि के अनुसार होगी तथा छूट ± 0.03 मि० मी० होगी। इसकी जांच 5 नमूनों पर की जायेगी। एवं सभी पांचों नमूनों को विष्ट गेज के अनुसार ही होना चाहिए।

परिरक्षकों को बोधिन के साथ मजबूती से जोड़ा जायेगा।

4. आयाम : बोधिनों के आयाम संबंधी व्यौरे निम्न छूटों समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/डार्टिंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे :—

चेक सीमा	लकड़ी के बोधिनों सिन्थेटिक बोधिनों पर छूट
क. पूरी लम्बाई	± 2.5 मि० मी० ± 1.5 मि० मी०
ख. बाहरी व्यास (बेरल)	± 0.8 मि० मी० ± 0.5 मि० मी०
ग. ऊपर का भीतरी व्यास	± 0.5 मि० मी० ± 0.1 मि० मी०
घ. तल का भीतरी व्यास	± 0.5 मि० मी० ± 0.2 मि० मी०
ड. तल का बाहरी व्यास	± 0.8 मि० मी० ± 0.5 मि० मी०

5. चिपचिपापन : बोधिन चिपचिपे नहीं होने चाहिए। यदि अंगूठे से बोधिन पर दबाव डालने से वह चिपक नहीं जाता या अंगूठे का चिह्न बोधिन पर आता है और वह चिह्न सुखे कपास से पोंछने पर मिट जाता है तो ही बोधिन को चिपचिपाहट से रहित माना जायेगा। इसके लिए कम से कम पांच नमूने लिए जायेंगे और सभी को अपेक्षाओं के अनुरूप होना चाहिए।

(9) पैकिंग :

1. निरीक्षित तथा पारित समूच्चय को निम्न रीति से पैक किया जायेगा। बोधिनों को निर्धारित के लिए अच्छे केमों में भरा जायेगा, जो संग्रह, यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

2. यदि माल निरीक्षक की सार्थक अधिकार प्रत्यक्ष उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना सामाधान करने के लिए कि उनमें केवल निरीक्षित या अनुमोदित माल ही भरा गया है, पैक बोक्सों या केसों में से अधिक से अधिक तीन पैक केस खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक केसों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

इस कार्य के लिए आवश्यक समान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का अ. 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संघोधन अधिनियम 1973 (1973 का अ. 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी) तथा (ई) और इसी अधिनियम की धारा 4 को उपधारा 2 के अधीन स्थान को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मणीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) मंक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम लूम के शटल में उपयोग के लिए सीधे तथा पुनर्विलित वेफ्टपर्न निरीक्षण विनियम 1980 कहनायें।
- (ख) यह मणीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि कोई मणीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषा :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य लूम के शटल में उपयोग के लिए सीधे तथा पुनर्विलित वेफ्टपर्न।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्त्रों के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण वी हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक(कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (च) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (झ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का अ. 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार

विनियम 1973 (1973 का अ. 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई गोपा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहाँ पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदान की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रभाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति संपर्किंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट संपर्किंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा तुटि को दूर किया जायेगा।

- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं दिया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तरीं करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर से जा सकेगा जबकि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से बैद्य कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) यातीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ : निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं भी चुनकर नीचे पथादिगित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना :

सारिणी संख्या-1

	समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	स्वीकार्य गुण का स्तर	स्वीकृति अस्वीकृति	क्र०	क्र०
- से 3000	प्रथम नमूना	32	1	4		
तक	द्वितीय नमूना	32	4	5		
3001 से 10000	प्रथम नमूना	50	2	5		
तक	द्वितीय नमूना	50	6	7		
10001 से 35000	प्रथम नमूना	80	3	7		
तक	द्वितीय नमूना	80	8	9		
35000 से ऊपर	प्रथम नमूना	125	5	9		
	द्वितीय नमूना	125	12	13		

ख. कच्चा माल : पर्न निम्न किन्हीं जातियों के भली प्रकार पकाई गई इमारती लकड़ी या क्रेता तथा विक्रेता के करारानुसार बनाए जायेंगे।

व्यापारिक नाम	वानस्पतिक नाम
बीच	फांगम जाति
बच्च	बेटुला जाति
हाल्द	अदीना कार्डिफोलिया हुक एफ०
केम	मिट्रागिना पर्वीफोलिया लोर्ध
मेपल	अमर जाति
मुलीलम	जेन्थो जाइलम रेस्टाडी सी सेन्थोजाइलम बुडुंगा डी० सी०
ब्लाईट सेडार	डिसीजाइलम मलाबारी एम० बेड

2. फिनिश :

क. पर्न के टिम्बर वार्क पॉकेट, चिटकने, गमडकट, जाला, गाठ, फटने, क्रमिसूराख जैसे दोषों तथा ऐसी किसी अन्य प्रकार के दोषों से मुक्त होंगे जिनसे कि वेफट पर्नों के जीवन या उपदेयता नाट होने की संभावना रहती है।

ख. वेफट पर्नों पर इनेमल या वानिश किया जाएगा तथा पर्न की सतहें चिकनी तथा खरोंच रहत होंगी पद वाले पर्नों की स्थिति में पद के किनारे गोल बनाए जाएंगे।

3. धातु परिरक्षक : पर्नों के ऊपर तथा नीचे तल पर धातु परिरक्षक जोड़ा जाएगा। परिरक्षक टिन प्लेट से बनाए जाएंगे जिसकी मोटाई न्यूनतम 0.315 मि० मी० (30एस० डब्ल्यू० जी०) होंगी तथा परिरक्षकों की पर्न पर मजबूती से जोड़ा जाएगा। इसकी जांच 5 नवीन नमूनों पर की जाएगी तथा समस्त नमूने उपरोक्त अनुसार ही होंगे।

4. पर्न चेजिंग लूमों के पर्न अपेक्षित रिंगों के साथ जोड़े जाएंगे रिंगों स्प्रिंग फौलाव वायर से बनाई जाएंगी, जिसकी व्यास कम से कम 2.5 मि० मी० तथा अधिक से अधिक 2.8 मि० मी० होगा तथा फिनिश जंग अवरोधक होंगी। इन रिंगों को पर्नों पर मजबूती से जोड़ा जाएगा। इसकी जांच 5 नमूनों पर की जाएगी। एवं समस्त नमूने उपर्युक्त अनुसार ही होंगे।

5. आयाम; पर्नों के आयाम संबंधी अधौरे निम्न छूटों एवं परिक्षणों समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग/अनुमोदित तमूने के अनुसार होंगे।

(क) मंपूर्ण लम्बाई पर छूट ± 1 मि० मी०

(ख) आधार के बाहरी व्यास ± 0.2 मि० मी०—0.00 पर छूट (स्वयंचालित मि० मी० लूमों पर)

(ग) आधार पर बाहरी व्यास ± 0.5 मि० मी०

पर छूट (सार्व लूमों के लिए)

(घ) निम्न आयाम संबंधी परीक्षण टेपर फिर पर्नकाटकर किए जाएंगे। इनमें 5 नमूनों की जांच की जाएगी तथा समस्त नमूने उल्लिखित छूटों के अनुमान होंगे।

लेट आंन की लम्बाई पर छूट + 4 मि० मी०—0.00 मि० मी० पर्न के तल के छिद्र के भीतरी व्यास पर छूट + 0.5 मि० मी०—0.00 मि० मी०।

(इ) स्वयंचालित लूमों के लिए पर्न:

रिंगों में व्यास के बाहर छूट + 0.7 मि० मी०—0.00 मि० मी०।

(च) बोक्सिंग के आधार पर तथा प्रथम रिंग के बीच की दूरी पर छूट ± 0.2 मि० मी०।

(छ) रिंगों के बीच से बीच की दूरी पर छूट—0.2 मि० मी०।

8. टेपर फिट पर्न की फिटिंग (डायरेक्ट केस्ट पर्न)

(क) टेपर फिट समेत पर्न के टेपर की जांच गेज पर की जाएगी तथा मानक पर्न के आधार की नियत स्थिति से ± 2 मि० मी० की दूरी पर मार्क की गई दो लाइनों के बीच होगा।

गेज टेपर क्रेता तथा विक्रेता के बीच सहमत पर्न टेपर के बराबर होगा।

(ख) मानक स्पिण्डल पर पर्न फिटिंग इस प्रकार होगी कि पर्न के पल तथा स्पिण्डल के ब्हार्वर्च की नोंक के बीच की दूरी क्रेता तथा विक्रेता के बीच सहमत छूट ± 2 मि० मी० के अनुसार होती।

7. उत्केन्द्रिता : टेपर फिट सहित पर्नों की स्थिति में पर्न की उत्केन्द्रिता की परीक्षा बोक्सिंग के दो बिन्दुओं (ऊपर से 20 मि० मी० बीचे तथा तल से 20 मि० मी० ऊपर) ठीक स्थायक पर स्थिर करके की जाएगी। सिरों की उत्केन्द्रिता 0.5 मि० मी० से अधिक त ही होगी।

8. वजन : 100 पर्नों का कुल वजन उल्लिखित वजन के ± 4 प्रतिशत के भीतर होगा। प्रत्येक 100 के पांच नमूने लिए जायेंगे तथा परीक्षा ली जाएगी तथा सभी नमूने स्वीकार्यार्थी विशिष्टियों के अनुसार होंगे।

9. नमी अवरोधकता : निम्नांकित टेस्ट के समय टेपरफिट स्पिण्डल के पर्न 3.5% से अधिक नमी के लिए हुए नहीं होते चाहिए।

पर्न का वजन कर के एक घर्टे तक उसे 500° सेंटी० पानी में रखें बाद में वजन करने पर यदि वजन 3.5 प्रतिशत से अधिक नहीं बढ़ा तो उसे नमी अवरोधक माना जाए। कम से कम पांच नमूने वर्णित विधि द्वारा जांचे जायेंगे सभी नमूनों को विशिष्टियों के अनुसार होना चाहिए।

(9). पैकिंग :

निरीक्षित तथा पारित समृच्छय निम्न रौति से पैक किया जाएगा :

(क) पर्नों को नियति के लिए उपयुक्त केसों में भरा जाएगा जो संग्रह तथा यातायात तथा उठाने—रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

(ख) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में न पैक किया गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित माल या अनुमोदित माल ही भरा गया है, बंद केसों में से अधिक से अधिक तीन

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक केस पर निरीक्षक मुहर लगाएगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा। मुहर बंदी के आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करवाएगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (ड०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति बोर्डीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मणीनरं सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरस्त (दिनांक 23 जनवरी, 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रबुद्धितः—

(क) ये विनियम लूमों के लिए पैकिंग स्टिक्स/साइडलिवर निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मनशीरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए भव निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मणीन के भाग के रूप में या अन्य रूप द्वारा कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएः—

(क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए पैकिंग स्टिक्स/साइडलिवर।

(ख) समृच्छय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों, जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अक्षयाग्रित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के आरे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।

(ब) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(द) इन विनियमों में प्रयुक्त विश्वु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के अनुसार सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियाँ वहीं अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिषिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि ऐसा तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोष-पूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायगी जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा छूट को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर से जो सके गा जब कि उसे वहीं जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति ; की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी का एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच को जायगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएं :

निरीक्षण निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाईयों की आवश्यकता संख्या कहीं से भी छुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी संख्या —I

समुच्चय का आकार	आयामों अनुज्ञेय वजन के दोषपूर्ण के लिए लिए इकाईयों नमूने नमूने की संख्या
—से 150 तक	13 1 3
151 से 300 तक	20 1 5
301 से 500 तक	32 2 8
501 से 1000 तक	50 3 13
1001 ऊपर	80 5 20

पिकिंग स्टिक्स/साइड लिवर स्टिक्स की वह संख्या जो कालम क्र० 4 में दी गई है और जिस पर वजन संबंधी

परीक्षण करना है, ये मंष्या कालम क्र० 2 में से चुनी जायेंगी और प्रत्येक इकाई का मान अपेक्षा के अनुमार होना चाहिए।

(ब) कच्चा माल : पिंकिंग स्टिक्स/साइड लिवर स्टिक निम्न किन्हीं जातियों की इमारती लकड़ी या श्रेता तथा विक्रेता के करारानुसार बनाये जायेंगे।

ओवर पिक लूमों के लिए

व्यापारिक नाम	वनस्पतिक नाम
क. हल्के रंग की (एक्सल) लकड़ी	अनेजीसस लेटीफालिया वाल
ख. बबूल	अकेसिया अरेबिका बिल्डे
ग. थामन	ग्रिदिया टिलोफालिया वाल
घ. हिंकरी	हायकोरिया जाति
ड. लॉरेल	टर्मिनेलिया आमेंटोसा
च. लेदी	वाईट एट आर्म लंगरस्ट्राणिया पर्वाफिलोरा राक्स
छ. संदान	अर्जीनिया ऊजीनेसिस (राक्स)
ज. सीसम	हारेट
झ. हल्का रंग तेंदू	डलंबजिया सो राक्स
झ. सफेद चुगलम	डायोस्कीरस मेंलावजाइनस
त. पलकीय लकड़ी	राक्स
	टर्मिनेटिया वायलेट/स्ट्रॉबेल

अन्डर पिक लूमों के लिए : पिंकिंग स्टिक्स/साइड लिवर स्टिक निम्न जातियों की इमारती लकड़ी से बनाये जायेंगे।

व्यापारिक नाम	वनस्पतिक नाम
क. बबूल	अनेसिया अरेबिका बिल्ड
ख. हल्के रंग की (एक्सल) लकड़ी	अनोजीसस लेटाफालिया वाल
ग. थामन	ग्रीविया टिलोफालिया वाल
घ. फलकीय लकड़ी (परतों वाली)	

2. किनिश तथा दोषमुक्तता :

क. पिंकिंग स्टिक/साइड स्टिक की चिकनी सतह होगी तथा श्रेता चाहे तो उनपर वार्निश की जायेगी।

ख. पिंकिंग स्टिक/साइड स्टिक लिवर फेक, फटने गांठ, जाला, गम्बेन, वार्क पाकेट, अमिसुराख, खुले जोड़ो आदि तथा किस ऐसे अन्य दोषों से मुक्त होंगे जिनसे कि पिंकिंग स्टिक/साइड लिवर स्टिक के जीवन तथा उपयोगिता नष्ट होने की संभावना हो।

आयाम—पिंकिंग स्टिक/साइड लिवर स्टिक के आयाम संबंधी व्योरे निम्न छूटों समेत श्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/श्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे—

क. लम्बाई पर छूट ± 3 मि० मी०

ख. घोटाई तथा चौडाई पर छूट ± 0.5 मि० मी०

ग. व्यास पर छूट

± 2 मि० मी० (पिंकिंग स्टिक/साइड लिवर स्टिक की स्थिति में केवल ओवर पिक लूमों के लिए) ।

घ. अण्डर पिक लूमों के लिए छिद्र के व्यास पर छूट

± 0.00 मि० मी०—
0.03 मि० मी०

इ. अण्डर पिक लूम पिंकिंग स्टिक्स तथा साइड लिवर के लिए वार्पिंग पर छूट एक भीटर पर 1 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

ज. तल से पहले छिद्र की ऊंचाई पर छूट ± 1 मि० मी०

झ. प्रत्येक दो छिद्रों के बीच की छूट ± 1 मि० मी०

ज. काप्रेसड लकड़ी से बने पिंकिंग स्टिक्स/साइड विरेष्ट के बजन पर छूट ± 3 प्रतिशत

झ. प्राकृतिक लकड़ी से बने पिंकिंग स्टिक्स/साइड लिवर स्टिक पर छूट ± 5 प्रतिशत

4. आपेक्षित या विशिष्ट धनत्व :—

पलकीय लकड़ी से बनी पिंकिंग स्टिक्स का विशिष्ट धनत्व निम्न प्रकार से होगा :

क. प्रति क्यूबिक फुट में 60 से 85 पाउंड तक की वजन वाली ओवर पिक स्टिक्स पलकीय लकड़ी से बनाई जायेगी।

ख. प्रति क्यूबिक फुट में 70 से 75 पाउंड तक के वजन वाली अण्डर पिकस्टिक्स पलकीय लकड़ी से बनाई जायेगी।

5. परतों का टेस्ट : जो पिंकिंग स्टिक्स पलकीय (परतों वाली) लकड़ी से बनें होंगी उन की जांच निम्न रीति से होगी :—

पिंकिंग स्टिक की कोई भी सुविधा वाली आयामों की एक पी० सी० को लेकर एक घन्टे तक पानी में उबाला जायेगा। उबालने के बाद पी० सी० को वजन के हृथोड़े से थोट की जायेगी।

यदि परतों में ज्यादा अन्तर नहीं आता तो नमूने को पारित कर दिया जायेगा। इस विधि से प्रत्येक समुच्चय में से 2 नमूने लेकर जांचे जायेंगे।

(9) पेंकिंग :

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पेंक किया जायेगा।

क. पिंकिंग स्टिक/साइड लिवर स्टिक नियांत के लिए अच्छे केसों में भरी जायेंगी जो संग्रह तथा यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

ख. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पेंक न किया हो तो वह इस बारे में अपना सामाधान करने हेतु

कि उसमें केवल पारित या निरीक्षित माल ही भरा गया है बन्द केसों में से अधिक से अधिक तीन पैक केस खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथो पेक्षित पैक केस पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करवायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम वार्डिंग मशीन के लिए बूँदेन कोन्स (लकड़ी के शंकु) निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रूपों कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएः :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य वार्डिंग मशीन के लिए बूँदेन कोन्स (लकड़ी के शंकु) से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोष-पूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई

ऐसा भाल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार नहीं।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित भाल भली भाँति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि फ्रेता तथा विफ्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदान की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैर्पिलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैर्पिलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा लूटि को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल की अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल

न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच को पूर्ण सुविधा प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्रः—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्त्रीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैद्य कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 प्रतिशत) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षायें :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथाविधित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना :

सारिणी संख्या—1.

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुज्ञेय दोषपूर्ण इकाईयों की संख्या
— से 150 तक	8	1
151 से 300 तक	13	1
301 से 500 तक	20	2
501 से 1000 तक	32	4
1001 से ऊपर	50	7

ख. कच्चा माल : लकड़ी के शंकु नीचे यथादर्शित पकाई गई इमारती लकड़ी से या क्रेता तथा विक्रेता के करारानुसार बनाये जायेंगे।

व्यापारिक नाम	वानस्पतिक नाम
1	2
क. अमारी	अमूरा जाति
ख. बोला	माँरत सीबीगेटा बाल
ग. घैम्प	मायकेलिया घैम्पिया लिन
घ. चिलक्रेसी	चकेसिया ताक्कुलेरिस अड्डनुसे
ड. हाल्दू	अदीना कार्डिफोलिया हुक एफ
च. हाच्ची पेला	ओटेरो स्पर्म असेरी फोलियम बिल्ड
छ. केम (कलम)	मिट्राजीना पर्वी फोलिया (रोक्स)

1	2
ज. कुजू कुर्ची (कुदिस)	होलेरिना अन्टीडिसेन्ट्रीका बाल
झ. ल्हाइट सेडार	डिजीजाइलम मेलाबोरियम बडे

उपयोग में लाया गया माल वार्क पॉकेट चीक या क्रेक गमडक्ट, जाला, गांठ, फटने तथा ऐसे अन्य दोषों से मुक्त होगा, जिनसे शंकु के जीवन या उपायदेयता के प्रभावित होने की संभावना है।

2. फिनिश : शंकु की सतह चिकनी होगी।

3. आयाम : शंकु के आयाम सम्बन्धी व्यौरे निम्न छूटों समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/ड्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

(क) संपूर्ण लम्बाई पर छूट ± 2.0 मी॰

(ख) आधार के बाल्य व्यास पर छूट ± 1.0 मी॰

(ग) ऊपर के बाल्य व्यास पर छूट ± 1.0 मी॰

(घ) सुराख के भीतरी व्यास पर छूट ± 0.5 मी॰

4. वजन : शंकु के वजन की गणना ओवन शुष्क वजन पर शंकु के 105° सेंटीग्रेड से 110° सेंटीग्रेड तापमान पर जहां उसका शुष्क वजन स्थिर होता है वह वजन + 10% आव्रता के लिये जोड़कर होगा तथा विशिष्टियों के अनुसार 4 होगा।

5. उत्केन्द्रता : शंकु की उत्केन्द्रता की परीक्षा एक उचित परीक्षण स्थायर पर को जायेगी। आधार पर रन आउट 0.50 मी॰ से अधिक नहीं होगी। ऊपर के भाग में रन आउट 1.5 मी॰ से अधिक नहीं होगी।

(9) पैकिंग

1. निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा :—

क. लकड़ी के शंकु नियति के लिये अच्छे केसों में भरे जायेंगे जो संग्रह तथा यातायात और उठाने रखने की बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

ख. यदि माल निरीक्षक की सार्थक या प्रत्यक्ष उपस्थिति में भरा न गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान हेतु कि इसमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है, बन्द केसों में से अधिक से अधिक तीन पैक केस खोल सकेगा।

(10) मुहर बन्द करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथा पेक्षित पैक केस पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बन्दी के लिये प्रावस्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्रं 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्रं 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की

उपनिधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपनिधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियर्ति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम लूमों के शटल निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रौप्यां कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए शटल से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (झ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में व्यापकीय मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि इतांत तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रभाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायगी जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अत्यथा लूटि को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दो गई छूट संख्या से अधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेंगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैद्य करने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बज्जूं (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएः निरीक्षक निम्न योजना के अनुरूप इकाइयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी घुनकर नीचे यथावृश्टि निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना

सारिणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुज्ञेय दोषपूर्ण इकाइयों की संख्या
—से 25 तक	3	0
26 से 50 तक	5	0
51 से 100 तक	8	0
101 से 150 तक	13	1
151 से 300 तक	20	1
301 से 500 तक	32	2
501 से ऊपर	60	3

ख. कब्जा माल: शटल का ढांचा निम्नलिखित में से किसी भी एक अच्छे तरह पकाई गई लकड़ी से बनाया जायेगा

व्यावसायिक नाम	वानस्पतिक नाम
बर्च	तंदु
कोरनल	खरसू श्रोक
मैपल	ब्हाइट सेडार
रबर बुड़	हार्न बीम

या

फ्रेता या विक्रेता के बीच हुए करारानुसार कच्चा माल प्रयोग किया जायेगा।

2. शटल का ढांचा अच्छी तरह संशोधित तथा सीधा होगा और उस पर चीक, दरार, जाला, गोंद की शिरा, छाल के टुकड़े या कीड़ों के काटने के छिद्र और 3 से अधिक पिन गाठे नहीं होंगे। और अन्य कोई ऐसा दोष नहीं होगा जिससे शटल के जीवन या उपादेयता के प्रभावित होने की संभावना हो।

3. नोंक

(क) नोंक या तो कोनेक्स आकार की या सीधी कोनिक आकार की होगी।

(ख) 30 किलो ग्राम का भार 15 सेकेण्ड पर रखने पर नोंक की कठोरता 520 से 590 एच० वी० (विकर) के बीच होगी। वस्त्र उद्योग समिति समय समय पर इसकी जांच करेगी।

4. आयाम: शटल के आयामों का व्यौरा निम्न छूट

समेत ओता और विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/द्राइंग/प्रनु-मोटिव नमूने के अनुसार होगा।

आटो लूम में प्रयुक्त शटलों की लम्बाई में छूट ± 1 मी० मी०

नान आटो लूम में प्रयुक्त शटलों की लम्बाई में छूट ± 2.0 मी० मी०

आटो लूम में प्रयुक्त शटलों की चौड़ाई में छूट ± 0.5 मी० मी०

नान आटो लूम में प्रयुक्त शटलों की चौड़ाई में छूट ± 1.0 मी० मी०

ऊचाई में आगे और पीछे छूट (आटो लूम की शटलों के लिये) ± 0.5 मी० मी०

ऊचाई में आगे और पीछे छूट (नान आटो लूम शटलों के लिये) ± 1.0 मी० मी०

मोटाई में आगे पीछे की दीवार पर छूट ± 0.5 मी० मी०

शटल के कोण में छूट ± 0.5

शटल की केवाटी में खुले स्थान पर छूट ± 0.5 मी० मी०

5. सीधा: पर्न शटल के भीतर बैठाने पर आमने सामने भीतरी दोनों दीवारों में समान अन्तर पर रहेगा। प्रत्येक तरफ का अन्तर 1.0 मी० से अधिक नहीं होगा।

6. जीभ: जीभ लगे शटल में सम्बन्ध में जीभ जरा सा ऊपर उठाते हुए और फिर छोड़ने पर जल्दी पीछे हट कर मूल स्थिति में आ जायेगी।

7. तेल में भिगोना: बड़ी लकड़ी से अन्य लकड़ी के शटल अलसी के कच्चे तेल या अन्य किसी उचित तेल में अच्छी तरह भिगोये जायेंगे। इस के लिये कम से कम तीन नमूने जांचे जायेंगे। एवं सभी नमूने अपेक्षानुरूप होने चाहिये। वस्त्र उद्योग समिति समय समय पर इसकी जांच करेगी।

8. शटल का अवनमन: पर्न के समेत या पर्न के बिना के शटल दोनों सिरों के रखने पर पीछे की दीवार या सामने की ओर अपेक्षानुरूप ढरकेंगे।

9. वजन: शटल का वजन ओता तथा विक्रेता के करारानुसार ही होगा। इसमें अन्तर $\pm 5\%$ से अधिक नहीं होगा।

10. ड्रोपिंग टेस्ट: कास्ट आयरन प्लेट पर एक मोटर की ऊचाई से शटल सीधी गिराने से उसकी नोंककी धार खराब नहीं होनी चाहिये।

(9) पैकिंग:

निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा:—

(क) प्रत्येक शटल पोलिथीन के बैग में पैक कर के मुहर बन्द किया जायेगा। शटलों के बैग्जल बोधक उन्हें नियात के लिये अच्छे बक्सों में रखा जायेगा। जो संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

- (ख) प्रत्येक बण्डल क्राफ्ट पेपर में लपेटा जायेगा।
 (ग) धातु से बने सभी भागों पर जंग निरोधक इन्हें का लेप किया जायेगा।
 (घ) नोंकों की सुरक्षा के लिये एक मोटी दफती का टुकड़ा शटल के नोंकों के सामने बण्डल के एक तरफ रखा जायेगा।
 2. यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपरिधित में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित भाल ही भरा गया है, ऐक बक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बन्द करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मोहर बन्दी का आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई गणितयों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उत्कीर्णित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी, 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

- (क) ये विनियम वाईंडिंग मशीन के लिए कोन/चीज निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।
 (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को मिमिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रूपों कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएः :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य वाईंडिंग मशीन के लिए कोन/चीज से है।
 (ख) समुच्चय का तात्पर्य बस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों, जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।
 (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हो।

- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
 (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अधिकृतियां वही अर्थ रखेंगी जो कि ऋमणः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
 (ख) अस्वीकृत समुच्चय किर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण कर लिया हो।
 (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
 (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथावृत्ति मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी महयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
 (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
 (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी। जिनकी छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति:—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा लुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाइयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निमता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निमता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिमकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाणपत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुसार होने वाली इकाइयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

क. नमूना योजना :

सारिणी संख्या 1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार स्वीकार्य गुण विशेष का स्तर			
	स्वीकार्य संख्या	अस्वीकार्य संख्या		
1	2	3	4	
— से 3000 तक	पहला नमूना	32	1	4
3001 से	दूसरा नमूना	32	4	5
10000 तक	पहला नमूना	50	2	5
10001 से	दूसरा नमूना	50	8	7
		80	3	7

	1	2	3	4
35000 तक	दूसरा नमूना	80	8	9
35001 से	पहला नमूना	125	5	9
150000 तक	दूसरा नमूना	125	12	13
150001 से	पहला नमूना	200	7	11
500000 तक	दूसरा नमूना	200	18	19
5,00,000 से	पहला नमूना	350	11	16
ऊपर	दूसरा नमूना	350	26	27

ख. कठ्ठा माल : कोन चीज मिल ओड़े या उसी प्रकार के अन्य बोर्ड/प्लास्टिक या अन्य किसी वस्तु से छेता या विक्रेता के समझौते के अनुसार बनाये जायेंगे।

2. आयाम : कोन/चीज के आयाम सम्बन्धी बौरे निम्न छूट समेत छेता तथा विक्रेता के चीज समस्त विशेषता/शाइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

कोन/चीज की सम्पूर्ण लम्बाई पर छूट :—

लम्बाई	छूट
— से 200 मि० मी० तक	± 1.5 मि० मी०
200 से 250 मि० मी० तक	± 2.0 मि० मी०
250 मि० मी० से ऊपर	± 1.50 मि० मी०

चीज के भीतरी व्यास पर छूट ± 0.5 मि० मी० होगी।

3. कोन का फिटिंग परीक्षण : कोन को फिट की जांच अनावश्यक दबाव तथा मरोड़ के बिना प्लग गेज पर जिसका टेपर कोन के कोण के बराबर होगा की जायेगी। कोन का प्राधार गेज पर अंकित दो रेखाओं के बीच होगा। गेज पर मानक तल की सामान्य स्थिति से $\pm \frac{1}{2}$ की दूरी पर दो रेखाएँ अंकित होंगी। भी का मान 3.2 मि० मी० होगा।

4. उत्केन्द्रिता:—कोन चीज की उत्केन्द्रिता किसी उचित जांच फिक्सर पर जांची जायेगी। जो 1.0 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

5. वजन :—कोन/चीज का वजन वही होगा जिसकी छेता तथा विक्रेता के बीच संविदा हुई हो। परिवर्तन ± 8 प्रतिशत से अधिक नहीं होगा। औसत वजन $103^\circ \pm 2^\circ$ सें. तापमान पर ओवन मुख वजन + आद्रता पुनः प्राप्ति हेतु 10 प्रतिशत के बराबर होगा।

प्रत्येक 100 के पांच नमूने लेकर जांच की जायेगी तथा उन्हें स्वीकृति हेतु [विशिष्टियों के अनुरूप होना होगा।

6. ढाल :—शंकु की ढाल निम्न होगी:—

शंकु कोण	छूट
4° से 21° तक	± 0°-10°
4° से 21° के ऊपर	± 0°-20°

पांच नमूने लेकर जांचे जायेंगे और सभी स्वीकृति हेतु ऊपर दो गई विशेषियों के अनुरूप होना होगा।

7. फिनिश : कोन की फिनिश सादी, खंचिदार, उभरी हुई बाल्टेड या फलाँक होगी। कोनों का ऊपरी किनारा गोलाई में मुड़ा हुआ तथा नोंक से कम से कम 10 मि० मी० तक पालिश होना चाहिये। जहां विशिष्टी अनुसार कोनों की टॉपर पर रंग किया जाये तो वह ऐसा हो कि प्रयोग में लाने पर न लगे। कोन के स्तरों में अन्तर नहीं होगा ऊपर बाली स्तर को भली प्रकार मजबूती से जोड़ा जायेगा। कोन की टॉप कोई फ्रेक नहीं होगा तथा आकृति सम्बन्धी अन्य कोई दोष नहीं होना चाहिये।

(8) पैकिंग :

- 1. निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा :—

निर्यात के लिये कोन/चीज उचित बोक्सों में भरे जायेंगे जो संग्रह, यातायात तथा उठाने, रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

2. यदि माल निरीक्षक को प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है, पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बन्द करना :

खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षित मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बन्दी के लिये आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मणीनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करते हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम लूमों के लिए इस्पात के चपटे हील निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मणीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मणीन के भाग के रूप में या अन्य रीत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

(क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए इस्पात के चपटे हीलों से है।

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित घोड़े में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हों) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरणभूत संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका

उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति संपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट संपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिटों की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल की अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ते जा सकेगा जबकि उसे अर्हां जांच को पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में की जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृत अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिये जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण-पत्र को किर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5 %) या तीन बजसों (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी संख्या-1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	स्वीकार्य गुण का स्तर			
		स्वीकार्य संख्या	अस्वीकृति संख्या	कार्य संख्या	संख्या
— से 10000	पहला नमूना	50	2	5	
	दूसरा नमूना	50	6	7	
10001 से 35000	पहला नमूना	80	3	7	
	दूसरा नमूना	80	8	9	
35001 से 150000	पहला नमूना	125	5	9	
	दूसरा नमूना	125	12	13	
150001 से 500000	पहला नमूना	200	7	11	
	दूसरा नमूना	200	18	19	
500001 से ऊपर	पहला नमूना	315	11	16	
	दूसरा नमूना	315	26	27	

(ख) कच्चा माल : चपटे हील्ड कोल्ड रोल्ड कार्बन फोलाव से जिसकी पोलिश अच्छी तथा किनारे गोल मुड़े हों एवं चिकने हों। जिसमें कार्बन की मात्रा 0.3 और 0.7 प्रतिशत के बीच में होगी भेजने वाले के परीक्षण प्रमाणपत्र के अनुसार उसकी जांच की जाएगी। वस्त्र उद्योग समिति भी समय-समय पर संघटन के सत्यापनार्थ परीक्षा करेगी।

(2) आयाम : फोलाव के चपटे हिल्डों के आयाम संबंधी और निम्न छूट समेत केता और विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/डाइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे। (नमूनों के लिए सारिणी-1 देखिए)।

(क) लम्बाई में छूट ± 0.5 मि० मी०

(ख) मुख्य धुरी के सिरे के लूप पर छूट ± 0.5 मि० मी०

(ग) गौण धुरी के सिरे के लूप पर छूट -0.2 मि० मी० + 0.1 मि० मी०

(घ) सूत के छेद की चौड़ाई पर छूट ± 0.1 मि० मी०

(ङ) सूत के छेद की लम्बाई में छूट ± 0.1 मि० मी०

(च) पट्टी की मोटाई में छूट ± 0.02 मि० मी०

(छ) पट्टी की चौड़ाई में छूट ± 0.1 मि० मी०

(ज) सूत के छेद के मध्य बिन्दु के हील्ड के केन्द्र से स्थिति निर्माता की विशेषता के अनुसार होगी। छूट ± 0.5 मि० मी०

(3) प्लेटिंग : हिल्डों पर केता तथा विक्रेता के समझौते के अनुसार योग्य धातु की प्लेटिंग की जाएगी।

(4) फिनिश : हिल्ड चिकने तथा जंग, क्रैक तथा ऐसे अन्य दोषों से मुक्त होंगे जो धागा टूटने का कारण बन सकते हैं। सूत छेदों के नोकीले कोने नहीं होंगे।

(9) पैकिंग :

(1) निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न रीति से पैक किया जाएगा :—

क. हील्ड में उचित वस्तु के बने धारे डाले जायेंगे जो उठाने रखने संबंधी क्रियाओं को सहन करने में समर्थ हों।

ख. धारे से बंधे हील्ड के सेट्स/प्लेट उचित नभी निरोधक बोक्सों में नियत के लिए पैक किए जाएंगे।

(2) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्वक उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उनमें केवल निरीक्षित माल ही भरा गया है पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक बोक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना :

खण्ड 8(1) के अधीन यथापेक्षित पैक केसों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा। जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध कराएगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) को उपधारा (डॉ०) तथा (ई०) और दूसी अधिनियम की धारा 4 को उपधारा 2 के अवान्यन को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियत के लिए वस्त्र मर्शनरी सामान के मानकों तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उत्तिष्ठित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति :—

(क) ये विनियम लूमों के लिए ट्रैकिन वायर हील्ड/इनसेट मैल वायर होल्ड/कॉनटेक्ट निरीक्षण विनियम 1980 कहनायें।

(ख) यह मर्शनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मर्शन के भाग के रूप में या अन्य रीतया कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

(क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए ट्रैकिन वायर हील्ड/इनसेट मैल वायर होल्ड कॉनटेक्ट वायर हील्ड सेट

(ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों, जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगेकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) को दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक(कों) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(झ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभावित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभावित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभावित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरवायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित माननुसार न हो।

(ख) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं ने उसका पुनः निरीक्षण न करलियाहो।

(ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।

(घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

(क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि त्रैता तथा विक्रेता के बोच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों को संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

(ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो। जिसको स्वीकृति संपर्किंग प्लान की धारा 8-ए में दो गई है।

(ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या से अधिक हो जायेगी।

जिनकी छूट संपत्तिग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा स्थीकृति-

(क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दोषान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि को दूर किया जायेगा।

(ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया गया तो उस या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्थीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से प्रधिक न हो।

(ग) निरीक्षक माल को अस्थीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से प्रधिक संख्या में पाई जाएंगी।

(6) नमूनेका लेना:—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण सुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में को जा सकेंगी।

(7) प्रमाण-पत्र:—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षक द्वारा की गई और जो स्थोकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति प्रधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र को वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक हो जाएगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैध कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (500) या तीन बक्सों (जो भी कम होगा) को फिर से जांच की जाएगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ:

निरीक्षक निम्न सूचना योजना के अनुरूप इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूने योजना :—

सारिणी संख्या 1

समुच्चय का आकार		नमूने का आकार स्वीकृति का स्तर			
		स्वीकृति अस्थी-संख्या कृति सं०			
1	2	3	4		
— से 10000 तक	पहला नमूना	50	2	5	
	दूसरा नमूना	50	6	7	
10001 से 35000	पहला नमूना	80	3	7	
तक	दूसरा नमूना	80	8	9	

1	2	3	4
35001 से 150000 तक	पहला नमूना 125 दूसरा नमूना 125	5 12	9 13
150001 से 500000 तक	पहला नमूना 200 दूसरा नमूना 200	7 18	11 19
500001 से ऊपर	पहला नमूना 315 दूसरा नमूना 315	11 26	16 27

(1) संघटक : ट्रिपन वायर/इनसेट मेल वायर कार्बन फौलाद वायर से बनाए जायेंगे जिसमें 0.35 प्रतिशत से 0.65 प्रतिशत के बीच कार्बन की मात्रा होगी। भेजने वाले के परीक्षण प्रमाण पत्र के अनुसार उसकी जांच की जाएगी। समय-समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी कुछ नमूने लेकर सत्यापन करेगी।

(2) मरोड़ जांच : 85 कि० ग्रा० एफ०/एम० एम०² से कम नहीं होना चाहिए। भेजने वाले के परीक्षण प्रमाण पत्र के अनुसार इसकी जांच की जाएगी। समय समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी कुछ नमूने लेकर सत्यापन करेगी।

(3) आयाम : वायर हील्ड के आयाम संबंधी ब्यौरे निम्न छूट समेत क्रेता तथा विक्रेता के बीच समस्त विशेषता/श्राद्धग/ तथा अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे। नमूनों के लिए सारणी क्रमांक 1 देखिए।

(क) इनसेट मेल की सतह या धागे के छिद्र की गोण धुरी तथा सिरे की लूपों की सतह 45° के कोण पर होगी तथा छूट ± 5 अंश होगी।

(ख) नम्बाई में छूट (सिरों के लूपों के भीतरी भाग से) ± 1.0 मि० मी०

(ग) सिरे के लूपों की मुख्य धुरी में छूट ± 1.0 मि० मी०

(घ) सिरे के लूपों की गोण धुरी में छूट ± 0.2 मि० मी०

(ङ) ट्रिवन वायर हील्ड के धागे छिद्र की मुख्य धुरी में छूट ± 0.2 मि० मी०

(च) ट्रिवन वायर हील्ड के धागे के छिद्र की गोण धुरी में छूट ± 0.1 मि० मी०

(ज) वायर के व्यास में छूट :

व्यास	छूट
— 0.55 मि० मी० तक	± 0.01 मि० मी०
0.58 मि० मी० से ऊपर	± 0.02 मि० मी०

(4) मी० जांच : दो भिन्न भिन्न बिन्दुओं पर विरुद्ध दिशा में इस प्रकार मोड़ने पर जिससे दो अर्धगोल जिनका व्यास वायर के व्यास के दस गुना हों पर दरार पड़ने टूटे हुए कणों के या टूटने के कोई चिन्ह नहीं होंगे। यह जांच प्लेटिन वायर की प्लेटिंग हटा कर की जाएगी।

पांच नमूने लेकर जांचे जाएंगे और सब नमूने स्वीकृति हेतु उपर्युक्त जांच के अनुसूच होंगे।

(5) आकार : मिरे के दोनों लूपों की मुख्य धुरी को जोड़ने वाली रेखा तथा वायर हील्ड की मुख्य धुरी की रेखा समान्तर रहेगी।

मिरे के दोनों लूपों की गोण धुरी एक छड़ी सतह पर होंगी।

(6) फिनिश : वायर हील्ड की सतह चिकनी होगी और दरार, जंग, तीव्रे कोने तथा ऐसे अन्य दोषों से मुक्त होगी जिससे धागा टूटने की संभावना हो। वायर के दो हिस्सों को जोड़ने से उभरे स्थान की प्लेटिंग नहीं की जाएगी।

(7) प्लेटिंग/शोल्डरिंग : चमकदार, चिकनी तथा ऐसा ऐसी दूसरे दोषों से मुक्त होगी जिससे धागा टूटने की संभावना हो। वायर के दो हिस्सों को जोड़ने से उभरे स्थान की प्लेटिंग नहीं की जाएगी।

(9) पैकिंग :

(1) निरीक्षित तथा पारित समुच्चय निम्न तरीके से पैक किया जायेगा :—

क. हील्ड में उचित वस्तु के बने धागे डाले जाएंगे जो उठाने रखने की क्रियाओं को सहन करने में समर्थ हों।

ख. धागे से बंधे हुए हील्ड के बंडल फिर अच्छे बोक्सों में नियति के लिए भरे जायेंगे।

(2) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में न भरा गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु कि उसमें केवल निरीक्षित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है पैक बोक्सों में से अधिक से अधिक तीन बोक्स खोलेगा और देख सकेगा।

(10) मुहर बंद करना : खण्ड 9(1) के अधीन यथापेक्षित पैक बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी के लिए आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करायेगा।

वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से नियति के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) नियन्त्रण नाम प्राप्ति :—

- (क) ये विनियम लूमों के लिए पिच ब्राउण्ड वायर रीड्स/ सर्वधातु रीड्स निरीक्षण विनियम 1980 कहानायें।
- (ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रीत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएँ :—

- (क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए पिच ब्राउण्ड वायर/ सर्वधातु रीड्स से है।
- (ख) समुच्चय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण को हों जिनका नमूना ले हर जांच करने हुए अभीकरण अवधारित किया जाता है।
- (ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (को) के बारे में एक या अधिक बातों में दोषा पूर्ण हों।
- (घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल की जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।
- (ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभार्ता पत तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के मुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि क्रमशः उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना :—

- (क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।
- (ख) अस्त्रीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं में उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास रखा जायेगा जहां पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-I) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।

(4) निरीक्षण मानदण्ड :—

- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथा दर्शित मानकों परं छूटों के अनुसार होगा यदि क्रेता तथा विक्रेता

के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदान की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी०) में किया गया है। निर्माता को इस संधंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।

- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनको छूट सैपलिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) सुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा द्रुटि को दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स को संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल की अस्वीकृत तभी करेगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होंगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयों विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकता जब कि उसे वहां जांच की पूर्ण मुविधाएँ प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में को जा सकती।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक नमूनचय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण पत्र की वैधता उसके लिये जाने के बाद तीन माह तक हो दी जायेगी। इस प्रमाण पत्र को फिर से वैद्य कराने के लिए कुल मंथन का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बक्सों (जो भी कम होंगा) को फिर की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :

निरीक्षक निम्न नमूना योजना के अनुरूप इकाईयों की आवश्यक संख्या कहीं से भी चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना

सारिणी संख्या 1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुबंध दोषपूर्ण इकाईयों की संख्या
— से 15 तक	2	0
15 से 25 तक	3	0
26 से 50 तक	5	0
51 से 100 तक	8	0
101 से 150 तक	13	1
151 से 300 तक	20	1
301 से ऊपर	32	2

(ख) कच्चा माल : रीड के दांते चमकदार माइल्ड फौलाद के चपटे तारों से बनाये जायेगे जिसमें कार्बन 0.25 प्रतिशत तथा सल्फर फासफोरस की मात्रा 0.08 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी। भेजने वाले के परीक्षण प्रमाणपत्र के अनुसार रसायनिक संघटकों की जांच की जायेगी। समय-समय पर वस्त्र उद्योग समिति भी संघटन के सत्यापनार्थ परीक्षा करेगी।

2. फिनिश :

- (क) रीड जंग रहित तथा लम्बाई भर में सीधी एक सी होगी।
- (ख) दांते पोलिश किये हुए तथा सिरे गोल और चिकने होंगे।
- (ग) सब धातु की रीड तथा बॉल्क के बीच में दांते ढंके हुए होने की स्थिति में शोल्पर दांतों की ओर छुका हुआ नहीं होना चाहिए।
- (घ) पिच बाउण्ड रीड की स्थिति में पिचें एक बॉल्क से दूसरे पर झुकी हुई नहीं होगी तथा उन पर पेपर का कवर नहीं होगा।

3. आयाम : रीडों के आयाम संबंधी व्याप्रों निम्न छूट समेत क्रेता तथा क्रिक्रेता के बीच अनुमोदित नमूने तथा समस्त विशेषता/डाइंग के अनुसार होंगे।

- (क) रीड का काउण्ट निर्माता की विशिष्टियों के अनुसार होगा।
- (ख) पूरी लम्बाई में छूट ± 2 मि० मी०।
- (ग) पूरी ऊंचाई में छूट ± 1 मि० मी०।
- (घ) कार्यकारी ऊंचाई में छूट ± 2 मि० मी०।
- (ङ) बाल्क की मोटाई में छूट ± 1.0 मि० मी०।

पिच बाउण्ड रीड के संबंध में ± 0.25 मि० मी०।
सब धातु की सब रीडों के संबंध में ± 0.25 ।

(च) दांतों की गहराई में छूट ± 0.02 मि० मी०।
(केवल एक रीड के)

रीडों के समूह में दांतों की गहराई में छूट
0.04 मि० मी०।

(छ) दांते के कोण में छूट:

पिच बाउण्ड रीड के लिए ± 2.1
धातु की सब रीडों के लिए ± 1.1

(ज) दांतों की चौड़ाई (मोटाई) में छूट ± 0.01 मि० मी०।

(1) सिरे वाले दांते की चौड़ाई में छूट—
पिच बाउण्ड रीड के लिए ± 0.5 मि० मी०।
सब धातु की रोडों के लिए ± 0.25 मि० मी०।

4. दांतों के बीच का अंतर तथा नम्यतः— रीड के दांते सीधे तथा एक से होंगे। वे नम्य तथा सबदां अपने उसी स्थान पर रहेंगे।

5. दांतों की अलास्टमेंट: सभी दांते एक ही सतह में होंगे उनका अंतर किसी भी स्थान पर 0.15 मि० मी० से अधिक नहीं होगा। सभी धातु ही रीडों तथा पिच बाउण्ड रीड की स्थिति में अंतर सीमा 0.3 मि० मी० होगी। इसका परीक्षण 150 मि० मी० लंबे सीधे कोने से किया जायेगा।

(9) पेंकिंग:—

(1) निरीक्षित तथा पारित समूच्चय निम्न रीति से पैक किया जायेगा:

(क) हर रीड पर जंग निरोधक लेप किया जायेगा। उसे इस प्रकार सोम कागज में लपेटा जायेगा कि सभी दांते पूरी तरह ढंक जायें।

(ख) अधिक से अधिक छह/बारह रीडों का बंडल बांधा जायेगा जो कि जल निरोधक कागज या अल्काधीन में अच्छी तरह लपेट कर बांधा जायेगा।

(ग) नियति के लिए रीडों के गठने अच्छे बाक्सों में रखे जायेंगे जो बाहर भेजते समय यातायात, संग्रह, उठाने रखने की सामान्य बाधाओं के सहन करने में समर्थ हों।

(2) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थक उपस्थिति में पैक न किया गया हो तो वह इस बारे में अपना समाधान करने हेतु उनमें केवल निरीक्षित या अनुमोदित माल ही भरा गया है पैक बाक्सों में से अधिक से अधिक तीन बाक्स खोल सकेगा।

(10) मुहर बंद करना:— खण्ड 9 (1) के अधीन यथा-

येक्षित पैक बॉक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वर्त उद्योग समिति का मार्क होगा।

मुहर बंदी का आवश्यक सामान निर्माता उपलब्ध करवायेगा।

सं० 3—वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) जो कि वस्त्र उद्योग समिति के संशोधन अधिनियम 1973 (1973 का क्र० 51) द्वारा संशोधित हुआ है, की धारा 23(क) की उपधारा (डी०) तथा (ई०) और इसी अधिनियम की धारा 4 की उपधारा 2 के अधीन स्वयं को प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए वस्त्र उद्योग समिति केन्द्रीय सरकार की पूर्वानुमति से निर्यात के लिए वस्त्र मशीनरी सामान के मानकी तथा उन्हें लागू होने वाले निरीक्षण का प्रकार उल्लिखित करने हेतु निम्न विनियम बनाती है। यह अधिनियम भारत के राजपत्र में सूचित निरीक्षण (दिनांक 23 जनवरी 1971) के भाग 3 की धारा 4 को रद्द करता है तथा उसका स्थान लेता है।

(1) संक्षिप्त नाम एवं प्रयुक्ति:—

(क) ये विनियम लूमों के लिए पिक्से निरीक्षण विनियम 1980 कहलायें।

(ख) यह मशीनरी निर्माताओं को सम्मिलित करते हुए सब निर्माताओं को लागू होगा, यदि वे मशीन के भाग के रूप में या अन्य रोत्या कोई माल बनाते हैं।

(2) परिभाषाएः:—

(क) 'माल' का तात्पर्य लूमों के लिए पिक्से से है।

(ख) समृच्छय का तात्पर्य वस्तुओं के संग्रह से है जो एक निश्चित स्वरूप तथा गुण की हों जिनका नमूना लेकर जांच करते हुए अंगीकरण अवधारित किया जाता है।

(ग) दोषपूर्ण का तात्पर्य (किसी पदार्थ, भाग, नमूना आदि) की दोषपूर्ण इकाई से है। जो विचाराधीन, गुण संबंधी मानक (कों) के बारे में एक या अधिक दातों में दोषपूर्ण हों।

(घ) निरीक्षक का तात्पर्य किसी माल को जांच करने के लिए प्रतिनियुक्त व्यक्ति से है।

(ङ) इन विनियमों में प्रयुक्त किन्तु अपरिभाषित तथा वस्त्र उद्योग समिति अधिनियम 1963 (1963 का क्र० 41) में परिभाषित या वस्त्र उद्योग समिति के सुधार विनियम 1973 (1973 का क्र० 51) में परिभाषित समस्त शब्द तथा अभिव्यक्तियां वही अर्थ रखेंगी जो कि अमर्ग: उन्हें अधिनियम में दिया गया है।

(3) निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करना:—

(क) कोई माल निरीक्षणार्थ प्रस्तुत करने से पहले निर्माता उसके पूर्व निरीक्षणार्थ उत्तरदायी होंगे ताकि कोई ऐसा माल अलग किया जा सके जो कि अपेक्षित मानानुसार न हो।

- (ब) अस्वीकृत समुच्चय फिर से निरीक्षणार्थ प्रस्तुत नहीं किया जायेगा जब तक कि निर्माताओं में उसका पुनः निरीक्षण न कर लिया हो।
- (ग) पूर्व निरीक्षित माल भली भांति प्रकाशित शेड में एक टेबल के पास खाद्य जायेगा जहाँ पर निरीक्षणार्थ सहायता प्रदान करने हेतु एक सहायक उपस्थित रहेगा। निरीक्षण हेतु सभी खास-खास आवश्यक सामान (जो कि काम करने की दशा में हो) उपलब्ध कराना उसी निर्माता का जिम्मा होगा जो कि निरीक्षण करवा रहा है।
- (घ) प्रस्तुतिकरण-पत्र संलग्न प्रपत्र में (परिशिष्ट-1) में वस्त्र उद्योग समिति के पास भेजा जायेगा।
- (4) निरीक्षण मानदण्ड :—
- (क) किसी माल का निरीक्षण इस विनियम में यथादर्शित मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा यदि ऋता तथा विक्रेता के बीच इस निरीक्षण विनियम में विहित से अन्य उच्चतर या निकटतर छूट के अनुबंधों की संविदा न की गई हो। इस अवस्था में उच्चतर तथा निकटतर छूटों के अनुसार निरीक्षण किया जायेगा। यदि कोई निर्माता किसी विदेशी सहयोग/फर्म से समझौता करके माल बनाता है तो उस माल का निरीक्षण भी उसी विदेशी फर्म के मानकों एवं छूटों के अनुसार होगा जिनका उल्लेख निरीक्षण विनियम की धारा (बी) में किया गया है। निर्माता को इस संबंध में लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे।
- (ख) समुच्चय को तभी स्वीकार्य माना जायेगा जबकि अस्वीकृत यूनिटों की संख्या उस संख्या से ज्यादा न हो जिसकी स्वीकृति सैपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।
- (ग) समुच्चय को अस्वीकृत कर दिया जायेगा जबकि दोषपूर्ण यूनिटों की संख्या उस संख्या से अधिक हो जायेगी जिनकी छूट सैपर्लिंग प्लान की धारा 8-ए में दी गई है।

(5) मुधार तथा अस्वीकृति :—

- (क) इस निरीक्षण विनियम द्वारा समुच्चय पारित होने के दौरान दोषपूर्ण माल के बदले में अच्छा माल दिया जायेगा अन्यथा त्रुटि की दूर किया जायेगा।
- (ख) ऐसा दोषपूर्ण माल जिसमें सुधार नहीं किया जा सकता या उसके बदले में दूसरा माल नहीं दिया गया तो उस माल को अस्वीकृत कर दिया जायेगा। ऐसे यूनिट्स की संख्या इस निरीक्षण विनियम में दी गई छूट संख्या से अधिक न हो।
- (ग) निरीक्षक माल को अस्वीकृत तभी करगा जबकि माल निरीक्षण विनियमों के उन मानकों एवं छूटों के अनुकूल न होगा जिनका उल्लेख उपरोक्त विनियम में है और यदि दोषपूर्ण इकाईयां विनियम में उल्लिखित छूट संख्या से अधिक संख्या में पाई जायेगी।

(6) नमूने का लेना :—

निरीक्षक परीक्षण या जांच के लिए माल के नमूने निर्माता के निर्माण स्थान से दूर ले जा सकेगा जब कि उसे वहाँ जांच को पूर्ण सुविधाएं प्राप्त न हों। ऐसी जांच निर्माता या उसके प्रतिनिधि की उपस्थिति में को जा सकेगी।

(7) प्रमाणपत्र :—

प्रत्येक समुच्चय जिसकी जांच निरीक्षण द्वारा की गई और जो स्वीकृत नहीं हुआ उसके लिए वस्त्र उद्योग समिति द्वारा प्राधिकृति अधिकारी संबंधित पार्टी को एक प्रमाण-पत्र देगा।

इस प्रमाण-पत्र की वैधता उसके लिखे जाने के बाद तीन माह तक ही होगी। इस प्रमाण-पत्र को फिर से वैद्य कराने के लिए कुल संख्या का पांच प्रतिशत (5%) या तीन बज्जूँ (जो भी कम होगा) की फिर से जांच की जायेगी।

(8) निरीक्षण की अपेक्षाएँ :—

निरीक्षण निम्न योजना के अनुरूप कहीं से भी इकाईयां चुनकर नीचे यथादर्शित निरीक्षण कर सकेगा।

(क) नमूना योजना :

सारिणी संख्या—1

समुच्चय का आकार	नमूने का आकार	अनुशऱ्य दोषपूर्ण वस्तुओं की संख्या
— से 100 तक	8	0
101 से 150 तक	13	1
151 से 300 तक	20	2
301 से 500 तक	32	3
501 से 1000 तक	50	5
1001 से ऊपर	80	7

(ख) कच्चा माल : ऋता तथा विक्रेता के बीच सम्मत समुचित माल से पिक्स बनाए जायेंगे।

2. आयाम : पिक्स के आयाम संबंधी और निम्न छूट समेत ऋता और विक्रेता के बीच समस्त विषेषता ड्राइंग/अनुमोदित नमूने के अनुसार होंगे।

अण्डर पिक लूमों के पिकर्स	ओवर पिक लूमों के पिकर्स
(क) चौड़ाई तथा ± 2 प्रतिशत छूट	± 5 प्रतिशत
मोटाई और ऊंचाई	
स्लोट चौड़ाई ± 2 प्रतिशत छूट	± 5 प्रतिशत
स्पिंडल छिद्र के व्यास पर	$\pm 1.0 - 0.0$ मि० मी० (संबंधित स्पिंडल व्यास पर)
वजन	± 4 प्रतिशत छूट ± 5 प्रतिशत छूट

3. फिनिश : पिकरों के सभी मिरे कोंसे तथा उभरी हुई सतहें चिकनी होंगी जिनमें निकले हए तथा तोकिले अथवा खुरदुरे मिरे नहीं होंगे।

(ब) पिकिंग बैड अथवा पिकिंग स्टिक के स्वोटों के मिरों में कोई उमार या नोकीलापन या खुरदरापन नहीं होगा।

4. बंधक :—पिकर बनाने में यदि कोई स्टेपल, रिबेट या अन्य बंधक काम में नाएँ जाने हैं तो पिकरे की मनह से वे उपर उठे हए नहीं होंगे तथा वे ऐसे स्थानों पर गेहेंगे जिससे शटल बॉक्स या उमके साथ के किसी अंग को हाति न पहुंचे।

5. रचना : कच्चे चमड़े से बने पिकरों के बीच औ तहों के बीच कोई अन्य चीज न होगी।

6. पकाना : कच्चे चमड़े से बने पिकर स्वाभाविक रीति में पकाकर या बेक्युम/इम्प्रेसेशन स्पार्म आइल में पूरी तरह डबाएँ जाएंगे।

तीन तमुने लेकर उनकी जांच की जाएगी। शटल के आधात बिन्दु पर काटकर तेल का उनित इम्प्रेसेशन निश्चित किया जाएगा।

(9) पैकिंग :—

(1) निर्धारित तथा पार्श्व समुच्चय निम्न रीति में पैक किया जाएगा।

नियन्ति के लिए पिकर अच्छे बोक्सों में पैक किए जाएंगे जो संग्रह यातायात तथा उठाने रखने की सामान्य बाधाओं को सहन करने में समर्थ हों।

(2) यदि माल निरीक्षक की प्रत्यक्ष या सार्थ उपलिखित में न पैक किया गया हो तो वह इस संबंध में अपना समाधान करने हेतु कि बोक्सों में केवल निर्धारित तथा अनुमोदित माल ही भरा गया है अधिक से अधिक तीन बोक्स खोल सकेगा।

(10) भुग्र बंद करना :—

खण्ड 9 (1) के अधीन यथापेक्षित बोक्सों पर निरीक्षक मुहर लगायेगा जिस पर वस्त्र उद्योग समिति का मार्क होगा।

भुग्र बंडी के लिए आवश्यक सामान निर्मान उपलब्ध करवायेगा।

मी. श्रीधरन्
‘सचिव
टेक्नोलॉजी कमेटी, बस्टर्ड

परिणिटि।

आवेदन प्राप्त

दिनांक

सेवा में,

निदेशक
मणीनगी निरीक्षक कक्षा,
बस्तर उद्योग समिति,
बस्टर्ड-400 009
प्रिय महोदय,

कृपया जिसकी विशिष्टियां नीचे दी हैं, के निरीक्षण की व्यवस्था कीजिए :—

1. निर्यातक का नाम
2. निर्मान का नाम और पता

2. (क) समुद्र पार केना का नाम तथा पता

3. नियति संविदा का प्रमाण और दिनांक

(साथ में नियति संविदा की प्रति जोड़ी जाए)

4. कितनी मात्रा की भंविदा है

5. निरीक्षण के लिए कितनी मात्रा प्रस्तुत भी है

6. निर्माण संबंधी विशिष्टियां तथा विशेषताएँ

(आवश्यक होने पर अलग पृष्ठ जोड़िए)

7. स्थान जहाँ वस्तु निरीक्षणार्थ प्रस्तुत की जाएगी

8. निरीक्षण किस दिनांक को अपेक्षित है

9. निर्यात का स्थान

10. प्रेपिन माल की एफ० ओ० बी० की कीमत

11. ब्रक्सों वी संख्या तथा मार्क (निह)

भवदीय,

गजट अधिसूचना

भाग—3 धारा 4

कैन्टूनमेंट बोर्ड, लखनऊ

कैन्टूनमेंट, लखनऊ दिनांक: 26 नवम्बर, 1980

एम० ओ० आर० 1/11/127/162—लखनऊ कैन्टून-मेंट (तहबाजारी का विनियमन) उप-विधियों को संशोधित करने के लिये उपविधियों को प्राप्त लखनऊ कैन्टूनमेंट बोर्ड की सूचना संख्या 1/11/127/119 दिनांक 17 अक्टूबर, 1979 के लाय प्रखालित किया गया था तथा यथा अपेक्षा कैन्टूनमेंट एक्ट 1924 (अधिनियम संख्या 2, 1924) की धारा 284 की उप-धारा (1) द्वारा उक्त सूचना के प्रख्यापन के दिनांक से तीस दिन की अवधि के भीतर आपत्तियां प्रत्येक सुझाव आमंत्रित थे,

तथा उक्त सूचना लखनऊ कैन्टूनमेंट के सूचना-पट पर 17 अक्टूबर, 1979 को प्राप्त लगा दिया गया था।

तथा जनता में पूर्वोक्त तीस दिन की अवधि के भीतर कोई ग्रापत्तियां सुझाव कैन्टूनमेंट बोर्ड लखनऊ को प्राप्त नहीं हुये हैं,

तथा केन्द्रीय सरकार ने उक्त अधिनियम की धारा 284 की उप-धारा (1) द्वारा यथावेक्षित उक्त प्रालेख उप-विधियों को विशिष्ट अनुमोदित कर दिया है तथा उसकी पुष्टि कर दी है।

अनपूर्व, अब उक्त अधिनियम की धारा 282 की उप-धारा (13) द्वारा ग्रहन अधिकारों का प्रयोग करके कैन्टून-मेंट बोर्ड लखनऊ एन्टन्ड्रारा निम्नलिखित उप-विधियां बनाता है।

1. वे उप-विधियां लखनऊ कटक (कैन्टूनमेंट) तहबाजारी का विनियमन उपविधियां (मंगोधन) 1980 कहलायेंगी।

2. वे ग्रहन ग्रहन में प्रकाशित किये जाने के दिनांक से प्रवृत्त होंगी।

3. लखनऊ कटक (कैन्टूनमेंट) (तहवाजारी का डिनियमन) की दैनिक तहवाजारी दरों की अनुमत्तची के स्थान पर निम्नलिखित अनुमत्तची रख्ब दी जाए अर्थात्:—

दैनिक तहबाजारी दरों की श्रनमुच्ची

क्र० सं०	विवरण	दरे०
1.	गाड़ी में लदे सभी प्रकार के अनाज प्रति गाड़ी	0-50
2.	पहियेदार ठेला में लदे सभी प्रकार के अनाज प्रति ठेला	0-50
3.	ऊंट से भिन्न पशुओं पर लदे सभी प्रकार के अनाज प्रति पशु	0-50
4.	ऊंट पर लाद कर लाये गये सभी प्रकार के अनाज प्रति ऊंट	0-20
5.	साईकिल, चार पहियेदार ठेला पर लाये गये सभी अनाज	0-25
6.	हाथ की महायता से लाये गये सभी अनाज प्रति व्यक्ति भार	0-15
7.	धी/वनस्पति धी प्रति 37-50 किलोग्राम	0-50
8.	तेल प्रति 37-50 किलोग्राम	0-25
9.	गुड़, राव प्रति 37-50 किलोग्राम	0-25
10.	लाल मिर्च प्रति 37-50 किलोग्राम	0-15
11.	सभी प्रकार के मसाने प्रति 37-50 किलोग्राम	0-15
12.	खोया प्रति 37-50 किलोग्राम	0-25
13.	सन, मुतली, आन (बाध) सींक नारियल या बांस की ज्वाड़ प्रति 37-50 किलोग्राम	0-15
14.	आम, तरबूज या गन्ना प्रति व्यक्ति पर लदी प्रति टोकरी	0-30
15.	पान प्रति टोकरी	0-10
16.	भूसा (घास-फूस) प्रति व्यक्ति भार	0-15
17.	भूसा (घास-फूस) प्रति गाड़ी	1-00
18.	भूसा (घास-फूस) प्रति ट्रक	4-00
19.	गाड़ी पर लदा चूना, मिट्टी (मड़), रेह प्रति गाड़ी	0-25
20.	ट्रक पर लदा चूना, मिट्टी (मड़), रेह, प्रति ट्रक	2-00
21.	तम्बाकू प्रति 37-50 किलोग्राम	0-25
22.	सिर पर लदे मिट्टी के बर्तन प्रति व्यक्ति भार	0-15
23.	गाड़ी पर लदे मिट्टी के बर्तन प्रति गाड़ी	0-50
24.	ट्रक पर लदे मिट्टी के बर्तन प्रति ट्रक	2-00
25.	पशु पर लाद कर लाये गये मिट्टी के बर्तन प्रति व्यक्ति	0-25
26.	प्रति टोकरी श्रेष्ठ और पक्षी	0-25
27.	चार पहियेदार ठेले पर लदे श्रेष्ठ और पक्षी प्रति ठेले	0-50
28.	बहंगी गर लदे श्रेष्ठ और पक्षी प्रति बहंगी	0-30
29.	खोंच या फेरी वाले, प्रति थाल या प्रति टोकरी	0-30

क्रम सं०	विवरण	दरें
30.	खोचे या फेरी बाले, प्रति बंहगी	0-40
31.	ताड़तों पर प्रकीर्ण माल प्रति ताड़त के हिसाब से 2×1.25 वर्ग मीटर या इससे कम	0-75
32.	चादरों पर प्रकीर्ण माल के हिसाब से प्रति चादर 2×1.25 वर्ग मीटर या इससे कम	0-50
33.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर प्रकीर्ण माल तथा शर्बत	0-35
34.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर सभी प्रकार के फल	0-50
35.	गाड़ी पर सभी प्रकार के फल प्रति पशु- गाड़ी	1-00
36.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर सभी	0-40
37.	पशुगाड़ी पर नदी सब्जी प्रति पशुगाड़ी	1-00
38.	सिर भार के अनुमार या टोकरी में सब्जी या फल जिसमें सूखे मेवे भी सम्मिलित हैं, प्रति टोकरी	0-20
39.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेले पर नदा काठ कोयला	0-40
40.	ट्रक पर काठ कोयला प्रति ट्रक	2-00
41.	हथठेलिया पर ईंधन की लकड़ी प्रति ठेलिया	0-30
42.	ट्रक पर ईंधन की लकड़ी प्रति ट्रक	2-00
43.	दो पहियेदार ठेला पर हरी घास या सूखी घास प्रति ठेला	0-40
44.	सिर पर या साईकिल पर कपड़ा बेचने वाले प्रत्येक बँडल के अनुसार	0-50
45.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर कपड़ा बेचने वाले	1-00
46.	सिर पर या साईकिल पर वर्तन बेचने वाले	0-50
47.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर वर्तन बेचने वाले	1-00
48.	जरदोजी (चांदी या सोने के काम की) वाली वस्तुओं के बेचने वाले प्रति सिर भार	0-30
49.	प्रण वस्कीतुओं के (सचल बेचने वाले) प्रति थाल	0-10
50.	भेड़ों और बकरियों को छोड़कर बिक्री के लिये लाये गये पशु प्रति पशु	1-00
51.	भेड़ या बकरियों की बिक्री प्रति पशु	0-50
52.	दूध बेचने वाले प्रति केन	0-25
53.	हथठेलिया या चार पहियेदार साईकिल ठेला पर कोलड डिक (ठंडा पेय) की बिक्री	0-50

ડો. જો. ડી. ના. એણ્ડ સી. પત્રાવલી સંખ્યા
12/2/સી.૦/એન્ન. એણ્ડ સી.૦/૭૭)

राजेन्द्र कुमार,
कटक ग्रधिशासी अधिकारी
लखनऊ

जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती की पद्धति) अधिकारियों या अन्य वर्गों में वे दस्तावेज़ सहित सेवा की शर्तें (सदस्य सचिव के अलावा) विनियमन, 1980

अधिभूतना

सं० जल (प्रदूषण के निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 12 की उप धारा 3(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से एतद्वारा निम्नलिखित विनियमन बनाते हैं, नामतः—

भाग-1 सामान्य

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भण—(i) इन विनियमनों को जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती की पद्धति तथा अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के बोतनमानों सहित सेवा की शर्तें (सदस्य सचिव के अलावा) विनियमन, 1980 कहा जाये।

(ii) ये विनियमन पूर्ण रूप से या अंशतः उन ऐसी तारीख को लागू होंगे या लागू समझे जाये जैसे कि जब प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के केन्द्रीय बोर्ड द्वारा निर्धारित की जाये।

2. लागू होना—2. ये विनियमन बोर्ड के प्रत्येक कर्मचारी पर लागू होंगे—

बशर्ते कि बोर्ड आदेश द्वारा कर्मचारियों को किसी श्रेणी या श्रूप को सभी या किसी विनियमन को उन पर लागू न करे।

बशर्ते कि भाग-VI में विनियमन उस कर्मचारी पर लागू नहीं होंगे जिसके और बोर्ड के बीच करार हो कि भाग VI में विनियमन उस पर लागू नहीं होंगे।

टिप्पणी-I—जहाँ करार में किसी कर्मचारी या बोर्ड के बीच यह उपबन्ध हो कि भाग VI में विनियमन उस पर लागू होंगे तो वे विनियमन ऐसे करार की शर्तों के अनुसार उस पर लागू होंगे।

टिप्पणी-II—प्रत्येक वह कर्मचारी जिस पर भाग के विनियमन लागू होंगे वह जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि का अंशदाता होगा।

परिमाणावय—3. इन विनियमनों में जब तक कि विषय में अन्यता अपेक्षित न हों:

(क) “अधिनियम” से जल (प्रदूषण के निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 अभिप्रेत है।

(ख) “लेखा अधिकारी” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के केन्द्रीय बोर्ड के कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि के लेखों को रखने के प्रयोजन के लिये जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाये।

(ग) “अपील प्राधिकरण” से इन विनियमनों के विनियमन 52 में ऐसे विनिर्दिष्ट प्राधिकारी से अभिप्रेत है।

(घ) बोर्ड के कर्मचारी से संबंधित “नियुक्ति प्राधिकरण” से अभिप्रेत है:

(i) प्राधिकारी जिसे पदों के श्रूप की नियुक्तियां करने की शक्ति हो जिसमें कर्मचारी कुछ समय के लिये काम करता हो; या

(ii) प्राधिकारी जिसे उन पदों की नियुक्तियां करने की शक्ति हो जिन पर कर्मचारी कुछ समय के लिये नियुक्त हो, या

(iii) प्राधिकारी जिसने ऐसे ग्रेड या पद पर कर्मचारी को नियुक्त किया हो जैसा भी स्थिति हो इन में से जो भी उच्चतर प्राधिकारी हो।

(छ) “बोर्ड” से अभिप्रेत जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड है जिसे जल (प्रदूषण के निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 के अधीन स्थापित किया गया है।

(ज) ‘अध्यक्ष’ से बोर्ड का अध्यक्ष अभिप्रेत है।

(झ) ‘निरन्तर सेवा’ से विना व्यवधान के नियमित सेवा अभिप्रेत है लेकिन इसमें ऐसी सेवा शामिल होगी जिसमें प्राधिकृत छुट्टी द्वारा व्यवधान पड़ा हो।

(ज) ‘अंशदान’ से ऐसी कोई भी जमा राशि अभिप्रेत है जो सदस्य की ओर से अपने वेतन में से जमा राशि या बोर्ड द्वारा अपने धन में से सदस्य के वैयक्तिक अंशदायी भविष्य निधि खाते में जमा कराई गई राशि हो, लेकिन व्याज के रूप में डाली गई राशि हो, लेकिन व्याज के रूप में डाली गई राशि इसमें शामिल नहीं है।

(झ) ‘अनुशासनिक प्राधिकारी’ से अभिप्रेत वह प्राधिकारी है जो इन विनियमनों और विनियमनों के विनियमन 40 और 41 में विनिर्दिष्ट दण्डों में किसी दण्ड को कर्मचारी पर इन विनियमनों के अधीन लगाने में सक्षम हों।

(ञ) ‘परिलिंगियों’ में अभिप्रेत अंशदायी भविष्य निधि के प्रयोगनों के लिये उन सभी परिलिंगियों से हैं। जिसे किसी कर्मचारी द्वारा अपनी नीकरी की शर्तों के अनुसार अर्जित किया जाता है जब वह इयूटी या वेतन के साथ छुट्टी पर होता

है जो उसे दी जाती है या देने योग्य होती है लेकिन उसमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैः—

- (क) नौकरी या ऐसी नौकरी में किये गये कार्य के बारे में कर्मचारी को देय मंहगाई भत्ता और नगर प्रतिपूर्ति भत्ता। (अधीन् ऐसे सभी नकद भुगतान जो एक कर्मचारी को रहने की लागत में बूढ़ि हो जाने के कारण दिये जाते हैं) मकान किराया भत्ता, समय-परि भत्ता, बोनस, कमीशन या अन्य भत्ता;
- (ख) बोर्ड द्वारा कोई मानदेय या अनुग्रह पूर्वक श्रदायगी या पुरस्कार।

(ट) "कर्मचारी" से अभिप्रेत हैः—

"कोई व्यक्ति जो बोर्ड की पूर्णकालिक या अंशकालिक नौकरी में हो (अध्यक्ष और भद्रस्य मञ्चिव शामिल नहीं है) और वे सभी जो आकस्मिक आधार पर नियुक्त हैं) और इसमें वे सभी व्यक्ति शामिल होंगे जिनकी सेवाये बोर्ड को अवधारी प्रतिनियुक्ति पर पेश की गई हैं और वे जिनकी सेवायें बोर्ड द्वारा किसी अन्य प्राधिकारी को सौंपी गई हों।

(१) "परिवार" से अभिप्रेत हैः

- (क) भाग-III के अनुसार कर्मचारी के आचरण में संबंधित विनियमों के प्रयोजन के लिये:—

(i) पत्नी या पति जैसी भी स्थिति हो चाहे वह कर्मचारी के साथ रह रही/ रहा हो या न रह रही/रहा हो लेकिन इसमें वह पत्नी या पति जैसी भी स्थिति हो शामिल नहीं होंगा यदि वह सक्षम न्यायालय की डिग्री या आदेश द्वारा कर्मचारी में अनग हुई/हुआ हो।

(ii) कर्मचारी का लड़का या लड़की या सौतेला लड़का या सौतेली लड़की या कानून द्वारा गोद लिया गया लड़का या लड़की तथा उस पर पूर्ण रूप से आश्रित हो लेकिन इसमें वह बच्चा या सौतेला बच्चा शामिल नहीं है जो किसी भी प्रकार से कर्मचारी पर आश्रित नहीं है या किसी कानून के अन्तर्गत उसे कर्मचारी के आशय से अनग कर दिया गया हो।

(iii) कोई अन्य व्यक्ति जो सम्बन्धी हो चाहे कर्मचारी या कर्मचारी की पत्नी या पति के साथ जैसी भी स्थिति

हो उसका खून का या विवाह का रिझन हो कर्मचारी पर पूर्ण रूप से आश्रित हो।

(ख) अंशदायी भविष्य निधि से संबंधित विनियमों के प्रयोजनों के लिये जैसा कि भाग-5 में हैः—

(i) पुरुष कर्मचारी के मामले में कर्मचारी की पत्नी या पत्नियां और बच्चे और कर्मचारी की विवाह या विधवायें और मृत लड़के के बच्चे, बशर्ते कि यदि सदस्य वह सिद्ध कर देता है कि किसी कानून के अधीन उसकी पत्नी अनुरक्षण की पात्र नहीं रही है तो वह निधियों के प्रयोजन के लिये अंशदाता के परिवार वा गदरस्य नहीं। गांवीं जार्यां जब तक कि संवंधित कर्मचारी वाद में लिखित रूप से यह सूचित न कर दें कि उसे ऐसा समझा जाना रहेगा;

(ii) महिला कर्मचारी के मामले में उसका पति तथा बच्चे तथा मृत वर्मचारी का पति या उसके मृत पुत्र के बच्चे।

स्पष्टीकरण-1—उपर्युक्त दोनों मामलों में किसी भी मामले में यदि कर्मचारी के बच्चे को किसी अन्य व्यक्ति ने गोद लिया है और गोद लिये कानून के अधीन गोद लेना कानूनी तौर पर मात्र है तो ऐसा बच्चा कर्मचारी के परिवार से अलग हुआ समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण-2—बच्चा शब्द में कानूनी तौर पर गोद लिया बच्चा शामिल होगा।

(इ) "निधि" से जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के कंद्रीय बोर्ड कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि में अभिप्रेत है।

(ट) "सदस्य" में बोर्ड के उस कर्मचारी से अभिप्रेत है जो जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के कंद्रीय बोर्ड के कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि के जमाकर्ता के रूप में विधिवत प्रविष्ट किया गया हो।

(ण) "सदस्य सञ्चिव" से बोर्ड के सदस्य सञ्चिव से अभिप्रेत है।

(न) "बेतन" से कर्मचारी द्वारा प्रति मास ली गई राशि से अभिप्रेत है जैसे कि:

(i) विशेष बेतन के अन्वावा बेतन या बैयक्तिक अहंताओं को छान भूते हुए दिया गया बेतन जो कि उस द्वारा स्थाई या

स्थानापन्थ की हैमियन से रखे गये पद के लिये स्वीकृत की गई है या जो वह काउंसिल में अपनी स्थिति के बारण पावं है; और

- (ii) विशेष वेतन, प्रतिनियुक्ति वेतन और वैशिकितक वेतन; और
- (iii) कोई अन्य परिवधियां जिन्हें केन्द्रीय बोर्ड द्वारा विशेष तौर पर वेतन की श्रेणी में रखा हो।

स्पष्टीयः मुश्तक अधिकारियों के मामले में वेतन वह होगा जो उसके मुश्तक होने का नारीख के तत्खाल पूर्व मिल रहा था।

भाग-5 में विनियमनों के प्रयोजनों के लिये पेशे के परिवर्तन मूलगांकन सहित पेशन का अंश शामिल है।

(अ) भाग-5 में विनियमनों के प्रयोजनों के लिये “निर्धारित प्राधिकरण” में निम्नान्वित अभिप्रेत हैं:

- (i) उम कर्मचारी के मामले में बोर्ड जो ग्रुप “ए” पदधारी हो सिवाय जहाँ उसका कोई भी अधिकारी किसी प्रयोजन के लिये बोर्ड द्वारा विशेष तौर पर विनियिट है;
- (ii) किसी ग्रुप “बी” पदधारी कर्मचारी के मामले में अध्यक्ष,
- (iii) किसी ग्रुप “सी” या ग्रुप “डी” पदधारी कर्मचारी के मामले में गदरण सचिव;
- (iv) विवरण सेवा या किसी अन्य प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर कर्मचारी के मामले में बोर्ड, सिवाय जहाँ बोर्ड द्वारा अपने अधिकारियों के लिये विशेष तौर पर विनियिट हो यदि कर्मचारी किसी ग्रुप “ए” पद का धारक हो;
- (v) ग्रुप “बी” पदधारी कर्मचारी के मामले में अध्यक्ष ग्रुप “सी” या ग्रुप “डी” पदधारी कर्मचारी के मामले में गदरण सचिव;

(द) “वर्ष” में वित्तीय वर्ष अभिप्रेत है।

4 (i) जहाँ तक भाग VI में विनियमनों का सम्बन्ध है इन विनियमनों में ऐसी कोई वात नहीं होगी जो बोर्ड में पदों के लिए नियमित आधार पर की गई पहले की नियुक्तियों को प्रभावित करे और नियुक्तियां भी प्रयोजनों के लिए यह समझी जायेंगी कि वह इन विनियमनों के अन्तर्गत भरी गई है।

(ii) जहाँ तक भाग VI के विनियमनों का सम्बन्ध है उस भाग में विनियमनों के लागू होने से केन्द्रीय मिविल सेवा आचरण नियम 1964 जो पहले लागू थे जो बोर्ड द्वारा

अपने कर्मचारियों के आचरण का नियंत्रण करने के लिये पहले उनका अनुमति किया जाता था अब समाप्त कर दिए जायेंगे; वरन्ते कि उन नियमों के अधीन कोई दिया गया आदेश या की गई कार्यवाही भाग-III में विनियमन के उन्हीं प्रावधानों के अन्तर्गत दिया गया आदेश या की गई कार्यवाही समझी जाएगी, वरन्ते कि यह नियम वि भाग-III में विनियमनों के लागू होने के बाद केन्द्रीय मिविल सेवा (आचरण) नियम 1964 का अनुमति न करना बोर्ड के कर्मचारियों के सम्बन्ध में उन लियमों के लिए पालन को प्रभावित नहीं करेगा और उन नियमों के उल्लंघन के लिए वही दण्ड होगा जैसे कि भाग-III में विनियमनों का उल्लंघन किया गया हो।

(३) नदा तक भाग V के विनियमनों का सम्बन्ध है प्रथमार्थी भावधार्य किपि के नाति की गई कोई भी कार्यवाही और उसके फलस्वरूप गोई अन्य कार्यवाही इस आधार पर अवैध नहीं होगी कि ये कार्यवाहियां इन विनियमनों के अन्तर्गत नहीं ली गई थीं और भी ऐसी कार्यवाही उन विनियमनों के अन्तर्गत की गई समझी जाएगी।

(४) इन विनियमनों में कोई वात ऐसी नहीं होगी जो केन्द्रीय सर्कार द्वारा इस बारे में समय समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुमति अनुभूचित जाति, अनुभूचित जनजाति तथा अन्य विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिये दी जाने वाली अन्य रियायतें और आरक्षण इसमें प्रभावित नहीं होंगे।

छठ की शक्तियां— ५. बोर्ड किसी मामले में किसी भी विनियमन के उपर्यांत्रियों में ढील देसकता है लेकिन ऐसी ढील के लिये विनियमन का गद्दी से पालन होगा यदि बोर्ड को यह राय है कि ऐसी ढील कलिप्य परिस्थितियों में आवश्यक है तिनके लिये कारणों को लिखित स्पष्ट में रिकार्ड किया जायेगा।

वरन्ते कि बोर्ड द्वारा उपर्युक्त कोई भी ढील केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किये गये किसी अधिकारी के बारे में नहीं थी जायेगी :

विवरण

६. यदि इन विनियमनों या इनमें में किसी भी विनियमनों की परिभाषा या उनके लागू होने के बारे में शंका उत्पन्न होती है तो मामला बोर्ड के अध्यक्ष को सौपा जायेगा और उसका नियंत्रण अनियम होगा।

७. प्रदत्त शक्तियां— बोर्ड सामान्य या विशेष आदेश द्वारा यह निर्देश है सकता है कि इन विनियमनों के अधीन प्रयोग की जाने वाली शक्ति (मिविल विनियमन ५ और इस विनियमन की शक्ति के) ऐसी शर्तों के भाव यदि कोई दृढ़ी जांकि आदेश में विनियिट की जायें, ऐसे अधिकारी या प्रधिकारी द्वारा प्रयोग में लाई जा सकती हैं जो आदेश में विनियिट की जायें।

भाग-II

वेतन, भत्ता तथा सेवा की शर्तें

8. कर्मचारियों को वेतन और भत्ते—बोर्ड के कर्मचारी इसके साथ संलग्न मूल्य-1 में उनके द्वारा धारण किए गए पद के वेतनमान से या उस अनुमूल्य में समय-समय पर वृद्धि किए गए पदों के वेतनमानों में या समय-समय पर संशोधित किये गये वेतनमानों में वेतन लेंगे।

वे केन्द्रीय सरकार द्वारा समय समय पर निर्धारित किये जाने वाले भत्ते लेंगे।

9. छुट्टी देना—छुट्टी देने के मामले में बोर्ड के कर्मचारी केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 द्वारा प्रशासित होंगे जोकि केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होते हैं और केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर उसके अन्तर्गत जारी किये गये आदेशों के अनुसार प्रशासित होंगे।

10. वरिष्ठता—बोर्ड के कर्मचारियों की वरिष्ठता केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों द्वारा प्रशासित होगी।

11. सेवा निवृत्ति—सभी कर्मचारियों के लिये सेवा निवृत्ति की आयु 58 वर्ष होगी बश्यतें कि बोर्ड के कार्य के हित में अध्यक्ष यदि नाहे तो ग्रुप "सी" और "डी" के कर्मचारियों की आयु 60 वर्ष तक बढ़ा मर्कर्ता है। 58 वर्ष के बाद के ग्रुप "ए" या "बी" पदधारी कर्मचारियों की सेवा का समय बढ़ाने के सभी मामलों को विचारार्थ बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा।

12. सेवा की शर्तें—जब तक कि इन विनियमों में विशेष तौर पर कोई इसके विपरीत बात न कही गई हो, बोर्ड के कर्मचारियों की सेवा के सामान्य नियम और शर्तें पूर्णतया मूल तथा प्रतिपूरक नियम तथा सामान्य वित्तीय नियम केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम 1965 और समय-समय पर इन नियमों के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये आदेशों और नियमों द्वारा जो कि केन्द्रीय सरकार के कर्मचारियों पर लागू होते हैं, प्रशासित होंगे।

भाग-III

आचरण

13. सामान्य—(1) प्रत्येक कर्मचारी हर समयः—

- (i) पूर्ण अव्यंता बनाये रखेगा,
- (ii) कर्तव्य के प्रति समर्पित रहेगा,
- (iii) और ऐसी कोई बात नहीं करेगा जो बोर्ड के कर्मचारी को शोभा न दे।

2. (i) वह प्रत्येक कर्मचारी को पर्यवेक्षी पद का धारक है इस बात को मुनिश्वित करने के सभी संभव उपाय करेगा कि उसके

नियंत्रणाधीन और उसके अधिकार में अन्तर्गत सभी कर्मचारी अखण्डता और कर्तव्य के प्रति समर्पित है।

(ii) कोई कर्मचारी अपनी सरकारी खूटी निभाने में या उसको दी गई शक्तियों के प्रयोग में कोई विपरीत बात नहीं करेगा और जो उसके निर्णय में अच्छी होगी वही करेगा मिवाए जब अपने वरिष्ठ अधिकारी के निर्देशनों के अन्तर्गत कार्य करता है जहाँ वह लिखित रूप में ऐसे निर्देशन के अन्तर्गत कार्य करता है जहाँ कहीं व्यवहार्य हो जहाँ ऐसे निर्देश लिखित रूप में लेने व्यवहार्य न हों तो वह तदुपरान्त यथा गमय शोध निर्देशन की लिखित रूप में पुष्ट करवाएगा।

स्पष्टीकरण—उप नियम के अनुच्छेद (ii) में कोई ऐसी बात नहीं है समझी जाएगी जिससे कर्मचारी को यह शक्ति प्राप्त हो कि वह अपने वरिष्ठ अधिकारी या प्राधिकारी में निर्देश या अनुमोदन प्राप्त कर अपने उत्तर-दायित्वों से बचने का प्रयास करे जबकि ऐसे निर्देश शक्तियों और उत्तरदायित्वों के वितरण की प्रणाली में आवश्यक नहीं हैं।

14. (1) गैर सरकारी संगठनों में कर्मचारियों के निकट संबंधियों की नियुक्ति जिनका केन्द्रीय बोर्ड के साथ संबंध है कोई कर्मचारी बोर्ड के कर्मचारी होने के नाते प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी कम्पनी या फर्म में अपने परिवार के किसी सदस्य के लिये नौकरी प्राप्त करने हेतु अपने पद या प्रभाव का प्रयोग नहीं करेगा।

2. (i) ग्रुप "ए" का कोई भी अधिकारी सिवाए बोर्ड की पूर्व अनुमति के किसी उस गैर सरकारी उपक्रम में जिसके साथ उसके सरकारी संबंध हैं या जिसके बोर्ड के साथ किसी ममय संबंध थे अपनी पत्नी या अपने पति जैसी भी स्थिति हो अपने पुत्र, पुत्री या अपने किसी अन्य आश्रित को नौकरी स्वीकार करने की अनुमति नहीं देगा; बश्यतें कि जहाँ नौकरी को स्वीकार करने के लिये बोर्ड की पूर्व अनुमति लेने में समय न हो या अन्यथा नौकरी स्वीकार करना आवश्यक हो तो मामला बोर्ड को सूचित किया जाएगा और नौकरी असन्तिम रूप में स्वीकार की जाए और यह बोर्ड की अनुमति पर निर्भर करेगी।

(ii) कोई कर्मचारी ज्योंही उसे इस बात का पता चलता है कि उसके परिवार के किसी सदस्य ने कम्पनी या किसी फर्म में नौकरी स्वीकार की है तो वह इसकी सूचता

- निर्वाचित प्राधिकारी को देगा और यह भी सूचित करेगा कि क्या उसके कम्पनी या फर्म के माथ सरकारी संबंध हैं या ऐसे क्या उस कम्पनी या फर्म के बोर्ड के माथ किसी समय सरकारी संबंध हैं या ऐसे वज्रते कि ऐसा कोई सूचना ग्रुप "ए" अधिकारी के मामले में प्रावधानक नहीं होगी यदि उसने पहले ही अनुच्छेद (i) के अन्तर्गत बोर्ड में स्वीकृति ले ली हो या बोर्ड को रिपोर्ट भेज दी हो।
- (iii) कोई भी कर्मचारी अपनी सरकारी ड्यूटी निभाने में किसी ऐसे मामले को नहीं निपटाएगा या किसी वस्तु की फर्म या किसी अन्य व्यवित को यदि उसके परिवार का कोई सदस्य उस कम्पनी या फर्म या उस व्यवित के अधीन नौकर हो और यदि वह या उसके परिवार का कोई सदस्य ऐसे मामले या ठेके में रुचि रखता हो ऐसे ठेके को नहीं देगा और न स्वीकृति देगा और कर्मचारी ऐसे मधी मामले या ठेके के बारे में अपने वरिष्ठ अधिकारी को सूचित करेगा तदुपरांत मामला उस प्राधिकारी के अनुदेशों के अनुसार निपटाया जाएगा जिसको कि इस बारे में लिखा गया है।
15. (1) राजनीति और चुनावों में भाग लेना: कोई कर्मचारी किसी उस राजनीतिक पार्टी या किसी संगठन का सदस्य नहीं होगा या उससे अन्यथा समर्पक नहीं रखेगा जो राजनीति में भाग लेता है। न ही वह किसी राजनीतिक हलचल या गतिविधि में भाग लेगा या उसको धन से सहायता करेगा या किसी अन्य तरीके से उसकी सहायता करेगा।
- (2) प्रत्येक कर्मचारी का कर्तव्य होगा कि वह अपने परिवार के किसी भी सदस्य को किसी हलचल या गतिविधि में भाग लेने से धन देने से या किसी अन्य तरीके से सहायता करने से मना करे जो कि प्रत्यक्ष या परंपरा रूप से सरकार के हितों के विरुद्ध हो जैसा कि कानून द्वारा गिरद हो और जांच कर्मचारी अपने किसी परिवार के सदस्य को ऐसी हलचल या गतिविधि में भाग लेने, धन देने या किसी अन्य तरीके से सहायता करने से मना करने में अपने आपको असमर्थ ममता है तो वह इसकी रिपोर्ट बोर्ड को करेगा।
- (3) यदि यह प्रश्न उठता है कि क्या कोई पार्टी राजनीतिक पार्टी है या कोई संगठन राजनीति में भाग लेता है या नहीं या कोई अन्य हलचल
- या गतिविधि उपर्युक्त विनियमन (2) के देखा-धिकार में आती है या नहीं उसमें बोर्ड का निर्णय अन्तिम होगा।
- (4) कोई भी कर्मचारी किसी विधान सभा या स्थानीय प्राधिकरण में चुनावों में भाग लेने के संबंध में प्रचार या अन्य हस्तक्षेप या अपने प्रभाव का उपयोग नहीं करेगा बताते कि:
- (i) यदि कोई कर्मचारी ऐसे चुनाव में बोट देने का हकदार है तो वह अपने बोट देने के अधिकार को प्रयोग में ला सकता है लेकिन वह इस बात का कोई संकेत नहीं करेगा कि वह किसको मत देना चाहता है या उसने किसको मत दिया।
- (ii) किसी कर्मचारी को केवल इस कारण इस उप विनियमन के उपबंधों का उल्लंघन करना द्वारा नहीं माना जाएगा कि वह उस समय लागू किसी कानून के अन्तर्गत उसको दी गई ड्यूटी का अनुपालन करते के लिये चुनाव कराने में उसने सहायता की।
- स्पष्टीकरण—**किसी कर्मचारी द्वारा अपने कपड़े पर, बाहर पर या निवास पर लगाया हुआ किसी प्रकार का चुनाव निषान उस उप विनियमन की परिभाषा के अन्तर्गत आता है और चुनाव के संबंध में उसके प्रभाव को प्रयोग करते का द्वारा है।
16. कर्मचारियों द्वारा ऐसोसियेशनों का सदस्य बनना—कोई भी कर्मचारी उस ऐसोसियेशन में नहीं रहेगा या उसका सदस्य नहीं बनेगा जिसके उद्देश्य या गतिविधियां भारत की प्रभुसत्ता या एकता या नैतिकता के हितों के प्रतिकूल न हो।
17. प्रदर्शन तथा हड्डताले—कोई भी कर्मचारी:—
- (i) अपने आपको किसी उस प्रदर्शन में नहीं लगाएगा या उसमें भाग नहीं लेगा जो भारत की प्रभुसत्ता या एकता, राज्य की मुरक्का, विदेशी राज्य के माथ भैंत्री संबंध, कानूनी व्यवस्था, शिष्टाचार या नैतिकता के हितों के प्रतिकूल हो, या जिसमें न्यायालय की मानवानि या किसी अपराध को भड़काने में अपने को संबद्ध करे, या
- (ii) किसी प्रकार से किसी प्रकार की हड्डताल नहीं करेगा या उसके लिये उकसायेगा या अपनी सेवा या बोर्ड के किसी अन्य कर्मचारी की सेवा के किसी मामले के संबंध में जबर्दस्ती नहीं करेगा या शारीरिक दबाव नहीं डालेगा।
18. (1) पैस या रेडियो के माथ संबंध—कोई भी कर्मचारी सिवाएं बोर्ड का पूर्व स्वीकृति के किसी

समाचार पत्र या अन्य अवधिक प्रकाशन का संपादन या प्रबंध नहीं करेगा या उसमें भाग नहीं लेगा।

(2) कोई कर्मचारी सिवाएँ बोर्ड की या निर्धारित प्राधिकारी की या सिवाएँ अपनी वास्तविक ड्यूटीयों को निभाने में:

(क) स्वयं या प्रकाशक के जरिये पुस्तकों प्रकाशित न करेगा या किसी पुस्तक में कोई लेख नहीं देगा या किसी लेख का संकलन नहीं करेगा, या

(ख) ऐडियो प्रसारण में भाग नहीं लेगा या समाचार पत्र की या पत्रिका को अपने नाम में, या भुगतान या गलत नाम में या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से लेख नहीं भेजेगा या पत्र नहीं लिखेगा। बशर्ते कि ऐसा कोई स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी:—

(i) यदि वह प्रकाशन किसी प्रकाशक के जरिये हुआ हो और पूर्णतया माहित्यिक, कलात्मक प्रकार का हो और उसका बोर्ड के अन्तर्गत कर्मचारी की किसी हैमियत के किसी पहलू में संबंधित न हो, या।

(ii) यदि ऐसा अंशदान, प्रसारण या लेख पूर्णतया माहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक प्रकार का हो और बोर्ड के अन्तर्गत कर्मचारी की हैमियत के किसी पहलू में संबंधित न हो है।

19. मरकार या बोर्ड की आलोचना—कोई कर्मचारी किसी ऐडियो प्रसारण में, या किसी दस्तावेज में अपने नाम में या गुमनाम या गलत नाम या किसी अन्य व्यक्ति के नाम से, या प्रैम को भेजे गये किसी पत्र में या किसी सांबंद्धिक भाषण में तथ्य या राय का व्याप नहीं देगा:—

(i) जिससे केन्द्रीय मरकार या राज्य मरकार या बोर्ड की किसी प्रचालित या हाल की नीति या कार्यवाही के प्रतिकूल आलोचना का प्रभाव।

(ii) जिससे केन्द्रीय मरकार और किसी राज्य मरकार के बीच या बोर्ड और किसी राज्य मरकार के बीच संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

(iii) जिससे केन्द्रीय मरकार और किसी विदेशी मरकार के बीच संबंधों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े।

बशर्ते कि उस उप-विनियमन में दी गई कोई भी वात कर्मचारी द्वारा दिये उस व्याप या व्यक्ति किये गये विचारों पर लागू नहीं होगी जो उसने अपनी मरकारी हैमियत में या उसकी मौंगी गई ड्यूटीयों को विधिवत निभाने की हैमियत से दिया हो।

20. (1) निमित्यों का किसी अन्य प्राधिकरण के समक्ष शहादत—सिवाएँ उसके जो उपविनियम (3) में दिया गया है, कोई भी कर्मचारी सिवाएँ बोर्ड की या इस प्रयोगजन के लिये उसके द्वारा निर्धारित प्राधिकरण की पूर्व अनुमति के किसी व्यक्ति या समिति या प्राधिकरण द्वारा आरंभ की गई जांच के संबंध में भाग नहीं देगा।

(2) जहां ऐसी स्वीकृति उप-विनियमन (1) के अन्तर्गत दी गई है, कोई भी कर्मचारी ऐसी शहादत देते भय केन्द्रीय सरकार या राज्य मरकार की किसी नीति की आलोचना नहीं करेगा। उस अभिव्यक्ति में संघ राज्य क्षेत्र प्रणालन या बोर्ड शामिल होगा।

(3) इस विनियमन में कोई भी वात निभन्निवित पर लागू नहीं होगी:—

(क) मरकार, संगठ या राज्य विधान सभा या केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नियुक्त किसी प्राधिकारी के समक्ष जांच को दी गई शहादत,

(ख) किसी न्यायिक जांच में दी गई शहादत, या

(ग) केन्द्रीय सरकार या बोर्ड के अधीन प्राधिकरण द्वारा आदेशित विभागीय जांच में दी गई शहादत।

21. अनधिकृत तौर पर सूचना भेजना—कोई भी कर्मचारी, सिवाएँ बोर्ड के किसी सामान्य या विशेष आदेश के अनुसार या उसे मांगी गई ड्यूटीयों को नेकनियती के साथ निभाने के किसी सरकारी दस्तावेज को, या उसके किसी अंश को या किसी सूचना को, बोर्ड के किसी अन्य कर्मचारी को या किसी ऐसे अन्य व्यक्ति को जिसे संबंधित कर्मचारी जो दस्तावेज या सूचना देने के लिये प्राधिकृत नहीं है, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप में नहीं देगा।

स्पष्टीकरण—किसी कर्मचारी द्वारा (बोर्ड को अपना अभ्यावेदन देने में) किसी पत्र में, परिचय या कार्यालय शापन या किसी उप फाइल की टिप्पणियों में जिन तक कर्मचारी का गहनेवाला प्राधिकृत नहीं है, या जिन्हें उसे वैयक्तिक अभिरक्षा में रखने के लिये प्राधिकृत नहीं है, उसमें से हवाला देता है तो इस विनियमन की परिभाषा के भीतर सूचना देना अनधिकृत माना जाएगा।

22. अंशदान—कोई कर्मचारी, बोर्ड या निर्धारित प्राधिकरण की पूर्व अनुमति के बिना अंशदान नहीं मांगेगा या यहीं स्वीकार करेगा या अन्यथा किसी प्रकार के उद्देश्य की पूति के किसी प्रकार की निधियां या तकद मामग्री के रूप में अन्य वस्तुएँ नहीं जटाएगा।

23. (1) उपहार स्वीकार करना—सिवाय इन विनियमनों में अन्यथा उपलब्ध न हो, कोई कर्मचारी न ही

स्वयं किसी पुरस्कार को स्वीकार करेगा और न ही अपने किसी परिवार के सदस्य या उसकी ओर से किसी व्यक्ति को उसे स्वीकार करने की अनुमति देगा।

स्पष्टीकरण : (i) "पुरस्कार" अभिव्यक्ति में नियुक्त परिवहन, रहना, खाना, या अन्य सेवा या कोई धन संबंधी नाभ शामिल होगा जब वह किसी ऐसे व्यक्ति जो उसका निकट संबंधी या वैयक्तिक मित्र न हो, और कर्मचारी के साथ उसके सरकारी संबंध न हो।

(ii) एक आकस्मिक भोज, सवारी या अन्य सामाजिक खातिरदारी उपहार नहीं मानी जाएगी।

(iii) कर्मचारी को उसके साथ सरकारी संबंध रखने वाले किसी व्यक्ति या औद्योगिक फर्म या फर्मों, संगठनों आदि से उदार खातिरदारी स्वीकारने से बचना होगा।

(2) विवाह, जन्मदिन, शोक या धार्मिक समारोहों के अवसर पर, जब उपहार देना प्रचलित धार्मिक या सामाजिक रीतियों के अनुरूप होता है, तो कर्मचारी अपने निकट संबंधियों या वैयक्तिक मित्रों से जिनसे उसका सरकारी संबंध नहीं है, उपहार स्वीकार कर सकता है, लेकिन किसी भी हालत में, बोर्ड की बिना पूर्व अनुमति के, वह अपने परिवार के किसी सदस्य को अपनी ओर से किसी भी मूल्य का उपहार, अपने किसी अधीन कर्मचारी से, ठेकेदार, सप्लायर या किसी अन्य व्यक्ति या फर्म या उपक्रम से जिसके साथ उसके बोर्ड संबंधी किसी समय ऐसे सम्पर्क हैं या थे, स्वीकार करेगा या उसकी अनुमति देगा।

23 क. दहेज—कोई भी कर्मचारी:

(i) घेज नहीं देगा, नहीं लेगा और नहीं देने या लेने के लिये उक्साएगा।

(ii) वह किसी प्रकार के दहेज के लिये प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से दूल्हा या दुल्हन के अभिभावकों से भाग नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिये दहेज से यही अभिप्रेत है जो दहेज रामत अधिनियम 1961 (1961 का 28) में दिया है।

24. केन्द्रीय बोर्ड के किसी कर्मचारी के सम्मान में सार्वजनिक प्रदर्शन—कोई भी कर्मचारी सिवाएँ बोर्ड की पूर्व स्वीकृति के अपने सम्मान में या किसी अन्य कर्मचारी के सम्मान में आयोजित सम्मानसूचक या विदाई भाषण नहीं देगा या कोई प्रशंसा-पत्र स्वीकार नहीं करेगा या किसी बैठक या जलपान में भाग नहीं लेगा बशर्ते कि इस विनियमन में निम्नलिखित के बारे में कोई भात भाग नहीं होगी:—

(i) कर्मचारी या किसी अन्य कर्मचारी के सम्मान में

उसकी बोर्ड की सेवा से निवृत्ति या स्थानान्तरण या किसी अन्य व्यक्ति के सम्मान में जिसने हाल ही में बोर्ड की सेवा छोड़ दी है पूर्णतया निजी और अनौपचारिक प्रकार की विदाई समारोह;

(ii) सरकारी निकाय या संस्थानों द्वारा आयोजित सादे और कम खर्चों से समारोहों को स्वीकार करना।

टिप्पणी:—किसी कर्मचारी पर किसी प्रकार का दबाव या प्रभाव डालना, कि वो किसी प्रकार के विदाई समारोह में अंशदान देकर शामिल हो आहे वह पूर्णतया निजी या अनौपचारिक प्रकार का हो और किसी भी परिस्थितियों में ग्रुप "डी" से बिना मंबंधित किसी कर्मचारी के समारोह के लिये बोर्ड के ग्रुप "सी" और "डी" के कर्मचारियों से चन्दा छक्का करना वर्जित है।

25. (1) निजी व्यापार या नीकरी—कोई भी कर्मचारी सिवाएँ बोर्ड की पूर्व स्वीकृति के प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से किसी प्रकार का व्यापार या अन्य रोजगार नहीं करेगा।

बशर्ते कि कर्मचारी बिना ऐसी स्वीकृति के सामाजिक और धर्मार्थ प्रकार का या साहित्यिक, कलात्मक या वैज्ञानिक प्रकार का कभी-भी भार का कार्य सम्मानित कार्य कर सकता है बशर्ते कि उसके सरकारी काम का हर्ज न हो। लेकिन यदि बोर्ड यह निर्देश देता है कि वह ऐसा काम न करे या छोड़ दे तो उसे ऐसा करना पड़ेगा।

स्पष्टीकरण—किसी कर्मचारी द्वारा बीमा ऐजेन्सी, कमीशन ऐजेन्सी आदि जो कि उसकी पत्ती या पति द्वारा छलाई जा रही या प्रबन्ध की जा रही हो जैसी भी स्थिति हो या उसके परिवार के किसी सदस्य द्वारा ऐसा किया जा रहा हो, के व्यापार के हक में किसी प्रकार का प्रचार करना इस उप-विनियमन का उल्लंघन माना जाएगा।

(2) यदि किसी कर्मचारी के परिवार का कोई सदस्य कोई व्यापार करता है या बीमा ऐजेन्सी या कमीशन ऐजेन्सी का संचालन करता है तो वह बोर्ड को इसकी रिपोर्ट देगा।

(3) कोई भी कर्मचारी बिना बोर्ड की पूर्व स्वीकृति के सिवाएँ अपनी सरकारी झूपटी के निभाने में, किसी बैंक या कम्पनी के पंजीकरण, प्रोत्साहन या संचालन में भाग नहीं लेगा जिसके कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन पंजीकृत किया जाना अपेक्षित हो या फिलहाल लागू किसी अन्य कानून या वाणिज्यिक प्रयोजनों के लिए किसी सहकारी समिति का

बशर्ते कि कोई कर्मचारी, सहकारी समिति अधिनियम 1912 (1912 का 2) या कुछ समय के लिए लागू कोई अन्य कानून के अन्तर्गत पंजीकृत कर्मचारी के पूर्णतया लाभ के लिए सहकारी समिति या समिति पंजीकरण अधिनियम 1860 ('1860 का 21) या लागू कोई अन्य किसी प्रकार के कानून के अन्तर्गत पंजीकृत साहित्यिक वैज्ञानिक या धर्मार्थ समिति के पंजीकरण प्रोत्तमाहन या प्रबन्ध में भाग ले सकता है।

(4) कोई कर्मचारी बिना निर्धारित प्राधिकरण की स्वीकृति के किसी सार्वजनिक निकाय या गैर-सरकारी व्यक्ति के लिये उस द्वारा किये गये किसी प्रकार के कार्य के लिए कोई शुल्क स्वीकार नहीं करेगा।

26. (1) पूँजी लगाना उधान देना और उधार लेना—
कोई कर्मचारी किसी भी स्टाक, शेयर, या अन्य पूँजी लगाने का व्यापार नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण—शेयरों की बार-बार खरीद या बिक्री या दोनों या कोई अन्य पूँजी लगाना इस उप-विनियमन की परिभाषा के भीतर सदृश समझा जाएगा।

(2) कोई कर्मचारी न तो स्वयं करेगा और न ही अपने परिवार के किसी सदस्य या उसकी ओर से कोई अन्य व्यक्ति को अनुमति देगा कि वह पूँजी लगाए, जिससे उसके सरकारी काम में उसे परेशानी होने या उस पर प्रभाव पड़ने की संभावना हो।

(3) यदि कोई ऐसा प्रश्न उठता है कि क्या कोई लेन-देन उल्लिखित उप-विनियमन (1) या उप-विनियमन (2) के प्रकार का है या नहीं तो इस बारे में बोर्ड का निर्णय अन्तिम होगा।

(4.) (i) कोई भी कर्मचारी बैंकिंग का कार्य करने के लिए प्राधिकृत बैंक या चिरप्रचलित फर्म या सरकारी लिमिटेड कम्पनी के द्वारा आम कार्य के सिवाए, स्वयं या अपने परिवार के किसी सदस्य के जरिये या उसकी ओर से कार्य कर रहे किसी अन्य व्यक्ति के जरिये निम्नलिखित कार्य नहीं करेगा:—

(क) अपने अधिकार की स्थानीय सीमाओं के भीतर या जिस के साथ उसके सरकारी संबंध होने की संभावना है प्रधान एजेंट के तौर पर कम्पनी न देगा और न लेगा या अन्यथा अपने को ऐसे व्यक्ति के साथ वित्तीय लाभ में संबद्ध नहीं होगा; या

(ख) द्याज पर किसी व्यक्ति को धन नहीं देगा या कोई ऐसा तरीका नहीं अपनायेगा कि जिससे उससे वापसी में धन ले या सामग्री ले।

बशर्ते कि कोई कर्मचारी अपने संबंधी या वैयक्तिक हित से बिना द्याज पर थोड़ी राशि का पूर्णतया अस्थायी ऋण ले सकता है या नेक नियत व्यापारी के साथ उधार खाता खोल सकता है या अपने गैर सरकारी कर्मचारी को अधिग्रहण बेतन दे सकता है।

बशर्ते कि इस उप-विनियमन की कोई भी बात उस लेनदेन पर लागू नहीं होगी जो कर्मचारी द्वारा बोर्ड की पूर्व स्वीकृति किया गया हो।

(ii) जब कोई कर्मचारी किसी ऐसे पद पर नियुक्त किया जाता है या स्थानान्तरित किया जाता है जिससे उनके द्वारा उप-विनियमन (2) या उप-विनियमन (4) के उपबन्धों का उल्लंघन होता है तो वह तत्काल निर्धारित प्राधिकारी को परिस्थितियों की रिपोर्ट करेगा और उसके बाद ऐसे आदेशों के अनुसार कार्य करेगा जिसे कि जैसे प्राधिकरण द्वारा दिए जाए।

27. दीवालियापन तथा ऋण लेने की प्रकृति कर्मचारी अपने निजी कार्य का इस प्रकार से प्रबन्ध करेगा ताकि नित्य के कर्ज और दीवालियापन से बचा जा सके। किसी कर्मचारी जिसके विरुद्ध उससे देय कर्ज की वसूली के लिए या उसे दीवालिया साक्षित करने के लिए कानूनी कार्यवाही आरम्भ की गई हो तो वह तत्काल बोर्ड को कानूनी कार्यवाही से अवगत करायेगा।

टिप्पणी: इस बात को साक्षित करने का उत्तरदायित्व कर्मचारी पर होगा कि दीवालियापन या कर्ज परिस्थितियों के फलस्वरूप या जोकि साधारण सत्रेताना बरतने पर कर्मचारी उसका पूर्व प्राभास नहीं कर सका या उस पर उसको कोई नियन्त्रण नहीं या ऐसा उसके खर्चीलेपन या दुर्बंधना आवश्यकों के कारण नहीं हुआ।

28.1 चल और अचल बहु-मूल्य सम्पत्ति प्रत्येक कर्मचारी बोर्ड के अन्तर्गत किसी पद पर अपनी प्रथम नियुक्ति होने पर बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रपत्र में अपनी सम्पत्तियों और उत्तरदायित्वों का विवरणी प्रस्तुत करेगा जिसमें वह निम्नलिखित के बारे में पूर्ण व्यौरे देगा:

(क) अचल सम्पत्ति उस द्वारा विरासत में ली गई हो, या उसके द्वारा अर्जित की गई हो या उस द्वारा अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम या किसी अन्य व्यक्ति के नाम पट्टा या रेहन रखी हो;

(ख) बैंक ड्राफ्ट सहित शेयर, डिबंधर तथा नकदी, उस द्वारा विरासत में ली गई, या इसी प्रकार से उस द्वारा, ली गई अर्जित की गई या रखी गई हो।

(ग) उसके द्वारा विरासत में ली गई अचल सम्पत्ति या इसी प्रकार उस द्वारा ली गई, अर्जित की गई या रखी गई हो।

(घ) प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उस द्वारा लिये गए कर्ज तथा अन्य उत्तरदायित्व।

टिप्पणी i : सामान्यतः उप-नियम (1) वर्ग 'डी' के कर्मचारियों पर लागू नहीं होगा लेकिन बोर्ड यह निर्देश दे सकता है कि यह किसी कर्मचारी या ऐसे कर्मचारियों की श्रेणी पर लागू होगा।

टिप्पणी ii : सभी विवरणों में 2000 रुपए (दो हजार) से कम के मूल्य की चल सम्पत्ति उस में जमा की जाए और उसे एक मुश्त के तौर पर दिखाई जाए। कपड़े, बर्टन, फाकरी, पुस्तकें आदि जैसी नित्य प्रति के प्रयोग में आने वाली वस्तुओं को इसमें शामिल करने की आवश्यकता नहीं है।

टिप्पणी iii : कोई कर्मचारी जो इन विनियमों के लागू होने की तारीख को सेवा में था, ऐसी तारीख को या उससे पहले इस उप-विनियम के अधीन विवरणी प्रस्तुत करेगा जैसी की लागू होने के बाद बोर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए।

(2) कोई कर्मचारी सिवाएं निर्धारित प्राधिकरण के पूर्व ज्ञान के, न ही अपने नाम और न ही अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम पट्टा रेहन, क्रय, विक्रय, उपहार या अन्यथा कोई अचल सम्पत्ति खरीदेगा और न ही बेचेगा।

बाश्ते कि कर्मचारी द्वारा निर्धारित प्राधिकरण से पूर्व नुस्खा ली जाएगी यदि ऐसा लेन-देन—

(i) कर्मचारी के साथ सरकारी संबंध रखने वाले व्यक्ति के साथ है और या

(ii) किसी नियमित या विष्यात व्यापारी के अतिरिक्त किसी अन्य से है।

(3) जहाँ कोई कर्मचारी अपने नाम या अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम चल सम्पत्ति के बारे में लेन-देन करता है, तो ग्रुप 'ए' और ग्रुप 'बी' पदधारक कर्मचारी के मामले में यदि सम्पत्ति का मूल्य 2000 रुपए से अधिक है या ग्रुप 'सी' या ग्रुप 'डी' पद के मामले में मूल्य 1000 रुपए से अधिक है तो वह ऐसे लेन-देन की तारीख के 1 मास के भीतर निर्धारित प्राधिकरण को इस बारे में सूचित करेगा। बाश्ते कि यदि ऐसा लेन-देन निम्न प्रकार का है तो निर्धारित प्राधिकरण से इसकी पूर्व अनुमति प्राप्त की जाएगी—

(i) उस व्यक्ति से जिसके कर्मचारी के साथ सरकारी संबंध है और या

(ii) नियमित या विष्यात व्यापारी के अतिरिक्त किसी अन्य से।

(4) बोर्ड या निर्धारित प्राधिकरण किसी भी समय, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा किसी कर्मचारी को आदेश में विनिर्दिष्ट अवधि के भीतर उस द्वारा, या उसकी ओर से या उसके परिवार के किसी सदस्य

द्वारा जैसी कि आदेश में विनिर्दिष्ट की जाए, ऐसा चल या अचल सम्पत्ति का पूर्ण विवरण देने के लिए कह सकता है। यदि बोर्ड या निर्धारित प्राधिकरण द्वारा ऐसा अपेक्षित हो तो ऐसे विवरण में ऐसी सम्पत्ति अर्जित करने के साधनों और स्रोतों के बैरे शामिल किए जायेंगे।

(5) उप विनियमन (4) के अतिरिक्त बोर्ड, ग्रुप 'सी' या ग्रुप 'डी' से संबंधित कर्मचारियों के किसी वर्ग को इस विनियमन के प्रावधानों से छूट दे सकता है।

स्पष्टीकरण 1—इस विनियमन के प्रयोजनों के लिए:

(1) 'चल सम्पत्ति' अभिव्यक्ति में निम्नलिखित शामिल हैं—

(क) आभूषण, बीमा पालिसी, जिसका वार्षिक श्रीमियम 1000 रुपए या कर्मचारी द्वारा बोर्ड से ली जाने वाली कुल वार्षिक परिलिखियों का 16वां भाग इसमें से जो भी कम हो, शेयर धरोहर और ऋण पत्र।

(ख) कर्मचारी द्वारा दिए गए ऋण चाहे मुरक्कत हों या नहीं।

(ग) मोटर कार, मोटर वाहन, घोड़ा या यातायात की कोई अन्य वस्तुएं और

(घ) रेफिजरेटर, रेडियो, रेडियोग्राम, टेपरिकार्डर, कैलकुलेटर और टेलीविजन सेट।

स्पष्टीकरण : इस विनियमन के प्रयोजनों के लिए, सिवाय जहाँ यह कर्मचारी के साथ सरकारी संबंध रखने वाले व्यक्ति से प्राप्त की है या उसको दी है, पट्टा में वर्ष-दर-वर्ष में अचल सम्पत्ति का पट्टा या कोई अवधि जो एक वर्ष से अधिक हो या वार्षिक किराया प्राप्त करती हो, अभिप्रेत है।

भारत के बाहर अचल सम्पत्ति के अर्जन और विक्रय में संबंधित नियंत्रण तथा विदेशियों के साथ लेन-देन

विनियमन 28 के उप-विनियमन (2) में दी गई किसी बात पर ध्यान न देते हुए, कोई भी कर्मचारी सिवाएं निर्धारित प्राधिकरण की पूर्व स्वीकृति के :

(क) न ही अपने नाम और न ही अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम भारत से बाहर स्थित कोई अचल सम्पत्ति, क्रय, रेहन, पट्टे, उपहार या अन्यथा अर्जित करेगा।

(ख) भारत में बाहर स्थित अचल सम्पत्ति के बारे में विक्रय, रेहन, उपहार या अन्यथा नहीं बेचेगा या पट्टा करायेगा जो इस द्वारा अपने नाम या अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम अर्जित की गई हो या प्राप्त की गई हो,

(ग) किसी विदेशी, विदेशी सरकार, विदेशी संगठन या

फर्म के साथ निम्नलिखित के लिए लेन-देन नहीं करेगा :—

- (i) खरीद, रेहन, पट्टा, उपहार या अन्यथा, न ही अपने नाम और न ही अपने परिवार के किसी सदस्य के नाम किसी अचल सम्पत्ति के अर्जन के लिए।
- (ii) विक्रय, रेहन, उपहार या अन्यथा या किसी पट्टा देने के बारे में किसी अचल सम्पत्ति के निषटान के लिए जो या तो उसके अपने नाम या उसके परिवार के किसी सदस्य के नाम अर्जित की गई थी या ली गई थी,

कृत्यों का निपटारा और कर्मचारी का आचरण : 30

- (1) कोई भी कर्मचारी, सिवाये बोर्ड की पूर्व अनुमति के, किसी उस सरकारी कृत्य के निपटारे के लिए किसी न्यायालय या प्रेस के पास नहीं जाएगा जो विपरीत आलोचना या किसी अपमानित कठाक्ष का विषय रहा हो।
- (2) इस विनियमन में कोई ऐसी बात नहीं होगी जो किसी कर्मचारी को अपने निजी प्रकार के या अपनी निजी हैसियत से उसके द्वारा किए गए किसी कृत्य के निपटारे से मना करे और जहां उसके निजी प्रकार के कृत्य या उस द्वारा निजी हैसियत में किए गए कृत्यों का निपटारा करने की कार्यवाही की जाती है तो कर्मचारी ऐसी कार्यवाही के बारे में निर्धारित प्राधिकरण को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा।

टिप्पणी : इस विनियमन के प्रयोजनों के लिए 'निर्धारित प्राधिकरण' से वही अभिप्रेत है जो विनियमन 28 में है।

गैर सरकारी व्यक्तियों का प्रधार या अन्य प्रभाव : 31

कोई भी कर्मचारी बोर्ड में अपनी सेवा के प्रति मामलों के बारे में अपने हितों को बढ़ावा देने के लिए किसी वरिष्ठ प्राधिकारी पर दबाव डालने के लिए कोई राजनीतिक या अन्य प्रभाव नहीं डालेगा और नहीं डालने की चेष्टा करेगा।

विवाह संबंधी नियंत्रण : 32

- (1) कोई कर्मचारी उस व्यक्ति के साथ विवाह नहीं करेगा जिसका जीवन-साधी जीवत हो; और
- (2) कोई व्यक्ति जिसका जीवन-साधी जीवत हो किसी अन्य व्यक्ति से विवाह नहीं करेगा।

बाश्तें कि बोर्ड उपविनियम (1) या उप विनियमन (2) में उल्लिखित कोई ऐसा विवाह करने या विवाह का कान्ट्रेक्ट की किसी कर्मचारी को अनुमति दे सकता है यदि वह सन्तुष्ट हो सके कि :—

- (क) ऐसे कर्मचारी तथा अन्य पक्ष को विवाह संबंधी लागू वैयक्तिक कानून के अन्तर्गत ऐसा विवाह अनुमेय है;
- (ख) ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद है;

(3) कोई कर्मचारी जिसने भारतीय नागरिक के ग्रलाका किसी अन्य व्यक्ति से विवाह किया है या करता है तो उसे इस तथ्य के बारे में तत्काल बोर्ड को सूचित करना होगा।

नशीली पेय या दवाइयों का प्रयोग : 33

- (क) उस क्षेत्र में, जिसमें वह उस समय रहा रहा हो, लागू नशीले पेय या दवाइयों संबंधी किसी कानून का दृढ़ता से अनुपालन करेगा;
- (ख) अपनी ड्यूटी की अवधि के दौरान किसी नशीले पेय या दवाइयों के प्रभाव में नहीं रहेगा और वह इस बात का भी घान रखेगा कि किसी भी समय उसकी ड्यूटी कर निर्वाह ऐसे पेय या दवाई के प्रभाव द्वारा किसी प्रकार से प्रभावित नहीं होता है;
- (ग) किसी सार्वजनिक स्थान में किसी नशीले पेय या दवाई का सेवन करने से परहेज करेगा।
- (घ) नशे की हालत में किसी सार्वजनिक स्थान पर नहीं जाएगा;
- (ङ) कोई नशीला पेय और दवाई अधिक मात्रा में नहीं लेगा;

स्पष्टीकरण : इस विनियमन के प्रयोजन के लिए "सार्वजनिक स्थान" से अभिप्रेत वह स्थान है (वाहन सहित) जहां जनता को पैसे देकर या अन्यथा जाने की अनुमति हो।

पदों का वर्णकरण

भाग-IV—वर्गीकरण, नियन्त्रण तथा अपील

34. बोर्ड के अन्तर्गत सभी पदों को निम्नलिखित प्रकार से स्वीकृति किया जाएगा :

क्रम	पदों का व्यौरा सं०	वर्गीकरण
1.	वह पद जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 1300 रुपए से कम न हो।	ग्रुप 'ए'
2.	वह पद जिसका अधिकतम वेतनमान या वेतनमान 900 रुपए से कम न हो किन्तु 1300 रुपए से कम हो।	ग्रुप 'बी'
3.	वह पद जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 290 रुपए से ऊपर हो लेकिन 900 रुपए से कम हो।	ग्रुप 'सी'
4.	वह पद जिसका अधिकतम वेतन या वेतनमान 290 रुपए हो या इससे कम हो।	ग्रुप 'डी'

35. नियुक्त कर्ता प्राधिकरण

- (1) ग्रुप 'ए' पदों की सभी नियुक्तियां, जिसका अधिकतम वेतन 1600 रुपए प्रति मास से अधिक है, केन्द्रीय सरकार की पूर्व अनुमति से अध्यक्ष द्वारा की जाएगी।

(2) युप 'ए' पदों की सभी वे नियुक्तियां जिनका वेतन या वेतनमान 1300 रुपए प्रतिमास से कम नहीं है लेकिन 1600 रुपए से अधिक नहीं है; युप 'बी' के पदों और युप 'सी' के पदों की नियुक्तियां अध्यक्ष द्वारा की जाएंगी।

(3) युप 'डी' के पदों की सभी नियुक्तियां सदस्य सचिव द्वारा की जाएंगी।

36. मुश्तकली

(1) नियुक्ति कर्ता प्राधिकरण या कोई अन्य प्राधिकरण जिसके अधीन वह हो या अनुशासनिक प्राधिकरण या कोई अन्य प्राधिकरण जिसे बोर्ड ने उसकी ओर से शक्तियां दे रखी हों, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा किसी कर्मचारी को मुश्तकल कर सकता है:

(क) जहां उसके विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही करनी अपेक्षित हो या निलंबित हो; या

(ख) जहां, उपर्युक्त प्राधिकारी की राय में, वह स्वयं राज्य या बोर्ड की सुरक्षा के विपरीत गतिविधियों में लगा दृष्टा है; अथवा

(ग) जहां किसी आपराधिक घटना के बारे में उसके विरुद्ध किसी मामले में जांच-पड़ताल की जा रही हो;

परन्तु यह तब जब कि नियुक्ति प्राधिकारी से कम दर्जे के किसी प्राधिकारी द्वारा निलम्बन का आदेश जारी किया जाता है, तो ऐसा प्राधिकारी उन परिस्थितियों के बारे में नियुक्ति प्राधिकारी को तुरन्त रिपोर्ट देगा जिसमें यह आदेश दिया गया था। जिन परिस्थितियों में यह आदेश दिया गया था।

(2) किसी कर्मचारी को नियुक्ति प्राधिकारी के आदेश द्वारा निलम्बनाधीन रखा गया समझा जाएगा —

(क) उसके अवरोधन की तारीख से यदि उसे 48 घण्टे से अधिक की अवधि के लिए चाहे आपराधिक आरोप पर या अन्यथा कैद में रखा गया हो;

(ख) उनके दोष सिद्ध होने की तारीख से यदि, अपराध सिद्ध होने के परिणामस्वरूप उसे 48 घण्टे से अधिक कारावास की सजा दी जाती हो और तदनुसार ऐसे दोष सिद्ध होने पर उसे तुरन्त बर्खास्त कर दिया गया हो या निष्कासित कर दिया गया हो अथवा अनिवार्य रूप से सेवा-नियूत कर दिया गया हो।

स्पष्टीकरण.—इस उप-विभिन्न के खण्ड (ख) में उपर्युक्त 48 घण्टे की अवधि अपराध स्वीकार करने के पश्चात सजा सुनाने के दिन से गिनी जाएगी और इस प्रयोजन के लिए, कारावास की सविराम अवधि, यदि कोई हो, को ध्यान में रखा जाएगा।

(3) जहां निलम्बनाधीन किसी कर्मचारी पर सेवा में बरखास्तगी निष्कासन या अनिवार्य रूप से सेवा-

नियूत करना जैसे दिए गए दण्ड पर अपील करने पर अथवा इन विनियमों के अन्तर्गत, पुनर्विभार करने पर रद्द कर दिया जाए और मामले को आगे जांच के लिए या कार्यवाही के लिए अन्य निर्देशन के साथ भेजा जाता है तो उसके निलम्बन के आदेश बरखास्तगी, निष्कासन या अनिवार्य सेवा-नियूति के मूल आदेश जारी होने की तारीख से लेकर अगले आदेश होने तक जारी रखे समझे जायेंगे।

(4) जहां किसी कर्मचारी पर सेवा से बरखास्तगी, निष्कासन या अनिवार्य रूप से सेवा नियूत करना जैसे दिए गए दण्ड को त्वायालय को किसी नियंत्रण द्वारा अथवा के नियंत्रण से रद्द किया जाता है या अमाल्य धोषित किया जाता है अथवा अमान्य माना जाता है, और अनुशासनात्मक प्राधिकरण मामले की परिस्थितियों का विचार करने पर उसके विरुद्ध आरोपों पर आगे कार्यवाही करने का निर्णय करता है जिस पर बरखास्तगी, निष्कासन या अनिवार्य सेवा-नियूति का दण्ड मूलतः लगाया गया था, तो कर्मचारी को बरखास्तगी, निष्कासन या अनिवार्य सेवा-नियूति के मूल आदेश की तारीख से नियुक्त प्राधिकरण द्वारा निलम्बनाधीन रखा गया समझा जाएगा और वह अगले आदेशों तक निलम्बित रहेगा।

(5) (क) इस विनियम के अन्तर्गत बताए गए या समझे गए निलम्बन के आदेश तब तक लागू रहेंगे जब तक कि इसके लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा ये आदेश संशोधित अथवा समाप्त नहीं किए जाते।

(ख) जहां कोई कर्मचारी निलम्बित हो या निलम्बित किया गया समझा जाता हो आहे किसी अनुशासनात्मक कार्रवाई अथवा अन्य मामले के संबंध में हो और उक्त निलम्बन के जारी रहने के दौरान उसके विरुद्ध कोई अन्य अनुशासनात्मक कार्यवाही आरम्भ की जाती है तो उन्हें निलम्बित रखने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिपिबद्ध किए जाने वाले कारणों के लिए यह निर्देश दे सकता है कि वह कर्मचारी ऐसे सभी या किसी कार्रवाई के समाप्त होने तक, निलम्बित रहेगा।

(ग) इस नियम के अधीन निकाले गए या समझे गए निलम्बन के आदेश को किसी समय, प्राधिकारी द्वारा आदेश दिया गया समझा जाता है अथवा किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा संशोधित या समाप्त किया जा सकता है जिसके अधीन वह प्राधिकारी हो।

37. कोई कर्मचारी जो निलम्बित हो या निलम्बन अधीन रखा गया समझा जाता है, वह अपनी निलम्बन अवधि के दौरान निम्नलिखित अदायगी का पात्र होगा, नामतः

(क) आधे वेतन के बराबर निर्वाह-भत्ता जो कर्मचारी लेगा यदि वह छट्टी पर रहा हो और, इसके अतिरिक्त ऐसे छट्टी वेतन के आधार पर यदि अनुमेय हो, महंगाई भत्ता ।

बाशर्ते कि जहाँ निलम्बन की अवधि सीन महीने से अधिक हो जाती है तो प्राधिकारी जिसने निलम्बन आदेश दिया या दिया गया समझा जाता है, पहले तीन महीने की अवधि के बाद वह निर्वाह भत्ते की राशि में परिवर्तन करने के लिए सक्षम होगा या इस प्रकार है —

(i) यदि, उक्त प्राधिकारी की राय [मि], निलम्बन की अवधि को उन कारणों से बढ़ा दिया गया है, जिन्हें लिपिबद्ध किया जाना है तथा जिनका [सीधा संबंध कर्मचारी से नहीं है] तो निर्वाह भत्ते की राशि को पहले तीन महीनों की अवधि के दौरान अनुमेय निर्वाह भत्ते का 50 प्रतिशत से अनधिक उपर्युक्त राशि तक बढ़ाया जा सकता है।

(ii) यदि, उक्त प्राधिकारी की राय में कर्मचारी को सीधे उत्तरदायी ठहराने को लिपिबद्ध किए जाने के कारण निलम्बन की अवधि बढ़ा दी गई है, तो निर्वाह भत्ते की राशि पहले तीन महीनों की अवधि के दौरान अनुमेय निर्वाह भत्ते को उपर्युक्त रूप से घटा दें जो 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

(iii) महंगाई भत्ते की दर उपर्युक्त उप-खण्ड (i) और (ii) के अन्तर्गत अनुमेय निर्वाह भत्ता बढ़ाए गए अथवा घटाए गए, जैसा भी मामला हो, के आधार पर होगी।

(iv) वेतन के आधार पर समय समय पर, अनुमेय कोई अन्य प्रतिपूरक भत्ता जिसे कर्मचारी निलम्बन की तारीख पर ले रहा था बाशर्ते कि वह ऐसे भत्ते के लेने के लिए सभी आय शर्तें पूरी करता हो।

38. उप-विनियमन (i) (क) के अन्तर्गत कोई भुगतान तब तक नहीं किया जाएगा जब तक कर्मचारी इस आशय का एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं करता कि वह (पुरुष/स्त्री) किसी अन्य रोजगार/व्यापार/पश्चा अथवा व्यवसाय में नहीं लगा हुआ है।

बाशर्ते कि किसी कर्मचारी के मामले में जिसे सेवा से बरखास्त कर दिया गया हो, निष्कासित कर दिया गया हो या अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त कर दिया गया हो और जिसे उप-विनियमन (3) और उप-विनियमन (4) के अन्तर्गत इस प्रकार की बरखास्तगी, निष्कासन या अनिवार्य सेवा-निवृत्ति की तारीख से निलम्बनाधीन रहा हो अथवा रखा गया समझा जाता हो, और जो किसी अवधि या अवधियों के लिए इस प्रकार का कोई प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करता है जिसके दौरान वह (पुरुष/स्त्री) निलम्बनाधीन रहा हो या रही हो या रखा गया हो तो वह उस राशि के बराबर निर्वाह भत्ता और अन्य भत्ते लेने का पात्र होगा/होगी जो उसकी कमाई इस प्रकार की अवधि अथवा अवधियों के दौरान, जैसा भी मामला बनता हो, निर्वाह

भत्ता और अन्य भत्ते की उस राशि से अपर्याप्त पड़ता है जो अन्यथा उसको अनुमेय होगा। जहाँ उसको अनुमेय निर्वाह भत्ता और अन्य भत्ते उसके द्वारा उपार्जित राशि के बराबर या उससे कम है, तो यह परन्तु उस पर लागू नहीं होगा।

39. दण्ड :—पर्याप्त कारणों से तथा एतिस्मिन पश्चात किसी कर्मचारी पर निम्नलिखित सजाएं हमेशा के लिए लागू हो सकती हैं, नामतः:

गौण दण्ड

- (i) निन्दा
 - (ii) पदोन्नति रोकना
 - (iii) लापरवाही या आदेशों के उल्लंघन के कारणवश हुए किसी आर्थिक हानि का सारा अथवा आंशिक भाग का उसके वेतन से बोर्ड के लिए वसूली
 - (iv) वेतनवृद्धि रोकना
 - (v) अगले निर्देशनों सहित निर्धारित अवधि के लिए वेतन के टाइम स्केल में एक निम्नतर सोपान तक कटौती करना, क्या कर्मचारी इस प्रकार की कटौती की अवधि के दौरान वेतन वृद्धि लेगा या नहीं और क्या ऐसी अवधि के समाप्त होने पर, इस कटौती का प्रभाव इसके वेतन की अगली वेतनवृद्धियों को स्पर्गित रखने पर होगा अथवा नहीं।
 - (vi) वेतन, ग्रेड या पद के निम्नतर टाइम स्केल तक कटौती करना जो वेतन, ग्रेड या पद के टाइम स्केल में कर्मचारी की पदोन्नति में सामान्यतः एक रोधक होगा जिस ग्रेड या पद जिसे कम कर दिया गया था को पुनः स्थापन की शर्तों के बारे में जिसे कर्मचारी को उस पद, ग्रेड से जुटा दिया गया था उसे पुनः स्थापन करने सम्बन्धी शर्तों के सम्बन्ध में उस ग्रेड या पद पर ऐसी पुनःस्थापन से उसकी वरीयता तथा वेतन के निर्देशनों सहित अथवा बिना निर्देशनों के करना।
 - (vii) अनिवार्य सेवा निवृत्ति
 - (viii) सेवा से निष्कासन करना जो बोर्ड के अन्तर्गत भावी रोजगार के लिए समान्यतया कोई अनर्हता नहीं होगी।
 - (ix) सेवा से बरखास्त करना जो बोर्ड के अन्तर्गत भावी रोजगार के लिए कोई अनर्हता नहीं होगी।
- स्पष्टीकरण :**—निम्नलिखित बातें इस विनियमन के प्रयोजन में दण्ड नहीं माना जाएगा, नामतः:
- (i) किसी कर्मचारी द्वारा उस पद को जिसे वह धारण करता है/करती है अथवा उसकी नियुक्ति की शर्तों को संचालित करते हुए नियमों अथवा आदेशों के अनुमारकोई विभागीय परीक्षा पास न करने पर उसकी वेतन वृद्धि रोकना।

- (ii) किसी कर्मचारी की दक्षता रोक पार करने पर अधिकारी पात्रे पर वेतनमान में दक्षता अधिकारी को बद्ध बनाना।
- (iii) किसी कर्मचारी की किसी ग्रेड या पद पर प्रोमोशन के लिए जिसके लिए वह पात्र है, के मामले पर विचार करने के बाद चाहे वह वास्तविक हो या स्थानापन तौर पर हो, पदोन्नति न करता।
- (iv) किसी उच्चतर ग्रेड में या पद पर कार्य कर रहे किसी कर्मचारी का निम्नतर ग्रेड अथवा उस आधार पर परावर्तन करना जिस पर उसके असम्बद्ध आचरण के किसी प्रशासनिक आधार पर ऐसे उच्चतर ग्रेड या पद के लिए अनुपयुक्त समझा जाता है।
- (v) किसी अन्य ग्रेड अथवा पद पर परिवीक्षा पर नियुक्त किसी कर्मचारी को ऐसे परिवीक्षा को संचालित करने हुए उसकी नियुक्ति की शर्तों या नियमों अथवा आदेशों के अनुसार परिवीक्षा अवधि के अन्त पर या दौरान उसके स्थायी ग्रेड अथवा पद पर परावर्तन करना।
- () किसी कर्मचारी की सेवाओं का प्रतिस्थापन करना जिसकी सेवायें राज्य सरकार के नियन्त्रणधीन किसी राज्य सरकार से अथवा प्राधिकरण से या राज्य सरकार या प्राधिकरण के प्रबन्ध पर किसी अन्य प्राधिकरण से जिससे ऐसे कर्मचारी की सेवायें उधार ली गई थीं।
- (vi) किसी कर्मचारी की अनिवार्य सेवा निवृत्ति।
- (vii) सेवा समाप्ति :
- (क) किसी कर्मचारी की नियुक्ति परिवीक्षा पर, जो उसके परिवीक्षा अवधि के दौरान अथवा समाप्ति पर, उसकी नियुक्ति अथवा ऐसी परिवीक्षा को नियन्त्रित करने वाले नियमों, आदेशों के अन्तर्गत सेवा समाप्ति अथवा।
- (ख) केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के उपबन्धों के अनुसार किसी अस्थायी कर्मचारी की सेवाओं की समाप्ति।
- (ग) ऐसे करार की शर्तों के अनुसार किसी करार के अन्तर्गत नियुक्त किसी कर्मचारी की सेवाओं से समाप्ति।

अनुशासनिक प्राधिकरण

40. (1) अध्यक्ष विनियमन 39 में निर्धारित सजाओं में से कोई सजा किसी भी कर्मचारी पर लगा सकता है बश्यत कि किसी पद को धारण करने वाले किसी कर्मचारी पर जिसका अधिकतम वेतनमान 1600/- रु० प्रतिमास से अधिक है, विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में उल्लिखित कोई दण्ड देने से पहले केन्द्रीय सरकार का पूर्व अनुमोदन लेना होगा।

- (2) उप-विनियमन (1) के उपबन्धों के पूर्वांयह के बिना, विनियमन 39 में निर्धारित कोई सजा नियुक्त प्राधिकारी द्वारा या बोर्ड से किसी सामान्य अथवा विशेष आदेश द्वारा इसकी ओर से अधिकारायुक्त किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा किसी कर्मचारी को दी जा सकती है।

स्पष्टीकरण :—जहां किसी कर्मचारी को जो किसी समूह के पद पर है चाहे परिवीक्षा पर हो, या अस्थायी अगले उच्चतर समूह के पद पर पदोन्नत किया जाता है, तो उसे इस प्रकार के उच्चतर समूह के पद को धारण करने वाला समझा जायेगा।

कार्रवाई करने के लिए प्राधिकारी

41. (1) अध्यक्ष निम्नलिखित कार्रवाई कर सकता है :—
- (क) किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई कर सकता है।
 - (ख) जहां वह स्वयं किसी कर्मचारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए अनुशासनिक प्राधिकारी नहीं है किसी अनुशासनिक प्राधिकारी को निदेश दे सकता है जिस पर उक्त अनुशासनात्मक प्राधिकारी इन विनियमों के अन्तर्गत विनियमन 39 में निर्धारित सजाओं में से कोई सजा लागू करने में सक्षम है।
 - (2) विनियमन 39 के खण्ड (i) से (iv) में निर्धारित सजाओं में से कोई सजा देने के लिए इन विनियमों के अन्तर्गत सक्षम अनुशासनिक प्राधिकारी विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित सजाओं में से कोई दण्ड देने के लिए किसी कर्मचारी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई कर सकता है इस बात के होते हुए कि अनुशासनिक प्राधिकारी परवर्ती सजाओं में से कोई सजा देने के लिए इन विनियमों के अन्तर्गत सक्षम नहीं है।
- भारी दण्ड देने की प्रक्रिया
सजाएं लागू करने की प्रक्रिया
42. (1) विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड देने का कोई आदेश इस विनियमन में और विनियमन 43 में दी गई रीति के अनुसार सिवाय किसी जांच पड़ताल के पश्चात जहां तक हो सके, नहीं दिया जाएगा।
- (2) जब भी अनुशासनिक प्राधिकारी की यह राय हो कि जहां किसी कर्मचारी के विरुद्ध किसी दुराचरण या दुव्यवहार के किसी आरोप की मच्चाई जानने के लिए आधार है, वहां यह स्वयं जांच करे या इस विनियमन के अन्तर्गत उसकी मच्चाई जानने के लिए किसी प्राधिकारी को नियुक्त करें।
- स्पष्टीकरण :**—जहां अनुशासनिक प्राधिकारी स्वयं जांच पड़ताल करता है, तो उप-विनियमन (7) से

- उप-विनियमन (20) में आंग उप-विनियमन (22) में जांच करने वाले प्राधिकारी को विसी संदर्भ का अर्थ अनुशासनिक प्राधिकारी को दिए गए संदर्भ के रूप में होगा।
- (3) जहां इस विनियमन और विनियमन 43 के अन्तर्गत किसी कर्मचारी के विरुद्ध कोई जांच पड़ताल करने का प्रस्ताव है, तो अनुशासनिक प्राधिकारी निम्नलिखित कागजात तैयार करेगा या तैयार करवायेगा:—
- (I) दुराचरण तथा दुर्घटव्हार के आरोपों का स्वरूप एवं सुनिश्चित सार।
- (II) दोषारोपण के प्रत्येक मद के समर्थन में दुराचरण एवं दुर्घटव्हार के आरोपों का एक विवरण जिसमें निम्नलिखित बातें होंगी:—
- (क) कर्मचारी द्वारा दी गई किसी स्वीकृति या स्वीकारोक्ति सहित सभी संबंधित तथ्यों का विवरण।
- (ख) कागजातों की सूची जिसके द्वारा और गवाहों की सूची, जिसमें दोषारोपण की पुष्टि किए जाने का प्रस्ताव हो।
- (4) अनुशासनिक प्राधिकारी दोषारोपण की एक प्रतिलिपि दुराचरण एवं दुर्घटव्हार के आरोपों का एक विवरण, कागजातों और गवाहों की सूची, ऐसे दोषारोपण की पुष्टि किए जाने वाले प्रस्ताव कर्मचारी को भेजेगा या भेजे जाने के लिए प्रेरित करेगा और कर्मचारी से यह अपेक्षा करेगा कि वह ऐसे समय के भीतर जैसा निर्धारित किया जाए, अपने बचाव का लिखित विवरण प्रस्तुत करे और यह बताएं कि क्या उसकी व्यक्तिगत रूप से पेश होने की छँडा है।
- (5) (क) बचाव का लिखित विवरण प्राप्त हो जाने पर, अनुशासनिक प्राधिकारी यथा अस्वीकृत ऐसे दोषारोपण की स्वयं जांच पड़ताल करे या यदि यह ऐसा करना आवश्यक समझता है, तो उप-विनियमन (2) के अन्तर्गत इस प्रयोजनार्थ एक जांच प्राधिकारी नियुक्त करे, और जहां कर्मचारी द्वारा सभी दोषारोपण को अपने लिखित बचाव विवरण में स्वीकार किया गया है, तो अनुशासनात्मक प्राधिकारी ऐसे साक्ष्य लेने के पश्चात, जैसा यह ठीक समझे, प्रत्येक आरोप पर अपने निर्धारित रीति के अनुसार कार्य करेगा।
- (ख) यदि कर्मचारी बचाव के लिए लिखित रूप में विवरण प्रस्तुत नहीं करता, तो अनुशासनिक प्राधिकारी स्वयं दोषारोपण की जांच पड़ताल करे या यदि यह ऐसा करना आवश्यक समझे तो उप-विनियमन (2) के अन्तर्गत इस प्रयोजनार्थ एक जांच प्राधिकारी नियुक्त करे।
- (g) जहां अनुशासनिक प्राधिकारी किसी दोषारोपण की जांच पड़ताल करता है या ऐसे आरोपों की जांच करने के लिए एक जांच प्राधिकारी नियुक्त करता है, तो वह एक आदेश द्वारा अपने अन्य कर्मचारियों में से एक कर्मचारी को या एक बकील को जिसे "उपस्थापन प्राधिकारी" कहां जाए दोषारोपण के समर्थन में अपनी ओर से मामले को प्रस्तुत करने के लिए नियुक्त कर सकता है।
- (6) अनुशासनिक प्राधिकारी, जहां जांच प्राधिकारी नहीं है, जांच प्राधिकारी को निम्नलिखित प्रतिलिपियां भेजेगा —
- (i) दोषारोपण की एक प्रतिलिपि एवं दुराचरण या दुर्घटव्हार के आरोपों का विवरण,
 - (ii) कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत लिखित बचाव विवरण, यदि कोई हो, की प्रतिलिपि,
 - (iii) उप-विनियमन (3) में संदर्भित गवाहों के विवरण, यदि कोई हो, की प्रतिलिपि।
 - (iv) उप-विनियमन (3) में संदर्भित कागजातों को कर्मचारी को प्रमाणित करते हुए साक्ष्य प्रस्तुत करना, और
 - (v) उप-स्थापन प्राधिकारी की नियुक्ति के आदेश की प्रतिलिपि।
- (7) कर्मचारी को दोषारोपण और दुराचरण या दुर्घटव्हार के आरोपों का विवरण उसके द्वारा प्राप्ति की तारीख से दस कार्य दिवसों के भीतर ऐसे दिन प्राप्त ऐसे समय पर जांच प्राधिकारी के सम्मुख हाजिर होना होगा जैसा जांच प्राधिकारी, लिखित रूप में नोटिस द्वारा, निर्धारित इसकी ओर से या ऐसे अगले समय के भीतर जो दस दिन से अधिक न हो, जैसा जांच प्राधिकारी अनुमति दे।
- (8) कर्मचारी अपनी ओर से मामले को पेश करने के लिए केन्द्रीय बोर्ड के किसी अन्य कर्मचारी की अथवा किसी अन्य केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी की सहायता ले सकता है। किन्तु इस प्रयोजन के लिए किसी बकील को तब तक नहीं रख सकता जब तक कि अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा नियुक्त किया गया उपस्थापन प्राधिकारी, मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, इस प्रकार की अनुमति न दें।
- टिप्पणी:—कर्मचारी बोर्ड के किसी अन्य ऐसे कर्मचारी की या किसी केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी की सहायता नहीं लेगा जिसके पास दो अनुशासनात्मक मामले निलम्बित पड़े हुए हों जिसमें उसने सहायता देनी हो।
- (9) यदि वह कर्मचारी जिसने अपने लिखित बचाव विवरण में किसी दोषारोपण को स्वीकार नहीं किया है अथवा कोई लिखित सफाई विवरण प्रस्तुत नहीं

किया है, जांच प्राधिकारी के सम्मुख हाजिर होता है तो ऐसे प्राधिकारी उससे पूछेगा कि क्या वह अपराधी है या कोई सफाई देनी है और यदि वह किसी दोषारोपण के प्रति अपराध स्वीकार करता है तो जांच प्राधिकारी इलील को रिकार्ड करेगा, रिकार्ड पर हस्ताक्षर करेगा और उस पर कर्मचारी के हस्ताक्षर लेगा।

(10) जांच प्राधिकारी उन दोषारोपण के बारे में दोष के निष्कर्ष लौटाएगा जिसके लिए कर्मचारी अपराध स्वीकार करता है।

(11) यदि कर्मचारी निर्धारित समय के भीतर हाजिर नहीं होता है या इनकार करता है अथवा अभिवाचन को छोड़ देता है तो जांच प्राधिकारी उपस्थापन अधिकारी से यह अपेक्षा करेगा कि वह साथ्य प्रस्तुत करे। जिसके द्वारा वह दोषारोपण को प्रमाणित करने का प्रस्ताव करता है और वह इस आदेश को रिकार्ड करने के बाद किसी तारीख तक जो तीस दिन से अधिक न हो, मामले को स्थगित करेगा कि वह कर्मचारी अपनी बचाव के प्रयोजन के लिए :—

(I) वह विनियमन (3) में संदर्भित सूची में निर्धारित कागजों को आदेश के पांच दिनों के भीतर अथवा ऐसे अगले समय के भीतर जो पांच दिनों से अधिक न हो जैसा जांच प्राधिकारी अनुमति दे, निरीक्षण करे।

(II) अपनी ओर से जांच किए जाने के लिए गवाहों की सूची प्रस्तुत करे।

टिप्पणी :—यदि कर्मचारी उप-विनियमन (3) में दी गई सूची में उल्लिखित गवाहों के विवरण की प्रतिलिपियाँ देने के लिए मौखिक या लिखित रूप में अनुरोध करता है, तो जांच प्राधिकारी यथा सम्भव और अनुशासनिक प्राधिकारी की ओर से गवाहों की जांच आरम्भ करने के तीन दिन पहले हर हालत में ऐसी प्रतिलिपियाँ उन्हें देगा।

(III) वह किसी कागजातों को प्रस्तुत करने के लिए आदेश के दस दिनों के लिए भीतर अथवा ऐसे अगले समय के भीतर जो इस दिनों से अधिक न हो, जैसा जांच प्राधिकारी अनुमति दे, नोटिस दे सकता है, जो कागजात बोर्ड के अधिकार में है परन्तु जिनका उप-विनियमन (3) में दी गई सूची में उल्लेख नहीं किया गया है।

टिप्पणी :—कर्मचारी बोर्ड द्वारा पता लगाए जाने वाले अथवा प्रस्तुत किए जाने वाले उम्मीदों द्वारा अपेक्षित कागजातों के प्रासंगिकता का उल्लेख करेगा।

(12) जांच प्राधिकारी, कागजातों के पता लगने अथवा प्रस्तुत करने की सूचना प्राप्त करने पर, उसे अथवा उसकी प्रतिलिपियाँ उस तारीख तक जैसे कि उस मांगकर्ता में निर्दिष्ट किया गया है कागजातों के

प्रस्तुत करने की मांग पर्वी सहित उस प्राधिकारी के पास भेजेगा जिसके अभिरक्षा अथवा आधिपत्य में ये कागजात रखे गए हैं।

बशर्ते कि जांच प्राधिकारी लिखित रूप में रिकार्ड किए गए कारणों से ऐसे कागजातों की मांग को इकार कर सकता है क्योंकि ये कागजात उसकी राय में इस मामले से सम्बन्धित नहीं हैं।

(13) उप-विनियमन (12) में दिए गए मांगपर्वी के प्राप्त हो जाने पर प्रत्येक प्राधिकारी जिसके पास अपेक्षित कागजातों की अभिरक्षा अथवा आधिपत्य है उन्हें जांच प्राधिकारी के सम्मुख प्रस्तुत करेगा :—

बशर्ते कि यदि वह प्राधिकारी जिसके पास अपेक्षित कागजातों कि अभिरक्षा अथवा आधिपत्य है, लिखित रूप में इसके द्वारा रिकार्ड किए जाने वाले कारणों के लिए सन्तुष्ट है कि ऐसे कागजातों को प्रस्तुत करना लोक हित अथवा राज्य की सुरक्षा के विरुद्ध होगा अथवा कि ऐसे कागजातों में से किसी कागजात में ऐसी ओर सूचना है, जिसके उपागर करने से बोर्ड के अधिकारियों की अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता और स्पष्टवादिता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़े यह तदनुसार जांच प्राधिकारी को खुचित करेगा और जांच प्राधिकारी, इस प्रकार कि सूचना मिलने पर, कर्मचारी को सूचित करेगा और ऐसे कागजातों को प्रस्तुत करने अथवा पता लगाने के लिए द्वारा किए गए मांगपत्र को बापस लेगा।

(14) जांच के लिए निर्धारित की गई तारीख पर, मौखिक तथा दस्तावेजी साक्ष्य जिसके द्वारा दोषारोपणों को प्रमाणित किये जाने का प्रस्ताव है, अनुशासनिक प्राधिकारी के द्वारा अथवा उसकी ओर से प्रस्तुत किए जाएंगे। गवाहों की जांच उपस्थापन अधिकारी के द्वारा अथवा की ओर से की जायेगी और कर्मचारी के द्वारा या की ओर से जिरह की जा सकती है।

उपस्थापन अधिकारी किसी मुद्दे पर जांच प्राधिकारी को आज्ञा के बिना गवाहों की पुनः पड़ताल करने का पात्र होगा जिस पर उनसे जिरह की गई हो, परन्तु जो किसी नए मामले पर नहीं हो। जांच प्राधिकारी, गवाहों से इस प्रकार के प्रश्न भी कर सकता है जिन्हें यह ठीक समझता हो।

(15) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की ओर से मामले को समाप्त करना आवश्यक समझा गया हो तो जांच प्राधिकारी, अपने स्वविवेक से, उपस्थापना अधिकारी को ऐसे साक्ष्य को प्रस्तुत करने की अनुमति दे सकता है जो कर्मचारी को दी गई सूची में शामिल न हो या स्वयं नए साक्ष्य की मांग कर सकता है या किसी गवाह को पुनः बुला सकता अथवा पुनः जांच कर सकता है और ऐसे मामलों में कर्मचारी यदि वह मांग करता है तो प्रस्तुत किए जाने वाले प्रस्तावित

ओर माध्य की मूर्च्छी और जांच संग्रह के कागजातों को प्रस्तुत करने से पहले तीन स्पष्ट दिनों के पहले जांच स्थगित करता जिस दिन में जांच स्थगित हुई है, को लेने का पात्र होगा। जांच अधिकारी कर्मचारी को ऐसे कागजातों का लिपिबद्ध करने से पहले निरीक्षण करने का एक अवसर देगा। जांच प्राधिकारी कर्मचारी को नए साक्ष्य प्रस्तुत करने की भी अनुमति दे सकता है यदि उसकी यह राय हो कि ऐसे साक्ष्य देखा न्याय के हित में आवश्यक है।

टिप्पणी :—नए साक्ष्य की अनुमति नहीं होगी और ना ही मांगे जायेंगे अथवा नहीं साक्ष्य में किसी विक्षित को भरने के लिए किसी गवाह को बुलाया जाएगा। ऐसे माध्य उसी समय मांगे जा सकते हैं जब मूलस्पृष्ट से प्रस्तुत किए गए साक्ष्य में कोई स्वाभाविक लुटि या कमी हो।

(16) जब मामले को अनुशासनिक प्राधिकारी के लिए समाप्त किया जाता है, तो कर्मचारी को अपने बचाव के बारे में, मौखिक या लिखित रूप में जैसा वह चाहे, बताना जरूरी होगा। यदि बचाव मौखिक रूप से दिया जाता है, तो इसे लिपिबद्ध किया जाएगा और कर्मचारी को रिकार्ड पर हस्ताक्षर करना जरूरी होगा दोनों में से किसी मामले में, बचाव के विवरण की एक प्रतिलिपि नियुक्त किए गए उपस्थापन अधिकारी यदि कोई हो, को दी जाएगी। तब कर्मचारी की ओर से साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा। कर्मचारी अपनी ओर से अपने आप जांच कर सकता है यदि वह ऐसा चाहता है। तब कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत किए गए गवाहों की परीक्षा ली जाएगी उनकी पुनः परीक्षा ली जा सकती है, अनुशासनिक प्राधिकारी के लिए गवाहों पर नागू उपबन्धों के अनुसार जांच प्राधिकारी द्वारा जिरह पुनः जांच और एडुक्शन की जा सकती है।

(17) जांच अधिकारी, कर्मचारी अपने मामले को समाप्त करने के पश्चात् यदि कर्मचारी ने स्वजांच नहीं की हो, उसके बिन्दु साक्ष्य में पेश आने वाली किसी परिस्थितियों की व्याख्या करने के लिए कर्मचारी को मरम्य बनाने के प्रयोजन के लिए साक्ष्य में उसके विरुद्ध पेश आने वाली परिस्थितियों पर उनसे सामान्यतः प्रश्न कर सकता है, और करेगा।

(18) जांच अधिकारी, साक्ष्य की प्रस्तुति के पश्चात्, नियुक्त किए उपस्थापन अधिकारी, यदि कोई हो, और कर्मचारी की मूत्रवाही कर सकता है, या उनके मम्बन्धित मामले के लिखित मारों को दायर करने के लिए, यदि वे ऐसा चाहे, अनुमति दे सकता है।

(19) यदि वह कर्मचारी जिसको दोपारोपण की गई है, उस प्रयोजनार्थ निर्धारित तारीख को या पहले बचाव का लिखित विवरण प्रस्तुत नहीं करता है

अथवा जांच अधिकारी के सामने व्यक्तिगत रूप से हाजिर नहीं होता है या अन्यथा इस नियम के उपबन्धों का अनुयालन नहीं करता है अथवा इन्कार करता है, तो जांच प्राधिकारी एक-तरफा जांच कर सकता है।

(20) (क) जहां कोई अनुशासनिक प्राधिकारी जो विनियमन 39 के खण्ड (i) से (iv) में निर्धारित दण्डों में से कोई खण्ड लागू करने में सक्षम है, किन्तु विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड लागू करने में सक्षम नहीं है, किसी दोपारोपण की स्वयं जांच की है या जांच किए जाने के लिए प्रेरित किया है और उक्त प्राधिकारी, उसके निष्कर्षों को मानते हुए या उसके निर्णय का अथवा उसके द्वारा नियुक्त किए गए किसी जांच प्राधिकारी के निष्कर्षों में से किसी निष्कर्ष को मानते हुए, इस राय का है कि विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों को कर्मचारी पर लागू किया जाएगा कि प्राधिकारी ऐसे अनुशासनिक प्राधिकारी को जांच के रिकार्ड भेजेगा क्योंकि वह बाद में उल्लिखित दण्डों को लागू करने में सक्षम है।

(ख) अनुशासनिक प्राधिकारी जिसको रिकार्ड इस प्रकार भेजे जाते हैं, तो रिकार्ड के अधार पर, साक्ष्य पर कार्रवाई कर सकता है या, यदि उनकी राय हो कि न्याय के हित में आवश्यक है कि गवाहों में से किसी गवाह की आगे जांच हो, तो वह गवाहों को बुला सकता है गवाहों की जांच कर सकता है, जिरह कर सकता है, जिरह कर सकता है और पुनः जांच कर सकता है तथा ऐसे दण्ड कर्मचारी पर लागू कर सकता है जैसा कि इन विनियमों के अनुसार उचित समझा जाए।

(21) जब कभी जांच अधिकारी, किसी गांव में जांच साक्ष्य के समस्त या किसी अंश को सुन लेने लिपिबद्ध कर लेने के पश्चात् उसमें उसका धोत्राधिकार समाप्त हो जाता है और उसके बाद कोई दूसरा जांच प्राधिकारी आता है जो इस प्रकार के धोत्राधिकार रखता है और जो इस प्रकार के धोत्राधिकार का उपयोग करता है, तो ऐसे अनुवर्ती जांच प्राधिकारी उसके उत्तराधिकारी द्वारा इस प्रकार के लिपिबद्ध या उसके उत्तराधिकारी द्वारा अधिक रूप से लिपिबद्ध साक्ष्य पर कार्रवाई सकता है।

वर्णन कि यदि अनुवर्ती जांच प्राधिकारी इस राय का है कि गवाहों में से किसी गवाह की जिसके साक्ष्य पहले लिपिबद्ध कर दिया गया है, न्याय के हित में आगे जांच आवश्यक है, तो यह ऐसे किसी गवाह को बुला सकता है जांच कर सकता है, जिरह कर सकता है और पुनः जांच कर सकता है जैसा कि इसके पहले व्यवस्था की गई है।

- (22) (i) जांच निष्कर्षों के पश्चात्, एक रिपोर्ट तैयार की जाएगी और इसमें निम्नलिखित बारे में होंगी :—
- (क) दोषारोपण और दुराचरण या दुर्घटव्हार के आरोपों का विवरण,
- (ख) प्रत्येक दोषारोपण के बारे में कर्मचारी का बचाव करना,
- (ग) प्रत्येक दोषारोपण के बारे में साक्ष्य का मूल्यांकन, और
- (घ) प्रत्येक दोषारोपण पर निष्कर्ष एवं इसके कारण

स्पष्टीकरण :—यदि, जांच प्राधिकारी की राय में, जांच कार्यवाही से मूल दोषारोपण से भिन्न कोई दोषारोपण सिद्ध होता है, तो वह ऐसे लेख या आरोप पर अपने निष्कर्ष रिकार्ड कर सकता है।

बशर्ते कि ऐसे दोषारोपण के निष्कर्षों को जब तक लिपिबद्ध नहीं किया जाएगा तब तक कर्मचारी ने या तो उन तथ्यों को स्वीकार कर लिया हो जिनपर ऐसे दोषारोपण आधारित हैं या उसके पास ऐसे दोषारोपण के विरुद्ध अपने आप बचाव करने के बाजिब अवसर थे।

- (ii) जांच प्राधिकारी, जहाँ यह स्वयं अनुशासनिक प्राधिकारी नहीं है, जांच रिकार्डों को अनुशासनिक प्राधिकारी के पास भेजेगा जिसमें निम्नलिखित बारे में होंगी।
- (क) खण्ड (i) के अन्तर्गत इसके द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट
- (ख) कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत बचाव का एक लिखित विवरण, यदि कोई हो।
- (ग) जांच के समय प्रस्तुत किए गए मौखिक या दस्तावेजी साक्ष्य,
- (घ) जांच के दौरान उपस्थापन प्राधिकारी द्वारा या कर्मचारी द्वारा अथवा दोनों की ओर से दायर लिखित सार, यदि कोई हो, और
- (झ) जांच के बारे में अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा और जांच प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदेश, यदि कोई हों।

जांच रिपोर्ट पर कार्यवाही

- 43 (1) अनुशासनिक प्राधिकारी यदि यह लिखित रूप में अपने द्वारा लिपिबद्ध किए जाने वाले कारणों के लिए स्वयं जांच प्राधिकारी नहीं है, तो वह मामले को आगे जांच के लिए जांच प्राधिकारी के पास भेज सकता है और रिपोर्ट कर सकता है और विनियमन 42 के उपबन्धों के अनुसार जहाँ तक हो सके, आगे जांच बिठाने के लिए उस पर कार्रवाई करेगा।

- (2) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी किसी दोषारोपण पर जांच प्राधिकारी के निष्कर्षों से असहमत हो, तो वह इस प्रकार की असहमति के लिए अपने कारणों को रिकार्ड करेगा और यदि इस प्रयोजनार्थ रिकार्ड पर साक्ष्य प्राप्ति है, तो ऐसे आरोप पर स्वयं अपने निष्कर्षों को रिकार्ड करेगा।
- (3) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी सभी दोषारोपण पर या किसी दोषारोपण पर अपने निष्कर्षों को भानते हुए, उसकी यह राय हो कि विनियमन 39 के खण्ड (i) से (iv) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड कर्मचारी पर लागू किया जाए, तो यह, विनियमन 44 में उल्लिखित सभी बारों के होते हुए भी, इस प्रकार के दण्ड लगाने का आदेश देगा।
- (4) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी सभी दोषारोपण पर या किसी दोषारोपण पर अपने निष्कर्षों को भानते हुए, इस राय का है कि विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड कर्मचारी पर लागू किया जाएगा, तो यह :—
- (क) उसके द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट और प्रत्येक दोषारोपण पर अपने निष्कर्षों की प्रतिलिपि या, जहाँ इसके द्वारा नियुक्त की गई किसी जांच प्राधिकारी द्वारा जांच की गई हो, तो प्राधिकारी के रिपोर्ट की प्रतिलिपि और जांच प्राधिकारी के निष्कर्षों सहित अपनी असहमति, के लिए यदि कोई हो, कारणों के सारांश साथ-साथ प्रत्येक दोषारोपण पर अपने निष्कर्षों का एक विवरण की प्रतिलिपि कर्मचारी को भेजेगा।
- (ख) कर्मचारी पर लागू किए जाने वाले प्रस्तावित दण्ड बताए हुए और नोटिस की प्राप्ति के पन्द्रह दिनों या ऐसे और समय जो पन्द्रह दिनों से अधिक न हो, जैसी अनुमति दी जाए, के भीतर ऐसे अभ्यावेदन प्रस्तुत करने के लिए आवाहन करते हुए उसे एक नोटिस देगा जैसा वह विनियमन 42 के अन्तर्गत की गई जांच के दौरान उद्दृत साक्ष्य के आधार पर प्रस्तावित दण्ड पर इच्छा व्यक्त करे।
- (ग) खण्ड (ख) के अन्तर्गत कर्मचारी दिए गए नोटिस के अनुसार में उसके द्वारा दिए गए अभ्यावेदन यदि कोई हो, पर विचार करेगा और यह निश्चय करेगा कि उस पर क्या दण्ड, यदि कोई हो, लगाया जाए और जैसा यह ठीक समझे वैसे आदेश देगा।

गौण दण्ड लागू करने की प्रक्रिया

44. (1) विनियमन 43 के उप-विनियमन (3) के उपबन्धों के अनुसार, विनियमन 39 के खण्ड (i) से (iv) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड किसी कर्मचारी पर लागू करने के कोई आदेश तब तक नहीं दिए जायेंग जब तक कि निम्नलिखित प्रक्रिया पूरी न हो जाए —

(क) किसी कर्मचारी के विशद् कारंवाही करने के प्रस्ताव के बारे में और दुराचरण या दुर्घटव्हार के आरोपों के बारे में जिसपर कारंवाई किए जाने का प्रस्ताव है, लिखित रूप में उसे भूचना देना और जैसा वह इस प्रस्ताव के विशद् अभ्यावेदन देना चाहे तो उन्हें ऐसा करने के बाजिब अवसर प्रदान करना।

(ख) जहाँ अनुशासनिक प्राधिकारी इस राय का है कि ऐसी जांच करना आवश्यक है, तो प्रत्येक मामले में विनियमन 42 के उप-विनियमन (3) से (22) में निर्धारित रीति के अनुसार जांच करना।

(ग) खण्ड (क) के अन्तर्गत कर्मचारी द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन, यदि कोई हो, और खण्ड (ख) के अन्तर्गत की गई जांच रिकार्ड, यदि कोई हो, विचार करने के लिए लेना, और

(घ) दुराचरण या दुर्घटव्हार के प्रत्येक आरोप पर निष्कर्ष को लिपिबद्ध करना।

(2) उप विनियमन (i) के खण्ड (ख) में उल्लिखित किसी प्रक्रिया के बावजूद, यदि किसी मामले में, उक्त उप विनियमन के खण्ड (ग) के अन्तर्गत कर्मचारी द्वारा दिए गए अभ्यावेदन, यदि कोई हो, पर विचार करने के पश्चात् अत्यधिक तीन वर्षों की अवधि के लिए वेतनवृद्धि रोकने या किसी अवधि के लिए एक साथ वेतन वृद्धि रोकने का प्रस्ताव है तो कर्मचारी कोई दण्ड नागू करने का कोई आदेश देने में गहरे, विनियमन 42 के उप-विनियमन (3) से (22) में निर्धारित रीति के अनुसार जांच की जाएगी।

(3) ऐसे मामलों में कार्यवाही के रिकार्ड में निम्नलिखित बातें शामिल होंगी—

- कर्मचारी के विशद् कारंवाही करने के प्रस्ताव के बारे में उसको भूचना देने की प्रतिलिपि,
- उन्हें दिए गए दुराचरण या दुर्घटव्हार के आरोपों के विवरण की प्रतिलिपि।
- उनका अभ्यावेदन, यदि कोई हो।
- जांच के दौरान प्रस्तुत साक्ष्य।
- दुराचरण या दुर्घटव्हार को प्रत्येक आरोप पर निष्कर्ष।
- उसके कारणों सहित मामले पर आदेश।

आदेश देना

45. अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा दिए गए आदेश उस कर्मचारी को भेजना जिसे अनुशासनिक प्राधिकारी द्वारा की गई जांच रिपोर्ट, यदि कोई हो, की प्रतिलिपि और प्रत्येक दोषारोपण पर उसके निष्कर्षों की प्रतिलिपि, या, जहाँ अनुशासनिक प्राधिकारी जांच प्राधिकारी नहीं हैं, तो जांच

प्राधिकारी की रिपोर्ट की प्रतिलिपि और जांच प्राधिकारी के निष्कर्षों सहित, उसके असहमति, यदि कोई हो, के कारण के सारांश के साथ साथ अनुशासनिक प्राधिकारी के निष्कर्षों का एक विवरण भेजा जाएगा (जब तक वे उन्हें पहले नहीं भेजी गई हो)।

आम कार्यवाही

46. (1) जहाँ दो या अधिक कर्मचारी किसी मामले से सम्बन्धित हैं, वहाँ बोर्ड या कोई अन्य प्राधिकरण ऐसे उन सभी कर्मचारियों पर सेवा से बरखास्तगी का दण्ड लागू करने में सक्षम हैं जो उन सभी के विशद् उक्त अनुशासनात्मक कारंवाई का निर्देश देते हुए आदेश दे सकता है जिन्हें आम कार्यवाही में लिया जा सकता है;

टिप्पणी:—यदि ऐसे कर्मचारियों पर बरखास्तगी का दण्ड के लिए सक्षम प्राधिकरण अलग अलग हैं, तो आम कार्यवाही के भीतर अनुशासनात्मक कारंवाई करने के लिए ऐसे उच्चतम प्राधिकरण अन्यों की सहमति से आदेश दे सकते हैं।

(2) कोई आदेश इस प्रकार से निर्धारित होगा—

- ऐसे आम कार्यवाही के प्रयोजनार्थ अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य करने वाला प्राधिकारी
- विनियमन 39 में निर्धारित दण्ड जो ऐसे अनुशासनिक प्राधिकारी इन्हें लागू करने में सक्षम होंगे,
- क्या विनियमन 42 और विनियमन 43 या विनियमन 44 में निर्धारित प्रक्रिया का पालन कार्यवाही में किया जाएगा।

अतिपथ मामलों में विशेष प्रक्रिया

47. विनियमन 42 से 46 में उल्लिखित किसी प्रक्रिया के बावजूद,

- जहाँ किसी कर्मचारी को आष्टरण के आधार पर दण्ड दिया जाता है जिसने किसी अपराधिक आरोप पर उसका दोष सिद्ध किया है; या
- जहाँ अनुशासनिक प्राधिकारी उसके द्वारा लिपिबद्ध किए जाने वाले कारणों से सन्तुष्ट है कि यह इन विनियमनों में दी गई रीति के अनुसार जांच करने के लिए बाजिब तौर पर व्यावहारिक नहीं है, या
- जहाँ सभी कर्मचारियों पर सेवा से बरखास्तगी का दण्ड देने के लिए सक्षम बोर्ड या कोई अन्य प्राधिकरण कारंवाई करते हुए इस बात से सन्तुष्ट है कि देश की सुरक्षा की दृष्टि से, यह आवश्यक नहीं है कि इन विनियमनों में दी गई रीति के अनुसार कोई जांच की जाए,

अनुशासनिक प्राधिकारी मामले की परिस्थितियों पर विचार कर सकता है और जैसा यह उचित समझे, उस पर ऐसे आदेश दे सकता है।

अन्य प्राधिकरणों में गये प्राधिकारियों के बारे में प्रावधान

48. (1) यहाँ किसी कर्मचारी की सेवाएँ किसी अन्य प्राधिकरण के लिए बोर्ड द्वारा उधार ली जाती हैं (इसके आगे इस विनियमन में जिसका उल्लेख "श्रेणी प्राधिकरण" के रूप में किया गया है) तो श्रेणी प्राधिकरण के पास ऐसे कर्मचारी को निलम्बित करने के प्रयोजन के लिए नियुक्ति प्राधिकरण की और उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही करने के प्रयोजन के लिए अनुशासनिक प्राधिकारी की शक्तियाँ होगी।

बास्ते कि श्रेणी प्राधिकरण ऐसे कर्मचारियों के निलम्बन आदेश का संकेत देते हुए परिस्थितियों या अनुशासनात्मक कार्यवाहियों, या जैसा भी मामला हो, लागू करने की सूचना उसी समय बोर्ड को देगा।

(2) कर्मचारी के विरुद्ध चलाई गई अनुशासनात्मक कार्यवाहियों के निष्कर्षों के संदर्भ में—

(i) यदि श्रेणी प्राधिकरण की यह राय हो कि विनियमन 39 के खण्ड (1) से (iv) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड कर्मचारी पर लागू किया जाएगा, तो वह बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्, जैसा वह आवश्यक समझे, इस मामले में इस प्रकार के आदेश दे सकता है।

बास्ते कि श्रेणी प्राधिकरण और बोर्ड के बीच मतभेद होने की अवस्था में कर्मचारी की सेवाएँ बोर्ड के प्रबन्ध पर वापस कर दी जाएगी।

(ii) यदि श्रेणी प्राधिकरण इस राय का है कि विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड कर्मचारी पर लागू किया जाएगा, तो वह बोर्ड के प्रबन्ध पर उसकी सेवाएँ वापस करेगा और जांच कार्यवाहियाँ उसको प्रेषित करेगा और उस पर अध्यक्ष महोदय, यदि वह अनुशासनिक प्राधिकारी है, जैसा वह आवश्यक समझे, उस पर ऐसा आदेश पारित करेगा या यदि वह अनुशासनिक प्राधिकारी नहीं है, तो वह इस मामले को अनुशासनिक प्राधिकारी के पास भेजेगा जो, जैसा आवश्यक समझे, इस मामले पर ऐसे आदेश पारित करेगा।

बास्ते कि इस प्रकार का कोई आदेश पारित करने से पहले, अनुशासनिक प्राधिकारी विनियम 43 के उप-विनियम (3) तथा (4) के उप-बन्धों का अनुपालन करें।

स्पष्टीकरण :—अनुशासनिक प्राधिकारी विनियमन 42 के अनुसार अट्ठी प्राधिकरण द्वारा इसको भेजे गए जांच रिकार्ड पर या ऐसी अगली जांच करने के पश्चात् जैसा वह आवश्यक समझे जहाँ तक हो सके इस खण्ड के अन्तर्गत आदेश दे सकता है।

अन्य प्राधिकरणों आवि से उद्घाट लिए गए प्राधिकारियों के बारे में प्रावधान

49. (1) यहाँ उस कर्मचारी के विरुद्ध निलम्बन आदेश दिया जाता है या अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है, जिसकी सेवाएँ बोर्ड द्वारा केन्द्रीय सरकार के किसी विभाग से या उसके किसी अधीनस्थ प्राधिकरण से अथवा किसी स्थानीय या कोई अन्य प्राधिकरण से उधार ली गई है, तो उसकी सेवाएँ उधार लेने वाले प्राधिकरण को (इसके आगे इस विनियमन में जिसका उल्लेख "ऋण प्राधिकरण" के रूप में किया गया है) कर्मचारी के निलम्बन आदेश या अनुशासनात्मक कार्यवाही जैसा भी मामला हो, लागू करने के संकेत देते हुए परिस्थितियों के बारे में सूचित किया जाएगा।

(2) कर्मचारी के विरुद्ध दिए गए अनुशासनात्मक कार्यवाही के निष्कर्षों के संदर्भ में—

(i) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की यह राय हो कि विनियमन 39 के खण्ड (i) से (iv) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड उस पर लागू किया जाएगा, तो वह, विनियमन 43 के उप-विनियमन (3) के उपबन्धों के प्रनुसार, इस मामले पर जैसा वह आवश्यक समझे, ऐसा आदेश पारित कर सकता है,

बास्ते कि बोर्ड और ऋणद प्राधिकरण के बीच मतभेद होने की अवस्था में कर्मचारी की सेवाएँ ऋणद प्राधिकरण के प्रबन्ध पर वापस कर दी जाएंगी,

(ii) यदि अनुशासनिक प्राधिकारी की यह राय हो कि विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड कर्मचारी पर लागू किया जाएगा, तो वह ऋणद प्राधिकरण के प्रबन्ध पर ऐसे कर्मचारी की सेवाओं को वापिस करेगा और इस प्रकार की कार्रवाई के लिए जैसा वह आवश्यक समझे, उसको जांच कार्यवाही भेजेगा।

अपील

वह आदेश जिसके विरुद्ध कोई अपील नहीं होगी :—

50. इस भाग में उल्लिखित अन्य किसी बात के होते हुए भी, निम्नलिखित के विरुद्ध कोई अपील स्वीकार्य नहीं होगी :—

- (i) बोर्ड द्वारा दिया गया कोई आदेश
- (ii) निलम्बन आदेश के असाधारण किसी अनुशासनात्मक कार्यवाही को पूर्णतः निपटाने के लिए किसी अन्तर्वादीय प्रकृति का अथवा स्टैप-इन ऐड के प्रकृति का कोई आदेश;
- (iii) विनियमन 42 के अन्तर्गत किसी जांच की दिशा में किसी जांच प्राधिकरण द्वारा पारित कोई आदेश।

वह आदेश जिनके विरुद्ध अपील की जा सकती है।

51. विनियमन 50 के उपबन्धों के अनुसार, कोई कर्मचारी निम्नलिखित सभी आदेशों या किसी आदेश के विरुद्ध किसी अपील को तरजीह दे सकता है, नामतः—

- (i) विनियमन 36 के अन्तर्गत बनाए गए या बनाए हुए समझे गए निलम्बन आदेश,
- (ii) विनियमन 39 में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड लागू करने के आदेश चाहे, ये अनुशासनिक प्राधिकारी या किसी अपीली अथवा पुकारीकरण करने वाले प्राधिकारी द्वारा किये गये हों,
- (iii) विनियमन 39 के अन्तर्गत लागू किए गए किसी दण्ड को बढ़ाने के आदेश,
- (iv) वह आदेश जो—
 - (क) नियमों या विनियमों अथवा करारनामों द्वारा यथा विनियमित उसके वेतन, भत्तों या अन्य सेवा शर्तों को हानि पहुंचाते हैं अथवा परिवर्तन करते हैं,
 - (ख) किसी ऐसे नियम, विनियमन या करारनामों के उपबन्धों का उनके प्रतिकूल व्याख्या करता है।
- (v) कोई आदेश

- (क) दबाता रोधक पार करने के लिए उसको अयोग्य ठहराने पर वेतनमान दक्षतारोधक पर उनको रोकने का आदेश,
- (ख) किसी उच्चसर ग्रेड में स्थानापन्थ तौर पर कार्य करते समय, या उच्चसर पद को किसी मिम्नसर ग्रेड में अथवा अन्यथा पदों में दण्ड के रूप में उनको प्रस्थावर्तन करने का आदेश,
- (ग) सेवा निवृत्ति पर कर्मचारी को देय राशि और अन्य लाभ कम करना या रोकना अथवा विनियमों के अन्तर्गत उनके लिए अनुमेय प्राधिकरण से अपील कर सकता है और जहाँ इस प्रकार का कोई प्राधिकरण निर्धारित नहीं किया गया है—

(घ) उस निलम्बनाधीन अवधि के लिए जिसके दौरान उसको निलम्बनाधीन या उसके किसी अंश के लिए निलम्बनाधीन समझा जाता है उसको दिये जाने वाले निर्वाह और अन्य भत्ते मिश्चित करने का आदेश,

(ङ) उसके बेतन तथा भत्ते इस प्रकार निश्चित करना :—

- (i) निलम्बन की अवधि के लिए
- (ii) उस अवधि के लिए जिस तारीख से उसको सेवा अरक्षास्तरी, निष्कासन या अनिवार्य सेवा-निवृत्ति किया गया हो अथवा निम्नतर ग्रेड, पद वेतन के समय-मापक्रम में उनकी कटौती या उनके ग्रेड में या पद पर उन्हें बहाल करने या पुनः प्रतिष्ठित करने की तारीख को बेतनमान के सोपान की तारीख से, या
- (च) यह निश्चित करते हुए कि उनकी निलम्बन की तारीख से या उनकी अरक्षास्तरी, निष्कासन, अनिवार्य रूप से सेवा निवृत्त अन्यथा निम्नसर ग्रेड पद; वेतन के समय मापक्रम में कटौती या उनके ग्रेड में अथवा पद पर उसकी बहाली या पुनः प्रतिष्ठित करने की तारीख को बेतन मापक्रम में सोपान की तारीख से उस अवधि को, चाहे हो या न हो, किसी प्रयोजन के लिए अंगूठी अवधि के रूप में समझा जाएगा।

स्पष्टीकरण :—इस विनियमन में “कर्मचारी” का आशय उस व्यक्ति से जो बोर्ड के रोजगार में कार्यरत है, विनियमन 51 में निर्धारित सभी आदेशों या किसी आदेश के विरुद्ध बोर्ड के सामान्य या विशेष आदेश के द्वारा निर्धारित प्राधिकरण से अपील कर सकता है और जहाँ इस प्रकार का कोई प्राधिकरण निर्धारित नहीं किया गया है :—

अपीली प्राधिकरण

52. (1) कोई कर्मचारी, उस व्यक्ति सहित जो बोर्ड के रोजगार में कार्यरत है, विनियमन 51 में निर्धारित सभी आदेशों या किसी आदेश के विरुद्ध बोर्ड के सामान्य या विशेष आदेश के द्वारा निर्धारित प्राधिकरण से अपील कर सकता है और जहाँ इस प्रकार का कोई प्राधिकरण निर्धारित नहीं किया गया है :—

- (i) जहाँ कोई कर्मचारी भ्रुप “ए” या भ्रुप “बी” अथवा भ्रुप “सी” पद धारण कर रहा है या कर रहा था,
- (क) जहाँ अपील के विरुद्ध इसके किसी अधीनस्थ प्राधिकारी द्वारा आदेश दिया जाता है वहाँ नियुक्ति प्राधिकारी से अपील कर सकता है, या

(ख) जहाँ इस प्रकार के आदेश किसी अन्य प्राधिकारी द्वारा दिया जाता है वहां बोर्ड से अपील कर सकते हैं।

(ii) जहाँ ऐसे कर्मचारी युव "डी" पद धारण कर रहा है या कर रहा था, वहां उस प्राधिकारी से अपील कर सकता है जो अपील के विषद् आदेश देने वाला निकटतम प्राधिकारी हो।

(2) उप-विनियमन (1) में उल्लिखित किसी अपील के अलावा :—

(i) विनियमन 46 के अन्तर्गत हुई आम कार्यवाही में किसी आदेश के विषद् कोई अपील उस प्राधिकारी को स्वीकार्य होगी जो उक्त कार्यवाही के प्रयोजनार्थ अनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में कार्य कर रहा निकटतम अधीनस्थ प्राधिकारी हो,

(ii) जहाँ वह व्यक्ति जिसने अपील के विषद् आदेश दिया, अपनी अनुबर्ती नियुक्ति अथवा अन्यथा की वजह से ऐसे आदेश के बारे में अपीली प्राधिकारी बनता है, तो ऐसे आदेश के विषद् उस प्राधिकारी को अपीली स्वीकार होगी जो ऐसा निकटतम अधीनस्थ व्यक्ति हो।

अपीलों के लिए समय सीमा

53. इन विनियमों के अन्तर्गत दायर की गई कोई अपील तब तक स्वीकार नहीं की जाएगी जब तक इस प्रकार की अपील उस तारीख से जिस पर अपील के विषद् आदेश की एक प्रतिलिपि आवेदक को दी गई हो, 45 दिनों की अवधि के भीतर दायर न की गई हो;

बाश्तें कि अपीली प्राधिकरण उक्त अवधि के समाप्त होने के बाद अपील स्वीकार कर ले, यदि वह इस बात से सम्झौत हो जाता है कि अपीलकर्ता के पास समय पर अपील प्रस्तुत न करने के लिए पर्याप्त कारण हों।

अपील के प्रपत्र तथा विषय-वस्तु

54. (1) अपील प्रस्तुत करने वाला वही कर्मचारी पृथक रूप से और स्वयं अपने नाम में ऐसा करेगा।

(2) अपील उस प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा जिसको अपीलकर्ता द्वारा भेजी जा रही अपील की एक प्रतिलिपि नहीं हो जिसने अपील के विषद् आदेश दिया था। इसमें सभी तथ्य परक विवरण एवं दलीलें होंगी जिस पर अपीलकर्ता भरोमा करता हो, इसमें कोई अशिष्ट या अनुचित भाषा नहीं होगी और यह अपने आप में परिषुर्ण होगी।

(3) वह प्राधिकारी जिसने अपील के विषद् आदेश दिया था, अपील की प्रतिलिपि प्राप्त होने पर उसे संबंधित रिकाड़ी के साथ-साथ उस पर अपनी टिप्पणियों सहित विसी अपरिहार्य विनम्र के ओर अपीली प्राधिकारी से किसी किसी निर्देशन के लिए प्रतीक्षा किए बगैर अपीली प्राधिकारी को भेजेगा।

अपील पर विचार करना

55. (1) निलम्बनादेश के विषद् किसी अपील के मामले में अपीली प्राधिकारी चाहे विनियमन 36 के उपबन्धों के मर्दमें हो और चाहे मामले की परिस्थितियों के बारे में हो, निलम्बनादेश उचित है या नहीं, पर विचार करेगा और तदनुसार आदेश को पुष्टि करेगा अथवा रद्द करेगा।

(2) विनियमन 39 में निर्धारित दण्डों में से कोई दण्ड लागू करने के लिए और उक्त विनियमन के अन्तर्गत लगाए गए किसी दण्ड को अधिक बढ़ाने के आदेश के विषद् अपील के मामले में, अपीली प्राधिकारी इस प्रकार विचार करेगा :

(क) क्या इन विनियमों में निर्धारित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है और क्या ऐसी अवक्षा से यदि कोई हो, भास्तीय संविधान के किसी उपबन्धों का उलंघन हुआ है या कोई अन्याय हुआ है।

(ख) क्या अनुशासनिक प्राधिकारी के निष्कर्षों को साक्ष्य के अरिए रिकार्ड पर उचित ठहराया गया है? और

(ग) क्या दिया गया वण्ड या अधित दण्ड पर्याप्त, अपर्याप्त अथवा कठोर है,

और पारित अवदेश

(i) दण्ड की पुष्टि करना, बढ़ाना, कम करना अथवा रद्द करना, या

(ii) मामले को उस प्राधिकारी के पास भेजना जिसने दण्ड लागू किया या वर्धित दण्ड अथवा किसी अन्य प्राधिकारी के पास इस प्रकार के निर्देशन के साथ भेजना जैसा वह मामले की परिस्थितियों में ठीक समझे—

बाश्तें कि यदि अधित विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से एक है जिसे अपीली प्राधिकारी लगाने का प्रस्ताव करता है और विनियमन 42 के अन्तर्गत इस मामले में कोई जांच पहले नहीं की गई है तो अपीली प्राधिकारी, विनियमन 47 के उपबन्धों के अनुसार इस प्रकार की जांच करेगा और यह निर्देश देगा कि इस प्रकार की जांच विनियमन 42 के उपबन्धों के अनुसार होनी चाहिए और इस प्रकार की जांच कार्यालयों पर विचार करने के पश्चात् और अपीलकर्ता को वांजिब समय प्रदान करने के पश्चात् जहाँ तक ये इस प्रकार की जांच पड़ताल के द्वारा न उद्भूत किए गए साध्यों के आधार पर

प्रस्तावित दण्ड के विषद् अस्यावेदन देते हुए

विनियमन 43 के उप-विनियमन (4) के उपबन्धों के अनुसार हो सकते हैं, इस प्रकार के आदेश देगा जैसा वह ठीक समझें,

- (iii) यदि वर्द्धित दण्ड विनियमन 39 के खण्ड (v) से (ix) में निर्धारित दण्डों में से एक है जिसे अपीली प्राधिकारी लगाने का प्रस्ताव करता है और विनियमन 42 के अन्तर्गत इस मामले में पहले जांच की गई हो, तो अपीली प्राधिकारी अपील कर्ता को वाजिब अवसर प्रदान करने के पश्चात् जहाँ तक ये जांच पड़ताल के दौरान उद्भूत किए गए साक्ष्य के आधार पर दण्ड के विरुद्ध अभ्यावेदन देते हुए विनियमन 43 के उप-विनियमन (4) के उपबन्धों के अनुसार हो सकते हैं, इस प्रकार के आदेश देगा जैसा वह ठीक समझें, और
- (iv) दण्ड लगाने या बढ़ाने का कोई आदेश किसी अन्य मामले में तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक अपीलकर्ता को वाजिब अवसर न दिया गया हो जहाँ तक ये इस प्रकार के बढ़ाए गए दण्ड के विरुद्ध अभ्यावेदन देते हुए विनियमन 44 के उपबन्धों के अनुसार हो सकते हैं।

- (3) विनियमन 51 में निर्धारित किसी अन्य आदेश के विरुद्ध किसी अपील में, अपीली प्राधिकारी मामले की सभी परिस्थितियों पर विचार करेगा और इस प्रकार के आदेश देगा, जैसा वह सहज एवं उचित समझे।

अपील में आदेशों का कार्यान्वयन समीक्षा

56. वह प्राधिकारी जिसने अपील के विरुद्ध आदेश दिया था, अपीली प्राधिकारी द्वारा पारित आदेशों को प्रस्तुत करेगा।

57. इन विनियमनों में उल्लिखित समीक्षा के बाबजूद

- (i) श्रृंग “ए”, “बी” या “सी” का कोई पद धारण करने वाले किसी कर्मचारी के मामले में बोर्ड
- (ii) अन्य कर्मचारियों के मामले में अध्यक्ष,
- (iii) समीक्षा करने के लिए प्रस्तावित आदेश का तारीख के छः महीनों के भीतर, अपीली प्राधिकारी, अथवा
- (iv) बोर्ड को और से, सामान्य या विशेष आदेश द्वारा निर्धारित कोई अन्य प्राधिकारी, और भैं समय के भीतर, जैसा कि जो कि सामान्य व आदेश में निर्धारित किया जाए,

किसी समय भी तो उसकी बेल्टा पर या स्वयं अपनी बेल्टा पर अथवा अन्यथा, किसी जांच पड़ताल के रिकार्ड की मांग कर सकता है और इन विनियमों के अन्तर्गत किए गए किसी आवेदन की समीक्षा कर सकता है जिससे अपील की अनुमति दी गई है किन्तु जिससे कोई अपील प्रस्तुत नहीं की गई है या जिससे किसी अपील की अनुमति नहीं दी गई है :—

- (क) आदेश की पुष्टि करना, संशोधित करना या रद्द करना; अथवा
- (ख) आदेश द्वारा लागू करना, दण्ड कम करना, दण्ड बढ़ाना या रद्द करना अथवा किसी दण्ड को लागू करना जहाँ कोई दण्ड लागू नहीं किया गया है; या
- (ग) मामले को उस प्राधिकारी के पास भेजना जिसने आदेश दिए थे या किसी अन्य प्राधिकारी के पास भेजना जिसको यह निदेश दिया जाए कि वह इस प्रकार की आगे जांच पड़ताल करे जैसा वह मामले की परिस्थितियों में उचित समझे; अथवा
- (घ) ऐसे अन्य आदेश पारित करे जैसा वह या यह ठीक समझे;

बास्ते कि कोई दण्ड लागू करने या बढ़ाने के कोई आदेश किसी समीक्षा करने वाले प्राधिकारी द्वारा तब तक नहीं दिये जायेंगे जब तक कि संबंधित कर्मचारी को प्रस्तावित दण्ड के विरुद्ध अभ्यावेदन देने का वाजिब अवसर प्रदान न किया गया हो।

और जहाँ विनियमन 39 के खण्ड (V) से (IX) तक में विनिर्दिष्ट कोई भी दण्ड लगाने का प्रस्ताव हो या इन खण्डों में विनिर्दिष्ट दण्डों में किसी दण्ड के संशोधन के आदेश को बढ़ाने का प्रस्ताव हो तो वहाँ विनियमन 42 में विनिर्दिष्ट तरीके से जांच किये बिना तथा जांच के दौरान पेश किए गए साक्ष्य पर प्रस्तावित दण्ड के विरुद्ध संबंधित कर्मचारी को कारण बताने का उचित सौका दिये बिना कोई भी ऐसा दण्ड नहीं लगाया जायेगा।

बास्ते कि अध्यक्ष द्वारा पुनरीक्षण की शक्तियों का प्रयोग न किया जाय जब तक कि :—

- (i) वह प्राधिकारी जिसने अपील पर आदेश दिए हैं या
 - (ii) वह प्राधिकारी, जिसको अपील को जायेगा उसका अधीनस्थ है जहाँ कोई अपील नहीं का गई है।
- पुनरीक्षण के लिए तब तक कोई भी कार्रवाई आरम्भ नहीं का जायेगा जब तक कि :—
- (i) अपील के लिए सीमा अवधि समाप्त न हो जाये।

(ii) प्रपत्र का निपटान न हो गया हो जहां ऐसी अपील की गई है।

पुनरीक्षण के लिए आवेदन पत्र को उसे तरह निपटाया जायेगा जिस तरह से इन विनियमों के अन्तर्गत अपील के लिए था।

आदेश नोटिस इत्यादि की तामोल

58. इन विनियमों के अन्तर्गत प्रत्येक आदेश नोटिस तथा बनाई गई या जारी की गई अन्य प्रक्रियाएं, या संबंधित कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से दो जायेंगी या उसको रजिस्ट्री द्वारा भेजे जाएंगे।

सभ्य सीमा निर्धारित करने तथा विलम्ब को माफ करने की शक्ति

59. जैसा अन्यथा स्पष्ट है, इन विनियमों के अन्तर्गत आदेश बनाने के लिए मक्कम प्राधिकारी हमेशा के लिए, पर्याप्त कारणों के लिए, और यदि पर्याप्त कारण बताए गए हैं इन विनियमों में किसी भी बात के लिए इन विनियमों के अन्तर्गत जिनको करना अपेक्षित हो विनिर्दिष्ट सभ्य को बढ़ा सकता है या विलम्ब को माफ कर सकता है।

भाग 5

अंशदायी भविष्य निधि

भविष्य निधि का गठन

60. एक निधि का सृजन किया जाएगा जिसे जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि कहा जाएगा। इसमें निम्नलिखित राशि के प्रतिरिक्षित कोई और राशि नहीं होगी:—

- (क) सदस्यों द्वारा अभिदान (जमा) की गई राशि।
- (ख) बोर्ड द्वारा अभिदान की गई राशि।
- (ग) उपर्युक्त राशियों पर दिया गया व्याज (साधारण तथा मिश्रित)।
- (घ) उपर्युक्त राशि के साथ खरीदी गई प्रतिभूतियां यदि कोई हों।
- (ङ) निधि की पूँजी परिसम्पत्तियों के विक्रय, विनियमन या अन्तरण से प्राप्त पूँजीगत लाभों तथा।
- (च) कर्मचारी भविष्य निधि अधिनियम 1952 के अन्तर्गत आने वाले अन्य संगठन से अन्तरण की गई भविष्य निधि की राशि।

नामांकन

61. (1) प्रत्येक जमाकर्ता भविष्य निधि का सदस्य बनते समय फार्म “ए”, “बी”, “सो” या “डी” (इसके साथ संलग्न किया गया है जैसी भी स्थिति हो लेखा अधिकारी

को नामांकन भेजेगा जिसमें उसकी मृत्यु होने की अवस्था में राशि देय होने से पहले या देय होने पर व भुगतान न किए जाने पर एक या एक से अधिक व्यक्तियों को उम जमा राशि को प्राप्त करने का अधिकार होगा।

बशर्ते कि यदि नामांकन करते समय जमाकर्ता का परिवार है तो नामांकन उसके परिवार के सदस्य के सिवाय अन्य किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के पक्ष में नहीं होगा।

बशर्ते कि जमाकर्ता इस निधि का सदस्य बनने से पूर्व किसी और भविष्य निधि के लिए वह अभिदान कर रहा था और इस निधि से उसके धन को इस भविष्य निधि में अन्तरण कर दिया गया हो तो उसके लिए किया गया नामांकन इस नियम के अन्तर्गत किया गया नामांकन समझा जाएगा जब तक कि वह इस नियम के अनुसार नामांकन न भरे।

2. यदि कोई जमाकर्ता उप विनियमन (1) के अन्तर्गत एक से अधिक नामांकन भरता है तो उसको प्रत्येक नामिति को देय राशि का भाग इस तरह स्पष्ट करना होगा जिससे उसके भविष्य निधि खाते में जमा समस्त राशि किसी भी समय पूरी पूरी बंट जाए।

3. प्रत्येक नामांकन उपर्युक्त उप विनियमन (1) में बताए गए ऐसे बारे फार्मों में होगा जो कि परिस्थिति के अनुसार उचित हो।

4. जमाकर्ता किसी भी समय लेखा अधिकारी को लिखित नोटिस भेजकर अपने नामांकन को रद्द कर सकता है। जमाकर्ता ऐसे नोटिस के साथ या अलग से इस विनियमन के उपबंधों के अनुसार नया नामांकन भेजेगा।

नोट: कोई भी जमाकर्ता नौकरी में होते हुए तथा सेवा निवृत्त होने पर भी अपने पहले किए गए नामांकन में परिवर्तन करने का तब तक पात्र होगा जब तक जमाकर्ता के खाते में जमा राशि वास्तविक रूप से अदा नहीं कर दो जाती।

5. जमाकर्ता नामांकन पत्र में निम्नलिखित उल्लेख कर सकता है:

- (क) किसी विशिष्ट नामिति के संबंध में कि जमाकर्ता की मृत्यु से पूर्व नामिति की मृत्यु होने पर उसको दिया गया अधिकार नामांकन में उल्लिखित ऐसे अन्य व्यक्ति/व्यक्तियों को चला जाएगा बशर्ते कि वह ऐसा व्यक्ति या ऐसे व्यक्ति जमाकर्ता के परिवार के अन्य सदस्य होंगे यदि जमाकर्ता के परिवार के अन्य व्यक्ति हों। जहां जमाकर्ता ऐसा अधिकार इस खण्ड के अन्तर्गत एक से अधिक व्यक्तियों को देता है तो वह प्रत्येक व्यक्ति का भाग इस तरह से विनिर्दिष्ट करेगा कि नामिति को दी जाने वाली पूरी राशि उसके अन्दर बट जाए।

(अ) कि उसमें विनिदिष्ट की गई विशेष स्थिति में नामांकन अवैध हो जाएगा।

परन्तु यह तब कि जब नामांकन करते समय जमाकर्ता का परिवार न हो तो वह नामांकन में उस बात का उल्लेख करेगा कि बाद में उसके परिवार के हो जाने पर यह अवैध माना जाएगा।

परन्तु यह और कि यदि नामांकन करते समय जमाकर्ता के परिवार में एक ही सदस्य है तो उसको नामांकन पत्र में यह बतलाना होता कि खण्ड (क) के अन्तर्भूत दूसरे नामिति को दिया गया अधिकार बाद में उसके परिवार के सदस्य वा मक्षियों के हो जाने पर अवैध हो जाएगा।

6. किसी नामिति की मृत्यु के तुरन्त बाद ही उसके बारे में विनियमन (5) के खण्ड (क) के अधीन कोई विशेष उपबंध नहीं किया गया है या किसी घटना के घटने पर जिसके कारण उप विनियमन (5) के खण्ड (ख) तथा उसके उपबंधों के अनुसार भी नामांकन अवैध हो जाता है। अमाकर्ता लेखा अधिकारी को विनियमनों के उपबंधों के अनुसार किए गए नामांकन को रद्द करने के लिए लिखित रूप में नोटिस भेजेग।

7. जमाकर्ता द्वारा किया गया प्रत्येक नामांकन तथा किया गया अधिकार रद्द करने के बाद ही उस दिन से प्रभावशाली होगा जिस दिन वह लेखा अधिकारी को प्राप्त होगा।

नोट : जहां जमाकर्ता द्वारा नामांकन या संशोधित नामांकन भरा गया हो परन्तु लेखा अधिकारी को नामांकन या संशोधित नामांकन प्राप्त होने से पहले ही उसकी मृत्यु हो जाती है तो इस तथ्य से नामांकन अवैध नहीं होगा कि नामांकन या संशोधित नामांकन लेखा अधिकारी के पास नहीं पहुँचा।

8. यदि किसी जमाकर्ता का नामिति के सिवाय कोई परिवार नहीं है जैसा इन नियमों में बतलाया गया है, जिस व्यक्ति को नामिति का अधिकार दिया जाएगा वह उसके परिवार से अन्य व्यक्ति होगा जो उप विनियमन (6) जो अपर बताया गया है की शर्त पर होगा।

जमाकर्ता का लेखा

62. (1) प्रत्येक जमाकर्ता के नाम से एक लेखा बोला जाएगा जिसमें निम्नलिखित दिवाया जाएगा:—

- उसका अंशदान
- विनियमन 79 के अन्तर्गत उसके आते में किया गया अंशदान
- विनियमन 80 के अनुसार जमा पर व्याज
- विनियमन 80 के अनुसार अंशदान पर व्याज

(v) निधि में से अधिम तथा निकाला यथा धन।

(2) प्रत्येक जमाकर्ता के लेखे को अलग नम्बर दिया जाएगा जिससे इसको दूसरे जमाकर्ता के लेखे में से अलग रूप पहचाना जा सके।

अंशदान के लिए शर्तें

63. (1) प्रत्येक जमाकर्ता जब वह ड्यूटी पर हो या विवेश सेवा में हो विधि में प्रतिमत्स जमा करेगा किन्तु निलम्बन की अवधि में नहीं।

परन्तु यदि कि जमाकर्ता निलम्बन की अवधि समाप्त कर बहाल हो जाता है तो उसको यह विकल्प दिया जाएगा कि चाहे तो वह उस राशि को एक मुश्त जमा करे या किस्तों में। जो उस अवधि के बकाया राशि से अधिक नहीं हो।

(2) जमाकर्ता अपनी इच्छानुसार अपनी छुट्टी की अवधि के दौरान जिसमें छुट्टी का बेतन मिलता हो या नहीं मिलता हो या जिसमें छुट्टी का बेतन अधी औसत बेतन के बराबर या उससे कम मिलता हो, जमा न करें।

(3) जमाकर्ता अपनी छुट्टी पर जाने से पहले उप विनियमन (2) में उल्लिखित जमा न करने के अपने चुनाव को बोर्ड के अध्यक्ष को लिखित रूप में भेजेगा। उचित रूप से व समय पर सूचना न भेजने पर यह समझा जाएगा कि जमाकर्ता जमा करना चाहता है।

(4) एक जमाकर्ता जिसमें विनियमन 88 के अन्तर्गत अभिदान की राशि और उसका व्याज वापस से लिया हो ऐसी वापसी के पश्चात् तब तक निधि में जमा नहीं करेगा जब तक कि वह नीकरी पर वापस नहीं आ जाता/आती।

(5) यदि किसी जमाकर्ता की एक माह की अवधि में मृत्यु हो जाती है तो उस माह के लिए उसकी परिलिखियों में से यथोचित अभिदान वसूल किया जाएगा अर्थात् उतने दिनों के लिए जितने दिन वह जीवित था/थी।

अभिदान की दर

64. (1) निम्नलिखित शर्तों के होने पर अभिदान की राशि जमाकर्ता द्वारा स्वयं ही निर्धारित की जाएगी नामत:—

(क) इसको पूरे रूपों में लिखा जाएगा।

(ख) बताई गई कोई भी राशि उसके या उसकी परिलिखियों का 8-1/3 प्रतिशत से कम तथा परिलिखियों से अधिक नहीं होगा जाहिए।

(2) उप विनियमन (1) के प्रयोगन के लिए जमाकर्ता की परिलिखियां निम्नलिखित होंगी:—

(क) उस जमाकर्ता के मामले में जो पिछले वर्ष की 31 भार्च को बोर्ड की सेवा में था, वह परिलिखियां जिसके लिए वह उस तारीख को पात्र था नशर्ते कि:

- (i) यदि जमाकर्ता उक्त तारीख को छुट्टी पर था और उसने छुट्टी के दौरान जमा न करने को चुना है या उस तारीख को निलम्बित था/थी, उसकी परिलिंग्धियां वह होंगी जिसके लिए वह नौकरी पर वापस आने के लिए पात्र था/थी।
- (ii) यदि जमाकर्ता उस तारीख को भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर था या छुट्टी पर था या छुट्टी पर चल रहा हो और उसने ऐसी छुट्टी के दौरान जमा करने को चुना हो तो उसकी परिलिंग्धियां वह होंगी जिसके लिए वह पात्र होता, यदि वह भारत में होता।
- (iii) यदि जमाकर्ता उक्त तारीख के पश्चात् की तारीख को भविष्य निधि का सदस्य बना हो उसकी परिलिंग्धियां वह होंगी जिसके लिए वह ऐसी बाद की तारीख को पात्र था।
- (iv) ऐसे जमाकर्ता के मामले में जो पिछले वर्ष की 31 मार्च को बोर्ड की सेवा में नहीं था वह परिलिंग्धियां जिसके लिए वह अपनी सेवा के प्रथम दिन पात्र था या वह सेवा के प्रथम दिन के पश्चात् निधि का सदस्य बनता है तो उसकी परिलिंग्धियां वही होंगी जिसके लिए वह ऐसी बाद की तारीख को पात्र था।

यह तब कि जब जमाकर्ता की परिलिंग्धियां छटाई (उच्चावरण) प्रकृति की हैं। हिसाब इस तरह से लगाया जाएगा जिस तरह से अध्यक्ष निदेश देगा।

(3) जमाकर्ता निम्न प्रकार से प्रत्येक वर्ष अपने मासिक अभिदान की राशि को नियत करने की सूचना देगा:—

- (क) यदि वह पिछले वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी में था तो उस कटौती के लिए जो वह करवाना चाहता है लेकिं अधिकारी को अपनी तरफ से लिखित नोटिस देगा।
- (ख) यदि पिछले वर्ष की 31 मार्च को वह छुट्टी पर था/थी और उसने अभिदान न किया हो या उस अवधि के दौरान वह मुश्तिल था/थी अपनी छुट्टी पर लौटने पर अपने वेतन बिल से वह जो कटौती करवाना चाहता/चाहती है उसके लिए लेकिं अधिकारी को लिखित नोटिस देगा/देगी।

- (ग) यदि वह वर्ष के दौरान बोर्ड की सेवा में पहली बार आया/आई हो या भविष्य निधि का पहली बार सदस्य बना/बनी हो तो जिस महीने वह सदस्य बना/

बनी हो उस महीने के वेतन बिल से कटौती करने के लिए लेकिं अधिकारी को लिखित रूप में नोटिस देगी।

- (घ) यदि वह पिछले वर्ष की 31 मार्च को छुट्टी पर था/थी और अब भी छुट्टी पर चल रहा हो और उसने उस अवधि में अपने वेतन से कटौती के द्वारा लेकिं अधिकारी को लिखित नोटिस देकर जमा करवाना चाहा हो।
- (ङ) यदि वह पिछले वर्ष की 31 मार्च को विदेश सेवा में था या थी उस राशि के द्वारा जो उसने चालू वर्ष के अप्रैल माह के लिए भविष्य निधि में जमा किया हो।
- (च) यदि उसकी परिलिंग्धियां उप विनियमन (2) के उपवंध में उल्लिखित प्रकृति की हों तो उस प्रकार से जिस प्रकार से अध्यक्ष आदेश देगा।

(4) इस तरह से निर्धारित की गई अभिदान की राशि एक वर्ष की अवधि के दौरान एक बार ही छटाई या बढ़ायी जाए।

परन्तु इस प्रकार से छटाई मई अभिदान की राशि उप विनियमन (i) में विहित न्यूनतम राशि से कम नहीं होगी। बशर्ते कि यदि जमाकर्ता माह के एक भाग के लिए छुट्टी पर है और उस माह की शेष अवधि के लिए छुट्टी पर हो तो और उसने छुट्टी के दौरान अभिदान न करने को चुना हो तो अभिदान की राशि छुट्टी के दिनों में औसत के अनुसार होगी। भारत के बाहर प्रतिनियुक्ति पर विदेश दृष्टि में स्थानान्तरण

65. जब कोई जमाकर्ता विदेश सेवा में स्थानान्तरित हो जाता है और प्रतिनियुक्ति पर भारत से बाहर भेजा जाता/जाती है तो भविष्य निधि के नियम उस पर उसी भांति लागू होंगे जैसे कि उसको स्थानान्तरित नहीं किया गया है प्रथम प्रतिनियुक्ति पर नहीं भेजा गया है।

अभिदान की वसूली—

66. निधि के लिए अभिदान या वसूली की राशि और अग्रिमों पर मूलधन तथा ब्याज की वसूली बोर्ड द्वारा जमाकर्ता की परिलिंग्धियों में से किया जाएगा। बशर्ते कि जब जमाकर्ता दूसरे प्राधिकरण में प्रतिनियुक्ति पर हो तो जमाकर्ता संबंधित प्राधिकरण को यह अधिकार दे दें कि वह ऐसी अभिदान की राशि तथा अग्रिम के मूल तथा ब्याज की राशि वसूल करके लेकिं अधिकारी को भेज दे।

बोर्ड का योगदान अंशदान—

67. (1) प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च से बोर्ड प्रत्येक जमाकर्ता के खाते में अंशदान करेगा। परन्तु यह तब जबकि यदि कोई जमाकर्ता एक वर्ष के दौरान नौकरी छोड़ देता/देती है या उसकी मृत्यु हो जाती है तो पिछले वर्ष के अन्त की अवधि तथा मृत्यु के अवधि की

अवधि के लिए अंशदान उसके खाते में जमा कर दिया जाएगा परन्तु यह और जबकि उस अवधि के दौरान का अंशदान देय नहीं होगा जिस अवधि के दौरान उसने भविष्य निधि में जमा न की हो अथवा की अनुमति न दी गई हो।

2. बोर्ड का अंशदान जमाकर्ता द्वारा इयूटी पर वर्ष के दौरान या अवधि में जैसी भी स्थिति हो, गई परिलब्धियों का $8\frac{1}{3}$ प्रतिशत होगा।

परन्तु यह तब जबकि यदि भूल से या अन्यथा जमा की हुई राशि विनियमन 64 के उप विनियम (1) के अन्तर्गत जमाकर्ता द्वारा की जाने वाली राशि से कम है तथा कम जमा की गई राशि व उस पर बढ़ा हुआ ब्याज बोर्ड द्वारा निर्धारित समय में जमाकर्ता द्वारा नहीं दिया जाता तो बोर्ड द्वारा दिया जाने वाला अंशदान जमाकर्ता द्वारा जमा की गई राशि के बराबर या बोर्ड द्वारा आमतौर पर दी जाने वाली राशि, इनमें से जो भी कम हो, होगी जब तक कि बोर्ड किसी मामले विशेष में अन्यथा आदेश देता है।

3. यदि कोई जमाकर्ता भारत से बाहर प्रतिनियुक्ति पर है तो इस नियम के प्रयोजन के लिए परिलब्धियों वही होंगी जो उसने भारत में रहकर प्राप्त करनी थी, इयूटी पर ली गई परिलब्धियों समझी जाएगी।

4. क्या जमाकर्ता को छुट्टी के दौरान अभिदान करने को चुनना चाहिए इस विनियमन के प्रयोजन के लिए छुट्टी वेतन को इयूटी पर ली गई परिलब्धियों समझा जाएगा।

5. क्या किसी जमाकर्ता को मुअत्तिल की अवधि के दौरान अभिदान का बकाया देने को चुनना चाहिए। वह परिलब्धियों या परिलब्धियों का भाग जो उस अवधि के दौरान दिया गया था बहाल होने के पश्चात् इस निमन के प्रयोजन के लिए इयूटी पर ली गई परिलब्धियों समझी जाएगी।

6. विदेश सेवा की अवधि के लिए देय अंशदान की राशि सिवाय इसके कि वह बोर्ड द्वारा वसूल की जानी है।

7. देय अंशदान की राशि पूरे रूपों में होगी (50 पैसे का रूपया गिना जाए)।

टिप्पणी:—पेंशन प्राप्तकर्ता की पुनर्नियुक्ति के मामले में संबंधित कर्मचारी के अंशदान भविष्य निधि में बोर्ड द्वारा योगदान करने के लिए पेंशन को भी परिलब्धियों समझा जाएगा।

ब्याज :

68. 1 बोर्ड जमाकर्ता के खाते में जमा राशि पर उस दर पर देगा जो दर सरकार सामान्य भविष्य निधि के अभिदानों के ब्याज के लिए समय-समय पर निर्धारित करेगी।

2. ब्याज प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च से निम्न प्रकार से जोड़ा जाएगा :—

(i) पिछले वर्ष की 31 मार्च को जमाकर्ता के खाते में जमा राशि उसमें चालू वर्ष के दौरान

बापस ली गई राशि तथा 12 महीनों का ब्याज घटा कर।

(ii) चालू वर्ष के दौरान बापस ली गई राशि पर जिस माह राशि बापस ली गई उस मास के अन्तिम दिन के चालू वर्ष की 1 अप्रैल तक का ब्याज घटा कर।

(iii) पिछले वर्ष की 31 मार्च के पश्चात जमाकर्ता के खाते में जमा सभी राशियों पर तथा जमा करने की तारीख से चालू वर्ष की 31 मार्च तक ब्याज पर।

(iv) ब्याज की कुल राशि उसी प्रकार से रूपयों में होगी जिस प्रकार से विनियम 79 के उपविनियमन में दिया गया है। परन्तु यह तब जबकि जमाकर्ता के खाते में जमा राशि देय हो गई है तब इस उप विनियमन के अन्तर्गत उस पर ब्याज चालू वर्ष के आरम्भ से सेकर उस तारीख तक जिस तारीख को उसके खाते में जमा राशि देय हो जाती है, तक जोड़ा जाएगा या जमा करने की तारीख से जैसी भी स्थिति होगी, जोड़ा जाएगा।

3. इस विनियमन के प्रयोजन के लिए परिलब्धियों से वसूल करने के मामले में जमा करने की तारीख, वसूली किए माह की पहली तारीख समझी जाएगी और जमाकर्ता द्वारा भेजी गई राशि के मामले में प्राप्त होने वाले माह की पहली तारीख यदि लेखा अधिकारी को वह उस माह की पांचवीं तारीख से पहले प्राप्त होती है या उस माह की पांचवीं तारीख या उसके पश्चात प्राप्त होती तो अगले माह की पहली तारीख।

बशर्ते कि जहां कि जमाकर्ता के वेतन लेने या छुट्टी वेतन तथा भते लेने में विलम्ब हुआ हो और परिणामस्वरूप निधि में उसके अधिवान में भी विलम्ब हुआ हो, ऐसे अनुदान पर ब्याज उससे देय होगा जिस माह के विनियमन के अन्तर्गत जमाकर्ता का वेतन या छुट्टी वेतन देय या इस बात का ध्यान रखे बिना कि यह बास्तव में किस माह में देय था।

परन्तु यह औरकि विनियमन 79 के उप विनियमन (2) के परन्तु के अनुसार भेजी गई राशि के मामले में जमा करने की तारीख या उस माह पहली तारीख समझी जाएगी यदि लेखा अधिकारी को वह उस माह की 15 तारीख से पहले प्राप्त होती है।

परन्तु वह और कि यहां एक माह की परिलब्धियां उस माह के अन्तिम कार्य दिवस को ली जाती है और विसरित की जाती है अभिदान वसूल करने के मामले में जमा करने की तारीख समझी जाएगी।

4. विनियमन 104 के अन्तर्गत भुगतान की जाने वाली किसी भी राशि के अतिरिक्त जिस माह में भुगतान किया गया है उसके पिछले माह के अन्त तक या जिस माह में ऐसी राशि देय हो गई उसके 6 माह के पश्चात् इसमें से जो भी अवधि कम हो उस पर ब्याज उस व्यक्ति को देय होगा जिसको ऐसी राशि का भुगतान किया जाएगा।

बशर्ते कि उस अवधि के पश्चात् जो लेखा अधिकारी द्वारा उसको बतलाई गई है के पश्चात् उसको या उसके प्रतिनिधि को कोई ब्याज नहीं दिया जाएगा जिस दिन वह नकद भुगतान करने को तैयार है या वह चैक द्वारा भुगतान करता है तो उस तारीख के पश्चात् जिस दिन उस व्यक्ति के लिए चैक को डाक में भेजा जाता है।

1—व्याख्या : 6 माह की अवधि से लेकर एक वर्ष की अवधि के पश्चात् ब्याज का भुगतान का प्राधिकार अध्यक्ष द्वारा किया जाएँ जबकि वह स्वयं अपनी सन्तुष्टि इस बात से करते हैं कि भुगतान करने में विलम्ब जमाकर्ता के बश के बाहर स्थिति से उत्पन्न हुआ तथा मामले में सम्मिलित प्रशासनिक विलम्ब की पूर्णतया जांच कर ली गई है तथा अपेक्षित कार्यवाही, यदि कोई हो की जा चुकी है।

2—व्याख्या : जब कोई जमाकर्ता किसी माह की अन्तिम तारीख को सेवा निवृत्त होता है उप विनियम (4) के प्रयोजन के लिए 6 माह की अवधि उसके बाद की अनुवर्ती माह से गिनी जाएगी।

3—व्याख्या : यदि किसी जमाकर्ता की सेवा निवृत्ति से पहले माह के अन्तिम दिन के पूर्वाह्न मृत्यु हो जाती है तो मृत्यु के दिन को उसकी सेवा का अन्तिम दिन गिना जाएगा और यह समझा जाएगा कि उसने अगले दिन सेवा छोड़ी है। इसलिए ऐसे सभी मामलों में उप विनियमन (4) के प्रयोजन के लिए 6 माह की अवधि जमाकर्ता की मृत्यु के माह से अगले दूसरे माह से गिनी जाएगी।

5. यदि कोई जमाकर्ता लेखा अधिकारी को वह सूचित करता है कि वह ब्याज नहीं दे सकता तो उसके खाते में ब्याज की राशि जमा नहीं की जाएगी। परन्तु यदि वह बाद में ब्याज के लिए कहता है तो जिस वर्ष से वह ब्याज के लिए मांग करता है उसकी पहली अप्रैल से व्याज की राशि जमा कर दी जाएगी।

6. विनियमन 99 या विनियमन 100 के अन्तर्गत जमाकर्ता के खाते में जमा राशि पर ब्याज इस विनियमन के उप विनियमन (1) के अन्तर्गत क्रमानुसार निर्धारित तरीके से जोड़ा जाएगा।

बशर्ते कि जब एक जमाकर्ता जो सरकार के स्वामित्व वाले संगठित नियम में प्रतिनियुक्ति पर हो तथा बाद में पिछली तारीख से उस संगठित निकाय में समाहृत हो जाए तब जमाकर्ता के खाते में जमा राशि का ब्याज जोड़ने के लिए समाहृत होने के आदेश जारी होने की तारीख को जमा करने की तारीख किन्तु इस शर्त पर समझा जाएगा कि यदि समाहृत करने की तारीख से लेकर आदेश जारी होने की तारीख की अवधि के दौरान वसूल की गई राशि को इस विनियमन के अन्तर्गत नियम में अधिदान केवल ब्याज देने के लिए समझा जाएगा।

नियम से अप्रिम

69.1—अध्यक्ष या उसने जिस अधिकारी को इस कार्य के लिए अधिकार दिए हों इसके साथ संलग्न निधारित फार्म 'ई' में किसी जमाकर्ता से आवेदन प्राप्त होने पर वह किसी भी जमाकर्ता को अप्रिम मंजूर करेगा जिसमें पूरे रूपए होने तथा वह

तीन माह के बेतन या भविष्य नियम में जमाकर्ता के खाते में जमा धन का आधा, इसमें से जो भी कम हो, से अधिक न हो। यह निम्नलिखित एक या अधिक कारणों के लिए दिया जाएगा।

(क) जमाकर्ता या उसके परिवार के सदस्य या उस पर वास्तविक आश्रित की बीमारी प्रसवावस्था या अपंगता से सम्बन्धित व्यय सहित जहां आवश्यक हो याक्ता व्यय का भुगतान करने के लिए;

(ख) निम्नलिखित मामलों में जमाकर्ता उसके परिवार के किसी सदस्य या उस पर वास्तविक आश्रित की उच्च शिक्षा तथा जहां आवश्यक हो याक्ता व्यय की पूर्ति करने के लिए नामतः

(i) माध्यमिक स्कूल के बाद भारत से बाहर शैक्षणिक तकनीकी, व्यवसायिक या व्यापारिक शिक्षा के लिए;

(ii) माध्यमिक स्कूल के पाश्चात भारत में किसी भी आयुर्विज्ञान इंजीनियरी या तकनीकी या विणेषज्ज्ञ पाठ्यक्रम के लिए बशर्ते कि अध्ययन का पाठ्यक्रम 3 वर्ष से कम न हो।

नोट 1—इसके साथ संलग्न सूची-4 में दिए गए संस्थाओं को अंशदायी भविष्य नियम से अप्रिम पैसे निकलनाने के लिए मंजूरी देने के लिए होम्यारैथी यूनानी आयुर्वेदिक पद्धति की चिकित्सा पाठ्यक्रम के लिए मान्यता प्राप्त समझा जाएगा। बशर्ते कि पाठ्यक्रम तीन वर्ष की अवधि से कम न हो तथा माध्यमिक स्कूल के बाद हो।

नोट 2—इस उप विनियमन के प्रयोजन के लिए संलग्न सूची-5 में दिए गए पाठ्यक्रमों को तकनीकी प्रकृति के समझा जाएगा बशर्ते कि पाठ्यक्रम की अवधि तीन वर्ष से कम न हो तथा माध्यमिक स्कूल के बाद हो।

(ग) जमाकर्ता की हैसियत के अनुसार किसी आवश्यक खर्च की अदायगी के लिए जो रीति-रिवाजों के अनुसार सगाई, विवाह, अन्तिम संस्कार या समारोहों पर जमाकर्ता को खर्च करने पड़ते हैं।

नोट : इस विनियमन के अन्तर्गत अस्थायी अप्रिम उस व्यक्ति के प्रथम वार्षिक शाद के लिए स्वीकृत किया जाए जो मृत्यु से पहले जमाकर्ता के परिवार का सदस्य या या उस पर आश्रित था या उसका सगा संबंधी था। उस मामले में जहां प्रथम शाद मृत्यु से एक माह के भीतर किया जाए वहां "प्रथम वार्षिक शाद समारोह" से अलग अस्थायी अप्रिम उसके खर्च के लिए मंजूर किया जाए बशर्ते कि प्रथम वार्षिक शाद समारोह के लिए अप्रिम स्वीकृत नहीं किया गया हो।

(घ) जमाकर्ता पर अपने कार्यालय की डूरी को करने में उसके द्वारा किए गए किसी कार्य या जिस पर उसके द्वारा किए जाने की आशंका हो, उनके लिए उस पर लगाए गए आरोपों के बारे में अपनी स्थिति स्पष्ट

करने के लिए उसके द्वारा आरम्भ की गई कानूनी कार्यवाही का व्यय बहुत करने के लिए, इस मामले में अग्रिम इसी प्रयोजन के लिए उपलब्ध अन्य स्रोतों के अतिरिक्त होगा।

बताते कि इस उप विनियमन के अन्तर्गत अग्रिम उस जमाकर्ता को अनुमेय न होगा जो किसी भी न्यायालय में वह कार्यवाही आरम्भ करता है जो उसके कार्यालय की द्व्यूटी से संबंधित न हो या जो सेवा शर्तों या उसको दिए गए दण्ड के लिए केन्द्रीय बोर्ड के विरुद्ध न हो।

(अ) जहां जमाकर्ता पर बोर्ड द्वारा किसी न्यायालय में अभियोग लगाया गया हो वहां अपने बचाव के खर्चों के व्यय को बहुत करने या जहां जमाकर्ता अपने तथा कथित कार्यालय संबंधी कदाचरण के लिए किसी जांच में अपने बचाव के लिए बकील करता है।

(2) अध्यक्ष विशेष परिस्थिति में किसी जमाकर्ता को अग्रिम मंजूरकर सकता है यदि वह इस बात से सन्तुष्ट हो कि संबंधित जमाकर्ता को उपविनियमन 81 में बताए गए कारणों के अलावा अन्य कारणों के लिए बचाव की आवश्यकता है।

(3) कोई भी अग्रिम लिखित विशेष कारणों के अतिरिक्त किसी अन्य कारण के लिए जमाकर्ता को उप विनियमन (1) में निर्धारित की गई सीमा से अधिक मंजूर नहीं किया जाएगा या जब तक पिछले किसी अग्रिम की आखरी किस्त वापिस नहीं दी जाती।

बताते कि जमाकर्ता को उसके खाते में जमा राशि तथा उस पर व्याज से अधिक अग्रिम नहीं दिया जाएगा।

नोट 1—इस विनियमन के उप नियम (1) की मद (ब) के अन्तर्गत एक जमाकर्ता को प्रत्येक 6 माह के अग्रिम लेने की इजाजत दी जाएगी।

नोट 2—अस्थायी अग्रिम, व्यय करने के बाद भी दिया जाए परन्तु यह अध्यक्ष के द्वारा उस घटना के घटने में काफी समय पश्चात अग्रिम के लिए दिए गए आवेदन को रद्द करने के विवेक पर निर्भर करेगा। ऐसा विवेक आकस्मिकता तक सीमित होगा जिसका पहले से ही अनुमान लगाया जा सके अर्थात् लम्बी बीमारी के मामले अन्तिम संस्कार आदि।

4. जहां उप विनियमन (2) के अन्तर्गत पहले अग्रिम की अन्तिम कि त दिए बिना ही अग्रिम मंजूर कर दिया जाए तो पहले अग्रिम की वसूल न की गई शेष किस्तों को अब मंजूर किए गए अग्रिम में जोड़ दिया जाएगा तथा वसूली की किस्तों को समेकित राशि के अनुसार निर्धारित किया जाएगा।

अग्रिम की वसूली

70. 1—एक जमाकर्ता से अग्रिम उतनी बराबर मासिक किस्तों में वसूल किया जाएगा जितनी किस्तों के लिए मंजूरी दाता

प्राधिकारी निदेश देगा। परन्तु ऐसी संख्या 12 से कम तथा 24 से अधिक नहीं होनी चाहिए जब तक कि जमाकर्ता स्वयं ही यह न चाहे। विशेष मामलों में जहां विनियमन 81 के उप विनियमन (3) के अन्तर्गत अग्रिम की राशि जमाकर्ता के तीन माह के बेतन से अधिक हो वहां मंजूरी दाता प्राधिकारी 24 से अधिक किस्तों निराशित करेगा परन्तु किसी भी मामले में यह 36 से अधिक नहीं होगी। एक जमाकर्ता अपने विकल्प पर निर्धारित किस्तों से भी कम किस्तों में अवायगी कर सकता है। प्रत्येक किस्त पूरे रूपों में होगी। ऐसी किस्तों के निर्धारण के लिए अग्रिम की राशि घटाई बढ़ाई जा सकती है।

2. विनियमन 67 में अधिकारी वसूली के लिए निर्धारित तरीके से ही वसूली की जाएगी तथा अग्रिम लेने के माह के बाद के माह के बेतन देने के साथ ही आरम्भ हो जाएगी। जमाकर्ता की सहमति के बिना वसूली नहीं की जाएगी जबकि वह योड़ा अनुवान ले रहा है या छुट्टी में ही ऐसा भी मामला हो जमाकर्ता के लिखित अनुरोध पर मंजूरीदाता प्राधिकारी द्वारा अग्रिम की वसूली दोरान जमाकर्ता को किस्त वापिस करने की मंजूरी देने पर वसूली मुल्तवी की जाए।

3. यदि किसी जमाकर्ता को अग्रिम मंजूर किया गया है तथा उसके द्वारा ले लिया गया है और बाद में वसूली होने से पहले ही अग्रिम नामंजूर हो जाता है तो पूरी राशि या ली गई राशि का शेष भाग जमाकर्ता द्वारा निधि में उसी समय वापस किया जाएगा जिसके न करने पर उसके बेतन में से एक मुश्त या मासिक किस्तों में जो 12 से अधिक न हो काटने के लिए नेत्रा अधिकारी द्वारा आदेश दिया जाएगा जैसा कि उस अग्रिम को मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा आदेश दिया जाएगा जिसकी मंजूरी के लिए विनियमन 69 के उप विनियमन (3) के अन्तर्गत विशेष कारण बताने चाहिए।

4. इस विनियमन के अन्तर्गत की गई व्यूलियां जैसे ही की जाएगी निधि में जमाकर्ता के खाते में जमा की जाएंगी।

अग्रिम का गलत प्रयोग

71. इन विनियमनों में बताई गई किसी बात के होने पर भी यदि मंजूरीदाता प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट हैं कि विनियमन 69 के अन्तर्गत निधि से अग्रिम के रूप में लिया गया व्यवहार मंजूर किए गए प्रयोजन के अलावा किसी अन्य प्रयोजन पर छूट किया गया है तो प्रश्नाधीन राशि जमाकर्ता को उसी समय निधि में जमाकर्ती होगी या जिसके न करने पर जमाकर्ता की परिलक्षियों से एक मुश्त कटोती करके वसूल किया जाए, यदि वह छुट्टी पर भी हो। यदि वह आगे वाली कुल राशि जमाकर्ता की परिलक्षियों के आधे से ज्यादा है तो अर्धांश की वसूली तब तक किस्तों में ली जाएगी जब तक पूरी राशि उसके द्वारा वापस नहीं की जाती।

निधि के धन का निकाला जाना

72. 1—यहां पर विनिर्दिष्ट शर्तों के होने पर इसके साथ संलग्न फार्म ई में धन निकालने के लिए आवेदन प्राप्त होने पर अध्यक्ष द्वारा या विनियमन 69 के उप विनियमन (3)

के अन्तर्गत विशेष कारणों के लिए अग्रिम मंजूर करने के लिए उसके द्वारा दिए गए अधिकार प्राप्त अधिकारी द्वारा मंजूर किया जाएगा। यह जमाकर्ता द्वारा 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने (सेवा व्यवधान की अवधि यदि कोई हो, को मिला कर) या प्रत्यर्तन पर सेवा निवृत होने के 10 वर्ष की अवधि के भीतर इनमें से जो भी पहले हो जमाकर्ता के खाते में जमा अभिदान की राशि तथा उस पर ब्याज में से निम्नलिखित में से किसी एक या एक से अधिक कारणों के लिए मंजूर किया जाएगा नामतः :

(क) निम्नलिखित मामलों में जमाकर्ता के किसी बच्चे की उच्च शिक्षा जहां आवश्यक हो यात्रा व्यय सहित का व्यय बहुत करने के लिए लागतः

- (i) भाष्यमिक शिक्षा के पश्चात भारत के बाहर शैक्षणिक सफरीकी व्यावसायिक या व्यापारिक पाठ्यक्रम के लिए ।
- (ii) माध्यमिक शिक्षा के पश्चात भारत में किसी आयुर्विज्ञान, इंजीनियरी या अन्य सफरीकी या विशेषज्ञ पाठ्यक्रम के लिए बशर्ते कि अध्ययन का पाठ्यक्रम तीन वर्ष से कम न हो।

नोट : इस उप विनियम के प्रयोजन के लिए अग्रिम/धन निकालने के लिए अध्ययन के पाठ्यक्रम वे होंगे जो इसके साथ संलग्न सूची-5 तथा 6 में दिए गए हैं।

(ख) अभास्तरी के पुत्र या उस पर वास्तव में आश्रित किसी अन्य किसी सम्बन्धी स्त्रीलिंग की सर्गाई/विवाह समारोह के व्यय को बहुत करने के लिए ।

(ग) जमाकर्ता या उसके परिवार के किसी सदस्य या उस पर वास्तव में आश्रित की बीमारी या जहां आवश्यक हो यात्रा का व्यय बहुत करने के लिए ।

(घ) अपनी रिहायश के लिए गृह स्थल सहित गृह निर्माण के लिए या उपयुक्त मकान लेने के लिए या स्पष्ट रूप में इस प्रयोजन के लिए लिए गए ऋण की बकाया राशि वापस करने के लिए या जमाकर्ता द्वारा पहले से ही सिया या मकान को फिर से बनाने या उसके परिवर्तन या परिवर्धन करने के लिए ।

(ङ) गृह स्थल खरीदने के लिए या इस प्रयोजन स्पष्ट रूप में लिए ऋण की बकाया राशि को वापस करने के लिए ।

(च) खण्ड (क) के अन्तर्गत निकाली गई राशि को प्रयोग करके खरीदे गए गृह स्थल पर मकान बनाने के लिए ।

(छ) जमाकर्ता के सेवा निवृत्त होने से 6 माह के भीतर हृषि भूमि या व्यापार परिसर या दोनों प्राप्त करने के लिए ।

2. जब एक जमाकर्ता अंशदायी भविष्य निधि लेखे की हाल ही की उपलब्ध विवरणिका का पर्याप्त अभिदान का प्रमाण देकर अपने खाते में जमा राशि के बारे में मंजूरीदाता प्राधिकारी को सन्तुष्ट कर देता है तो मंजूरीदाता प्राधिकारी, निर्धारित समय सीमा

के भीतर वापसी योग्य अग्रिम के जैसे धन निकालने की मंजूरी देगा। ऐसा करते समय मंजूरीदाता प्राधिकारी जमाकर्ता द्वारा पहले निकाला गया कोई भी अग्रिम को भी ध्यान में रखना होगा।

तथापि जहां जमाकर्ता मंजूरीदाता प्राधिकारी को अपने खाते में जमा राशि के बारे में सन्तुष्ट करने की स्थिति में न हो वहां मंजूरीदाता प्राधिकारी लेखा अधिकारी से जमाकर्ता के खाते में जमा राशि को मालूम करके धन निकालने की अनुमेय राशि मंजूर करेगा। धन निकालने की मंजूरी में भुल्यतया अंशदायी भविष्य निधि की संख्या तथा लेखे का हिसाब रखने वाले लेखा अधिकारी के बारे में दिलाया जाएगा तथा मंजूरी की प्रति हमेशा लेखा अधिकारी को प्रेषित की जाएगी जोकि उसके पश्चात यह सुनिश्चित हो रहेगा कि निकाली गई राशि को लेखे वही में दर्ज कर लिया गया है।

3. एक कर्मचारी जिसने 28 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो या जिसकी सेवा निवृत्ति में तीन वर्ष हों उसको मोटर/कार/स्कूटर खरीदने/भारी मरम्मत करवाने या जांच करवाने या उसके द्वारा निम्नलिखित शर्तों पर इन चीजों को खरीदने के लिए पहले ही लिए ऋण को वापस न करने के लिए अंशदायी भविष्य निधि के वापिस न करने वाला अग्रिम लेने की अनुमति दी जाएगी ।

(क) मोटरकार खरीदने/भारी मरम्मत या जांच के मामले में ;

(i) अधिकारी की परिलिंधियां 1,000 रुपये या अधिक हैं ।

(ii) कार खरीदने के मामले में निकाली गई राशि 12,000 रुपये तक सीमित है या अंशदायी भविष्य निधि में जमा राशि का 1/4 या जमाकर्ता के अंशदायी भविष्य निधि में जमा राशि का 1/4 या अंशदायी भविष्य निधि में उसके खाते में जमा अभिदान तथा उस पर ब्याज की की राशि का 1/4 या मरम्मत/जांच की वास्तविक लागत इसमें से जो भी कम हो ।

(ख) मोटर माइकल/स्कूटर खरीदने/भारी मरम्मत या जांच के मामले में :

(i) अधिकारी की परिलिंधियां 500 रुपये या अधिक हैं ।

(ii) वापस लेने की राशि 5,000 रुपये तक सीमित है या जमाकर्ता के अंशदायी भविष्य निधि खाते में जमा राशि का 1/4 या निधि में जमाकर्ता के खाते में जमा अभिदान की राशि तथा उस पर ब्याज का 1/4 जैसा भी मामला हो या खदरीने के मामले में स्कूटर, मोटर साइकल का वास्तविक मूल्य इसमें से जो भी कम हो और 500 रुपये तक या निधि में जमाकर्ता के खाते में जमा राशि का 1/4 या निधि में जमाकर्ता के खाते में अभिदान तथा उस पर ब्याज से जमा राशि का

1/4 या मरम्मत/जांच की वास्तविक लागत इसमें से जो भी कम हो।

टिप्पणी : इस प्रकार से चार वर्षों में एक बार ही रुपये निकाले जा सकते हैं।

रुपये निकालने की शर्तें :

73. (1) जमाकर्ता के द्वारा विनियमन 72 में दिखाये गए एक या एक से अधिक उद्देश्यों के लिए किसी भी एक समय में उसके खाते में जमा रकम की निकाली गई कोई भी पूँजी निधि में जमाकर्ता के खाते में जमा अंशदान और उस पर ब्याज की रकम के सामान्यतया 1/2 से अधिक या जमाकर्ता का 6 महीनों का वेतन जो भी कम हो, से अधिक नहीं होता किंतु भी मंजूरी-दाता प्राधिकारी इस सीमा को जमाकर्ता की निधि के खाते में अंशदान की रकम और उस पर ब्याज की रकम के 3/4 तक की अधिक रकम की स्वीकृति दे सकता है उस पर निम्न प्रकार से विचार किया जाएगा :—

- (i) वह उद्देश्य जिसके लिए रुपये निकाले जा रहे हों
- (ii) जमाकर्ता की हैमियत
- (iii) निधि में जमाकर्ता के खाते में जमा अंशदान और उस पर ब्याज की रकम

बाणीतें कि किसी भी मामले में रुपये निकालने की अधिकतम रकम 1.25 लाख रुपये या मासिक परिवर्तियों के 75 गुणा जो भी कम हो से अधिक नहीं होगी।

बाणीतें कि यदि जमाकर्ता ने मकान के निर्माण या अर्जन के लिए अन्य किसी सरकारी स्रोत से सहायता प्राप्त कर ली हो तो इस उप विनियमन के अधीन निकाली गई रकम और अन्य स्रोतों से ली गई सहायता की रकम सहित 1.25 लाख रुपये या उसके मासिक परिवर्तियों के 75 गुणा, जो भी कम हो, से अधिक नहीं होगी।

टिप्पणी—1 :

विनियमन 73 के उप विनियमन (1) के उद्देश्य के लिए जमाकर्ता के खाते की अंशदान और उस पर ब्याज की जमा रकम धन अग्रिम की शेष रकम परिवर्तन के समय शेष समझी जाएगी। प्रत्येक समय का निकाला गया धन अलग अलग समझा जाएगा और एक से अधिक परिवर्तन पर वही सिद्धान्त लागू होगा।

टिप्पणी—2 :

विनियमन 72 के उप विनियमन (1) के अनुच्छेद (क) के अधीन जमाकर्ता को प्रत्येक 6 महीने में एक बार रुपये निकालने की अनुमति दी जाएगी। विनियमन 73 के उप विनियमन (1) के उद्देश्यों के लिए प्रत्येक बार का निकाला हुआ पैसा अलग से उद्देश्य के लिए समझा जाएगा।

टिप्पणी—3 :

जहां जमाकर्ता ने जमीन या मकान खरीदने या मकान बनाने के लिए गृह निर्माण सहकारी समिति या इसी

प्रकार के निकाय के माध्यम से कुछ किस्तों का मुश्तकालन करने के मामले में उसको जब भी किसी किस्त का भुगतान करने के लिए कहा गया हो तो उसे रुपये निकालने की अनुमति दी जाएगी। इस प्रकार का प्रत्येक भुगतान विनियमन 72 के उप विनियमन (1) के उद्देश्य के इतर उद्देश्य के लिए भुगतान समझा जाएगा।

टिप्पणी—4 :

उस मामले में जहां मंजूरीदाता प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट है कि निधि में जमाकर्ता के खाते में जो जमा रकम है वह अपर्याप्त है और वह अपनी आवश्यकता की पूर्ति धन निकाले बिना नहीं कर सकता/कर सकती है तो विनियमन 74 के अन्तर्गत बीमा पालिसी या पालिसियों का भुगतान न करने के लिए निधि से जमाकर्ता द्वारा पहले से ही निकाली गई रकम विनियमन 68 में दी गई दर के हिसाब से उस पर ब्याज सहित पूरी रकम उप विनियमन में दिखाई गई सीमा के उद्देश्य के लिए निधि में उसके खाते में वास्तविक जमा रकम के अतिरिक्त रकम समझी जा सकती है। दिए जाने वाले रुपयों की रकम के बाद निर्धारित किया गया हो।

(i) विनियमन 76 के अधीन बीमा पालिसी या पालिसियों का भुगतान करने के लिए निधि से पहले ही निकाले गए धन से यह निर्धारित रकम यदि प्राधिक हो सो ऐसे निकाले गए धन को अनन्तिम रूप से निकाला गया धन समझा जाएगा और ऐसे समझी गई रकम और कुल निकाली जाने वाली रकम के मध्य कोई अन्तर होतो उसे उसका नकद भुगतान किया जा सकता है; और

(ii) यदि ऐसी निर्धारित की गई रकम विनियमन 76 के अधीन बीमा पालिसी या पालिसियों के भुगतान के लिए पहले ही निकाली गई रकम से अधिक नहीं है सो ऐसे निकाली गई रकम उप विनियमन (1) में दिखाई गई सीमा के संदर्भ में अन्तिम रूप से निकाली गई रकम समझी जाएगी।

उपर्युक्त उद्देश्य के लिए लेखा प्राधिकारी जमाकर्ता या जमाकर्ता संघर्षक बीमाकृतों को, जैसा भी मामला हो, पालिसी या पालिसियों का पुनः अभ्युपूर्ण करेगा और जमाकर्ता के हवाले करेगा जो उसको उस उद्देश्य के लिए उपयोग करने में स्वतंत्र होगा जिसके लिए यह मुक्त की गई हो।

(2) जिस जमाकर्ता को विनियमन 72 के अधीन निधि से धन निकालने की अनुमति दी गई हो वह मंजूरीदाता प्राधिकारी को उपयुक्त समय के अन्दर जैसा कि प्राधिकारी ने निर्धारित किया है इस बात से संतुष्ट करेगा कि धन का उपयोग उस उद्देश्य के लिए किया गया है जिसके लिए निकाला गया है और यदि वह ऐसा करने में असफल होता या होती है तो ऐसी निकाली गई सारी रकम या उससे अधिक जैसे कि जिस उद्देश्य के लिए निकाली गई हो जिसके लिए आवेदन किया हो, तो उसका जमाकर्ता के द्वारा तिथि में एक मुश्त वापस भुगतान करना पड़ेगा जिसके न किए जाने पर मंजूरीकर्ता

प्राधिकारी यह प्रादेश देगा कि या तो वेतन में से एक मुक्त वसूल किया जाए या ऐसी किट्ठों में वसूल किया जाए जैसे अध्यक्ष निर्धारित करे।

3-(क) जिस जमाकर्ता को विनियमन 72 के उप विनियमन (1) के अनुच्छेद (घ) अनुच्छेद (उ) अनुच्छेद (च) के अधीन निधि से अंशदान और उस पर व्याज भर्हत उसके खाते में जमा राशि में से धन निकालने की अनुमति दी गई हो तो बने हुए मकान का कब्जा लेने या अर्जन या गृह स्थल खरीदने के लिए निकाले गए धन का भाग नहीं होगा चाहे विक्री, रेहन (अध्यक्ष के अलावा रेहन पर) उपहार अन्तरण या अध्यक्ष का पूर्व अनुमति के बिना द्वारा खरीदा गया हो। बास्ते कि ऐसी अनुमति निम्नलिखित के लिए आवश्यक नहीं होगी—

(1) मकान या मकान स्थल किसी शर्त के लिए तीन वर्ष से अधिक न हो या

(2) यह आवास बोर्ड, जीवन बीमा निगम या अन्य नियम जिसे केन्द्रीय सरकार रखती हो और नियंत्रित करती हो के हित में रेहन पर दिया हो जिन्होंने नए मकान के निर्माण या विस्तार या वर्तमान मकान परिवर्तन के लिए अग्रिम अर्ण देय हो।

(घ) जमाकर्ता प्रत्येक वर्ष 31 दिसम्बर तक यह घोषित करेगा कि क्या मकान या मकान की जगह, जैसा भी मामला हो उसके कब्जे में है या रेहन पर दिया गया है, अन्यथा अन्तरण या किराया पर या जैसा ऊपर है और यदि ऐसा चाहिए हो, तो प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित तारीख या उससे पहले मंजूरी देने वाले प्राधिकरण को वेश करेगा। इसके लिए मूल विक्री, रेहन या पट्टे धारा कागजात और वे कागजात भी जिसमें उसका सम्पत्ति पर अधिकार है।

(ग) उसके/उसको मेवा निवृत्ति के पूर्व किसी भी समय यदि जमाकर्ता मकान या मकान की जगह का अध्यक्ष की पूर्व अनुमति के बिना हिस्से करता है, तो वह उसके द्वारा लिये गये धन को निधि में एक मुश्त वापिस भुगतान करेगा/करेंगे, इस प्रकार के भुगतान न करने पर मंजूरकर्ता प्रभिकरण जमाकर्ता को मामले में अभ्यावेदन करने के लिये उपयुक्त अवसर देगा, यह रकम जमाकर्ता के वेतन में से एक मुश्त या मासिक हिस्तों में, जैसा भी प्राधिकरण समझता हो, वकूल की जायेगो।

टिप्पणी 1: वह जमाकर्ता जिसने सरकार से अर्ण लिया हो और उसके बदले में मकान या मकान की जगह सरकार को रेहन पर दिया हो, उसे निम्नांकित घोषणा करनी होगी—
“मैं प्रमाणित करता हूँ कि मकान या निर्माण के लिये मकान की जगह या जिसके अर्जन

के लिये मैंने भविष्य निधि में अंशदान रहाए तिकाले हैं वह मेरे कब्जे में रहेगा; परन्तु सरकार के पास रहेन रहेगा।

टिप्पणी 2: जमाकर्ता को दूसरी बार मकान निर्माण के लिये किसी भी जगह पैमे तिकाले का स्वीकृति नहीं दो जाएगी, यदि उसने पहले पैमे हो उद्देश्य के लिये किसी स्थान पर या दूसरे स्थान पर अन्तिम रूप से रुपये तिकाले की स्वीकृति प्राप्त कर ली हो। दूसरे शब्दों में निर्माण के उद्देश्य से या मकान के अर्जन के लिये किसी भी कमचारी को उसके सेवाकाल में एक बार से अधिक और एक मकान से अधिक के लिये अन्तिम रूप से रुपये निकालने का स्वीकृति नहीं दो जायेगा।

टिप्पणी 3: अंशदायी भविष्य निधि से मकान के विस्तार और मरम्मत के लिये एक अलग से अन्तिम रूप से रुपये निकालने का स्वीकृति होगा। उसमें यह तथ्य होगा क्या मकान अंशदायी भविष्य निधि के धन की महायता से निर्मित/बनाया या खरीदा गया था, और ऐसा विस्तार तथा मरम्मत एक अलग उद्देश्य समझा जाएगा।

74. अग्रिम को निकास: पूँजी में बदलना—जो जमाकर्ता विनियमन 69 के अन्तर्गत विनियमन 72 के अनुच्छेद (क), (घ) और (ग) में दिखाये गये उद्देश्यों के लिये रुपये निकाल चुका है या निकालेगा तो वह अपनी इच्छा भे स्वीकृतकर्ता सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से लेखा अधिकारी को प्रपत्र ‘जी’ यहाँ संलग्न है में लिखित अनुरोध करेगा और विनियमन 72 और 73 में दिखाई गई शर्तों अन्तिम रूप से रुपये निकालने जो उसके खाते में हैं, उसको संतुष्ट करेगा। अध्यक्ष अन्तरण के लिये आवेदन पत्र प्राप्त करने पर लेखा अधिकारी को जमाकर्ता के वेतन विल में से वसूला रोकने को कहेगा।

75. बोमा पालिसियों का भुगतान—प्रपत्र ‘एच’ में आवेदन प्राप्त होने पर तथा विनियमन 76 में 86 में दिखाई गई शर्तों के अनुसार होगा:

(क) जमाकर्ता के कहने पर जावन बोमा पालिसियों का भुगतान के लिये निधि में सारा अंशदान या उसका भाग एवजों में दिया जा सकता है।

(घ) निधि में जमाकर्ता के खाते का रकम और उसका व्याज निम्नलिखित शर्तों के लिये निकाला जा सकता है:

- (i) जावन बोमा पालिसी के भुगतान के लिये
- (ii) इकहो भुगतान की बोमा पालिसी को खरीदने के लिये।

बशर्ते कि (१) प्रस्तावित पालिसी के विवरण लेखा अधिकारी को प्रस्तुत करने तथा उसको उपयुक्त स्वीकार करने से पूर्व रूपये न निकाले गये हों, या

(२) किसी भुगतान या खरीद के लिये या रूपये निकालने के लिये आवेदन या अभ्यावेदन तीन माह से अधिक हो, या

(३) किसी किश्त या अंशदान के भुगतान के लिये भुगतान की तारीख से ३ माह से अधिक पहले।

टिप्पणी:—इस उद्देश्य के लिये भुगतान की तारीख वह होगी जिस तारीख तक बीमा कम्पनियां छूट के समय सहित भुगतान करने की अनुमति देती हैं।

स्पष्टीकरण:—इस व्यवस्था के अनुच्छेद (३) के अन्तर्गत भुगतान की तारीख के बाद जीवन बीमा पालिसी को वित्तीय सहायता देने के लिए निधि से रूपये नहीं दिये जायेंगे, जब तक कि ऐसे भुगतान के लिये टोकन में किश्त की पावती को पेश नहीं किया जाता। आगे यह भी शर्त है कि शैक्षणिक पालिसी के भुगतान के लिये निधि के अंशदान के लिये बदला नहीं जा सकता है, और इस प्रकार का पालिसी यदि पालिसी का सारा या कुछ भाग जमाकर्ता के सेवा निवृत्ति को सामान्य आयु के समय भुगतान करने के लिये हो, तो इस प्रकार के भुगतान या खरीद के लिए रकम नहीं निकाला जा सकती।

(ग) अनुच्छेद (ख) के अन्तर्गत कोई भी रकम विनियमन ६७ के उप विनियमन (७) में दिखाई गई गती के मुताबिक मारे रूपयों में भुगतान की जा सकती है, लेकिन उसे उसकी रकम के आसपास होना चाहिए।

७६(१) उन पालिसीयों की संख्या जो निधि सेवी जा सकती है— उन पालिसीयों की संख्या जिनका अंशदान निधि में भुगतान के लिये अन्तरण किया जाना है या अंशदान की निधि से निकालना है, उन्हें विनियमन ७५ के अधीन स्वाक्षिति दी जा सकती है, और इन पालिसीयों की संख्या चार से अधिक नहीं होगी।

(२) इस पालिसी के भुगतान के लिये विनियमन ७५ के अधीन अंशदान को निधि से निकालने

की स्वाक्षिति दी गई है, वह पालिसी वाधिक भुगतान योग्य होगी।

स्पष्टीकरण:—उप विनियमन (१) में दिखाई गई, अधिकतम पालिसीयों की तुलना में जो पालिसी परिपूर्ण हो चुकी है, या भुगतान की गई पालिसीयों इसमें शामिल नहीं होंगी।

७७(१). प्रतिस्थापित भुगतानों और निम्नतम अंशदान के अन्तर का भुगतान—यदि किसी अंशदान या और बदले हुए भुगतान की कुछ रकम विनियमन ७५ के अनुच्छेद (क) के अन्तर्गत विनियमन ७ के अन्तर्गत भुगतान की जाने वाले न्यूनतम अंशदान की रकम से कम है, तो विनियमन ६४ के उप विनियमन (७) के अनुसार अन्तर नजदीकी रूपयों में से निकाला जायेगा और जमाकर्ता के द्वारा अंशदान के रूप में निधि को भुगतान किया जाएगा।

(२) यदि जमाकर्ता विनियमन ७५ में दिये गये उद्देश्यों के लिये अपने खाते में जमा रकम को निकालता है या वह नियम के अनुच्छेद (क) के अधीन अपना विकल्प देता/देती है, तो विनियमन ६४ के अधीन अंशदान, निधि में भुगतान करने के लिये आरी रहेगा।

७८. (१) कुछ मामलों में अंशदान में कमी करना— वह जमाकर्ता जो अंशदान या भुगतान, विनियमन ७५ के अनुच्छेद (क) के अन्तर्गत बदलता है, तो वह इसके अनुसार अपने अंशदान को घटा सकता हैः—

बशर्ते कि जमाकर्ता (क) लेखाधिकारी को अपने वेतन विल से या पत्र के द्वारा तथ्य को और भी कमी के कारणों को सूचित करेगा। (ख) ऐसे समय में लेखाधिकारी को प्रेषित को, जैसे लेखाधिकारी को चाहिये, और पावतियां या पावतियों की प्रमाणिक कापियां ऐसी होनी चाहिए जिसमें विनियमन ७५ के अनुच्छेद (क) में दिखाये गये उद्देश्यों के लिये उस अंशदान को कम करने के लिये विधिवत् आवेदन किया हो और लेखा अधिकारी सन्तुष्ट हो।

(२) जो जमाकर्ता विनियमन ७५ के अनुच्छेद (ख) के अधीन रूपये निकालना चाहता हो, तो वह—
(क) पत्र द्वारा लेखाधिकारी को रूपये निकालने का कारण सूचित करेगा।

(ख) रूपये निकालने के लिये लेखाधिकारी के साथ व्यवहार करेगा।

(ग) ऐसे समय में लेखाधिकारी को प्रेषित करे, जैसा लेखाधिकारी को चाहिये, और पावतियां या पावतियों की प्रमाणित

प्रतियां ऐसी होनी चाहिए, जिससे विनियमन 75 के अनुच्छेद (ख) में दिये गये उद्देश्यों के लिये उस अंशदान को कम करने के लिये विधिवत् या किया हो और लेखा अधिकारी सन्तुष्ट हो।

(3) लेखाधिकारी किसी भी रकम को जो अंशदान के लिये घटायी गयी है, वसूल करने का आवेदन देगा या कोई भी रकम उप विनियमन (एक) के अनुच्छेद (ख) और उप विनियमन (2) के अनुच्छेद (ग) में वालित सूचनाओं से यदि लेखा अधिकारी सन्तुष्ट न हो, तो जमाकर्ता के बेतन में से जमाकर्ता के खाते में जमा करने के आदेश दे सकता है।

79. (1) बोर्ड बीमा कम्पनी को जमाकर्ता की ओर से भुगतान नहीं करेगा—बोर्ड जीवन बीमा निगम को जमाकर्ता की ओर से कोई भुगतान नहीं करेगा पालिसी को जारी रखने के लिये कोई कदम नहीं उठायेगा।

(2) इसमें कोई अन्तर नहीं पड़ता कि पालिसी का क्या संग होगा? बशर्ते कि यह जमाकर्ता द्वारा स्वयं उसके जीवन पर प्रभाव डाले और यह गेसा होगा (जब तक कि वह पालिसी प्रत्यक्षता गेसी नहे कि वह उसकी पत्नी/पति और बच्चों या उनमें से किसी के लाभ के लिये है) जो जमाकर्ता द्वारा स्वयं केन्द्रीय बोर्ड को कानूनी तौर पर अध्यार्पित करेगा।

स्पष्टीकरण : (1) जमाकर्ता और उसकी पत्नी/उसका पति की संयुक्त जीवन पर पालिसी इस उप विनियमन के उद्देश्य के लिये जमाकर्ता की जीवन पालिसी समझी जायेगी।

(2) वह पालिसी जो जमाकर्ता की पत्नी/पति पर अध्यार्पित की गई है उसे तब तक स्वीकार नहीं विद्या जायेगा जब तक कि या तो पालिसी जमाकर्ता को या जमाकर्ता तथा उसकी पत्नी/पति दोनों को संयुक्त रूप से उचित अध्यर्पण न की गई हो।

(3) पालिसी जमाकर्ता की पत्नी/पति या उसकी पत्नी/पति तथा बच्चों इनमें से किसी अन्य लाभकारी को लाभ नहीं देगी।

80. (1) पालिसियों का अध्यर्पण—पालिसी के अंशदान के 6 महीनों के अन्दर या पालिसी के लिये निधि से रूपरेणु निकालने पर—

(क) जब तक पालिसी में यह तथ्य नहीं बताया गया कि यह पालिसी जमाकर्ता की पत्नी/पति या उसकी पत्नी/पति और बच्चों

या इनमें से किसी के लाभ के लिये विनियमन 82 से 86 के अन्तर्गत निधि में किसी भी रकम के लिये जो बेय हो गई हो, के भुगतान के लिये बोर्ड के पास सुरक्षित न रखी गई हो और लेखा अधिकारी को प्रेषित की गई हो। तबनुसार, पालिसी में प्रपत्र 'आई' या प्रपत्र 'जे' या प्रपत्र 'के' या प्रपत्र 'एल' या प्रपत्र 'एम' में अध्यर्पण दिया गया हो कि पालिसी जमाकर्ता या जमाकर्ता के संयुक्त जीवनों पर और उसकी पत्नी/उसके पति या पालिसी पहले से ही ग्राहक की पत्नी/पति के लिये अध्यार्पित है।

(ख) यदि पालिसी में यह तथ्य बताया गया है कि यह जमाकर्ता की पत्नी/पति या उसकी पत्नी उसके पति और बच्चों या इनमें से किसी के लाभ के लिये है तो इस लेखा अधिकारी को प्रेषित किया जाएगा।

(2) जीवन बीमा निगम के सन्दर्भ से लेखा अधिकारी अपने आप को सन्तुष्ट करेगा कि पालिसी का कोई पूर्ण अध्यर्पण नहीं हो रहा है।

(3) अगर लेखा अधिकारी ने निधि से पालिसी को आधिक सहायता देने के उद्देश्य से स्वीकार कर दिया है तो पालिसी की शर्तें बदली नहीं की जायेगी और न ही अध्यक्ष की पूर्वानुमति के बिना पालिसी का दूसरी पालिसी में अन्तरण किया जा सकता है। जिसके लिये कि बदली के विवरण या नई पालिसियों का विवरण दिया जायेगा।

(4) यदि पालिसी अध्यार्पित तथा प्रेषित नहीं की गई या बताये गये 6 महीनों में या उपविनियमन (1) के अधीन लेखा अधिकारी ने अगले समय तक के लिये तथ किया हो पालिसी के लिये कोई भी रकम या निधि से निकाली गई रकम जमाकर्ता द्वारा निधि में आगे भुगतान या पुनः भुगतान जैसा भी मामला हो की जायेगी या इसके असफल होने पर लेखा अधिकारी जमाकर्ता के बेतन में से कटौती के द्वारा किसी या अन्यथा सक्षम प्राधिकारी के द्वारा विनियमन 69 के उपविनियमन (4) के अधीन अग्रिम की मंजूरी की स्वीकृति के लिये भागे गये, विशेष कारणों में निर्देशित किया हो, के मुताबिक रकम को वसूल करने का आदेश देगा।

(5) जमाकर्ता के द्वारा पालिसी के अध्यर्पण के नोटिस जीवन बीमा निगम को दिया जायेगा

और जीवन बीमा कम्पनी अध्यर्पण की तारीख के तीन माह के अन्दर उसकी पावसी लेखा अधिकारी को भेजेगी।

पालिसियों पर बोनस—81. जमाकर्ता पालिसी के चालू रहने के दौरान कोई बोनस नहीं लेगा, ऐसी चालू स्थिति में जिसका निकाला जाना पालिसी के शर्तों के अधीन ऐच्छिक है तथा बोनस की कोई भी रकम जो पालिसी की शर्तों के अधीन जमाकर्ता का पालिसी के चालू रहने के दौरान बोनस को निकालने से अलग रहने का कोई विकल्प नहीं है, तो जमाकर्ता द्वारा निधि में से भुगतान किया जाएगा या जिसके न किये जाने पर उसके वेतन में से किश्तों द्वारा या अन्यथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा अप्रिम की मंजूरी की स्वीकृति में विनियमन 69 के उपविनियमन (3) में मांगे गये विशेष कारणों में निर्देशित के द्वारा वसूल किया जायेगा।

पालिसियों का पुनः अध्यर्पण—82. (1) विनियमन 85 के द्वारा की गई व्यवस्था को छोड़ कर जब जमाकर्ता

(क) नौकरी छोड़ देता है

(घ) सेवा निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर छला गया हो तथा लेखा अधिकारी को पालिसी के पुनः अध्यर्पण या वापिसी के लिये आवेदन किया हो, या

(ग) जब छुट्टी पर हो, सेवा निवृत्ति की अनुमति दे दी गई हो या सक्षम चिकित्सा प्राधिकारी ने आगे नौकरी करने के लिये अस्वस्थ्य घोषित कर दिया गया हो, तथा लेखा अधिकारी को पालिसी के पुनः अध्यर्पण या वापिसी के लिये आवेदन किया हो या

(घ) विनियमन 75 के उप अनुच्छेद (1) के अनुच्छेद (क) तथा अनुच्छेद (ख) के उप अनुच्छेद (1) और (2) में बनाये गये उद्देश्यों के लिये निधि में किसी सारी रकम जो कि रुकी हुई है, या निकाली हुई है, उसका निधि में भुगतान या पुनर्भुगतान के लिये लेखा अधिकारी निम्नलिखित कार्यवाही करेगा।

(i) यदि पालिसी विनियमन 80 के अन्तर्गत केन्द्रीय बोर्ड को अध्यापित है तो प्रपत्र 'एच' में जमाकर्ता को या जमाकर्ता और संयुक्त बीमाकृतों जैसा भी मामला हो, को पुनः अध्यापित की जाएगी, और जमाकर्ता को पुनः अध्यर्पण के हस्ताक्षरकृत नोटिस को जीवन बीमा निगम को प्रेषित

होगा, के साथ-साथ लौटा दी जायेगी।

(ii) यदि पालिसी विनियमन 80 के उपविनियमन (1) की अनुच्छेद (ख) के अन्तर्गत उसको प्रेषित की गई है, तो जमाकर्ता को दी जायेगी।

बाणी कि यदि जमाकर्ता सेवा निवृत्ति की छुट्टियों के बाद या जब छुट्टी पर हो, तो उसे सेवा निवृत्ति होने की अनुमति या आगे नौकरी के लिये सक्षम स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा अध्योग्य घोषित कर दिया गया हो और इसी पर वापिस आ गया हो, तो इस प्रकार के पुनः अध्यापित या दी गई कोई भी पालिसी यदि यह परिपक्व या अध्यर्पित या प्रभारित या किसी भी प्रकार से भारित हो, तो अध्यक्ष को पुनः अध्यापित की जायेगी, और लेखा अधिकारी को प्रेषित की जायेगी, या लेखा अधिकारी को पुनः प्रेषित की जायेगी। विनियमन 80 में दी गई व्यवस्था के मुताबिक जैसा भी मामला हो। और उसके बाद इन विनियमनों की व्यवस्थायें जैसी भी हों, पालिसी पर फिर से लागू होंगी।

आगे यह भी शर्त है कि यदि किसी भी प्रकार पालिसी परिपक्व या अध्यापित या प्रभारित या भारित हो गई है, तो पालिसी के अध्यर्पण करने में असफल होने पर विनियमन 80 के उप विनियमन (4) की व्यवस्थायें लागू होंगी और पालिसी को प्रेषित करना पड़ेगा।

(2) जब जमाकर्ता की नौकरी छोड़ने से पूर्व मृत्यु हो जाती है, तो विनियमन 85 द्वारा दी गई व्यवस्थाओं के अनुस्तुप बचत, लेखा अधिकारी निम्नलिखित कार्यवाही करेगा—

(i) यदि पालिसी विनियमन 80 के अन्तर्गत अध्यक्ष को अध्यापित है, तो प्रपत्र 'ओ' में पालिसी ऐसे व्यक्ति को जो इसको प्राप्त करने के लिये कानूनी तौर पर पात्र होगा, को पुनः अध्यापित की जायेगी, और पालिसी को जीवन बीमा निगम को प्रेषित पुनः अध्यर्पण के हस्ताक्षर के नोटिस के साथ उस व्यक्ति को दे दिया जाएगा,

(ii) यदि पालिसी विनियमन 80 के उप-विनियमन (1) के अनुच्छेद (ख) के अधीन उसको प्रेषित की गई हो, तो लाभ प्राप्त करने वाले को यदि कोई हो, या यदि कोई लाभ प्राप्त करने वाला

नहीं है, तो उस व्यक्ति को, जो इसको प्राप्त करने के लिये कानूनन पात्र हो, उसको दी जाएगी।

टिप्पणी 1 : जीवन बीमा निगम द्वारा अध्यक्ष, और पालिसी-मालिक के हित में पुनः अभ्यर्पण के पंजीकरण के लिये मांगा गया शुल्क पालिसी मालिक/मालिकन के द्वारा स्वयं ही भुगतान किया जायेगा।

टिप्पणी 2. अध्यक्ष को पालिसी के आंशिक पुनः अभ्यर्पण की अनुमति नहीं दी जायेगी।

83. (1) पालिसियों की परिपक्वता पर कार्य विधि— यदि पालिसी विनियमन 80 के अन्तर्गत अध्यक्ष को अभ्यर्पित है, और जमाकर्ता के नौकरी छोड़ने से पूर्व देय हो जाती है, तो और यदि पालिसी कथित नियम के अन्तर्गत जमाकर्ता के संयुक्त जीवन और उमरी/उसके पति को अभ्यर्पित है, और पत्नी/पति की मृत्यु के कारण भुगतान करने के लिये शेष पड़ी हुई है, तो लेखा अधिकारी विनियमन 85 की व्यवस्थाओं के द्वारा बचत करेगा और निम्नलिखित कार्यवाही करेगा :—

(i) यदि बीमाकृत रकम किसी उपाजित बोनस की रकम सहित पालिसी के लिये निधि निकाली गई, या शेष पड़ी हुई, सारी रकम से बड़ी है, तो लेखा अधिकारी चीथी सूची के प्रपत्र में जमाकर्ता या जमाकर्ता और संयुक्त बीमाकृतों, जैसा भी मामला हो, को पुनः अभ्यर्पित करेगा, तथा जमाकर्ता के हवाले करेगा, जोकि निधि में ना की देने वाली या निकाली गई सारी या कोई रकम का भुगतान या पुनः भुगतान करेगा, जिसे न किये जान पर विनियमन 86 की व्यवस्थायें लागू होंगी, जैसे कि उन मामलों के सम्बन्ध में लागू होता है, जहाँ विनियमन 86 अनुच्छेद (क) या अनुच्छेद (ख) के अन्तर्गत निधि में कोई शेष राशि देने के लिए या निकाली गई रकम पर लागू होता है, और वह रकम उन उद्देश्यों के अनावा जिसके लिए कि रुपये देने की, या साथे निकालने की स्वीकृति दी गई थी।

(ii) यदि बीमाकृत रकम उपाजित बोनसों की रकम सहित निधि में देने के लिये किसी हुई या रिकाली गई सारी रकम से कम है, तो लेखा अधिकारी बीमाकृत रकम सहित उपाजित बोनसों की रकम को वसूल करेगा और ऐसे वसूल की गई रकम को निधि में जमाकर्ता के खाते में डाल देगा।

(2) विनियमन 85 को व्यवस्थाओं के अनुस्तुप बचत यदि पालिसी विनियमन 88 के उप विनियमन (1) के अनुच्छेद (ख) के अधीन लेखा अधिकारी को प्रेषित की गई हो, और जमाकर्ता के नौकरी छोड़ने से पूर्व देय हो गई हो, तो लेखा अधिकारी पालिसी को जमाकर्ता के हवाले कर देगा।

वर्णन कि यदि जमाकर्ता की पत्नी/पति या उसकी पत्नी/उसका पति तथा बच्चे या उनमें से कोई भी, को पालिसी पर ब्याज जैसे कि पालिसी के मुख्य पृष्ठ पर बताया गया है, जब पालिसी देय होने पर मृत्यु हो जाती है, तो यदि जीवन बीमा निगम पालिसी के धन को उसको देता है, तो जमाकर्ता उसके मिलने पर तुरन्त ही विधि में भुगतान या पुनः भुगतान करेगा या

- (i) पालिसी के लिये निधि में जमा कराने के लिये रुपी हुई या निकाली गई सारी रकम या
- (ii) रकम बीमाकृत रकम, बोनसों के उपार्जन महित रकम के बराबर जो भी कम हो और जिसके न दिये जाने पर विनियमन 86 की व्यवस्थायें लागू होंगी जैसे कि उन मामलों के सम्बन्ध में लागू होता है जहाँ विनियमन 85 के अनुच्छेद (क) या अनुच्छेद (ख) के अधीन निधि से निकाले गये या देने के लिये शेष धन पर लागू होता है जिसे कि जिन उद्देश्यों के लिए स्वीकृति दी गई हो और वहाँ उसका उपयोग न किया गया हो।

84. पालिसियों के अनुबित अभ्यर्पण की समाप्ति : यदि पालिसी समाप्त होती है या विनियमन 80 के अन्तर्गत अध्यक्ष के अनावा अन्यथा अभ्यर्पित हो जाती है तो भारित या प्रभारित के लिये पालिसी अभ्यर्पण और प्रेषित करने में अपफल होने पर विनियमन 80 के उप विनियमन (4) के उपबन्ध लागू होंगे।

85. भारित या प्रभारित के अभ्यर्पण के नोटिस को प्राप्त करने समय लेखा अधिकारी का कर्तव्य : यदि लेखा अधिकारी उस पालिसी का नोटिस प्राप्त करता है जो—

- (क) (अध्यक्ष को विनियमन 80 के अन्तर्गत अभ्यर्पण करने के बाद) अभ्यर्पण या
- (ख) प्रभार या निर्वाध अधिकार या
- (ग) पालिसी या उस पर दी गई किसी रकम पर न्यायालय द्वारा कार्यवाही करने पर रोक के आदेश दिये गये हों तो लेखा अधिकारी निम्नलिखित कार्य नहीं करेगा :—
 - (i) विनियमन 82 की व्यवस्थाओं के अनुसार पालिसी या पुर्णअभ्यर्पण को अदा करना या
 - (ii) जैसा कि विनियमन 83 में व्यवस्था है पालिसी द्वारा रकम देना या पुर्णअभ्यर्पण

या पालिसी को अदा करना परन्तु आगे मामले को श्रद्धालु को प्रेषित करेगा।

86. दिए जाने वाले या निकाले गए घन का गलत तरीके से प्रयोग : तथापि इन विनियमनों में संबंधित कोई भी वस्तु यदि स्वीकृति दाता प्राधिकारी सन्तुष्ट है कि विनियमन 75 के अनुच्छेद (क) या अनुच्छेद (ख) के अधीन निधि को देने वाली रकम या निकाली गई रकम उस उद्देश्य के अलावा जिसके लिये स्वीकृति दी गई थी कहीं अन्यत्र उपयोग की गई हो तो उस रकम को आगे जमाकर्ता के द्वारा निधि में पुर्णभुगतान या भुगतान जैसा भी मामला हो, किया जायेगा जिसके न किये जाने पर जमाकर्ता के वेतन में से एक मुश्त कटौती करके वसूल करने के आदेश दिये जायेगे चाहे वह छुट्टी पर क्यों न हो। यदि पुर्णभुगतान या भुगतान जैसा भी मामला हो, करने वाली रकम जमाकर्ता के वेतन के आधे से अधिक है तो वसूलियाँ उसके द्वारा अपने वेतन में से मासिक किस्तों में तब तक की जायेगी जब तक इस रकम का पुर्णभुगतान या भुगतान जैसा भी मामला हो, नहीं हो जाता।

87. निधि में जमा राशि का अनन्तिम तार पर वापिस लेना : जिस समय जमाकर्ता नौकरी छोड़ता है तो निधि में उसके खाते में जमा रकम विनियमन 91 में कटौती करने के शर्त पर उसे भुगतान करने योग्य हो जायेगी। बशर्त कि वह जमाकर्ता जो नौकरी से निकाला गया हो और फिर से नौकरी पर आ गया हो तो श्रद्धालु के कहे जाने पर इस उप विनियमन के अनुसार वह भुगतान की गई रकम निधि में पुनर्भुगतान करेगा/करेगी जिस पर विनियमन 88 की व्यवस्थाओं के अनुसार विनियमन 76 में दिये गये दरों पर ब्याज भी जमा करना पड़ेगा। ऐसी पुनर्भुगतान की गई रकम को निधि में उसके खाते में डाल दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण

जिस जमाकर्ता को आश्रय छुट्टियाँ मंजूर की गई हों उसे अनिवार्य सेवा निवृत्ति की तारीख या सेवा की समय बढ़ोत्तरी की समाप्ति पर नौकरी से छूटा हुआ समझा जायेगा।

88. जमाकर्ता की सेवा निवृत्ति : जब जमाकर्ता :—

- (क) सेवा निवृत्ति से पूर्व छुट्टी पर चला गया हो,
- (ख) जब छुट्टी पर हो और सेवा निवृत्ति की अनुमति दे दी गई हो या सक्षम स्वास्थ्य प्राधिकारी द्वारा आगे नौकरी करने के लिए आयोग्य घोषित कर दिया गया हो तो निधि में उसके खाते में अंशदान की रकम और उस पर ब्याज जोकि प्रावेदन प्रपत्र "पी" में इसके लिये लेखा प्राधिकारी को दिया गया है, जमाकर्ता को भुगतान योग्य हो जायेगी।

बशर्ते कि यदि जमाकर्ता डूटी पर आ जाता /जाती है तो सिवाय जहाँ श्रद्धालु कर देता है अन्यथा उसे उस विनियमन के मुताबिक निधि में से दी हुई रकम का विनियमन 68 की व्यवस्था के अनुसार ब्याज दर

महित उसके खाते में वापिस जमा की जायेगी जो रोकड़ में या ऋणपत्रों में या रोकड़ में और ऋणपत्रों में आंशिक किस्तों के द्वारा या अन्यथा उसके वेतन में से वसूली के द्वारा या अन्यथा उप विनियमन (2) या विनियमन 69 के अधीन मांगे गये अग्रिम की मंजूरी के विशेष कारणों से नक्षम प्राधिकारी के निर्देश के द्वारा वसूल की जायेगी।

यदि अनुच्छेद (1), (2), (3) और (4) में इसपर गये सदस्यों के अलावा कोई सदस्य है :—

तथापि मृतक पुत्र की विधवा या विधवायें या बच्चा या बच्चे उम भाग को बराबर हिस्सों में प्राप्त करेंगे जिस भाग को जीवित अवस्था में जमाकर्ता से वह पुत्र लेता और प्रथम व्यवस्था के अनुच्छेद (1) की व्यवस्थाओं से छूट मिली हो।

(ii) जब जमाकर्ता का परिवार नहीं हो और यदि विनियमन 61 की व्यवस्थाओं के अनुसार उससे किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के हित में नामांकन किया हो तो निधि में उसके खाते में जमा रकम को या उसके एक हिस्से को जिससे नामांकन संबंधित है मनोनयन में दिया गए अनुपात में उसके नामांकित या नामांकितों को देय हो जायेगी।

टिप्पणी-1—जब नामांकन भविष्य निधि अधिनियम 1925 की धारा (2) के अनुच्छेद (ग) में जमाकर्ता का आंशिक हो तो ऐसे नामांकन पर उस अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के अन्तर्गत रकम खर्च होगी।

टिप्पणी-2—जब जमाकर्ता का कोई परिवार न हो और विनियमन 4 की व्यवस्थाओं के अनुसार कोई नामांकन नहीं दिया हो या यदि ऐसा नामांकन निधि में उसके खाते में जमा रकम के किसी भाग के लिये संबंधित हो तो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (ग) के उप अनुच्छेद (2) के और अनुच्छेद (ख) की संबंधित व्यवस्थाएं सारी रकम या उस हिस्से के लिये जिससे नामांकित व्यक्ति सम्बन्धित नहीं हैं, लागू होंगी।

89. जमाकर्ता की मृत्यु पर कार्य प्रणाली—जमाकर्ता की मृत्यु पर विनियमन 91 के अन्तर्गत किसी भी कटौती की शर्त पर उसके खाते में जमा रकम देय हो जायेगी या जहाँ रकम देय हो गई है तो वहाँ भुगतान से पूर्व :—

(1) जब जमाकर्ता का कोई परिवार हो—

(क) यदि विनियमन 61 की व्यवस्थाओं के अनुसार जमाकर्ता के द्वारा अपने परिवार के सदस्य या सदस्यों के हित में मनोनयन

दिया हुआ है तो निधि में उसके खाते में जमा रकम या उसका हिस्सा जिसमें मनोनयन संबंधित है, उसके मनोनीत या मनोनोतों को मनोनयन में दिखाए गए अनुपात के अनुसार देय हो जायेगा।

(ख) यदि जमाकर्ता के परिवार के सदस्य या सदस्यों के हित में ऐसा कोई मनोनयन नहीं है या ऐसा मनोनयन निधि में उसके खाते में जमा रकम के किसी श्रंश से सम्बन्धित है तो सारी रकम या उसका भाग जिसके लिये मनोनयन सम्बन्धित नहीं है, जैसा भी मामला हो, तथापि, कोई भी मनोनयन उसके परिवार के सदस्य या सदस्यों के अलावा किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के हित में होगा तो उसके परिवार के सदस्यों को बराबर भागों में देय होगा और वह प्रपत्र क्यूँ के साथ आवेदन को प्राप्ति पर भुगतान किया जायेगा।

तथापि हिस्सा निम्नलिखित को देय नहीं होगा :

- (1) उसके लड़के को जो बयस्क हो गया है।
- (2) मरे हुए लड़के के लड़कों को जो बयस्क हो गये हैं।
- (3) विवाहित लड़कियां जिनके पति जीवित हैं।
- (4) मरे हुए लड़के की विवाहित लड़कियों को जिनके पति जीवित हैं।

यदि खण्ड (1), (2), (3) (4) में दिखाये गये, सदस्यों के अलावा कोई अन्य सदस्य है—

तथापि भृतक पुत्र की विधवा या विधवाएँ या अच्छा या बच्चे उस भाग को बराबर हिस्सों में प्राप्त करेंगे, जिस भाग को जीवित अवस्था में जमाकर्ता से वह पुत्र लेता, और प्रथम व्यवस्था के अनुच्छेद (1) की व्यवस्थाओं से छूट मिली हो।

(ii) जब जमाकर्ता का परिवार नहीं हो, और यदि विनियमन 61 की व्यवस्थाओं के अनुसार उसने किसी व्यक्ति या व्यक्तियों के हित में नामांकन किया हो, तो निधि में उसके खाते में जमा रकम को या उसके एक हिस्से को जिसमें नामांकन सम्बन्धित है, मनोनयन में दिखाए गये अनुपात में उसके नामांकित या नामांकितों को देय हो जायेगी।

टिप्पणी 1:—जब नामांकन भविष्य निधि अधिनियम 1925 की धारा 2 के अनुच्छेद (ग) ने जमाकर्ता का आश्रित हो, तो ऐसे नामांकन पर उस अधिनियम की धारा 2 की उपधारा (2) के अन्तर्गत रकम खर्च होगी।

टिप्पणी संख्या 2—जब जमाकर्ता का कोई परिवार न हो, और विनियमन 4 की व्यवस्थाओं के अनुसार कोई

नामांकन नहीं दिया हो, या यदि ऐसा नामांकन निधि में उसके खाते में जमा रकम के किसी भाग के लिये संबंधित हो, तो भविष्य निधि अधिनियम, 1925 की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुच्छेद (ग) के उप अनुच्छेद (2) और अनुच्छेद (ख) की संबंधित व्यवस्थाये सारी रकम या उस हिस्से के लिये जिसमें नामांकित व्यक्ति सम्बन्धित नहीं है, लागू होती।

90. भविष्य निधि के धन को अवयस्कों के बदले में व्यक्तियों को बौटना—पांच हजार रुपये तक के भविष्य निधि धन का भुगतान या जहां रकम पांच हजार से अधिक है, वहां प्रथम पांच हजार अवयस्क/कों के बदले में उसके/उनके असली संरक्षक को किया जायेगा या जहां असली संरक्षक विद्यमान नहीं है वहां उस व्यक्ति को जिसे अध्यक्ष द्वारा अवयस्कों के बदले में धन भुगतान प्राप्त करने के उपयुक्त माना गया, उसे बिना संरक्षता प्रमाण पत्र के दिये बिना धन का भुगतान किया जायेगा। जो व्यक्ति अवयस्क/कों के बदले में भुगतान प्राप्त करेगा उसे बोर्ड को इसी प्रकार के किसी अन्य दावे के विरुद्ध दो जामिनों का हस्ताक्षरकृत प्रपत्र “आर” में बद्धपत्र देना पड़ेगा। पांच हजार रुपये में से शेष अधिक यदि कोई हो तो उसका सामान्य विनियमनों के अनसार भुगतान किया जायेगा उस मामले में जहां अमली संरक्षक हिन्दू विधवा या विधुर है तो उसके छोटे बच्चों के बदले में भविष्य विधि के धन का भुगतान उसे संबंधित रकम का ध्यान किये बिना, बिना संरक्षकता प्रमाण पत्र या क्षतिपूर्ति पत्र के बिना कर दिया जायेगा जब तक कि माता/पिता की दिलचस्पी उन छोटे बच्चों के प्रतिकल नहीं दीखती।

टिप्पणी 1—एक सौतेली मां अपने सौतेले बच्चों की अमली संरक्षक नहीं हो सकती।

टिप्पणी 2—पिता की मृत्यु के बाद जन्मा बच्चा भी जमाकर्ता के परिवार का सदस्य भाना जायेगा यदि संवितरक अधिकारी को उस बच्चे की पैदायश को सूचना मिल जाये और जो रकम उसके जीवित रहने पर उस बच्चे को मिलती वही मानो जायेगी और शेष धन सामान्य स्पष्ट से वितरित किया जायेगा। यदि बच्चा जीवित अवस्था में जन्मा है तो रकम का भुगतान छोटे बच्चे के मामले की तरह किया जायेगा परन्तु कोई बच्चा यदि पैदा नहीं हुआ है या अभी पैदा होने को है तो शेष रकम का वितरण सामान्य विनियमनों के अनुसार परिवार में किया जायेगा।

91. कटौतियाँ—शर्त यह है कि ऐसी कटौती नहीं की जायेगी जो बोर्ड द्वारा जमाकर्ता की निधि में अंशदान की गई रकम से अधिक रकम को घटा दें।

(क) केन्द्रीय बोर्ड का अध्यक्ष निम्नलिखित दशाओं में सौधी कटौती करेगा और बोर्ड को भुगतान की जायेगी—

- (i) यदि जमाकर्ता दुर्धर्वहार, दिवालिया या अदक्षता के कारण नौकरी से निकाला गया हो तो ऐसे अंशदान की रकम और व्याज,

बशर्ते कि जहां अध्यक्ष इस बत्त से सन्तुष्ट हो जाये कि कटौती से जमाकर्ता अधिक कठिनाई में पड़ सकता है वहां आदेश के द्वारा ऐसे अंशदान तथा व्याज की रकम जो जमकर्ता को स्वास्थ्य अधार पर सेवा निवृत्त होने पर देय होनी थी उसका दो तिहाई से अधिक रकम की कटौती की छूट नहीं दी जा सकती। आगे यह भी शर्त है कि यदि बरखास्तगी का ऐसा आदेश रद्द कर दिया जाता है तो काटी गई ऐसी रकम को उसके नौकरी पर आगे पर निधि में उसके खाते में जमा कर दिया जायेगा।

(ii) यदि जमाकर्ता नौकरी पर अपने के पांच साल के अन्तर नौकरी से त्याग पत्र या केन्द्रीय बोर्ड के अन्तर्गत मृत्यु के कारण सेवा से निवृत्तन या सक्रम स्वास्थ्य अधिकारी के द्वारा आगे नौकरी करने के लिये अधिकारी घोषित करने पर या पद की भमाप्ति पर या स्थापना की कमी जैसे कारणों से नौकरी छोड़ता है तो ऐसे अंशदान से संबंधित सारी रकम और व्याज।

(ख) जमाकर्ता के द्वारा बोर्ड को दी जाने वाली देयताओं की कोई भी रकम अध्यक्ष सीधे ही काट सकता है और बोर्ड को भुगतान कर देगा।

टिप्पणी : इस विनियमन के अनुच्छेद (क) के उप अनुच्छेद (2) के उद्देश्य के लिये केन्द्रीय बोर्ड के अन्तर्गत जमाकर्ता की नौकरी जारी होने की तारीख से हिसाब चुकाया जायेगा।

(छ) केन्द्रीय सरकार के किसी विभाग में या राज्य सरकार के अन्तर्गत या राज्य सरकार द्वारा चलाये जा रहे या नियंत्रित निकाय और/या स्वायत्त संगठन जो समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 (1860 का 21) के अन्तर्गत बिना किसी रोक के पंजीकृत हो, में नियुक्ति प्राप्त करने के लिये नौकरी से त्यागपत्र तथा बोर्ड से उचित अनुमति लेकर बोर्ड की नौकरी से त्यागपत्र नहीं समझा जायेगा।

टिप्पणी : जब केन्द्रीय बोर्ड के अंशदान के साथ अधिक्षय निधि लेखे को स्वायत्त निकाय के अधीन व्यक्तिगत लेखे में हस्तान्तरित करते समय यह अनुबन्ध किया जायेगा कि यदि कर्मचारी बोर्ड के अधीन पिछली सेवा सहित निकाय के अधीन नई नियुक्ति के पांच वर्ष पूरे होने से पूर्व त्यागपत्र देता है तो बोर्ड द्वारा अंशदान की देय रकम जो निकाय को हस्तान्तरित की गई थी उसे फिर बोर्ड को हस्तान्तरित किया जायेगा।

92. : निधि की रकम के भुगतान का तरीका—जमाकर्ता की निधि में जमा रकम या विनियमन 91 के अन्तर्गत किसी कटौती के बाद उसका शेष देय के लिये अपने आपको सन्तुष्ट करने के बाद जब उस नियम के अधीन कोई कटौती निर्देशित नहीं की गई है और कोई कटौती नहीं की जानी है तो लेखा अधिकारी का यह कर्तव्य होगा

कि उप विनियमन (3) को व्यवस्था के अनुसार लिखित आवेदन पत्र को प्राप्ति पर भुगतान करेगा।

2. यदि वह व्यक्ति पागल है जिसको इन विनियमनों के अधीन कोई रकम या पालिसी का भुगतान/अध्यपर्ण/पूर्ण अध्यपर्ण या प्रेषित करनी है जिसकी सम्पत्ति के लिये भारतीय पागलपन अधिनियम 1912 के अधीन इसके लिये प्रबन्धक को नियुक्ति की गई हो तो भुगतान या अध्यपर्ण या सुरक्षांगी प्रबन्धक को को जायेगी न कि पागल व्यक्तियों को बशर्ते कि जहां प्रबन्धक नियुक्त नहीं है और जिस व्यक्ति को रकम देय है उसे मजिस्ट्रेट ने पागल प्रमाणित कर दिया हो तो भुगतान जिलाधीश के अधीन भारतीय पागलपन अधिनियम 1912 को धारा 95 की शर्तों के अनुपार उस व्यक्ति को किया जायेगा जो पागल के लिये भारित है और अध्यक्ष उस रकम के लिये लेखा अधिकारी को अधिकार देगा जिस रकम को उस व्यक्ति को देने के लिये उपयुक्त समझेगा और फालतू यदि कोई हो या उसका कोई भाग जिसे कि वह उपयुक्त समझेगा पागल के परिवार के सश्त्रों को जो उस पर आश्रित हैं, के अनुसरण के लिये दे देगा।

3. रकम का भुगतान केवल भारत में ही किया जायेगा जिस व्यक्ति को रकमें दी जायेगी वह भुगतान को प्राप्त करने के लिये अपना प्रबन्ध करेगा/करेगी। जमाकर्ता के द्वारा भुगतान के दावे के लिये निम्नलिखित प्रक्रिया अपनानी पड़ेगी नामतः

(i) जमाकर्ता को विधि से रकम निकालने के लिये आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के लिये लेखा अधिकारी प्रत्येक ग्राहक को या तो उसको सेवा निवृत्ति की आयु होने के एक वर्ष पूर्व या उसकी सेवा निवृत्ति की अपेक्षित तारीख जो भी पहले हो, आवश्यक प्रपत्र प्रस्तुत करेगा जिसमें ये हिदायतें होंगी कि इन प्रत्यों को प्राप्त करने को तारीख से एक महीने के अन्दर विधिवत पूर्ण करके निधि में रकम के भुगतान के लिये अध्यक्ष को आवेदन पत्र प्रस्तुत करेंगे आवेदन पत्र निम्नलिखित के लिए होगा :—

(क) उसको सेवा निवृत्ति की तारीख या सेवा निवृत्ति की अपेक्षित तारीख के एक वर्ष पूर्व समाप्त हुए वर्ष के लिये निधि में उसके खाते में जमा लेखा विवरण दिखाया गया है के लिये या

(ख) यदि जमाकर्ता ने लेखा विवरण प्राप्त न किया हो तो उस मामते में वही खाता लेखा को रकम के लिये।

(ii) लेखा अधिकारी जमाकर्ता के आवेदन पत्र की प्राप्ति पर वही खाता लेखा से जांच करने के बाद सेवा निवृत्ति की तारीख से कम से कम एक माह पूर्व आवेदन पत्र में दी गई रकम के लिये प्राधिकार

जारी करेगा। प्राधिकार को जारी करते समय लेखा अधिकारी उस अग्रिम का जो अभी तक विद्यमान है और प्रत्येक अग्रिम की बसूली के लिये किस्तों की संख्या का तथा जमाकर्ता द्वारा निकाले गये धन का यदि कोई हो हिसाब करेगा।

(iii) अनुच्छेद (2) में दिखाया गया का अधिकार भुगतान को पहली किस्त को नियत करेगा इस उद्देश्य के लिये दूसरा अधिकार सेवा निवृत्ति के बाद जितनी भी जल्दी संभव हो जारी किया जायेगा। यह जमाकर्ता के द्वारा अनुच्छेद (1) में प्रस्तुत किये गये आवेदन पत्र में दिखाई गई अंशदान की रकम तथा उन अग्रिमों के लिये जो प्रथम आवेदन के समय थालू थे। किस्तों के बापस भुगतान सहित, से संबंधित होगा।

93. अंशदान के भुगतान के समय लेखा की संख्या उद्धरण देना जमाकर्ता को लेखे का वार्षिक विवरण देना जमाकर्ता जब बेतन से या नकद अंशदान का भुगतान कर रहा हो तो उस समय पहले ही लेखा अधिकारी द्वारा लेखा संख्या उदृत करेगा।

(1) प्रत्येक साल 31 मार्च के बाद जितना भी जल्दी हो लेखा अधिकारी प्रत्येक जमाकर्ता को नियम में उसके लेखे का विवरण प्रेषित करेगा जिसमें एक अप्रैल तक वर्ष का पूरा शेष, वर्ष के दौरान कुल जमा रकम या निकाली गई रकम वर्ष 31 मार्च तक व्याज की कुल जमा रकम तथा उस तारीख तक अन्तिम शेष दिखाया जायेगा। लेखा अधिकारी लेखा विवरण के साथ यह पूछताछ संलग्न करेगा कि क्या जमाकर्ता (क) नियम संख्या 4 के अधीन दिये गये किसी मनोनयन के प्रत्यावर्तन की छूटा रखता है।

(ख) क्या उसने परिवार अर्जित कर लिया है। उन मामलों में जहां जमाकर्ता ने विनियमन 61 के उपविनियमन (1) की व्यवस्थाओं के अन्तर्गत अपने परिवार के हित में मनोनयन दिया न हो।

(2) जमाकर्ताओं को वार्षिक विवरण की विशुद्धता से अपने आप को सन्तुष्ट करना चाहिये और यदि कोई झुटि हो तो विवरण प्राप्त करने के तीन साल के अन्वर लेखा अधिकारी के ध्यान में लाना चाहिये।

(3) जमाकर्ता यदि चाहेगा तो लेखा अधिकारी जमाकर्ता को उस अन्तिम माह की समाप्ति के जिसके लिये उसने लिखा है वर्ष में एक बार ही नियम में उसके खाते में कुल रकम की सूचना देगा।

94. व्यक्तिगत मामलों में नियमों के अनुबंधों में छूट—जब अध्यक्ष यह समझेगा कि इन विनियमों की कार्यवाही से जमाकर्ता कठिनाई में या बेकार की कठिनाई में पड़ सकता है तो वह इन नियमों में सम्प्रिहित किसी के होते हुए भी जमाकर्ता के मामले को इस तरह से निपटाएगा जो कि जमाकर्ता को न्यायोचित और माननीय हो।

खण्ड VI

कर्मचारियों की भर्ती

प्रशासनिक तथा अन्य विविध पद

95. भर्ती की प्रणाली, आयु सीमा तथा अन्य अहंताएं—भर्ती का तरीका, आयु सीमा और अन्य योग्यताएं। तकनीकी/वैज्ञानिक, प्रशासनिक/अप्रणासनिक तथा अन्य विविध पदों की संख्या और विशिष्टियां, भर्ती की पद्धति, आयु सीमाएं, योग्यताएं और पदों से संबंधित अन्य मामले सूची VI और VII के कालम 5 से 12 में दिखाये गये के अनुसर होंगे।

बगते कि सूची में संणोधन/जोड़ने से भविष्य में नये संवर्ग/पद सजित किये जायेंगे, उन पर भी यही पद्धतियां, आयु सीमाएं, योग्यताएं तथा अन्य मामले लागू होंगे।

आगे यह भी व्यवस्था है कि सीधी भर्ती के लिये निर्धारित ऊपरी आयु सीमा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति और अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिये समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये सामान्य आवेदनों के अनुसार।

आगे यह भी व्यवस्था है कि बोर्ड का अध्यक्ष रोजगार कार्यालय के माध्यम से भर्ती की सामान्य पद्धति का अनुसरण न करके उस कर्मचारी को लड़का/लड़की समीप के रिप्टेदार, जिसकी मृत्यु हो गई हो और चिन्तनीय दशाओं में, कर्मचारी के परिवार की दारद्रिक दशाओं में यहां तक कि जो कर्मचारी ग्रुप “सी” या ग्रुप “डी” के पदों से स्वास्थ्य के आधार पर सेवा से निवृत हो जाता है, को नौकरी दे सकता है यदि—

- (i) वह पद के लिए आवश्यक शैक्षणिक योग्यताएं रखता/रखती है।
- (ii) परिवार में कोई अन्य व्यक्ति कमाने वाला नहीं हो या यहां तक कि परिवार में एक कमाने वाला सदस्य भी है तभी मामले की दशाओं से ऐसे रोजगार को न्यायोचित ठहराया जा सकता है।
- (iii) ऐसे रोजगार को सम्बन्धित कर्मचारी की मृत्यु की तारीख के 2 वर्ष के अन्वर दिया जायेगा।
- (iv) अनुकूल्या के आधार पर की गई ऐसी नियुक्तियां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति और अन्य विशेष श्रेणियों के आरक्षण देने के बाद एक कलेक्टर वर्ष में 5 प्र० ल० से अधिक नहीं होगी।

अयोग्यताएं ‘अपात्तताएं’

96. (i) वह व्यक्ति।

- (क) जिसने ऐसे व्यक्ति के साथ रहना या विवाह कर लिया हो जिसने पति/पत्नी को छोड़ रखा हो या
- (ख) जिसने अपने पति/पत्नी को जिवा होते हुए भी छोड़ दिया हो या किसी व्यक्ति के साथ रहने लगी/लगा हो या विवाह कर दिया हो तो वह व्यक्ति ऊपर बताये गये किसी भी पद पर नियुक्ति

- के लिये पात्र नहीं होगा वशर्ते कि केन्द्रीय बोर्ड यदि इस बात में सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति को और दूसरी पार्टी को ऐसा विवाह करने के लिये अन्य आधार है तो ऐसा विवाह करना व्यवितरण कानून के अन्तर्गत मान्य है, तो इस अधिनियम के उस व्यक्ति को छूट दी जा सकती है।
- (ii) कोई भी व्यक्ति सीधी भर्ती ढागा नियुक्त नहीं किया जायेगा। जब तक कि वह बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा निर्धारित की गई चिकित्सा परीक्षा द्वारा दिमागी और शारीरिक दोष से उचित नहीं पाया जाता क्योंकि विना इसके वह अपनी छूटदाती को पूर्ण नहीं कर पायेगा जिसके लिये वह नियुक्त किया गया है।

नियम चौधरी,
अध्यक्ष

म० एफ० 21/1/78-ए० एण्ड घार०
नई दिल्ली, दिनांक 23 जुलाई, 1980।

अनुसूची-I

जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के केन्द्रीय बोर्ड में पदों के वेतनमान

पद का नाम	पद का वेतनमान	
(1)	(2)	(3)
1. प्रशासनिक अधिकारी	1200-50-1600 रुपये।	
2. विधि अधिकारी	1200-50-1600 रुपये।	
3. मीडिया अधिकारी	1100-50-1600 रुपये।	
4. पर्यावरणीय इंजीनियर	1100-50-1600 रुपये।	
5. वैज्ञानिक "सी"	1100-50-1600 रुपये।	
6. वैज्ञानिक "बी"	700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये।	
7. सहायक मीडिया अधिकारी	700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये	
8. डाकूमेन्टेशन अधिकारी	700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रुपये।	
9. लेखा अधिकारी	840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये।	
10. सहायक इंजीनियर	650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये।	
11. अनुभाग अधिकारी	650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये।	

(1)	(2)	(3)
12. अध्यक्ष केन्द्रीय बोर्ड के निजी मचिव	650-30-740-35-880-द० रो०-40-1040 रुपये।	
13. तकनीकी सहायक	550-25-750-द० रो०-30-900 रुपये।	
14. वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	550-25-750-द० रो०-30-900 रुपये।	
15. आशुलिपिक सेलेक्शन ग्रेड	550-25-750-द० रो०-30-900 रुपये।	
16. कनिष्ठ लेखा अधिकारी	550-25-750-द० रो०-30-900 रुपये।	
17. सहायक	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
18. हिन्दी अनुवादक तथा सहायक	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
19. आशुलिपिक ग्रेड-II	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
20. प्रकाशन सहायक	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
21. लेखा सहायक	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
22. वरिष्ठ तकनीशियन	424-155-500-द० रो०-15-560-20-700-द० रो०-25-800 रुपये।	
23. कनिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700 रुपये।	
24. वरिष्ठ ड्राफ्टसमन	425-15-500-द० रो०-15-560-20-700 रुपये।	
25. तकनीशियन ग्रेड-I	380-12-500-द० रो०-15-560 रुपये।	
26. कनिष्ठ ड्राफ्टसमन	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रुपये।	
27. उच्च श्रेणी लिपिक	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रुपये।	
28. आशुलिपिक ग्रेड-III	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रुपये।	

1	2	3
29.	प्रशिक्षु वैज्ञानिक	500 रुपये (प्रथम वर्ष में निश्चित वेतन) 600 रुपये (द्वितीय वर्ष में निश्चित वेतन)।
30.	वरिष्ठ ड्राइवर	320-640 रुपये।
31.	निम्न श्रेणी लिपिक	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
32.	आपरेटर तथा कलर्क	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
33.	टेलेक्स आपरेटर तथा कलर्क	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
34.	हिन्दी टाइपिस्ट तथा कलर्क	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
35.	चपरासी तथा कलर्क	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
36.	कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक	260-6-290-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-8-390-10-400 रुपये।
37.	डिस्पैचराइजर तथा कलर्क	260-6-320-द० रो०-6-326-8-366-द० रो०-9-390-10-400 रुपये।
38.	ड्राइवर	260-6-326-द० रो०-8-350
39.	ध्रेक्षीय सहायक तथा कलीनर तथा सहायक	225-5-260-6-290-द० रो०-6-308 रुपये
40.	दफतरी	200-3-206-4-233-द० रो०-4-250 रुपये।
41.	चपरासी	196-3-220-द० रो०-3-232 रुपये।
42.	चौकोवार	196-3-220-द० रो०-3-232
43.	सफाईवाला (स्वीपर)	196-3-220-द० रो०-3-232 रुपये।

ग्रन्ति सूची II

अध्ययन के बे पाठ्यक्रम जिनके लिए अधिमंगलाणि दो जाती हैं—नॉन-चे दिए गए पाठ्यक्रमों को तकनीकी प्रकृति का समझा जाना चाहिए, बताते कि अध्ययन का पाठ्यक्रम 3 वर्ष से कम न हो और हर्वाई स्कूल स्तर के बाद का हो :—

- (क) इंजनियर, तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में डिलोमा पाठ्यक्रम, उदाहरणार्थ, सिविल इंजनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, निजली इंजीनियरी टेल; कोम्प्युनिकेशन/रेडियो इंजीनियर, मैटलजी आटोमोबाइल इंजीनियरी टेक्स्टाइल प्रौद्योगिकी, चर्म प्रौद्योगिकी, मुद्रण प्रौद्योगिकी, रसायन प्रौद्योगिकी, आदि जिन्हें मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थानों द्वारा चलाया जा रहा हो।
- (ख) इंजनियर, तथा प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों में स्नातक पाठ्यक्रम, उदाहरणार्थ, सिविल इंजीनियर, मैकेनिकल इंजीनियर, विद्युत इंजीनियरी, टेल; विज्ञानी संचार इंजीनियरी तथा इलेक्ट्रॉनिक्स, खान इंजीनियर, मैटलजी, आरोनाटिकल इंजीनियर, रसायन इंजीनियर, रसायन प्रौद्योगिकी, कपड़ा प्रौद्योगिकी, चर्म प्रौद्योगिकी, भेपज विज्ञान, मृदा विज्ञान आदि जो विश्वविद्यालयों और मान्यता प्राप्त तकनीकी संस्थानों द्वारा चलाई जा रही हों।
- (ग) इंजीनियर; तथा प्रौद्योगिकी में विभिन्न क्षेत्रों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम जो विश्वविद्यालयों तथा मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हों।
- (घ) वास्तुकला, नगर आयोजना और सम्बन्धित क्षेत्रों में स्नातक और डिलोमा पाठ्यक्रम जो मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हों।
- (ङ) वाणिज्य में डिलोमा और प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम जो मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हों।
- (च) प्रबन्ध कार्य में डिलोमा पाठ्यक्रम जो भी मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाया जा रहा हो।
- (छ) कृषिपशु विज्ञान और सम्बन्धित विषयों में स्नातक पाठ्यक्रम जो मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों और संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे हों।
- (ज) कनिष्ठ तकनीकी विद्यालयों द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रम।
- (झ) श्रम तथा रोजगार संचालन (रोजगार श्रीरप्ति श्रम महानिदेशालय) के अधीन श्रौद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रम।
- (ञ) मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे कला, प्रयोगात्मक कला और सम्बन्धित विषयों में स्नातक तथा डिलोमा पाठ्यक्रम।
- (ट) मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा डाफ्टमैन का पाठ्यक्रम।
- (ठ) मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे चिकित्सा पाठ्यक्रम (इसमें एलोपैथिक, होम्योपैथिक, आयुर्वेदिक और युनानी प्रणाली शामिल है)।
- (ड) स्नातक विज्ञान (घरेलू विज्ञान) पाठ्यक्रम।
- (ढ) मान्यता प्राप्त संस्थानों द्वारा चलाया जा रहा होटन प्रबन्ध में डिलोमा पाठ्यक्रम।

प्रपत्र “ए”

नामांकन पत्र

I. जब जमाकर्ता का परिवार हो और वह एक सदस्य का नामांकन करना चाहता हो ।

मैं एतद्वारा नीचे दिए गए व्यक्तियों का नामांकन करता हूँ जो कि मेरे परिवार का सदस्य हैं जैसा कि जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती पद्धति तथा सेवा शर्तों सहित अधिकारियों का अन्य कर्मचारियों के बेतनमान) (सदस्य सचिव को छोड़कर), विनियम 1980 में परिभाषित है, कि वह मेरी मृत्यु होने पर निधि में मेरे खाते में जमा राशि को देय होने से पूर्व, या जो देय होने के बाद अथवा अदा न की गई हो, प्राप्त करेगा ।

नामांकित व्यक्ति का नाम और पता	जमाकर्ता से संबंध	आयु	वे आकस्मिकताएं जिनके घटने पर नामांकन प्रपत्र अवैध हो जाएगा	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम, पता और सम्बन्ध, यदि कोई हो जिनके नाम नामांकित व्यक्ति के अधिकार हस्तान्तरित हो जाएंगे, यदि वह अंशदाता से पूर्व भर जाता है ।
--------------------------------	-------------------	-----	--	---

ग्राज तारीख में माह 19

दो साक्षियों के हस्ताक्षर :

1.
2.

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

प्रपत्र “बी”

नामांकन पत्र

II. जब जमाकर्ता का परिवार हो और वह एक से अधिक सदस्यों को नामित करना चाहता हो ।

मैं एतद्वारा नीचे लिखे व्यक्तियों का नामांकन करता हूँ जो मेरे परिवार के सदस्य हैं जैसा कि जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती पद्धति तथा सेवा शर्तों सहित अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के बेतनमान) (सदस्य सचिव को छोड़कर) विनियम 1980 के विनियमन परिभाषित है । कि वे मेरी मृत्यु होने पर निधि में मेरे खाते में जमा राशि को देय होने से पूर्व या जो देय होने के बाद अथवा अदा न की गई हो, प्राप्त करेंगे —

नामांकित व्यक्ति का नाम	जमाकर्ता से संबंध	आयु	प्रत्येक को अदा की जाने वाली राशि “X” या समूच्य हिस्सा	वे आकस्मिकताएं जिनके घटने पर नामांकित प्रपत्र अवैध हो जाएगा	उस व्यक्ति/व्यक्तियों के नाम पता और सम्बन्ध नामांकित प्रपत्र यदि कोई हो जिनके नाम नामांकित व्यक्ति के अधिकार हस्तान्तरित हो जाएंगे यदि वह जमाकर्ता से पूर्व भर जाता है ।
-------------------------	-------------------	-----	--	---	--

ग्राज तारीख के माह 19

दो साक्षियों के हस्ताक्षर :

1.
2.

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

“X” टिप्पणी :—इस कालम को भरा जाना चाहिए ताकि उस सारी राशि को इसमें लिख दिया जाए जो किसी समय निधि में जमाकर्ता के खाते में हो ।

प्रपत्र “सी”
नामांकन प्रपत्र

III. जब जमाकर्ता का कोई परिवार न हो और वह एक व्यक्ति का नामांकन करना चाहता हो ।

जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती पद्धति तथा सेवा शर्तों सहित अधिकारियों तथा अन्य कर्मचारियों के बेतनमान) (सदस्य सचिव को छोड़कर) विनियम 1980 के विनियम..... यथापरिभाषित मेरा कोई परिवार न होने के कारण, एतद्वारा नीचे लिखे व्यक्ति का नामांकन करता हूँ कि वह मेरी मृत्यु होने पर निधि में मेरे खाते में जमा राशि को देय होने से पूर्व या जो देय होने के बाद अदा न की गई हो, प्राप्त करेः—

नामांकित व्यक्ति का नाम और पता	जमाकर्ता से सम्बन्ध	आयु	वे* आकस्मिकताएं जिनके बटने पर नामांकित प्रपत्र अवैध हो जाएगा	उस व्यक्ति/व्यक्तियों का नाम, पता और सम्बन्ध यदि कोई हो, जिनके नाम नामित व्यक्ति के अधिकार हस्तान्तरित हो जाएंगे यदि वह जमाकर्ता से पूर्व मर जाता है ।
--------------------------------	---------------------	-----	---	---

आज तारीख के माह 19
दो साक्षियों के हस्ताक्षर :

1.
2.

*जहाँ जमाकर्ता, जिसका परिवार नहीं है, नामित करता है, वह इस कालम में बताएगा कि बाद में उसके परिवार हो जाने की दशा में वह अवैध हो जाएगा ।

प्रपत्र “डी”
नामांकन प्रपत्र

IV. जब जमाकर्ता का कोई परिवार न हो और वह एक से अधिक व्यक्तियों को नामित करना चाहता हो ।

जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती पद्धति, सेवा शर्तों सहित अधिकारियों तथा कर्मचारियों के बेतनमान) (सदस्य सचिव को छोड़कर) विनियम, 1980..... विनियम में यथापरिभाषित मेरा कोई परिवार न होने के कारण, एतद्वारा नीचे लिखे व्यक्तियों का नामांकन करता हूँ कि वे मेरी मृत्यु होने पर निधि में मेरे खाते में जमा राशि को देय होने से पूर्व या जो देय होने के बाद अथवा अदा न की गई हो, प्राप्त करें और निदेश देता हूँ कि उक्त राशि नीचे दिए गए उनके नामों के आगे दिए गए तरीके से उनमें वितरण कर दी जाए :—

नामांकित व्यक्ति का नाम	जमाकर्ता से सम्बन्ध	आयु	प्रत्येक को अदा की जाने वाली राशि	वे आकस्मिकताएं जिनके बटने पर “+”या समूचय
			हिस्सा	नामांकित प्रपत्र अवैध हो जाएगा ।

आज तारीख के माह 19

दो साक्षियों के हस्ताक्षर :

1.
2.

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

“X” टिप्पणी :—इस कालम को भरा जाना चाहिए ताकि उस सारी राशि को इसमें लिख दिया जाए जो किसी समय निधि में अंशदाता के खाते में हो ।

“XX” टिप्पणी :—जहाँ जमाकर्ता, जिसका परिवार नहीं है, नामित करता है, वह इस कालम में बताएगा कि बाद में उसके परिवार हो जाने की दशा में यह नामांकन प्रपत्र अवैध हो जाएगा ।

प्रपत्र “ई”

प्रोफार्मा—I. अंशदायी भविष्यनिधि से अस्थायी अग्रिम लेने के लिए आवेदन पत्र वा प्रपत्र।

1. जमाकर्ता का नाम
2. लेखा संख्या
3. पद नाम
4. वेतन
5. आवेदन पत्र देने की तारीख को जमाकर्ता के खाते में बकाया राशि
6. बकाया अग्रिमों की राशि यदि कोई हो तथा वह प्रयोजन जिसके लिए उस समय अग्रिम लिया गया था
7. अग्रिम की राशि
8. वह प्रयोजन जिसके लिए अग्रिम का आवश्यकता है [विनियमन 12 (1)]
9. कुल अग्रिम की राशि (मद 6) और 7) तथा मासिक किस्तों की मंख्या (राशि) जिसमें कुल अग्रिम अदा किया जाना प्रस्तावित है
10. जमाकर्ता की आवश्यक परिस्थितियों के पूर्ण ब्यौरे अस्थाई राशि निकलवाने के लिए आवेदन पत्र का औचित्य मिल करते हुए।

आवेदक के हस्ताक्षर

प्रपत्र “ई”

प्रोफार्मा—II. अंशदायी भविष्य निधि में से अस्थायी अग्रिमों के लेने के लिए स्वीकृति का प्रपत्र।

(क) रूपए का अस्थायी अग्रिम देने के लिए विनियम के अन्तर्गत श्री/श्रीमती/कुमारी को अपने अंशदायी भविष्यनिधि लेखा संख्या में से राशि निकलवाने का एतद्वारा स्वीकृति दी जाती है ताकि वह पर आने वाले खर्चों की पूर्ति कर सके।

(ख)

(ग) अग्रिम रूपये प्रत्येक का मासिक किस्तों में वसूल किया जाएगा जो उसके को

दिए जाने वाले वेतन से आरम्भ होगी।

(घ) उसको में स्वीकृत किए गए और यिए गए और दिए गए रूपए (शब्दों में) रूपां की राशि में से रूपए (शब्दों में) राशि इस तारीख तक वसूल नहीं हुई है। वह राशि अब स्वीकृत किए गए अग्रिम के साथ मिलकर कुल योग रूपए की मासिक किस्तों में वसूल की जाएगी। जो को दिए जाने वाले मास के वेतन से आरम्भ होगा।

(क) अधेक्षित नियम का हवाला दें।

(ख) उस प्रयोजन के ब्यौरे दें जिसके लिए अग्रिम स्वीकृत घोषिया गया है।

(ग) इस अनुच्छेद को केवल उस समय प्रयोग करें जब पिछला अग्रिम वसूली के लिए शेष नहीं है। जो लागू नहीं होता उसे काट दें।

(घ) इस अनुच्छेद को उस समय प्रयोग में लाया जाएगा जब पिछला अग्रिम बकाया हो। यदि लागू न हो तो काट द। यदि लागू हो और यदि नए अग्रिम की स्वीकृति की तारीख को वसूली करने के लिए एक से अधिक अग्रिम बकाया है तो पहले दिए गए तथा नए अग्रिम की स्वीकृति की तारीख को अस्थाई अग्रिमों के पूर्ण ब्यौरे तथा प्रत्येक बकाया अग्रिमों को वसूल न की गई बकाया राशि स्पष्ट रूप से दिखाई जानी चाहिए।

प्रपत्र “एफ”

गृह मिमणि, मकान के लिए प्लाट की खारीद करसे, उच्चतर शिक्षा के प्रयोजनों या विवाह या चिकित्सा सम्बन्धी खर्चों के लिए भविष्यनिधि की राशि को अन्तिम रूप से निकलवाने के लिए अग्रिम।

(1) जमाकर्ता का नाम

(2) पद नाम

(3) वेतन

(4) भविष्यनिधि खाता संख्या

(5) (क) आवेदन की तारीख को जमाकर्ता के नाम बकाया राशि (अंशदायी भविष्यनिधि जमाकर्ता के मामले में वास्तविक रूप से दी जाने वाली राशि और उस पर देय द्वाज)।

टिप्पणी :—गृह निर्माण अग्रिम और विवाह के प्रयोजनों के माध्यम से मकान बनाने के लिए जमीन खरीदने के मामले में, यदि जमाकर्ता एक से अधिक भविष्यन्तिधियों में अंशदान कर रहा हो, तो सभी भविष्यन्तिधियों के खाते में कुल बकाया राशि दिखाई जानी चाहिए ।

(ख) यदि मकान में परिवर्धन या परिवर्तन अथवा पुनःनिर्माण करने के लिए अपेक्षित यह दूसरी ली जाने वाली या ली गई दूसरी किस्त हो, जो कि भविष्य में भविष्यन्तिधि से निकाली जाए ।

- (i) पहले निकलवायी गई राशि
- (ii) पहले निकलवायी गई राशि के समय खाते में बकाया राशि

(6) अपेक्षित राशि (गृह निर्माण या मकान के लिए भूमि की खरीद करने के मामले में किस्तों की संख्या जिसमें राशि लौटाई जाती है यहां बताई जानी चाहिए ।

(7) प्रयोजन के लिए राशि लेनी अपेक्षित है ।

(8) यदि यह गृह निर्माण या मकान की भूमि की खरीद के लिए या कोई लिए गए ऋण की पुनः अदायगी के प्रयोजन के लिए है :-

- (i) मकान की खरीद के लिए
- (ii) मकान के निर्माण/पुनःनिर्माण के लिए
- (iii) भूमि की खरीद के लिए
- (iv) मकान में परिवर्धन व परिवर्तन के लिए ।
- (v) मकान की भूमि की खरीद के लिए
- (vi) मकान की भूमि की खरीद के लिए विशेष तौर पर लिए गए ऋण की पुनः अदायगी के लिए ।
- (vii) लिए गए किसी ऋण की अदायगी के लिए ।

(ग्र) यदि यह उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए है :—

- (i) उस व्यक्ति के साथ सम्बंध जिनके लिए राशि निकलवानी अपेक्षित है (जो जमाकर्ता पर वस्तुतः आश्रित है) ।
- (ii) उस व्यक्ति द्वारा लिया गया वरिष्ठ पाठ्यक्रम तथा संस्थान का नाम और जहां वह स्थित हो ।
- (iii) क्या पाठ्यक्रम तीन वर्ष से अधिक की अवधि का है और उच्च विद्यालय के बाद का है ।
- (iv) क्या वह छालू वर्ष में निकलवायी जाने वाली प्रथम या द्वितीय राशि है ।
- (v) इस प्रयोजन के लिए पीछे निकलवायी गई राशि या अग्रिम की तारीख ।

(ग) (i) यदि यह विवाह के खर्चों के लिए है । क्या यह प्रशादाता की लड़की/लड़के या अंशदाता पर आश्रित किसी अन्य स्त्री के विवाह के लिए जिसकी अपनी कोई पुत्री नहीं है ।

(ii) क्या विवाह के बारे में जिसके लिए मौजूदा राशि निकलवायी जा रही है सामान्य नियमों के अन्तर्गत कोई अग्रिम लिया गया है ।

(iii) विवाह उत्सव के लिए निर्धारित वास्तविकतारीख ।

(घ) यदि यह आवेदन पत्र पहले लिए गए अग्रिम को अन्तिम स्वरूप से निकलवायी जाने वाली राशि में परिवर्तित करवाने के बारे में है --

(i) लिए गए अग्रिम (राशि) के बारे और अदायगी की तारीख ।

(i) वह बकाया राशि जो अन्तिम निकासी के लिए मानी जानी है तथा उस पर व्याज की राशि ।

- (8) (i) कुल सेवाकाल, अवधान की अवधि सहित, यदि कोई हो।
(ii) सेवा निवृत्ति की आयु के हिसाब सगाने के लिए आवेदनपत्र देने की तारीख को अपेक्षित सेवा की अवधि
(iii) सेवा निवृत्ति की तारीख।
- (9) (क) (i) मकान या मकान के लिए भूमि लेने की वास्तविक लागत।
(ii) बताए जाने/पुनः बताए जाने वाले मकान की प्रत्याशित लागत।
(iii) मकान में किए जाने वाले परिवर्तनों एवं परिवर्धनों की प्रत्याशित लागत।
(iv) मकान या मकान स्थल की खरीद के लिए अपेक्षित वास्तविक राशि।
(v) मकान स्थल की खरीद के लिए लिए गए ऋण की तारीख को कुल राशि तथा उसके विपरीत उस तारीख को बकाया राशि।
- (ख) उच्चतर शिक्षा पर किए जाने वाले अपेक्षित खर्चों के ब्यौरे।
- (ग) विवाह सम्बन्धी खर्चों की पूर्ति के लिए अपेक्षित राशि (इसमें किए जाने वाले विवाह उत्सवों की संख्या बताई जाए)।
- (10) मकान के निर्माण या/और मकान-स्थल की खरीद के लिए पिछली किस्त या किस्तों की राशि (राशि तथा जिस तारीख को ली गई थी उसके ब्यौरे दें)।
- (11) राशि यदि पहले मकानस्थल की खरीद या मकान निर्माण के प्रयोजनों के लिए भविष्यन्ति के अतिरिक्त किसी और स्थान से यदि कोई प्राप्त की गई हो।

- सिफारिश की जाती है/सिफारिश नहीं की जाती।
यनिट अधिकारी के हस्ताक्षर :
पदनाम
संख्या आवेदक के हस्ताक्षर
पदनाम
दिनांक
- उपर्युक्त व्यौरों की जांच की गई है और वे सही हैं।
प्रमाणित किया जाता है कि :—
- (i) निकलबाई जाने वाली राशि, जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के केन्द्रीय बोर्ड के कर्मचारी भविष्यन्ति में श्री/श्रीमती के खातों में अंशकान तथा उस पर व्याज की राशि के $\frac{1}{2}/\frac{1}{3}$, से अधिक नहीं हैं,
- (ii) गृह निर्माण के प्रयोजनों के लिए श्री/श्रीमती द्वारा जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के केन्द्रीय बोर्ड के कर्मचारी भविष्यन्ति से भौज़दा निकलबायी गई राशि सहित सभी साधनों से ली गई कुल राशि एक लाख रुपए या उसके 25 साल के बेतन से अधिक नहीं है, इसमें से जो भी कम हो,
- (iii) पिछले ४: मास में श्री/श्रीमती को इस प्रयोजन के लिए कोई राशि स्वीकृत नहीं की गई है मैंने इस बात की तसलीकी कर ली है। कि श्री/श्रीमती उस स्थल का स्वामी/की स्वामिन है जिसके लिए उसके द्वारा मकान का निर्माण करना प्रस्तावित है जिसके लिए जल प्रदूषण निवारण तथा नियन्त्रण के केन्द्रीय बोर्ड के कर्मचारी भविष्यन्ति में से राशि निकलवाने की इस पत्र में स्वीकृति दी गई है। श्री/श्रीमती ने स्वामित्व विलेख तथा सम्बन्धित स्थानीय निकाय द्वारा विधिवत स्वीकृत मकान के मूल नक्शे भी मेरे समक्ष प्रस्तुत किए हैं।
- (iv) मैंने मकान के निर्माण की प्रगति की जांच की है और कि आग्रिम की दूसरी/तीसरी/चौथी किस्त अदा कर दी जाए,
- (v) मैंने इस बात की तसलीकी कर ली है कि आवेदक दे केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रवर्तित किसी योजना के अन्तर्गत या किसी अन्य सरकारी स्रोत से ऋण/सहायता नहीं ली है और कि इस बारे में आवश्यक नोट रिकार्ड कर दिया गया है।
- (vi) जमाकर्ता को इसी प्रयोजन के लिये पहले कोई अन्तिम राशि निकलवाने की स्वीकृति नहीं दी गई है।

(vii) इस अग्रिम के अतिरिक्त जमाकर्ता को अब उसी प्रयोजन के लिए कोई अस्थायी अग्रिम स्वीकृति नहीं किया गया है।

टिप्पणी :—जो लागू नहीं होता उस प्रमाण-पत्र को काट दिया जाए।

स्थान

दिनांक

हस्ताक्षर

पदनाम

प्रपत्र “जी”

किसी अग्रिम को अन्तिम निकासी में बदलने के लिए
आवेदन-प्रपत्र

1. जमाकर्ता का नाम
2. पदनाम तथा कार्यालय जिससे
यह सम्बद्ध है
3. वेतन
4. भविष्यनिधि का नाम तथा खाता
नम्बर
5. आवेदन के समय जमा शेष राशि
(अंशदायी भविष्यनिधि, जमाकर्ता के मामले में उसके द्वारा दी गई वास्तविक राशि तथा उस पर देय व्याज)।
6. (क) वह शेष बकाया राशि जिसे
अन्तिम निकासी में सम्मिलित किया जाता है,
(ख) ली गई अग्रिम राशि पर
देय व्याज,
7. (क) लिया गया अग्रिम का
प्रयोजन,
(ख) अग्रिम भुगतान की तारीख,
(ग) स्वीकृत अग्रिम राशि।
8. उन पत्रों का विवरण जिनके अन्तर्गत अग्रिम मंजुर किया गया था।
9. क्या उपर्युक्त प्रयोजनार्थ पहले कोई अग्रिम या अन्तिम निकासी निकलवायी है, यदि हों, तो उसका विवरण।
10. (क) इस आवेदन पत्र की तारीख को कुल सेवा, जिसमें भंग अवधियाँ, यदि कोई हों, शामिल हो।
(ख) सेवा-निवृत्ति की आयु प्राप्त करने के लिए आवेदन पत्र

की तारीख को छोड़ी गई¹
सेवा अवधि।

(ग) सेवा-निवृत्ति की तारीख।

आवेदक के हस्ताक्षर
तारीख

स्थान

तारीख

यह सत्यापित किया गया है कि उपर्युक्त विवरण ठीक है।

संस्तुति प्राधिकारी के

हस्ताक्षर एवं पदनाम

सक्रम प्राधिकारी की स्वीकृति

संख्या दिनांक
 के कार्यालय के
 श्री/श्रीमती/कुमारी को
 (अंशदायी भविष्यनिधि लेखा सं०)
 प्रयोजनार्थ
 19 को
 स्वीकृत तथा के
 विल सं० में
 निकाले गए रूपए की
 राशि जो सामान्य
 भविष्यनिधि लेखे का बकाया है, उस पर देय व्याज सहित, को
 अन्तिम निकासी में बदलने के लिए जल प्रदूषण निवारण तथा
 नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड (भर्ती पद्धति तथा सेवा शर्तों सहित
 अधिकारियों (सदस्य सचिव को छोड़कर) तथा अन्य कर्मचारियों का वेतनमान (विनियमन, 1978 के विनियमन के अन्तर्गत²
 एतद्वारा मंजूरी दी जाती है।

हस्ताक्षर

पदनाम

तारीख

संख्या

प्रतिलिपि प्रेषित--

(i)

(ii)

(iii)

इत्यादि :

हस्ताक्षर

पदनाम

प्रपत्र “एच”

जीवन बीमा पालिसियों की वित्तव्यवस्था के लिए भविष्यनिधि से निकासी के लिए आवेदन-पत्र।

1. जमाकर्ता का नाम

2. भविष्यनिधि का नाम तथा लेखा

नम्बर

3. आवेदन की तारीख को निधि में जमा-बाकी
4. कितनी राशि निकालने की आवश्यकता है (प्रीमियम नोटिस, यदि उपलब्ध हो, लगाया जाए)।
5. पालिसी का नाम
6. उस बीमा एकक का नाम जिससे इस पालिसी का संबंध है
7. प्रीमियम की वास्तविक राशि
8. भुगतान की पद्धति
9. भविष्य निधि से ली गई पालिसी की कुल संख्या
10. क्या पालिसी सरकार को सुपूर्द्ध की जाती है यदि हाँ, तो लेखा अधिकारी द्वारा पालिसी स्वीकार करने के विवरण
11. उस लेखा अधिकारी का विवरण जिसके कब्जे में पालिसी रखी जाती है।
12. उसी प्रयोजन के लिए निकाली गई राशि का विवरण

मैं भविष्य निधि से रकम निकालने के एक महीने के भीतर प्रीमियम की रसीद पेश करने का वचन देता हूँ।

आवेदक के हस्ताक्षर

पनाम

दिनांक

कार्यालय

संख्या———

दिनांक

जीवन बीमा पालिसी संख्या——— के लिए प्रीमियम देने के लिए रु० (केवल रुपए) की राशि निकालने के लिए एतद्वारा——— की मंजूरी दी जाती है।

प्रमाणित किया जाता है कि मैं इस बात से सन्तुष्ट हूँ कि जमाकर्ता द्वारा उसी लेखे पर पहले निकाली गई राशि का उपयोग उस प्रयोजन के लिए किया गया है जिसके लिए उसका अभिप्राय था और कि इसलिए मैंने आवश्यक प्रीमियम रसीद को सम्यक रूप से देखा लिया है।

संस्वीकृत अधिकारी के हस्ताक्षर तथा पदनाम

प्रतिलिपि लेखा अधिकारी को प्रेषित।

प्रपत्र—"ग्राइ"

अभ्यार्पण प्रपत्र

मैं, —————— जो —————— का कर्मचारी हूँ, एतद्वारा जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय

बोर्ड (भर्ती की पद्धति तथा सेवा शर्तों सहित अधिकारियों) सदस्य सचिव को छोड़कर तथा आय कर्मचारियों के वेतनमान) विनियमन 1980 के विनियमन——— के अन्तर्गत उन सभी राशियों के भुगतान के लिए आश्वासन की पालिसी के भीतर अध्यक्ष को अभ्यार्पण करता हूँ, मैं तत्पश्चात् उक्त निधि में भुगतान के लिए उत्तरदायी होऊँगा।

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि नीति के भीतर कोई पूर्व अभ्यार्पण नहीं है।

आज तारीख —————— के मास —————— 19 ——————

स्थान

साक्षी के हस्ताक्षर

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

प्रपत्र—"जे"

अभ्यार्पण प्रपत्र

हम अमुक —————— के (संयुक्त आश्वासित) मेरे हाथारा देय अंशदातों के लिए प्रतिस्थापित करने में आश्वासन की पालिसी के भीतर भुगतान स्वीकार करने के हमारे अनुरोध पर सहमति देते हुए अध्यक्ष के विचार में, जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के उक्त अमुक आश्वासन की पालिसी के भीतर प्रीमियम देने के लिए उक्त निधि में उक्त अमुक की जमा राशि से —————— रुपए की राशि की निकासी को स्वीकार करने के लिए, जैसा मामला हो) एतद्वारा उक्त निधि के विनियमनों के विनियमन —————— के अन्तर्गत उन सभी राशियों का प्रतिभू के रूप में भुगतान करने के लिए आश्वासन की पालिसी के भीतर उक्त अध्यक्ष को संयुक्त रूप से और पूर्ण-पूर्ण रूप से अभ्यार्पण करते हैं, उक्त अमुक तत्पश्चात् उक्त निधि में भुगतान के लिए उत्तरदायी होऊँगे।

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि पालिसी के भीतर कोई पूर्व अभ्यार्पण नहीं है।

आज तारीख —————— के मास —————— 19 ——————

स्थान

साक्षी के हस्ताक्षर

जमाकर्ता और संयुक्त आश्वासन के हस्ताक्षर

प्रपत्र "के"

अभ्यार्पण-प्रपत्र

मैं अमुक —————— पत्नी अमुक —————— के हित में पालिसी में मेरा व्याज देने के लिए आश्वासित होते हुए, सहमत होते हुए अमुक के अनुरोध पालिसी के भीतर प्रतिनिधि ताकि अमुक अध्यक्ष को पालिसी सौप सकें जो जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण वा केन्द्रीय

बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के अमुक—द्वारा देय अंशदान के लिए प्रतिस्थापन करते में आश्वासन की पालिसी के भीतर भुगतान स्वीकार करते के लिए सहमत है, एतद्वारा अमुक के अनुरोध पर और निर्देशन के साध्यम से सौंपता हूँ और मैं उक्त अमुक—उक्त निधि के विनियमनों के विनियमन—के अन्तर्गत उन सभी राशियों का रिट्रैट के रूप में भुगतान के लिए आश्वासन की पालिसी के भीतर अधिकार को संविता हूँ और पुष्ट करता हूँ, तत्पश्चात उक्त अमुक—निधि में भुगतान के प्रति उत्तरदायी हो सकता हूँ।

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि पालिसी के भीतर कोई पूर्व अभ्यार्पण नहीं है।

आज तारीख—के मास—19—

स्थान—

साक्षी के हस्ताक्षर

प्रतिनिधि और जमाकर्ता
के हस्ताक्षर

प्रपत्र “एल”

अभ्यार्पण प्रपत्र

जहाँ—भविष्य निधि का किसी जमाकर्ता को जिसने उक्त निधि के विनियमनों के अन्तर्गत बीमा पालिसी पूरी की है, जन प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि में शामिल किया जाता है, उस मामले में प्रयोग में लाने के लिए एकल टेनेन्ट अभ्यार्पण का प्रपत्र

मैं

(जमाकर्ता का नाम व पता)

जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के विनियमन के अन्तर्गत सभी राशियों के भुगतान के लिए प्रतिमू के रूप में आश्वासन की पालिसी के भीतर अध्यक्ष को यह अभ्यार्पण करता हूँ कि उक्त इसके पश्चात जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि में भुगतान के प्रति उत्तरदायी हो सकता है।

मैं एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि सभी राशियों के भुगतान के लिए प्रतिमू के रूप में अध्यक्ष—को किसी अभ्यार्पण के अलावा, जो उक्त (जमाकर्ता का नाम)—जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के विनियमन—के अन्तर्गत भुगतान के ब्रन्दि उत्तरदायी हो गया है, पालिसी के भीतर ‘कोई पूर्व अभ्यार्पण नहीं है।

आज तारीख—के माह—19—

स्थान

साक्षी—

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

प्रपत्र “एम”

अभ्यार्पण प्रपत्र

जहाँ—भविष्य निधि का कोई जमाकर्ता जिसने उक्त विधि के विनियमों के अन्तर्गत कोई

बीमा पालिसी पूरी की है, को जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी बीमा निधि में शामिल किया जाता है, उस मामले में प्रयोग में लाने के लिए संयुक्त टेनेन्ट अभ्यार्पण प्रपत्र

हम

(जमाकर्ता का नाम व पता)

और—की पत्नी—जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के विनियमन—के अन्तर्गत सभी राशियों के भुगतान के लिए रिट्रैट के रूप में आश्वासन की पालिसी के भीतर अध्यक्ष को एतद्वारा संयुक्त रूप से और पृथक-पृथक रूप से आगे अभ्यार्पण करते हैं, उक्त—

(जमाकर्ता का नाम)

इसके बाद जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि में भुगतान के प्रति उत्तरदायी होंगे।

हम एतद्वारा प्रमाणित करते हैं कि सभी राशियों के भुगतान के लिए प्रतिमू के रूप में अध्यक्ष—को बिना अभ्यार्पण के अलावा, जो उक्त—

(जमाकर्ता का नाम)

चल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड कर्मचारी भविष्य निधि के विनियमन—के अन्तर्गत भुगतान के प्रति उत्तरदायी हो गए हैं, पालिसी के भीतर कोई पूर्व अभ्यार्पण नहीं है।

आज तारीख—के माह—19—

स्थान

साक्षी—

जमाकर्ता और संयुक्त टेनेन्ट के हस्ताक्षर

टिप्पणी:—यह अभ्यार्पण पालिसी पर या तो जमाकर्ता के अग्रणी हाथ से लिखा हुआ हो या टंकित हो अथवा छुसरी और अभ्यार्पण सहित टंकित या मुद्रित पर्ची पालिसी के प्रयोजनार्थ दिए गए स्थान पर चिपका दें। टंकित या मुद्रित पृष्ठांकन पर सम्यक रूप से हस्ताक्षर अवश्य होने चाहिए और यदि इसे पालिसी पर चिपकाया गया हो तो यह सभी चारों किनारों के आर-पार होना चाहिए।

प्रपत्र “एन”

केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा पुनः अभ्यार्पण तथा अभ्यार्पण प्रपत्र (1)

वे सभी राशियां अंशदायी निधि विनियमनों—के विनियमन—के अन्तर्गत उपर्युक्त अमुक—नामक द्वारा देय हो गई हैं जिनका भुगतान कर दिया गया है और/या भविष्य में उसके द्वारा भुगतान करने के लिए ऐसी कोई राशि जिसे रोक दिया गया है, केन्द्रीय

बोर्ड का अध्यक्ष एतद्वारा आश्वासन की पालिसी के भीतर उक्त अमुक से पुनः अभ्यार्पण करता है।

अमुक

आज तारीख के माह 19

निम्नलिखित व्यक्ति की उपस्थिति में केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष के लिए और की ओर से निधि लेखा अधिकारी द्वारा निष्पादित विषय गदा।

एक्स० वाई०
लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर

वाई० जैड

(साक्षी आमना पदनाम तथा पता लिखें)

(प्रपत्र-2)

उपर्युक्त अमुक जिसका तारीख के माह 19 को स्वर्गवास हो गया है, केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष एतद्वारा आश्वासन की पालिसी के भीतर अमुक से अभ्यार्पण करता है।

आज तारीख के मास 19

निम्नलिखित व्यक्ति की उपस्थिति में केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष के लिए और की ओर से निधि लेखा अधिकारी द्वारा निष्पादित किया गया

वाई० जैड
लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर

(वाई० जैड०)

(साक्षी आमना पदनाम तथा पता लिखें)

प्रपत्र "ओ"

केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष द्वारा पुनः अभ्यार्पण प्रपत्र अध्यक्ष, केन्द्रीय बोर्ड एतद्वारा आश्वासन की पालिसी के भीतर उक्त अमुक से पुनः अभ्यार्पण करता है।

आज तारीख के माह 19

निम्नलिखित व्यक्ति की उपस्थिति में केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष के लिए और की ओर से निधि लेखा अधिकारी निष्पादित किया गया

एक्स० वाई०
लेखा अधिकारी के हस्ताक्षर

वाई० जैड०

(साक्षी आमना पदनाम तथा पता लिखें)

प्रपत्र "पी"

(सूची)

अंगरेजी भविष्य निधि में शेष राशियों का समिलित निकायों/अन्य सरकारों को अंतिम भुगतान करने हस्तान्तरण करने के लिए आवेदन पत्र

सेवा में

अध्यक्ष,

महोदय,

मैं सेवानिवृत्त होने वाला हूँ/मेरा निवृत्त हो गया हूँ। महीनों के लिए सेवानिवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर चला गया हूँ/मुझे बखास्त/पदन्धुत कर दिया गया है/मैंने की नियुक्ति के लिए सरकार के अन्तर्गत अन्तिम रूप से सरकारी सेवा से त्यागपत्र दे दिया है और पूर्वाह्न/प्रपराह्न से मेरा त्यागपत्र स्वीकार कर लिया गया है।

मैंने पूर्वाह्न/प्रपराह्न को पदभ्रहण किया।

2. मेरा भविष्य निधि खाता नम्बर है।

भाग 1

(इसे तब भरना है जब सेवा-निवृत्त होने के एक साल पहले अन्तिम भुगतान के लिए आवेदन करें।)

3. अनुरोध है कि कृपया मेरे अंशदायी भविष्य निधि खाते में जमा रखने की राशि का जैसा कि मुझे जारी किए गए वर्ष के लेखा विवरण में दिखाया गया है (संलग्न)। जैसा कि आपके कायलिय के लेखा अधिकारी द्वारा रखे जा रहे मेरे खाता लेखे में है, मुझे भुगतान करने की कृपा करें।

4. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने निम्नलिखित अग्रिम लिया था जिसके बारे में रूपए की मैंने किस्तें निधि खाते में अभी जमा की जानी हैं।

निम्नलिखित अंतिम निकासियां ली थीं।

अस्थायी अग्रिम	अंतिम निकासियां
1.	
2.	
3.	
4.	

5. प्रमाणित किया जाता है कि मैंने जीवन बीमा निगम के लिए अपने भविष्य निधि खाते में से निम्नलिखित राशि निकलवाई।

- 1.
- 2.
- 3.

6. प्रमाणित किया जाता है कि मेरे भविष्य निधि के बकाये की पहली किस्त अदा करने के पश्चात मैं सेवा-निवृत्त होने पर प्रपत्र के भाग II में बाद की किस्तों का भुगतान करने के लिए तत्काल आवेदन करूँगा।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर
नाम व पता

प्रशासनिक अधिकारी द्वारा प्रमाणीकरण

प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त सूचना इस मंत्रालय में रखे जा रहे रिकार्डों से सत्यापित की गई है और यह ठीक है।

प्रशासनिक अधिकारी के हस्ताक्षर

भाग II

(यह जमाकर्ता द्वारा सेवा निवृत्ति के पश्चात् प्रस्तुत किया जाना है)

यह भाग उस जमाकर्ता के मामले में भी लागू होगा जो सेवा निवृत्ति, बरखास्त, त्याग-पत्र आदि की तारीख के बाद पहली बार अन्तिम भुगतान के लिए आवेदन करता है।

3. अन्तिम भुगतान के लिए दिनांक———के पत्र सं०————— द्वारा आपको भेजे गए मेरे आवेदनपत्र के अनुक्रम में, अनुरोध है कि मेरे भविष्य निधि लेखे में जो शेष राशि है, उसे मुझे अदा करने की कृपा करें।

अथवा

अनुरोध है कि नियमों के अन्तर्गत देय ब्याज सहित मेरे खाते में जमा सारी राशि मुझे—————अदा की जाए/ मेरे अंशदायी निधि लेखे में अन्तर्मास की जाए। मेरा भविष्य निधि लेखा—————है।

4. —————रुपए (—————रुपए) की राशि अन्तिमबार भविष्य निधि के अंशदान के रूप में काटी गई थी और अग्रिम की राशि लौटाने के कारण—————माह के लिए मेरे वेतन विल से—————रुपए की वसूली को की गई थी।

5. मैं प्रमाणित करता हूँ कि मैंने—————

अन्तर्गत मेरे नौकरी छोड़ने की तत्काल पूर्ववर्ती तारीख से 12 महीनों के दौरान मेरे भविष्य निधि खाते से मैंने नहीं कोई अग्रिम राशि निकाली है और न ही अन्तिम रूप से कोई रकम निकलवाई है/—————प्रकार/सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी की कार्यवाही के अन्तर्गत नौकरी छोड़ने के तत्काल पूर्ववर्ती तारीख के 12 महीनों के दौरान या तत्पश्चात् बीमा प्रीमियम देने के लिए अथवा नई पालिसी खरीदने के लिए मेरे भविष्य निधि खाते में से मेरे द्वारा राशि निकाली गई थी।

राशि

तारीख

1.—————
2.—————

6. मेरे द्वारा भविष्य निधि से विस्तृप्ति जीवन बीमा पालिसियों का विवरण इस प्रकार है जिन्हें आपने देना है:—

पालिसी नम्बर कम्पनी का नाम आवासित राशि

1.—————
2.—————

3.—————
4.—————

भवदीय,

स्थान दिनांक हस्ताक्षर
नाम व पता

प्रशासनिक अधिकारी द्वारा प्रमाणित

लेखा अधिकारी, जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण का केन्द्रीय बोर्ड को प्रेषित

1. (क) इस कार्यालय के रिकार्डों से सत्यापन करने के पश्चात् यह प्रमाणित किया जाता है कि—————सरकार/सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी की कार्यवाही के अन्तर्गत या तत्पश्चात् उसके नौकरी छोड़ने के तत्काल पूर्ववर्ती तारीख के 12 महीनों के दौरान आवेदक को उसके भविष्य-निधि खाते से कोई अस्थायी अग्रिम अन्तिम निकाली की मंजूरी नहीं दी गई थी।

अथवा

2. इस कार्यालय के रिकार्डों से सत्यापन करने के पश्चात् यह प्रमाणित किया जाता है कि—————सरकार/सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी की कार्यवाही के अन्तर्गत या तत्पश्चात् उसके नौकरी छोड़ने के तत्काल पूर्ववर्ती तारीख के 12 महीनों के दौरान उसके भविष्य निधि खाते में से निम्नलिखित अस्थायी अग्रिमों/अन्तिम वापसी की मंजूरी दी गई थी और आवेदक द्वारा निकाली गई थी:—

अग्रिम निकाली	तारीखें	वाउचर नम्बर
की राशि		

1.—————
2.—————
3.—————

3. यह प्रमाणित किया जाता है कि वसूली के लिए बोर्ड की कोई मांग नहीं है/निम्नलिखित मांग है।

4. प्रमाणित किया जाता है कि उसने केन्द्रीय सरकार के किसी विभाग में या राज्य सरकार के अन्तर्गत अथवा राज्य के स्वामित्व या नियन्त्रित किसी सम्मिलित निकाय में नियुक्ति के लिए केन्द्रीय बोर्ड के अध्यक्ष की पूर्वानुमति से बोर्ड की सेवा से त्याग-पत्र नहीं दिया है।

हस्ताक्षर
प्रशासनिक अधिकारी

*यदि जो आवश्यक न हो, कृपया उसे काट दें।

जहां कोई नामांकन न हो वहां नामांकितों या किसी अन्य दबेदारों के प्रयोग के लिए जमाकर्ता के भविष्य निधि खाते में से शेष राशियों के अन्तिम भुगतान के लिए आवेदन-पत्र का प्रपत्र।

सेवा में,

आधिकारी,

महोवय,

अनुरोध है कि श्री/श्रीमती _____ की भविष्य निधि खाते में जमा राशियों के भुगतान करने का प्रबन्ध करने की कृपा करें। इस संबंध में अपेक्षित आवश्यक विवरण इस प्रकार है:—

1. कर्मचारी का नाम
2. जन्म तिथि
3. कर्मचारी का पद
4. मृत्यु की तारीख
5. मृत्यु के प्रमाण के लिए किसी नगरपालिका प्राधिकरणों द्वारा जारी किया गया मृत्यु प्रमाण-पत्र, यदि उपलब्ध हो।
6. जमाकर्ता को दिया गया भविष्य निधि खाता नम्बर
7. जमाकर्ता की मृत्यु के समय उसके खाते में जमा भविष्य निधि की राशि, यदि मालूम हो।
8. जमाकर्ता की मृत्यु के पश्चात जीवित नामांकितों का विवरण, यदि कोई नामांकन है।

नामांकितों का नाम	जमाकर्ता से संबंध	नामांकितों का भाग
-------------------	-------------------	-------------------

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

9. यदि नामांकन परिवार के किसी सदस्य के प्रलापा किसी व्यक्ति के पक्ष में है, तो परिवार का विवरण यदि अंशादाता ने आद में इस परिवार को अपनाया हो।

नाम	जमाकर्ता से संबंध	मृत्यु की तारीख की आयु
-----	-------------------	------------------------

- 1.
- 2.
- 3.

10. यदि कोई नामांकन नहीं है, तो जमाकर्ता की मृत्यु की तारीख को परिवार के जीवित सदस्यों का विवरण यदि जमाकर्ता की मृत्यु से पूर्व विवाहित पुत्री या जमाकर्ता के दिवंगित पुत्र की विवाहित पुत्री के मामले में, उसके नाम के बारे में यह बताया जाए कि क्या जमाकर्ता की मृत्यु की तारीख को उसका पति जीवित था।

नाम	जमाकर्ता से संबंध	मृत्यु की तारीख की आयु
1.		
2.		
3.		

11. यदि नावालिंग वज्रे (जिसकी माँ हिन्दू नहीं है जमाकर्ता की विवेदा) तो दावे के साथ क्षतिपूर्ति पत्र या संरक्षणता प्रमाण-पत्र जैसी भी स्थिति हो, होना चाहिए—

12. यदि जमाकर्ता का कोई परिवार न हो हो तथा कोई नामांकन नहीं किया गया हो, उस व्यक्ति का नाम जिसको भविष्य निधि का वैसा देय है (सप्रमाण या उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र इत्यादि द्वारा प्रमाणित होना चाहिए) —

नाम	जमाकर्ता के साथ संबंध	पता
1.		
2.		
3.		

13. दावेदार (दावेदारों) का धर्म

भवदीय,

(दावेदार के हस्ताक्षर)

1. उपर्युक्त विवरणों का सत्यापन कर लिया गया है।
2. श्री/श्रीमती/कुमारी _____ का भविष्य निधि खाता सं. _____ (जैसा कि उसके द्वारा दिए गए वार्षिक विवरण से सत्यापित किया गया है) _____ है।
3. उसकी मृत्यु _____ को हुई निगम प्राधिकारियोंद्वारा जारी किया गया मृत्यु प्रमाण-पत्र देदिया गया है/इस मामले में अपेक्षित नहीं है क्योंकि उसकी मृत्यु के बारे में शंका नहीं है।
4. निधि की पिछली कटौती उसके माह के बेतान बिल से की गई थी जो कि इस मंत्रालय के बिल सं. _____ तारीख _____ के द्वारा लिया गया था, उसकी राशि _____ थी, रोकड़ वाउचर सं. _____, काटी गई राशि _____ थी।
5. प्रमाणित किया जाता है कि उसको उसकी मृत्यु की तारीख से पिछले 12 महीनों में न तो कोई अस्थाई अग्रिम और न ही उसको उसके भविष्य निधि खाते से अन्तिम रूप से धन निष्कालने की स्वीकृति दी गई थी।

या

प्रमाणित किया जाता है कि निभन्नलिखित अस्थाई अग्रिम/अन्तिम रूप से धन निष्कालना, उसको स्वीकृत किया गया था तथा उसकी मृत्यु की तारीख से पिछले 12 महीनों के दौरान उसके भविष्य निधि से लिया गया था।

श्रिमित की नी गई राशि	भुनाने की तारीख तथा स्थान	वाउचर संख्या
1.		
2.		
3.		
6. प्रमाणित किया जाता है कि बीमों की किस्त देने/या बीमों की नई पालिसी खरीदने के लिए उसकी मूल्य की तारीख से पिछले 12 महीनों के दौरान उसको उसके/उसकी भविष्य निधि से कोई राशि नहीं ली गई थी/निम्नलिखित राशि वापिस ली गई थी।		
पालिसी सं० राशि तथा कम्पनी का नाम	तारीख वाउचर संख्या	
1.		
2.		
3.		
7. यह प्रमाणित किया जाता है कि सरकार बोर्ड की मांग निम्नलिखित मांग वसूली के लिए देय है।		
8. प्रमाणित किया जाता है कि वित्त मंत्रालय के कार्यालय ज्ञापन सं० 10 (3)ई० बी० (क)/65 तारीख 1 नवम्बर, 1965 के अनुसार स्वीकारन किया गया श्रिमित निम्नलिखित स्वीकार किया गया श्रिमित वसूली के लिए देय है।	प्रशासनिक अधिकारी के हस्ताक्षर	

प्रपत्र—(आर)

मूसक जमाकर्ता के नाबालिग बच्चे/बच्चों को भविष्य निधि से देय राशि को उसके वास्तविक संरक्षक के अलावा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा निकलवाने के लिए अतिपूर्ति बांड का रूप।

(5000 रुपए की तीमातक)

(क) रिहायश सहित दावेदार/दावेदारों का पूरा नाम
इन प्रस्तुत कागजात से सभी व्यक्तियों को मालूम हो
कि हम— पुत्र/पुत्री/पत्नी —
— (एत-स्मिन पश्चात वाध्यताधारी कहलायेंगे।)

(ख) जमानतियों का नाम तथा पता

निवासी— तथा (ख) (2) पुत्र/पुत्री
पत्नी— तथा— के निवासी (एत-स्मिन
पश्चात जमानती कहलायेंगे) उसके/उनके लिए जमानती
जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के केन्द्रीय बोर्ड
के अध्यक्ष को पूर्णरूपेण यह विष्वास दिलाते हैं (एत-

स्मिन पश्चात अध्यक्ष कहलाएगा) कि—
(शब्दों और शब्दों में) इसपे की गणि
अधिकारी या उसके उत्तराधिकारी या उसके प्रतिनिधि
को दी जाने वाली राशि जिसके लिए भुगतान ठीक
व सही होगा। हम में से प्रत्येक इकट्ठे अपने आपको
अपने उत्तराधिकारियों, निष्पादकों प्रशासकों को अलग
अलग बाध्य करते हैं और अभ्यर्पण करते हैं और
प्रत्येक दो और हम में सभी संयुक्त रूप से अपने आपको
अपने संबंधित उत्तराधिकारियों, निष्पादकों, प्रशासकों
को इन प्रस्तुत कागजातों के प्रति बाध्य करते हैं। इस
की तारीख— एक हजार
नौ सौ और — को हस्ताक्षरित

(ग) मृतक का नाम

यतः (छ) — अपनी मूल्य के समय
सामान्य भविष्य निधि का एक जमाकर्ता था और उसकी
उक्त (ग) — की मूल्य —
एक हजार नौ सौ और — को हुई और उसके
द्वारा भविष्य निधि में किए गए अंशदान में जमा
राशि के कारण बोर्ड द्वारा — रूपये
(शब्दों और शब्दों में) देय हैं और यतः उक्त —
के नाबालिग बच्चे/बच्चों की ओर से उक्त राशि के
उक्त बन्धक वाध्यताधारी के संरक्षण प्रमाण पत्र
प्राप्त नहीं किया है।

(घ) अधिकारी का नाम व पदनाम

और जहाँ वाध्यताधारी ने (घ) —
(संबंधित अधिकारी) को संतुष्ट कर लिया है कि वह/
वे उपर्युक्त राशि के पास हैं/हैं और यह कि यदि दावेदार
को संरक्षण प्रमाण पत्र पेश करना पड़ा तो उससे
अनुचित विलम्ब और परेशानी होगी और यतः अध्यक्ष
दावेदार को उक्त राशि देना चाहता है परन्तु जल
प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण के केन्द्रीय बोर्ड के
कर्मचारी भविष्य निधि के विनियमनों के अन्तर्गत
यह आवश्यक है कि दावेदार को उक्त राशि प्रदान करने
से पूर्व दावेदार इससे पहले कि उक्त राशि जिसके लिए
दावेदार व वाध्यताधारी ने प्रार्थना की है और जमानती
ने स्वीकार किया है उसको दी जा सके। पहले दो
जमानतियों सहित एक बांड निष्पादित करे जो अध्यक्ष
को इस प्रकार श्री— मृतक को देय
राशि से सभी दावेदारों के विपरीत सुरक्षित रहेगा
जो वाध्यताधारी और उसके अनुरोध पर जमानतियों ने
ऐसा करना मान लिया है।

अब इस बांड की शर्त इस प्रकार है कि यदि दावेदार को
राशि का भुगतान करने के पश्चात् किसी अन्य व्यक्तियों
द्वारा अध्यक्ष के विरुद्ध उक्त — रूपये
की राशि के मामले में दावा करने पर अध्यक्ष को अन्यथा

सुरक्षित व हानि रहित रखेगा और उक्त राणि के मामले में श्रीर किसी प्रकार के दावे के परिणामस्वरूप किए गए खर्चों और मधी उत्तरदायित्वों में उन्हें संरक्षित रखता है तो उपर्युक्त लिखित या बाध्यतामें शून्य होंगी। परन्तु अन्यथा वे ही लागू प्रभावी तथा नैतिक रहेंगी। अध्यक्ष ने इन मधी कागजों पर स्टाम्प डिप्टी यदि कोई हो, वह न करना स्वीकार किगा है माक्ष्य में बाध्यताधारी तथा जमानती/जमाननियों उपर्युक्त लिखित दिन माह और वर्ष को अपने अपने हस्ताक्षर करते हैं। उपर्युक्त नामक बाध्यताधारी ने निम्नलिखित व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए —

- 1 _____

2 _____

उपर्युक्त नामक “जमानती/जमाननियों” ने निम्नहि रित व्यक्तियों की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए

- 1 _____
2 _____

की उपस्थिति में
(साक्ष्य का नाम तथा पदनाम)

III-III

4. पर्यावरणीय इंजीनियर	5 वर्ष 'ए'	1100-50-1600 चयन रुपये।	35 वर्ष किसी भी इंजीनियर के द्वारा में सामानक की हितीय बोई के श्रेणी की पदवी । 10 स्वविक्रियक वर्ष का अनुभव जिसमें पर छूट से 3 वर्ष का अनुभव दी जा प्रदृष्टण नियत्वण गति- सकरी विधियों का होना है। चाहिये।	शैक्षणिक योग्यता लागू होगी। आयु सीमा में छूट दी जा सकती है।	2 वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्यों के नामले में 1 साल तक कम किया जा सकता है।	75 प्र० श० सीधी भर्ती से तथा 25 प्र० श०	75 प्र० श० इंजीनियर के ग्रेड से।	समिति में निम्न- लिखित होंगे :— 1. केन्द्रीय बोर्ड का अध्यक्ष—अध्यक्ष। 2. अध्यक्ष द्वारा संबंधित कार्यों से मनोनीत दो विशेष- पक्ष।
5. वैज्ञानिक 'सी'	1 वर्ष 'ए'	1100-50-1600 चयन रुपये।	35 वर्ष वाढ़िक वैज्ञानिक/वैज्ञानिक/अध्यक्ष या सदस्य/सांचयकीय में पी० एच० डी० । 12 वर्ष का अनुभव जिसमें में 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये। ऐच्छिक	शैक्षणिक योग्यता लागू होगी। आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। जो 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये।	वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्यों के मामले में 1 साल तक कम किया जा सकता है।	75 प्र० श० सीधी भर्ती से तथा 25 प्र० श०	वैज्ञानिक योग्यता लागू होगी। आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। जो 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये।	समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. केन्द्रीय बोर्ड का अध्यक्ष—अध्यक्ष। 2. अध्यक्ष द्वारा संबंधित कार्यों से मनोनीत दो विशेष- पक्ष। 3. अध्यक्ष द्वारा मनो- नीत आवास और निर्माण मत्त्वालय का प्रतिनिधि। 4. केन्द्रीय बोर्ड का सदस्य—सचिव।
5. वैज्ञानिक 'सी'	1 वर्ष 'ए'	1100-50-1600 चयन रुपये।	35 वर्ष वाढ़िक वैज्ञानिक/वैज्ञानिक/अध्यक्ष या सदस्य/सांचयकीय में पी० एच० डी० । 12 वर्ष का अनुभव जिसमें में 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये। ऐच्छिक	शैक्षणिक योग्यता लागू होगी। आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। जो 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये।	वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्यों के मामले में 1 साल तक कम किया जा सकता है।	75 प्र० श० सीधी भर्ती से तथा 25 प्र० श०	वैज्ञानिक योग्यता लागू होगी। आयु सीमा में छूट दी जा सकती है। जो 5 साल प्रदृष्टण गतिविधियों का होना चाहिये।	समिति में निम्न- लिखित होंगे :— 1. केन्द्रीय बोर्ड का अध्यक्ष—अध्यक्ष। 2. अध्यक्ष द्वारा संबंधित कार्यों से मनोनीत दो विशेष- पक्ष। 3. अध्यक्ष द्वारा मनो- नीत आवास और निर्माण मत्त्वालय का प्रतिनिधि। 4. केन्द्रीय बोर्ड का सदस्य—सचिव।

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

6. वैज्ञानिक 'बी'	4 वर्ष 'ए'	700-40-900- द० रो०-40-	चयन	30 वर्ष वैभिक विज्ञान/जीवन विज्ञान/सून-विज्ञान/श्रद्ध- शास्त्र/सांख्यकीय में कम में कम हितोंय श्रेणी	शैक्षणिक योग्यता लागू होगी।	2 वर्ष परन्तु उच्चाइट कार्यों के मामले में	75 प्र०श० सहायक वजानिक प्र०श०	वरिष्ठ समीक्षा; भर्ती तथा 25 प्र०श०	75 प्र०श० समीक्षा; भर्ती तथा 25 प्र०श०	समीक्षा में निम्नालिखित होती है—
1100-50-1300 ह०।				के विज्ञान में स्नात- कोन्नन/प्रविवरणीय गुण वंता प्रवरच्व में 8 वर्ष का अनुभव जिसमें में जनन प्रदृष्टण निर्भतण गतिविधि में 3 वर्ष का अनुभव होता चाहए।	शायु र्मासा में छढ़दों जा मकरों है।	1 साल तक पदोन्नति कम किया जा मकता है।	नाल का अनुभव।	(2) अध्ययन वार्षा संबंधित कार्यों से मनोनात्त विषेश गणे दो विशेषज्ञ।	(2) अध्ययन वार्षा संबंधित कार्यों से मनोनात्त विषेश गणे आदानम संवाल्प कार्यक्रमनिधि।	1. अध्ययन केन्द्रोंय बोई—प्रध्यायक ।
				में छढ़दों जा मकरों है।	1 साल तक पदोन्नति कम किया जा मकता है।	कियोस्यता आर अनुभव काले व्यक्तित उपलब्ध हों।	3. आनंदश द्वारा मनोनात्त प्रिया गण निमण और आदानम संवाल्प कार्यक्रमनिधि।	2. मदस्य मदस्य ।	2. मदस्य मदस्य ।	2. मदस्य मदस्य ।

7. महायक मीडिया विविकारी।	1 वर्ष 'बी'	700-40-900- द० रो०-40-	चयन	35 वर्ष स्नातक डिप्लोमा के वाय जन ग्रामार/प्रसार संस्थान में कम में कम 5 वर्ष वा अनुभव। वांछनीय	लागू नहीं होता।	2 वर्ष जन ग्रामार/प्रसार संस्थान में कम में कम 5 वर्ष वा अनुभव। वांछनीय	100 प्र०श० सोर्वी भर्ती से अन्यथा प्रतिनियिकता ने।	—	चयन ममिति में निम्न- लिखित होते हैं—
1100-50-1300 स्थान।							1. केन्द्रीय बोई— का अध्यायक ।	1. केन्द्रीय बोई— का अध्यायक ।	1. केन्द्रीय बोई— का अध्यायक ।
							4. रेक्ट्रीन बोई— का अध्ययन द्वारा मनो- नात्त एवं विशेषज्ञ । प्रयोक्ता।	4. रेक्ट्रीन बोई— का अध्ययन द्वारा मनो- नात्त एवं विशेषज्ञ । प्रयोक्ता।	4. रेक्ट्रीन बोई— का अध्ययन द्वारा मनो- नात्त एवं विशेषज्ञ । प्रयोक्ता।

5. प्रशासनिक अधि-
कारी।

8. प्रलेखन शाखिकारी	1 वर्ष [ए']	700-40-900- द० रो०-40- 1100-50-1300 संगम् ।	चयन 35 वर्ष विज्ञान/इंजीनियर प्रौद्योगिकी में विज्ञप्ति भी प्रकार के स्नातकोत्तर दिश / इन वर्ष नव्या लोक स्वामित्य का सम्पादनों के विषय की दृक्षनाओं के प्रचार में ५ वर्ष दा श्रान्तिका । वांछन. य	लागू नहीं होता ।	2 वर्ष 100 प्र०श्न संख्या भर्ती में अध्ययन प्राचीन पुस्ति का ।	चयन समिति में निम्न- लिखित होंगे ।— 1. अध्यक्ष केन्द्रीय दोई—प्रधायक । 2. महस्य मत्तिवा- द । 3. उप मत्तिवा, तिमाण और शावास्म मंत्रा- न्त्रय । 4. अध्यक्ष केन्द्रीय बोईद्वारा मनोनेता गम: विषेषज्ञ/ प्रदाक्षिणा ।
			उत्कीर्ण/मन्त्रालय विज्ञान/इंजीनियर/प्रत- कारिया में विद्वी ।			
9. लेखा शाखिकारी	1 वर्ष 'बी'	840-40-1000- द० रो०-40- 1200 रुपये ।	चयन 35 वर्ष कैटरपिलर, प्रौद्योगिकी राज्य शैक्षणिक आंशिकीयम के द्वारा वनाया जाया या उसके अन्तर्गत इथारपित विद्वीं विवर्वाच्यान्त्रय में या भारत वर्कार द्वारा मान्यता दिलाई विदेशी विश्वविद्यालय में कानून में डिप्टी क माथ मरकरी या वाणिज्यक लेखा पद्धति का 7 वर्ष का अनुभव या विणिडिप्टी लेखा के जात पद्धति प्र० प० एम० लेखा कार. मरकरी विसमां में अनुसन्द को वरियना दि ड़ाएगी । मद्दी लेखा- कार एक श्रान्तिका आहता होगा ।	लोकों भर्ती के लिए 2 वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के मामले में परन्तु श्रायु- मत्ता में कम को जा होने पर सकती है । संख्या भर्ती में ।	पद्धति लेखा श्रायकारी के वेद से होने पर प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किसके न कम को जा होने पर संख्या भर्ती में ।	चयन समिति में लिखित होंगे ।— 1. अध्यक्ष केन्द्रीय दोई—प्रधायक । 2. अध्यक्ष केन्द्रीय द्वारा नामित किया जाने वाला । 3. महस्य मत्तिवा केन्द्र.न बोई— — महस्य । 4. प्रगामनिक अधि- कार केन्द्र य बोई —महस्य ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
10. सहायक इच्छनियर	ए वर्म 'बी'	650-30-740- 35-810-द० रो०	चयन	30 वर्ष	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी जो हड्डीतियरी में स्नात- कोनर डिप्लो के साथ प्रथम श्रेणी का स्नातक/ प्रदूषण नियन्त्रण में बोर्ड भी अनुभव अतिरिक्त दाखिला मानी जायेगी ।	कार्यों के मामले में 1	परन्तु उत्कृष्ट साधी भर्ती में तथा 25	2 वर्ष पदोन्नति से किया जा सकता है ।	75 प्र० श० प्र० श०	तकनीकी सहायक के साथ समिति में नियन्त्रित वित्त होंगे ।—	1. केन्द्रीय बोर्ड का श्रद्धार्थ—श्रद्धार्थ ।
		35-880-40- 1000-40-1200 रुपये ।			में छट्ठी दी जा में दृढ़ता है ।	साल तक कम बशर्ते कि किया जा सकता है ।	पदोन्नति से योग्यता और अनुभव वाले व्यक्ति उप- लब्ध हों ।	प्र० श०	सहायक के साथ समिति में नियन्त्रित वित्त होंगे ।—	2. अध्यक्ष द्वारा संबंधित कार्यों से मनोनीत दो विशेष- ज्ञ ।	
							अध्यक्ष अध्यक्ष श्रद्धार्थ और नियन्त्रित लघु का प्रतिनिधि	100 प्र० श०	सहायता उपलब्ध होने के लिए दो वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के मामले में एक वर्ष कम हो सकता है ।	3. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत आवास और नियन्त्रित लघु का प्रतिनिधि	3. अध्यक्ष द्वारा मनोनीत आवास पदस्थ ।
									सेवा के साथ समिति में नियन्त्रित वित्त होने के लिए दो वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के मामले में एक वर्ष कम हो सकता है ।	4. केन्द्रीय बोर्ड का सदस्य मित्रिव	4. सदस्य मित्रिव केन्द्रीय बोर्ड — सदस्य ।
11. अनुभव शिविकारी	1 वर्ग 'सी'	650-30-740- 35-810-द० रो० -35-880-40- 1000-द०रो०- 40-1200 द०	चयन	35 वर्ष	केन्द्रीय, प्रतीय या राज्य शैक्षणिक अधिनियम के द्वारा या तथा अनुभव उम्मेदे अन्तर्गत स्थापित लागू होगा किसी विश्वविद्यालय से या भारत सरकार द्वारा सीमा मान्यता प्राप्त किसी शिथित की विदेशी विश्वविद्यालय जा सकती से स्नातक की डिप्लो सहित प्रशासनिक कार्य के सहायक या उसके समकक्ष पद में 5 वर्ष का अनुभव ।	सीधी भर्ती के लिए दो वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के मामले में एक वर्ष कम हो सकता है ।	पदोन्नति द्वारा विस्तृत न होने पर प्रति- नियक्ति पर स्थानान्तरण हो सकता है ।	सहायता द्वारा विस्तृत प्र० श०	केन्द्रीय, प्रतीय या राज्य शैक्षणिक अधिनियम के सहायता उपलब्ध होने के साथ समिति में नियन्त्रित वित्त होने के लिए दो वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के मामले में एक वर्ष कम हो सकता है ।	1. केन्द्रीय बोर्ड— श्रद्धार्थ ।	
										3. उप सचिव, नियन्त्रित श्रद्धार्थ और आवास मंत्रालय— सदस्य ।	5. प्रशासनिक श्रद्धार्थ कारी केन्द्रीय बोर्ड— सदस्य ।

12. निजी सचिव	1	वर्ग 'बी'	650-30-740-	चयन	35 वर्ष	केन्द्रीय, प्रांतीय या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत स्थापित किया गया या बनाए गए किसी विश्वविद्यालय से या भारत सरकार द्वारा माध्यात्मक स्तर की विदेशी विद्यालय से स्नातक की डिप्लोमा सहित आशुलिपि में 120 शब्द अन्त मिनट तथा टंकण में 40 शब्द प्रति मिनट की गति दिनद्वीपी आशुलिपि तथा टंकण का ज्ञान एक अतिरिक्त योग्यता होगी। आशुलिपि शेड-II या उसके समकक्ष पद में 7 वर्ष का अनुभव होना चाहिये।	सीधी भर्ती पदोन्नति वालों के लिए द्वारा जिसके दो वर्ष परन्तु न होने पर उत्कृष्ट कार्य के मामले में स्थानान्तरण कम की जा सकती है। होने पर सीधी भर्ती से।	आशुलिपिक शेड-II के शेड में।	चयन समिति में नियन्त्रित होते हैं— 1. प्रध्यायक केन्द्रीय बोर्ड—अध्यक्ष । 2. अध्यक्ष केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित किया जाने वाला एक विशेषज्ञ— सदस्य।
13. तकनीकी सहायक	5	वर्ग 'बी'	550-25-750- ८० रो०-३०-९० ८० ।	चयन	25 वर्ष	विद्युती भी इंजीनियरी में प्रकल्प ही नहीं परन्तु उत्कृष्ट से ।	सीधी भर्ती प्रकल्प ही नहीं उत्कृष्ट।	समिति में नियन्त्रित होते हैं— 1. सदस्य केन्द्रीय बोर्ड— अध्यक्ष । 2. अध्यक्ष द्वारा मानों-नीति नियन्त्रित होते हैं।	
14. अध्यक्ष	5	वर्ग 'बी'	550-25-750- ८० रो०-३०-९० ८० ।	चयन	25 वर्ष	स्नातक पदवी/इंजीनियरिंग लाइन में कोई भी अन्तर्भुक्त अधिनियम लाइन में कोई भी योग्यता मानी जायेगी।	प्रकल्प ही नहीं उत्कृष्ट से ।	समिति में नियन्त्रित होते हैं— 1. सदस्य केन्द्रीय बोर्ड— अध्यक्ष । 2. अध्यक्ष द्वारा मानों-नीति नियन्त्रित होते हैं।	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
14.	वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक	1	वर्ग 'बी'	550-25-750-	चयन	25 वर्ष	सन् विज्ञान तथा जीव विज्ञान/भूविज्ञान/अर्थ- शास्त्र सांख्यकीय में कम	शैक्षणिक योग्यता	परन्तु उत्कृष्ट	मीढ़ी भर्ती	कनिष्ठ	मानविकि- त होगी।—
				द०रो-०-३०-९०० ८०।			कार्यों के मामले में १	कार्यों के मामले में १	में ५० प्र०ग्र०	सहायक या प्रशिक्षु	१. कन्द्रीय का अध्ययन-अध्ययन क्रित वार्षा मंवं- मनोनीत दो विज्ञ- पत्र।	
							में कम द्वितीय श्रेणी की स्नातकोत्तर डिप्री/ पर्यावरणीय गुणवत्ता प्रबन्ध में ३ वर्ष का अनु- भव।	लागू होगी आयु मीमा में छट दी जा सकती है।	पदेवति में वार्षते का किया जा सकता है।	पदेवति में वार्षते का योग्यतामें वार्षतु व वार्ष व्यवित उपनिषद हों अन्यथा मीढ़ी भर्ती में।	२. अध्यक्ष द्वारा मनो- निर्माण मंत्रालय का प्रतिनिधि। ४. कलंड्रिय वार्ड का मानव सचिव।	
15.	सेलक्षण ग्रेड आश- लिपिक	2	वर्ग 'भी'	550-25-750- द० रो०-३०-९०० ८०।	चयन	30 वर्ष	केन्द्रीय, प्रांतीय या राज्य अधिनियम के द्वारा या उसके अतागत स्थापित किसी विश्वविद्यालय या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विदेशी विश्वविद्यालय से स्नातक की डिप्री महिला आशुलिपि में १२० शब्द प्रति मिनट	शैक्षणिक योग्यता तथा अनुभव में विशिलता दी जाएगी।	मीढ़ी भर्ती द्वारा जिसके वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के लिए कम की जा सकती होते पर प्रतिनियक्ति पर	पदोन्नति द्वारा जिसके न होने पर मीढ़ी भर्ती से जिसके न होने पर प्रतिनियक्ति पर	आश-लिपि ग्रेड-II से। १. सदन कन्द्रीय अध्यक्ष। २. उप सचिव, निर्माण और आवास मंत्रालय—मदस्य। ३. अध्यक्ष, केन्द्रीय वार्ड द्वारा तापित	

किये जाने वाले दो
विशेषज्ञ—सदस्य।
4 प्रशासनिक अधि-
कारी के द्वय
बोई—सदस्य।

तथा टंकण में 40 शब्द
प्रतिमिनट की गति से।
हिन्दू आशुलिपि तथा
टंकण का ज्ञान अतिरिक्त
योग्यता होगी। आगु-
लिपिक शेड-II या उसके
समरूप पद में कम से
कम चार वर्ष का अनु-
च्छव होना चाहिये।

16. कनिंठ लेखा अधिकारी	1 वर्ग "सी"	550-20-700-३०	चयन रो०-२५-१००	30 वर्ष केन्द्रीय प्रालीय या राज्य अधिनियम द्वारा या उस के अन्तर्गत स्थापित किया गया या बनाया गया किसी विश्वविद्यालय से या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विदेशी विश्वविद्यालय से स्नातक की हिन्दी सहित सरकारी या वाणि- ज्यक लेखा पढ़ति का पांच वर्ष का अनुभव या वाणिज्यक लेखे सहित सरकारी लेखे का 5 वर्ष के अनुभव सहित एस०ए०ए० लेखकार।	सीधी भर्ती वा वालों के लिये दो वर्ष परतु उत्कृष्ट कार्य करने पर एक वर्ष कम किया जा सकता है।	लेखा सहायक के पेंड से लिखित होगा।— 1. सदस्य सचिव के द्वय बोई—अधस्य द्वारा नामित किया जाने वाला एक विशेषज्ञ—सदस्य 3. उप-सचिव, नियमि- शां और आवास मंत्रा- लय—सदस्य 4. प्रशासनिक अधि- कारी, के द्वय बोई —सदस्य 5. लेखा अधिकारी— सदस्य	लेखा सहायक चयन समिति में नियम- नियमित होगा।— 1. सदस्य सचिव के द्वय बोई—अधस्य द्वारा नामित किया जाने वाला एक विशेषज्ञ—सदस्य 3. उप-सचिव, नियमि- शां और आवास मंत्रा- लय—सदस्य 4. प्रशासनिक अधि- कारी, के द्वय बोई —सदस्य 5. लेखा अधिकारी— सदस्य
17. सहायक	5 वर्ग "सी"	425-15-500-५०-	चयन रो०-१५-५६०-२०- ७००-३० रो०-२५- ८००	30 वर्ष केन्द्रीय प्रालीय या राज्य अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत स्था- पित किया गया या बनाया गया किसी विश्वविद्यालय से या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विदेशी विष्य- सदस्य	वही पदोन्तत द्वारा प्रवर शेणी विस के न होने आशुलिपि पर सीधी भर्ती बोई-II से होगा।— 1. सदस्य सचिव के द्वय बोई—अधस्य। 2. उप-सचिव, नियमि- शां और आवास मंत्रा- लय—सदस्य	चयन समिति के नियमिति द्वारा प्रवर शेणी पर सीधी भर्ती बोई-II से होगा।— 1. सदस्य सचिव के द्वय बोई—अधस्य। 2. उप-सचिव, नियमि- शां और आवास मंत्रा- लय—सदस्य	चयन समिति के नियमिति द्वारा प्रवर शेणी पर सीधी भर्ती बोई-II से होगा।— 1. सदस्य सचिव के द्वय बोई—अधस्य। 2. उप-सचिव, नियमि- शां और आवास मंत्रा- लय—सदस्य

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12		
18. हिन्दी अनुवादक व सहायक	1	वर्ष "सी" 425-15-500-८०	चयन	30 वर्ष	केन्द्रीय प्रातीय या राज्य शाधितियम द्वारा या उसके आनंदस्त स्थापित किया गया या बनाया गया किसी विश्वविद्यालय से या भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त किसी विदेशी विश्वविद्या- लय से हिन्दी और अंग्रेजी डिप्री शैर हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी से हिन्दी में अनुवाद करते का कम से कम चार वर्ष का अनुभव वेतनवृद्धि पाने के लिये नियुक्त की तारीख स 2 वर्ष के भीतर हिन्दी टंकण 30 शब्द प्रति मिनट की गति के पास करना होगा।	वही	वही	जिसके न होने पर स्थाना- तरण से प्रति- नियुक्ति पर	वही	वही	वही	वही	वही	वही
विद्यालय से स्नातक की डिग्री सहित लेखों का 3 वर्ष का अनुभव सचिव- वालय पद्धति तथा स्व- तन्त्र रूप से पत्र-व्यवहार तीव्र वर्ष का अनुभव । वेतन वृद्धि पाने के लिये नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष के भीतर अंग्रेजी टंकण 30 शब्द प्रति मिनट की गति से पास करना चाहोगा ।	3. प्रध्यक्ष केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित किये जाने वाले दो विशेषज्ञ—सदस्य 4. प्रशासनिक अधिक- कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य ।	जाने वाले दो विशेषज्ञ—सदस्य 4. प्रशासनिक अधिक- कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य ।	विद्यालय से स्नातक की डिग्री सहित लेखों का 3 वर्ष का अनुभव सचिव- वालय पद्धति तथा स्व- तन्त्र रूप से पत्र-व्यवहार तीव्र वर्ष का अनुभव । वेतन वृद्धि पाने के लिये नियुक्ति की तारीख से दो वर्ष के भीतर अंग्रेजी टंकण 30 शब्द प्रति मिनट की गति से पास करना चाहोगा ।	3. प्रध्यक्ष केन्द्रीय बोर्ड द्वारा नामित किये जाने वाले दो विशेषज्ञ—सदस्य 4. प्रशासनिक अधिक- कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य ।	जाने वाले दो विशेषज्ञ—सदस्य 4. प्रशासनिक अधिक- कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य ।									

19. आशुलिपि
खण्ड II
1 वर्ष "सी" वहीं

25 वर्ष भारत में केन्द्रीय या
राज्य विधान के अधिक-
नियम के द्वारा बनाया
गया किसी विश्वविद्या-
लय से मैट्रिक की परीक्षा
या उच्चतम माध्यमिक
स्कूल या माध्यमिक

स्कूल प्रमाण-पत्र देने के
लिये गाज़ शिक्षा तोईं
द्वारा ली गई कोई परीक्षा
या सरकार द्वारा मान्यता
प्राप्त कोई परीक्षा जो
उपर्युक्त योग्यताओं के
समर्थ हो आशुलिपि में

120 शब्द प्रति मिनट की
गति होनी चाहिये हिन्दी
आशुलिपि व हिन्दी टंकण
का ज्ञान अतिरिक्त योग्यता
होनी आशुलिपि खण्ड-II या
समर्थ पद में तीन वर्ष का

अनुभव होना चाहिये।

35 वर्ष स्नातक मुद्रण प्रकाशन लागू नहीं होता 2 वर्ष
में 3 वर्ष का अनुभव या
मुद्रण में डिल्मा
वांछनीय

किसी बड़े संस्थान/सरकारी/अर्द्ध सरकारी
संस्थान में मुद्रण का
अनुभव।

अनुभव होना चाहिये।
चयन 425-15-500-८० रोप०-१५-५६०-२०
700-८० रोप०-२५-
800 सर्व

चयन समिति के निम्न
लिखित सदस्य होंगे:—
1. सदस्य सचिव
केन्द्रीय बोर्ड—अध्यक्ष
2. अध्यक्ष केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा नामित
किये जाने वाले दो
विषेषक—सदस्य

3. उग्र-सचिव निमण
शौर आवास मंत्रालय
—सदस्य
4. प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय बोर्ड
—सदस्य

वहीं वहीं वहीं वहीं वहीं

वहीं वहीं वहीं वहीं वहीं
जिसके न होने पेंड-II के
पर स्थाना- शेड से
तरण से प्रति
नियुक्ति पर

चयन समिति के निम्न
लिखित सदस्य होंगे:—
1. सदस्य सचिव
केन्द्रीय बोर्ड—अध्यक्ष
2. अध्यक्ष केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा नामित
किये जाने वाले दो
विषेषक—सदस्य

3. उग्र-सचिव निमण
शौर आवास मंत्रालय
—सदस्य
4. प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय बोर्ड
—सदस्य

20. प्रकाशन
सहायक
1 वर्ष "सी"

चयन 100 प्र० श० —
सीधी पर्ति से
शन्यथा प्रति
नियुक्ति से।

चयन समिति में निम्न-
लिखित होंगे:—
1. सदस्य सचिव—
अध्यक्ष।
निमण शौर
आवास मंत्रालय
सदस्य
3. अध्यक्ष केन्द्रीय
बोर्ड द्वारा मानो-
नीत एक विश-
षज्ञ/प्रयोक्ता—
सदस्य
4. प्रशासनिक अधि-
कारी—सदस्य

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
21. लेखा सहायक	1	वर्ग 'सी'	425-15-500-८० रो०-१५-५६०-२०	चयन 700-८० रो०-२५- ८०० रुपये ।	30 वर्ष केन्द्रीय, प्रान्तीय या राज्य आधिकार्यम द्वारा या उस के अन्तर्गत स्थापित किया गया या बनाया गया किसी विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री। लेखा० का ३ वर्ष का अनुभव होना चाहिए ।	शैक्षणिक पदोन्नति द्वारा योग्यता परन्तु शायु सीमा में छूट के लिये एक दो जायेगी कटौती की जायेगी ।	सीधी भर्ती वालों के २ वर्ष परन्तु भर्ती से ।	पदोन्नति द्वारा योग्यता परन्तु शायु उत्कृष्ट कार्य परन्तु शायु सीमा में छूट के लिये एक दो जायेगी कटौती की जायेगी ।	उत्कृष्ट शेयरी प्रत्यया सीधी भर्ती से ।	उत्कृष्ट शेयरी प्रत्यया सीधी भर्ती से ।	चयन समिति में नियम- लिखित होंगे ।— अध्यक्ष	चयन समिति में नियम- लिखित होंगे ।— अध्यक्ष	
22. वरिष्ठ तकनीजियन	1	वर्ग 'सी'	425-15-500-८० रो०-१५-५६०-२०- ७००-८० रो०-२५- ८०० रुपये ।	चयन रो०-१५-५६०-२०- ७००-८० रो०-२५- ८०० रुपये ।	35 वर्ष से अधिक नहीं	शावश्यक (१) मैकेनिकल इंजीनियर० ^१ मोबाइल इंजीनियरी में डिप्लोमा	शहरी भर्ती से अन्तर्या पदो- न्ति से, श्रमिक प्रतिनियक्ति से (२) शास्त्रारिक कम्ब० जन इंजीनीयों को चलाने का दो वर्ष का अनुभव वापर्तीय भारी वाहनों के इंजीनीयों को चलाने का अनुभव ।	2 वर्ष से अन्तर्या पदोन्नति नहीं	शहरी भर्ती से अनुभव लागू होंगे ।	100 प्र० श० प्रेड से ।	पदोन्नति चालक के प्रेड और समतुल्य प्रेड से ।	पदोन्नति में नियम- लिखित होंगे । अध्यक्ष	पदोन्नति में नियम- लिखित होंगे । अध्यक्ष
23. कनिष्ठ वर्गानिक सहायक	2	वर्ग 'सी'	425-15-500-८० रो०-१५-५६०-२०- ७०० रुपये ।	चयन रो०-१५-५६०-२०- ७००-८० रो०-२५- ८०० रुपये ।	25 वर्ष वेसिक विज्ञान/जीवन विज्ञान/भू-विज्ञान/ अर्थशास्त्र/सांख्यिकी	प्रमाण ही नहीं उठता ।	2 वर्ष परन्तु उत्कृष्ट कार्य के लिये १ वर्ष	प्रमाण ही नहीं उठता ।	प्रमाण ही नहीं उठता ।	चयन समिति में नियम- लिखित होंगे ।— 1. केन्द्रीय बोर्ड का	चयन समिति में नियम- लिखित होंगे ।— 1. केन्द्रीय बोर्ड का		

में कम से कम द्वितीय
श्रेणी की
स्नातकोत्तर डिप्लोमा/
पर्यावरणीय गृणनका
प्रबन्ध में 3 वर्ष का
अनुभव ।

में कम से कम द्वितीय
श्रेणी की
स्नातकोत्तर डिप्लोमा/
पर्यावरणीय गृणनका
प्रबन्ध में 3 वर्ष का
अनुभव ।

- प्रध्यक्ष—प्रध्यक्ष
2. प्रध्यक्ष द्वारा
संबंधित कार्य
से मनोनीत दो
विभेदज्ञ—सदस्य
3. प्रध्यक्ष द्वारा
मनोनीत शाचास
और निर्माण
संवालय का
प्रतिनिधि—सदस्य
4. केन्द्रीय बोर्ड
का सदस्य सचिव
—सदस्य ।

कम किया किया
जा सकता है ।

- कम किया किया
जा सकता है ।
24. वरिष्ठ इफ्टसमैन 1 युप 'सी' 425-15-500-द० अवयनित 30 वर्ष अहंता : पोलिक टैक्नीक प्रश्न ही
रो०-15-560-2०- 700 रुपये
- संस्थान से गणित के साथ हायर सेकेंडरी और/या इंजीनियरिंग डॉइंग वा ड्राफ्टसमैन से पूर्व सम-
तुल्य अकादमिक प्रशिक्षण या सिविल इंजी-
नियरी में डिप्लोमा/योजनाओं को तैयार करने
में नक्शे के विस्तार में इंजीनियरी डॉइंग में कम से कम चार वर्ष का
अनुभव ।
- वालित : लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी डॉइंग,
सांख्यिकी ड्राइग्राम आदि
को तैयार करने का
अनुभव ।
- प्रध्यक्ष—प्रध्यक्ष
2. प्रध्यक्ष द्वारा
मनोनीत पर्यावरणीय इंजी-
नियरों/विज्ञानिक
सी—सदस्य
- प्रध्यक्ष—प्रध्यक्ष
संबंधित कार्य
से मनोनीत दो
विभेदज्ञ—सदस्य
3. प्रध्यक्ष द्वारा
मनोनीत शाचास
और निर्माण
संवालय का
प्रतिनिधि—सदस्य
4. केन्द्रीय बोर्ड
का सदस्य सचिव
—सदस्य ।
- प्रध्यक्ष के निम्ननिर्वित
उच्छृंखली भर्ती से उठता । सदस्य होगा :—
1. सदस्य सचिव, केन्द्रीय
केन्द्रीय बोर्ड—अव्यक्त
2. प्रध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत निर्माण और
शाचास मंत्रालय
का एक प्रतिनिधि
3. प्रध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत एक विशेषज्ञ
4. प्रशासनिक अधि-
कारी केन्द्रीय
बोर्ड—सदस्य
- 2 वर्ष परस्तु 75 प्र० श० प्रश्न ही नहीं समिति के निम्ननिर्वित
एक साल तक ३० पदोन्नति से
कम किया जा बशर्ते कि
सकता है । योग्यता और
अनुभव वाले
व्यक्ति उपलब्ध
हों अन्यथा
100 प्रतिशत
सीधी भर्ती से
- प्रध्यक्ष के निम्ननिर्वित
उच्छृंखली भर्ती से
इंजीनियरी डॉइंग में कम से कम चार वर्ष का
अनुभव ।
- वालित : लोक स्वास्थ्य इंजीनियरी डॉइंग,
सांख्यिकी ड्राइग्राम आदि
को तैयार करने का
अनुभव ।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
25. तकनीशियन ब्लॉड-I	1 सुप सी	380-12- 500- द० रो०-15-560	चयनित	30 वर्ष आवश्यक से अधिक 1. मैट्रिक या उच्चतर माध्यमिक/समतुल्य अहता योग्यता और 2. आई० टी० आई० से अनुभव लाभ देव में प्रमाण-पत्र होंगे।	शैक्षणिक पदोन्नति अन्यथा प्रतिनियुक्ति से	2 वर्ष 100 प्रतिशत सीधी भर्ती से शाला सहायक 2. अध्यक्ष केन्द्रीय बोर्ड के प्रेद से पदो- न्नति से अन्य विधायक—सदस्य समतुल्य प्रेड से प्रतिनियुक्ति	1. कनिष्ठ प्रयोग 1. सदस्य सचिव—अध्यक्ष द्वाईवर इत्यादि किये जाने वाले दो विधायक—सदस्य कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य	1. कनिष्ठ प्रयोग 1. सदस्य सचिव—अध्यक्ष द्वाईवर इत्यादि किये जाने वाले दो विधायक—सदस्य कारी केन्द्रीय बोर्ड —सदस्य			
26. कनिष्ठ द्वाईस मैट	1 वर्ष "सी"	330-10-380-द० रो०-12-500- द० रो०-15-560 सप्तमे	चयनित रो०-10-380-द० रो०-12-500- द० रो०-15-560 सप्तमे	25 वर्ष विज्ञान विषय के साथ हायर सेकेन्डरी या सम- तुल्य। इस कार्य में तीन वर्ष का अनुस्वर ।	प्रश्न ही नहीं उठता तथा 25 प्र० षा० पदोन्नति से वशर्त कि योग्यता और अनुभव वाले व्यक्ति उप- लब्ध हों 100 प्र० श० सीधी भर्ती से	2 वर्ष सीधी भर्ती से उठता तथा 25 प्र०	75 प्र० श० प्रश्न ही नहीं समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे : 1. केन्द्रीय बोर्ड का सदस्य सचिव अध्यक्ष नीत निर्माण और आवास संवालय का एक प्रतिनिधि सदस्य ! 2. अध्यक्ष द्वारा मनो- नीत एक विशेषज्ञ सदस्य ! 3. केन्द्रीय बोर्ड का एक प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य ! 5. अध्यक्ष द्वारा मनो- नीत पर्यावरणीय इंजीनियर/वैज्ञानिक 'सी' ।	75 प्र० श० प्रश्न ही नहीं समिति में निम्नलिखित सदस्य होंगे : 1. केन्द्रीय बोर्ड का सदस्य सचिव अध्यक्ष नीत निर्माण और आवास संवालय का एक प्रतिनिधि सदस्य ! 4. केन्द्रीय बोर्ड का एक प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य ! 5. अध्यक्ष द्वारा मनो- नीत पर्यावरणीय इंजीनियर/वैज्ञानिक 'सी' ।			
27. उच्च श्रेणी लिपक	1 वर्ष "सी"	330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 सप्तमे	चयनित राज्य प्राक्तीय या या उसके अत्यंत स्था- शैक्षणिक	25 वर्ष केन्द्रीय प्राक्तीय या राज्य प्राधिकायम द्वारा होणा परन्तु	पदोन्नति से विषय के न होने अवर श्रेणी	आपरेटर व लिपक सहित अवर श्रेणी । सदस्य सचिव केन्द्रीय	चयन समिति में निम्न- लिखित होंगे :				

एप्ट किया गया या बताया थोराता में
गया किसी विश्वविद्या- छीन होगी
लय से या भारत सरकार 5 वर्ष का
द्वारा मान्यताप्राप्त किसी अनुशब्द सहित
विदेशी विश्वविद्या- मैट्रिक तथा
लय से स्नातक को डिप्लो- स्वतंत्र
सहित, सचिवालय पद्धति इप से पत्
तश्श स्वतंत्र रूप से पत् व्यवहार या 3
वर्ष का अनु-
व्यवहार का तीन वर्ष वर्ष का अनु-
का अनुशब्द । वेतनवृद्धि शब्द सहित
पाने के लिये नियुक्ति इंटरमीडिएट
की तारीख से दो वर्ष । इस पद में
के भीतर अंग्रेजी टंकण पदोन्नति पाने
30°फॉन्ड प्रति मिनट की का पत्र होगा ।
गति से पास करना

225 वर्ष होगा। किसी विश्वविद्यालय की
 मैट्रिक परीक्षा जो भारत में केवल अधिनियम द्वारा राज्य के कानून के अन्तर्गत स्थापित किया गया है, या उसके अधीन बनाया गया हो, या स्कूल छोड़ने, सेकेण्डरी स्कूल या हाई स्कूल प्रमाण पत्र को देने के लिये सेकेण्डरी स्कूल पाठ्यक्रम के अन्त में राज्य शिक्षा बोर्ड हारा ली गई परीक्षा या अन्यथा प्राप्त

की गई कोई वह ग्रहन्ता जो सरकार द्वारा उपर्युक्त किसी ग्रहन्ता के समतुल्य मानी गई हो। आशु-
निपि में 100 प्रब्लंप्रति

पर सीधी फर्ती से	लिपिक घेंड व हिन्दी टंकण व लिपिक प्रेषक लिपिक घेड से	बोहं शायक 2. अध्यक्ष केन्द्रीय बोहं द्वारा नामित किये जाने वाले दो विशेषज्ञ—सदस्य 3. उप सचिव निर्माण और आवास मंत्रालय—सदस्य
	4. प्रशासनिक अधिकारी केन्द्रीय बोहं—सदस्य	
	5. अध्यक्ष केन्द्रीय बोहं द्वारा नामित किया जाने वाला इंची-नियर या विज्ञात संवर्ग में एक विरुद्ध अधिकारी ।	
के 50 प्र० श० निम्न श्वेणी सीधी भर्ती से तथा 50 प्र० श० पदोन्नति से इसके न होने पर 100 प्र० श० सीधी भर्ती से	निम्न श्वेणी भर्ती से लिपिक तथा 50 प्र० श० पदोन्नति से इसके न होने पर 100 प्र० श० सीधी भर्ती से	क्षण समिति में निम्न-तिथि हाँगे : 1. सदस्य मित्रिय केन्द्रीय बोहं—अध्यक्ष 2. उप सचिव, निर्माण और आवास मंत्रालय—सदस्य 3. केन्द्रीय बोहं के अध्यक्ष द्वारा मनो-नीत दो विशेषज्ञ—सदस्य 4. केन्द्रीय बोहं का प्रशासनिक अधिकारी
		—सदस्य

28. आशुलियक प्रेड-3	4	वर्ग सी	330-10-380-द०	आचयन
		रो०-12-500	15-560 र०	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----

मिनट तथा 40 शब्द प्रति

मिनट टंकण में 1 वर्ष

तक आशुलिपिक का कार्य किया हो हिन्दी आशुलिपिक और हिन्दी टंकण का ज्ञान प्रतिरक्षा

योग्यता समझी जायेगी।

29. प्रक्रिया-वैज्ञानिक 2 वर्ग सी प्रथम वर्ष में 500 चयन वृष्टि तथा शैर इसरे वर्ष में 600 रुपये तय।

बेसिक विज्ञान/जीवन प्रश्न ही तहीं उठता।

विज्ञान/म.विज्ञान/अर्थशास्त्र सार्थकों या समूल कम से कम द्वितीय श्रेणी की स्नातकोत्तर पदवी।

योग्यता समझी जायेगी।

चयन वृष्टि प्रश्न ही तहीं सीधी भर्ती प्रश्न ही तहीं चयन समिति में नियन्त्रित है:

(1) केन्द्रीय बोर्ड का प्रश्नपत्र—प्रश्नपत्र

(2) अध्यक्ष द्वारा मनो-नीत निर्माण और शावास मंत्रालय का एक प्रतिनिधि

—सदस्य

(3) अध्यक्ष द्वारा मनोनीत संबंधित कार्य के दो विशेषज्ञ—सदस्य

(4) सदस्य सचिव केन्द्रीय बोर्ड

—सदस्य।

100 प्र० श० चालक के प्रेड 1. सदस्य सचिव के पदोन्तति से से पदोन्तति बोर्ड—प्रश्नपत्र केन्द्रीय अन्य विभागों 2. प्रश्नपत्र द्वारा मनोनीत बोर्ड जाने वाले किए जाने वाले विशेषज्ञ—सदस्य दो विशेषज्ञ—सदस्य 3. प्रशासनिक शाखा-कारी केन्द्रीय बोर्ड—सदस्य

(2) भारी बाहन चलाने में 5 वर्ष का अनुभव

वांछनीय
दो मर्जिली बस/टैक्टर
चलाने का अनुभव
वांछनीय है।

31. निम्न ब्रेंडो	लिपिक	12 वर्ग 'सी'	260-6-290-
		6-द० रो०-६-	326-8-366-
		द० रो०-८-३९०-	10-400 स्टम्पे

4. बोर्ड का एक वरिष्ठ वैज्ञानिक तकनीकी अधिकारी होंगे:—

मैट्रिक परीक्षा जो भारत तांत्री और किन्हीं मासलों में केन्द्रीय शिवितियम्, अनुभव लागू में इसे कम या राज्य के कानून के होणा परन्तु किया जा अन्तर्गत स्थापित किया आय योग्यता सकता है।	विधिमित किया गया हो, जो सकती है। या स्कूल छोड़ने का संकेतहरी स्कूल या हाई स्कूल प्रायः पत्र को देने के लिये सेकंप्टरी स्कूल फार्म्स के अन्त में यद्य प्रिक्षा बोर्ड द्वारा ली गई प्रिक्षा वा अन्यथा प्राप्त की गई कोई कह महंता जो सर- कार द्वारा उपर्युक्त किसी श्रहंता के समर्तुल्य मानी गई हो। अंत्रिकी टंकण में 30 शब्द प्रति मिनट की त्यन्तम गति का शान/(हिन्दी टंकण का ज्ञान अतिरिक्त योग्यता होगी।	विधानक योग्य 2 वर्ष परन्तु 80 प्र. श. द्वाइचर, चौको- होगे:- (1) सदस्य सीधी भर्ती से तथा 20 दार तथा सफाई 20 प्र. श. पदो- वाला और सम- बोर्ड—यसक उपर्युक्त पदों से (2) उप नाचिव, बशर्त कि निमाण और अहंतावे और अनुभव हो।
		—सदस्य निम्नालिखित (3) केन्द्रीय बोर्ड श्रुत्यात से के अध्याध द्वारा उपलब्ध हो : 1.4 प्र. श. 0
		निम्नालिखित की (4) प्रायसनिक श्रमिक- श्रेष्ठ से 2 प्र. 0 कारी केन्द्रीय श. 0 चौकिवार बोर्ड— सदस्य की श्रेष्ठ से 1 (5) केन्द्रीय बोर्ड 2 प्र. 0 श. 0 के अध्याध के श्रफाई वाले द्वारा मानीत इंजीनियर से वरिएट्रिविकारी या नैजानिक संवर्ग से।
		अन्यथा 100 प्र. श. 0 सीधी शर्त से। टिप्पणी : (1) कालम 4 में विकारी ।

मस्तो लिपि-
कीय पद उप-
र्युक्त प्रतिशब्दाता
को निर्धारित
करने के लिये

ପ୍ରକାଶକ

32.	शापरेटर व निपिक	1 वर्ग सी	260-6-290-6- द० रो०-६-३२६-८	चयन 25 वर्ष 366-८०-८- 390-10-400 समये	किसी विश्वाविद्यालय की जैक्सापिक अहं पैट्रिक परीक्षा जो भारत तथे और में कन्द्रिय शारीरिक्यम् या अनुभव लागू राज्य के कानून के अन्त- होगा। परन्तु गंत स्थापित किया गया आयु सीमा हो या उसके अधीन तिना- में छह दो जा मित किया गया हों या सकती है। इसके लिए का ऐक्सा-	सीधी भर्ती के लिये 2 वर्ष परन्तु उत्कृष्ट तथा २० प्र० कार्य के श० प्र० विवरित निये इसे 1 से वर्ध करा किया जा सकता है।	समिति में निम्नलिखित बाबिल हैं— नवस्य केन्द्रिय अध्यक्ष उस पर माचिव आवास समिति वे निम्नलिखित हैं—
-----	--------------------	-----------	--------------------------------	---	---	--	--

(३) केन्द्रीय बोर्ड
के प्रधायक्ष द्वारा
—सबहस्य ।

एक मनोनीत
विशेषज्ञ-सदस्य
(4) केन्द्रीय वोई का
प्रशासनिक ग्राहि

(5) कारी- सदस्य
केन्द्रीय बोर्ड के

अवध्यक्ष द्वारा
हेतुनियर्गतथा
वैज्ञानिक संबंध
से एक मनोनीति

किसी विश्वाविद्यालय की ऐक्षणिक अहंकारिक परीक्षा जो भारत ताम्रे और लिए २ वर्ष सीधी भर्ती से आवारा प्रभावी उत्तेजना तथा २० प्र० अपेल गेड अध्यार्थी उत्तेजना के लिये इसे १ से दिखाया जाएगा। इसका अध्यार्थी उत्तेजना के लिये इसे १ से दिखाया जाएगा। इसका अध्यार्थी उत्तेजना के लिये इसे १ से दिखाया जाएगा।

दी० सी० में दिखा गया है

संकेतिरा लक्ष्मि न उभे-
क्रम के अन्त में राज्य
शिक्षा बोई द्वारा ली
गई परिक्षा या अन्यथा

प्राप्ति की गई वह अहंता
जो सत्कार द्वारा उभ-
र्यकृत किसी अहंता के

समातुल्य मानी गई हो।
श्रेष्ठी टंकण में कम से
कम 30 शब्द प्रति मिनट

वर्णक श्रविकारी
—सदस्य।

कापी बनाने वाली मर्मान
को चलाने का अनुभव,
डूब्नेकेर्टन मशीन और
अमोनिया मशीनों का
जान अनिवार्य योग्यता
होगी।

33. टेलेक्स आप-
टेटर व चलाई
1 पुष सी 260-6-290-८० चयनित
रो-८-३२६-८-३६६
द० रो०-८-३९०-
1-४०० रुपये

25 वर्ष किसी विश्वविद्यालय की शैक्षणिक अहंता सीधी भर्ती 80 प्रतिशत वही जो निम्न समिति में वही सदस्य
भौतिक परीक्षा जो भारत व अमृत वालों के लिये सीधी भर्ती श्रेणी लिपिक होंगे जो निम्न श्रेणी
में केन्द्रीय अधिनियम लाग् होंगे 2 वर्ष परन्तु से और 20 पर लाग लिपिक के मामले में है।
राज्य के कानून के बन्न-परन्तु आयु उत्तम कार्य प्रतिशत होता
गेंग स्थापित किया गया सीमा में छूट के लिये एक पदोन्नति से।
हो या उसके अधीन होंगी। वर्ष की कठैसी
बनाया गया हो या स्कूल की जा सकती
छोड़ने का संकेत र स्कूल है।
या हाईस्कूल प्रमाण पत्र
के लिये संकेत र स्कूल
पाठ्यक्रम के अन्तिम वर्ष
राज्य शिक्षा बोर्ड हारा
दी गई परीक्षा या अन्यथा
प्राप्त की गई अहंता जो
सरकार हारा उपर्युक्त
किसी अहंता के समतुल्य
मानी गई हो। अपेक्षी
टंकण में कम से कम
30 शब्द प्रति मिनट
की गति का ज्ञान।
टेलेक्स चलाने तथा
हिन्दी टंकण का ज्ञान
अतिरिक्त अहंता समझी
जाएगी।

फूट को देने के लिये सैकं
ड़ेरी स्कूल पाठ्यक्रम के
शान्त में राज्य शिक्षा
बोर्ड द्वारा ली गई परीक्षा
या अन्यथा प्राप्त की गई
वह अर्हता जो सरकार
द्वारा उपर्युक्त कियी
अर्हता के समतुल्य मानी
गई है। अंग्रेजी में कम
से कम 30 शब्द

प्रति मिनट का ज्ञान है,
आँखों व्यक्तित्व हो और
अंग्रेजी तथा हिन्दी में
वाराप्रवाही चान कर
सके हिन्दी टंकक का

ज्ञान अनिक्षिक योग्यता
समझी जाएगी।

36. कनिष्ठ 1 प्रृष्ठ "की" 260-6-290-८० श्रवण
प्रयोगशाला रो०-६-३२६-८-
परिचारी ३६६-८० रो०-८-
३९०-१०-५००

प्रयोगशाला
परिचारी

25 वर्ष विद्यार्थ के साथ प्रश्न ही नहीं
सैटिक या समतुल्य उठाए उत्तर कार्यों
के लिये इसे
एक वर्ष कम
चिया जा
सकता है।

- समिति के नियमित विषय
सदस्य होंगे।
1. केन्द्रीय बोर्ड का
सदस्य सचिव प्रध्यक्ष
का एक प्रतिनिधि
सदस्य।
2. अध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत निर्माण और
आवास मंत्रालय
का एक प्रतिनिधि
सदस्य।
3. अध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत एक विशेषज्ञ
सदस्य।
4. केन्द्रीय बोर्ड का
प्रशासनिक अधिकारी—सदस्य
5. अध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत परिवर्तीय
इंजीनियर वैज्ञा-
निक "सी"—सदस्य

1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12

37. डिस्पैच राह-
[डर व लिपिक
दोरो-०-६-३२६-८-
३६६-८० रो०-८-
३९०-१०-४००

यारूप के कानून के

अनांगत स्थापित किया

गया हो या उसके अधीन
नियमित किया गया हो

या स्कूल छोड़ने का

मैकांडरी स्कूल या हाई स्कूल

प्रमाण पत्र को देने के

लिये सैकेन्डरी स्कूल

पाठ्यक्रम के मान्यता में

राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा

ली गई परीक्षा या अन्यथा

प्राप्त की गई कोई वह

अंहता जो सरकार

द्वारा उपर्युक्त किसी

अंहता के समतुल्य मानी

गई हो । अंग्रेजी टंकण

में कम से कम 30 शब्द

क्रति भिन्नत का जान हो

मोटर साइकल/स्कूटर

साइक्ल हालंकि वाहन को

चलाने का लाइसेंस होना

चाहिये । हिंदी टंकण का

ज्ञान अतिरिक्त योग्यता

समझी जायेगी ।

सैक्षिकी विविदतय की ऐक्षणिक तथा सीधी इर्ती के
सैक्षिक परीक्षा जो भारत अनुभव लिये दो वर्ष सीधी भर्ती सर्वया 14 में है
में केन्द्रीय अधिनियम योग्यताओं में परत्तु उक्ताट शीर्ष पदोंका एक वर्ष के लिये 14 में है । (एल
या राज्य के कानून के ढील दी जा कार्य के लिये से 20 प्र०श० सी) उी०सी०)

शक्ति है । एक वर्ष किया

जासकता है

25 वर्ष किसी विविदतय की ऐक्षणिक तथा सीधी इर्ती के
सैक्षिक परीक्षा जो भारत अनुभव लिये दो वर्ष सीधी भर्ती सर्वया 14 में है
में केन्द्रीय अधिनियम योग्यताओं में परत्तु उक्ताट शीर्ष पदोंका एक वर्ष के लिये 14 में है । (एल
या राज्य के कानून के ढील दी जा कार्य के लिये से 20 प्र०श० सी) उी०सी०)

यासकृत स्थापित किया
गया हो या उसके अधीन
नियमित किया गया हो
या स्कूल छोड़ने का
मैकांडरी स्कूल या हाई स्कूल

प्रमाण पत्र को देने के
लिये सैकेन्डरी स्कूल
पाठ्यक्रम के मान्यता में
राज्य शिक्षा बोर्ड द्वारा
ली गई परीक्षा या अन्यथा
प्राप्त की गई कोई वह
अंहता जो सरकार
द्वारा उपर्युक्त किसी

अंहता के समतुल्य मानी
गई हो । अंग्रेजी टंकण
में कम से कम 30 शब्द
क्रति भिन्नत का जान हो

मोटर साइकल/स्कूटर
साइक्ल हालंकि वाहन को
चलाने का लाइसेंस होना
चाहिये । हिंदी टंकण का

ज्ञान अतिरिक्त योग्यता
समझी जायेगी ।

किसी मान्यता प्राप्त
स्कूल की आठवीं परीक्षा योग्यता तथा
शारी तथा हालंकि वाहन अनुभव लागू
दोनों को चलाने का लाइ- होगा परत्तु
मेंस होना चाहिये तथा श्रेय की

25 वर्ष किसी मान्यता प्राप्त
रो०-८-३५०-स्पष्ट
सैक्षिकी भर्ती तथा अनुभव लागू
द्वारा तथा तथा प्रत्य 1. सदस्य सचिव केन्द्रीय
समतुल्य पदों
पदोंका ग्रेड से 2. इंजीनियर या

80 प्र०श० सी 26०-८-३२६-८० चयन
रो०-८-३५०-स्पष्ट
सैक्षिकी भर्ती तथा अनुभव लागू
द्वारा तथा अनुभव लागू
दोनों को चलाने का लाइ- होगा परत्तु
मेंस होना चाहिये तथा श्रेय की

भारतीय सचिव के निम्नलिखित
द्वारा अनुभव लागू सदस्य हैं:
तथा प्रत्य 1. सदस्य सचिव केन्द्रीय
समतुल्य पदों
पदोंका ग्रेड से 2. इंजीनियर या

वशत कि संवर्ग
से एक वरिष्ठ
शाधिकारी जो
केन्द्रीय बोई के
अध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत किया जाएगा
मदस्य !

वशत कि पास
व्यक्ति के पास
योग्यता श्रौर
अनुभव हो
अन्यथा 100
प्रतिशत सीधी
भर्ती द्वारा

भारी बाहरों को चलाने
का कम से कम 3 वर्ष
का अनुभव होना चाहिए

योग्यता में छट्ट
दी जा सकती
है।

3. अवर सचिव निम्नाण
और आवास
मंत्रालय—सदस्य ।
4. प्रशासनिक अधि-
कारी केन्द्रीय बोई
सदस्य ।

100 प्रतिशत समतुल्य बोई 1. सदस्य सचिव अध्यक्ष
सीधी भर्ती से या अध्यक्ष केन्द्रीय
अनुभव लागू
विभाग से बोई द्वारा मनो-
नीत किये जाने
पर

2 वर्ष
योग्यता वा 1. शैक्षणिक
अधिक वा समतुल्य
काञ्चनीय
उम्मीदवार का अनुभा॒
स्वास्थ्य होना चाहिए
और तेरने में अच्छा होना
चाहिए

39. अधीक्ष
सहायक
तथा कली-
नर तथा
सहायक

1 युवा सी 225-5-260- बहु
6-290-द० रो०-७
6-303 लघवे

35 ऐ शैक्षणिक
शैक्षिक वा समतुल्य
काञ्चनीय
उम्मीदवार का अनुभा॒
स्वास्थ्य होना चाहिए

बोई का एक वरिष्ठ
वैज्ञानिक/तकनीकी
शाधिकारी—सदस्य
समिति में निम्नलिखित होगा—
1. केन्द्रीय बोई का
सफाइवाला के
प्रेह से 1
निम्नलिखित
शर्त प्रतिशत
चपरासी और तथा
चौकीदार तथा
द्वारा जिसके
न होने पर
सीधी भर्ती से
कम 3 वर्ष का
अनुभव

25 वर्ष मन्यताप्राप्त स्कूल से शैक्षणिक एक
8वीं कक्षा उत्तीर्ण करने और वर्ष अनुभव
का प्रमाण पत्र क्षमरासी, की योग्यताएँ
चौकीदार और सफाई लागू होनी
वाले के पद पर कम से परन्तु आयु
कम 3 वर्ष का
अनुभव

234-द० रो०-४
250 रु०

3 युवा डी 200-3-206-4- अवचयनित
234-द० रो०-४
250 रु०

शर्त प्रतिशत
पदोन्नति के
द्वारा जिसके
न होने पर
सीधी भर्ती से
कम 3 वर्ष का
नहीं होनी

नीत एक वरिष्ठ
कम अनुसार 3
अध्यक्ष द्वारा मनो-
नीत एक वरिष्ठ
कम अनुसारी 3
केन्द्रीय बोई के
पद से
15% सफाई
वाला के प्रेह

शाधिकारी जो
इंजीनियरिंग या
वैज्ञानिक संवर्ग
का हो—सदस्य

STATE BANK OF INDIA
LOCAL HEAD OFFICE

New Delhi-110001, the 17th November 1980

NOTICE

No. OMD-12205.—Shri V. B. Chadha, Senior Staff Officer assumed complete charge as Regional Manager, Region II, New Delhi L.H.O. vice Shri B. L. Bansal, w.e.f. the close of business on the 8th November, 1980.

(Sd) ILLEGIBLE
Chief General Manager

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF THE POSTS AND TELEGRAPHS

New Delhi-110001, the 25th November 1980

CORRIGENDA

No. 25-4/80-LI.—Please read the name of the insurant as "Shri Bhoomsha" instead of "Shri Bheesha" appearing at serial number 3 in the notice issued in this office No. 25-4/80-LI dated 25-4-1980.

No. 25-4/80-LI.—Please read the Number, date and Policy as "A-9703 dated 11-9-1978 for Rs. 15,000/-" instead of No. A-9630 dated 20-7-1978 for Rs. 30,000/- appearing at serial 13 in the Notice issued in this office No. 25-4/80-LI dated 10-7-1980.

S. C. JAIN, Director, (PLI)

MINISTRY OF COMMERCE TEXTILES COMMITTEE

TEXTILE MACHINERY INSPECTION WING
DROP WIRES FOR WARP STOP MOTION

Wadi Bunder, Bombay-400 009.

In exercise of the powers conferred on it under Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 No. 51 or 1973 read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied.

(1) *Short title & Application*

(A) These Regulations may be called DROP WIRES FOR WARP STOP MOTION Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means DROP WIRES FOR WARP STOP MOTION.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973); shall have the meanings

17—359GI[80]

respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases, whichever is less.

(8) *Inspection Requirements*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) *Sampling Plan*

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable quality Level		Rejec-tion No.
		Acceptance No.	Rejec-tion No.	
Upto 10000	1st Sample	50	2	5
	2nd Sample	50	6	7
10001—35000	1st Sample	80	3	7
	2nd Sample	80	8	9
35001—150000	1st Sample	125	5	9
	2nd Sample	125	12	13
150001—500000	1st Sample	200	7	11
	2nd Sample	200	18	19
500001 & above	1st Sample	315	11	16
	2nd Sample	315	26	27

(B) (i) *Raw Material*

The Drop Wires shall be made from high carbon steel strips having carbon content between 0.60 to 1.0 per cent. The Chemical composition shall be checked against test certificate and relevant document issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the composition.

(ii) *Finish and freedom from defects*

The Drop Wires shall be smooth and free from cracks rough or sharp edges and other flaws which are likely to damage the yarn. The Drop Wires should particularly have a high degree of polish in the yarn holes.

(iii) *Plating*

The Drop Wires shall be plated with zinc, Nickel, Chromium, Cadmium or Unichrome (Chrome cover on zinc plating) or any other plating metal as agreed between the buyer and the seller having a minimum thickness of plating as stated below :—

Metal	Minimum plating thickness
Zinc	0.025 mm.
Nickel	0.030 mm.
Chromium	0.025 mm.
Cadmium	0.013 mm.
Unichrome (Chrome cover on zinc plating)	0.025 mm.
Any other metal	As agreed between the buyer and the seller

Thickness of plating shall be checked against test certificate issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the thickness.

(iv) *Dimension*

The dimensional details of the Drop Wires shall conform to the specification/drawing/approved sample as agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

Tolerance on the length ± 0.3 mm.
Tolerance on the width ± 0.15 mm.

Tolerance on thickness

Upto 0.25 mm. thick	± 0.02 mm.
0.25 to 0.40 mm.	± 0.025 mm.
0.40 to 0.60 mm.	± 0.035 mm.
0.60 to 1.00 mm.	± 0.040 mm.

Tolerance on yarn eye diameter shall be as follows:

Upto 4 mm. diameter	± 0.2 mm.
4.1 to 5.25 mm.	± 0.25 mm.
5.26 mm. and above	± 0.50 mm.

(v) *Identification*

The Drop Wires shall be identifiable for thickness as per identification pattern as agreed between the buyer and the seller.

(iv) *Weight*

The variation in the weight of 100 Drop Wires shall not be more than $\pm 5\%$. 5 Samples of 100 Drop Wires each shall be drawn and all samples shall conform to the specification for acceptance.

(9) *Packing*

The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :

- (i) The Drop Wires shall be packed in suitable cases, which can withstand normal hazards of storage, transport and handling.
- (ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may, for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved the material has been packed open a minimum of three cases.
- (iii) The inspected samples shall be identifiable (tagged/ marked/sealed) and package Nos. in which they are packed shall be specified in the Inspection Report.

(10) *Sealing*

The cases packed as required under Clause 9(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

FLANGED BOBBINS USED IN TEXTILE MILLS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied.

(1) *Short title & Application*

(A) These Regulations may be called FLANGED BOBBINS USED IN TEXTILE MILLS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means FLANGED BOBBINS USED IN TEXTILE MILLS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying

out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulated higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textile Committee authorised by the Textile Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revaluated after examining 5% of the total cases or 3 cases, whichever is less.

(8) Inspection Requirements

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable quality level	
		Acceptance No.	Rejection No.
Upto 3000	1st Sample	32	2
	2nd Sample	32	6
3001 – 10000	1st Sample	50	3
	2nd Sample	50	8
10001 & above	1st Sample	80	5
	2nd Sample	80	12
			13

(B) (i) Raw Material

The Bobbin shall be made of well seasoned timber/plastic/metal or any other material as agreed between the buyer and the seller.

In case of the wooden bobbin, it shall be free from defects in the timber such as bark pockets, cracks, gum ducts, honey combing knots, splits and worm holes and shall be free from such honey combs and knots, which are likely to affect the life and usefulness of the bobbin.

(ii) Finish

(a) The bobbins shall have smooth surface and shall be free from defect(s) which is/are likely to affect the life or usefulness of the bobbin.

(b) In the case of wooden bobbins, it shall be varnished or enamelled.

(iii) Metal Shield

(a) The bobbins when fitted with tin shield at the top and at the bottom shall have a minimum thickness of 0.315 mm (30 s.w.g.). For any other metal other than tin plate, the thickness shall be as per manufacturer's specification with a tolerance of ± 0.03 mm. This shall be checked on 5 samples and all the samples shall conform to the specification.

(b) The shields shall be fixed firmly to the bobbin.

(iv) Dimensions

The dimensional details of the bobbin shall conform to the specification/drawing/approved sample as agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

(a) Tolerance on overall length ± 2 mm.

(b) Tolerance on outside dia. of the shank ± 1 mm.

(c) Tolerance on outside dia of the flange ± 1 mm.

(d) Tolerance on inside bore dia. at the top and the bottom of the bobbin ± 0.5 mm.—0.0 mm.

(e) Tolerance on thickness of the flanges ± 0.5 mm.

(f) Tolerance on the distance between flanges ± 1.0 mm.

(v) Eccentricity

The eccentricity of the Ring Doubling and twisting frame bobbin at shank shall not exceed 0.5 mm and rest of the flanged bobbin it shall not exceed 1.0 mm.

(vi) Weight

Tolerances on weight of the bobbin $\pm 4\%$.

(9) Packing

The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

(i) The bobbins shall be packed in suitable cases, which can withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may, for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of three cases.

(iii) The inspected samples shall be identifiable (tagged/marked/sealed) and package number in which they are packed shall be specified in the inspection report.

(10) Sealing

(i) The cases packed as required under Clause 9(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

(ii) The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

COTTON ON HEALDS USED IN LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes

the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied.

(1) *Short title & Application*

(A) These Regulations may be called COTTON HEALDS USED IN LOOMS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means COTTON HEALDS USED IN LOOMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clause (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this

Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by the Officer of the Textiles Committee authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases, whichever is less.

(8) *Inspection Requirements*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below :—

(A) *Sampling Plan*

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Permissible No. of Defective Units
Upto 100	5	0
101—150	8	0
151—300	13	1
301—500	20	1
501—1000	32	2
1001—3000	50	3
3001—10000	80	5
10001 and above	125	7

(B) *Dimensions*

(i) The dimensional details of the healds shall conform to specifications/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :—

- (a) The count of the healds shall be the same as specified.
- (b) Tolerance on the depth of the healds shall be ± 3 mm. The heald shall be in staved condition.
- (c) Tolerance on size of the heald eye shall be ± 1.00 mm.
- (d) Overall width i.e. distance between the extreme individual healds in a set shall not be less than the specified.

(ii) *Pliability*

The heald shall be varnished all along the depth except small portions of the depth near the top and bottom foundation band. The varnished portion of the healds shall be pliable. 5 Samples shall be drawn and all samples must conform to the specification for acceptance.

N.B.—The pliability of the varnished portion of the heald be tested by the method prescribed in Appendix 'B' of Indian Standards Specification for Cotton Healds for use in Cotton Looms IS : 1739—1968 (latest revision).

(iii) *Finish*

- (a) The healds shall be free from varnishing defects such as lumpy cracked and sticky surface of healds, collapsed eyes, eyes close with excess varnish, eyes set side-ways. Heads shall be smooth in finish glossy in appearance.

(b) The knot in the leash shall be thin, and shall not protrude. The number of knots in a leash shall not be more than 1.5% of the total number of heald eyes.

(9) Packing

The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

- The Cotton healds shall be packed in suitable cases, which can withstand the normal hazards of storage, transport and handling.
- If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may, for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum three cases.
- The inspected samples shall be identifiable (tagged/ marked/sealed) and package Nos. in which they are packed shall be specified in the Inspection Report.

(10) Sealing

The cases packed as required under Clause 9(i) shall be sealed by the Inspector with a seal, bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

RING RABBETH BOBBINS/SPINNING/DOUBLING FRAME

In exercise of the powers conferred on it under Section 23 of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied.

(1) Short title & Application

(A) These Regulations may be called RING RABBETH BOBBINS/SPINNING/DOUBLING FRAME Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions

(A) "Material" means RING RABBETH BOBBINS/SPINNING/DOUBLING FRAME.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act, 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clause (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases, whichever is less.

(8) Inspection Requirements

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable quality level	
		Acceptance No.	Rejection No.
Upto 3000	1st Sample	32	1 4
	2nd Sample	32	4 5
3001—10000	1st Sample	50	2 5
	2nd Sample	50	6 7
10001—35000	1st Sample	80	3 7
	2nd Sample	80	8 9
35000 & above	1st Sample	125	5 9
	2nd Sample	125	12 13

(B) (i) *Raw Material*

The bobbins shall be manufactured from well seasoned timber of any of the following species or as agreed between the buyer and the seller.

Trade Name	Botanical Name
Pirch	Betula sp.
Haldu	Adina Cordifolia Hook
Kaim	Mitragyna Parvifolia Korth
Maple	Acer sp.
Mullilam	Zanthoxylum rhetsa C.
	Santhoxylum Budranga C.
White Cedar	Dysoxylum Malabarim bedd

OR

The bobbins shall be manufactured of Synthetic material as agreed between the buyer and the seller.

(b) In case of wooden bobbins, it shall be free from defects in the timber such as bark, pockets, cracks, gum ducts, honey combing, knots, splits and worm holes and any other defects, which are likely to affect the life or usefulness of the bobbins.

(ii) *Finish*

- (a) The bobbins shall be enamelled or varnished and shall not be tacky.
- (b) The surface of the bobbins shall be smooth and free from scratches.

(iii) *Metal Shield*

Metal Shield shall be made of either in plate having a minimum thickness of 0.315 mm. or any other metal sheet of thickness as agreed between the buyer and the seller subject to a tolerance of 0.03 mm.

(b) The shield shall be fixed firmly to the bobbin.

(iv) *Dimensions*

The dimensional details of the bobbins shall conform to the specification/drawing/approved samples as agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :—

- (a) Tolerance on overall length ± 1 mm.
- (b) Tolerance on outside dia. at base ± 0.5 mm.
The following dimensional tests shall be carried out by cutting the bobbins. Five samples shall be checked and all the samples shall conform to specified tolerance.
- (c) Tolerance on the length of the let on $+ 4.0$ mm — 0.0 mm.
- (d) Tolerance on the inside diameter at the base of the bobbin $+ 0.06$ mm — 0.0 mm.
- (e) The radial clearance between the spindle and bobbin at the bottom shall be from 0.25 mm to 0.30 mm.

(v) *Fitting*

The fitting of the bobbin on a standard spindle shall be such that the distance between the bottom of the bobbin and the top of the wharve shall be as agreed between the buyer and the seller within a tolerance of ± 2 mm.

(vi) *Eccentricity*

The eccentricity of the bobbin shall be tested on a suitable fixture at two points (at 20 mm below the top and at 20 mm above the bottom).

The eccentricity shall not exceed 0.5 mm at the top and at the bottom.

(vii) *Weight*

The weight of the bobbins shall be within $\pm 4\%$ of the specified weight. Five lots of 100 pcs. each shall be drawn as samples and all samples shall conform to the specification for acceptance.

(9) *Packing*

(i) The material shall be packed in suitable packages, strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) The inspected samples shall be identifiable (tagged/marked/sealed + and package Nos. in which they are packed shall be specified in the Inspection Report-cum-Certificate.

(10) *Sealing*

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

APPENDIX I
APPLICATION FORM

Dated : _____

To
The Director,
Machinery Inspection Wing,
Textile Committee,
Bombay-400018

Dear Sir,

Please arrange to inspect.....(name of the machine) the particulars of which are given below:—

1. Name & Address of the Manufacturer _____
2. Name & Address of the buyer _____
3. Name & Address of Agent/
Exporter _____
4. No. & date of the contract (copy of
the contract to be enclosed). _____
5. Quantity contracted _____
6. Quantity offered for inspection _____
7. Manufacturing particulars and
specifications
(attach a separate sheet(s) if
necessary). _____
8. Place where the material will be
offered for inspection _____
9. Date on which inspection is required _____
10. Package No. (s) and markings
(for export only) _____
11. Destination _____
12. Value _____

Yours faithfully

NB: This application shall be sent minimum 10 days in advance of the required date of the inspection.

APRONS AND APRON TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 of 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short title & Application*

(A) These Regulations may be called APRONS AND APRON TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means APRONS AND APRON TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to then number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below :

(A) *Sampling Plan*

TABLE NO. 1

Lot size	Sample size	Permissible No. of defective Units.
Upto —	300	13
301 —	500	20
501 —	1000	32
1001 —	3000	50
3001 —	10000	80
10001 & above		125

(B) (i) *Dimensions*

The Dimensional details of the Aprons shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :

(1) *Synthetic Top Aprons:*

- (a) Total tolerance range on thickness 0.1 mm.
- (b) Tolerance on Inside Diameter.

Inside Diameter	Total Tolerance Range
Upto 48mm.	0.3 mm.
Above 48 Upto 65 mm.	0.4 mm.
Above 65mm Upto 90mm.	0.5 mm.
Above 90mm Upto 110mm.	0.8 mm.
Above 110mm	1.0 mm.

(c) Tolerance on Width.

Upto 60mm	+0mm—0.5mm.
Above 60mm Upto 100 mm.	+0mm—1.0 mm.
Above 100mm.	+0mm—1%

(2) *Synthetic Bottom Aprons:*

- (a) Total Tolerance Range on thickness 0.1 mm.
- (b) Tolerance on Inside Diameter.

Inside Diameter	Total Tolerance Range
Upto 90mm	2.0 mm
Above 90mm to 140 mm	3.0 mm
Above 140 mm.	4.0 mm
(c) Tolerance on Width:	
Upto 100mm	+0.0mm—1.0 mm.
Above 100mm	+0mm—1%.

(3) *Leather Aprons :*

- (a) Total Tolerance Range on thickness 0.2 mm.
- (b) Tolerance on Inside Diameter for Aprons
Upto 50mm +0.0mm—0.2mm.
Above 50mm +0.0mm—0.3mm.

(c) Tolerance on Width:

For Cradle Aprons	+0.0mm—0.5mm.
For Roller Aprons	+0.4 mm.

Note 1.—In case of Apron Tubes, the width shall not be less than the specified and the clause 8(E)(ii) (workmanship and finish) shall not be applicable to apron tubes.

Note 2.—In case of open Aprons, the total tolerance range on effective length shall be equivalent to the respective corresponding inside diameter.

Note 3.—The above Regulations shall not be applicable to unbuffed Apron Tubes.

Note 4.—Wherever the tolerance range is specified in the Regulation it shall be taken unilaterally or bilaterally, as per the design specification of the manufacturers or the contractual specification. In case no specification exist, the tolerance will be divided bilaterally in equal proportions (e.g. range of 0.3 mm shall be taken as ± 0.15 mm).

(ii) **Workmanship and Finish**

The Synthetic Aprons shall be free from defects such as cracks, blister, holes bigger than 0.4 mm diameter and surface protrusion.

(9) **Packing**

The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

- (i) Different sizes of Aprons shall be packed in separate water-proof bags. Such bags shall be packed in cases for export, strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.
- (ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only the inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) **Sealing**

The cases packed as required under Clause (9) (i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

COTS AND COT TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) **Short Title & Application :**

(A) These Regulations may be called COTS AND COT TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS Inspection Regulations 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) **Definitions :**

(A) "Material" means COTS AND COT TUBES FOR DRAFTING SYSTEMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and or amendment of the Act.

(3) **Offering for Inspection :**

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same

for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) **Inspection Criteria :**

(A) The Inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) **Rectification and Rejection :**

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) **Drawing of Samples :**

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) **Certificate :**

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) **Inspection Requirements :**

The Inspector may select at random the requisite No. of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot size		Sample size	Permissible No. of defective units.
Upto	—	100	5
101	—	150	8
151	—	300	13
301	—	500	20
501	—	1000	32
1001	—	3000	50
3001	—	10000	80
10001 and above		125	7

(B) (i) Dimensions of unmounted Cot :—

The dimensional details of the unmounted cots shall conform to the specifications drawing approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :

- (a) The wall thickness of the unmounted cot at any given point shall be minimum 0.5 mm more than that of the specified finished cot.
- (b) The inside diameter of the cot shall be as per the specification of the manufacturer and the tolerance shall be $+ 0.00 - 0.8$ mm. However, inside diameter shall not exceed the B.R.D. (Bare Roller Diameter) when specified.
- (c) Width shall not be less than the specified.

(ii) Dimensions of mounted and Buffed Cots :

The dimensional details of the buffed cots shall conform to the specifications/drawings agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :

- (a) Tolerance on outside diameter ± 0.2 mm.
- (b) Tolerance on Width ± 1.0 mm.

NOTE :—In case of Cot Tubes, the width shall not be less than the specified width.

(iii) Hardness :

The hardness of buffed or unbuffed cot shall be as per specification within a tolerance of ± 5 degree shore. However, the variation in hardness on an individual cot any two points shall not be more than 5 degree shore.

(iv) Eccentricity :

The Run-out or (Total Indicator Reading) shall not be more than 0.06 mm. for buffed and mounted cots upto 75 mm. width, and 0.1 mm. for cots having more than 75 mm. width.

(v) Workmanship and Finish :

The outer surface of the bare cots shall be seamless. The cots when mounted and buffed to the required outside finished diameter shall be free from surface irregularities, cuts, blisters, porosity, foreign matter.

In case of unmounted cots, the workmanship and finish shall be such that the minimum required thickness is achieved without the above stated defects.

(9) Packing :—

(i) The cots inspected and passed shall be packed in the following manner :

The Cots of the same diameter and width shall be packed in waterproof bar for export. Such bars shall be packed in cases for export, strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may, for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

INSERTS FOR SPINDLES OF RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) ad (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called INSERTS FOR SPINDLES OF RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES. Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means INSERTS FOR SPINDLES OF RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee (Act 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Office for Inspection :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The Inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation. When the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this inspection Regulation.

6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite No. of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot Size		Sample Size	Permissible no. of defective units.	
Upto	—	100	5	0
101	—	150	8	0
151	—	300	13	1
301	—	500	20	1
501	—	1000	32	2
1001	—	3000	50	3
3001	—	10000	80	5
10001 and above		125	7	

(B) (i) Raw Material :

(a) The footstep Rollers for roller bearing and outer race shall be made from bearing steel of the following composition.

Carbon 0.9 to 1.2%
Silicon 0.1 to 0.35%
Manganese 0.2 to 0.8%
Chromium 0.9 to 1.6%
Sulphur 0.035% maximum
Phosphorous 0.02% maximum

(b) For plain bearing inserts, the raw material shall be as agreed between the buyer and seller.

The composition shall be checked against a test certificate issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the composition.

(ii) Assembly :—

(a) The distance from the footstep to the centre of the bearing or top shall be as per manufacturer's specifications and the tolerance for :

- (i) For roller bearing inserts : ± 0.6 mm.
- (ii) For plain bearing inserts : ± 1.0 mm.

(b) The fitting diameter of the roller bearing insert (ordinary) shall be as per manufacturer's specifications within a tolerance of $+ 0.00$ mm — -0.05 mm.

(c) The fitting diameter of the roller bearing inserts (press fit type) shall be as per manufacturer's specifications within a tolerance of $+ 0.00$ mm — -0.025 mm. If the inspection is carried out on the inserts fitted in bolsters, a minimum of 3 samples shall be drawn for testing and all samples shall conform to the specifications.

(d) The misalignment between the axis of the bearing and the axis of the footstep shall not exceed 0.025 mm Total Indicator Reading 0.05 mm.

(iii) Bearing :—

(a) Inside diameter of the bearing shall be as per manufacturer's specification and the tolerance shall be :

- (i) For roller bearing Insert : $+ 0.005$ mm.
 -0.022 mm.
- (ii) For Plain Bearing Insert : $+ 0.01$ mm.
 -0.05 mm.

(b) The outer race of the roller bearing insert shall have a hardness in the range of 61-65 RHC. This shall be checked on minimum 3 samples and all shall conform to the above.

(iv) Footstep (for roller bearing inserts only) :—

A minimum of 3 samples shall be drawn and tested for the following and all the three samples shall conform to the tolerances given below :—

- (a) Tolerance on the angle of the footstep $\pm 1^\circ$.
- (b) The tolerance on the radius of the footstep shall be $+ 0.1$ mm, -0.0 mm.
- (c) Hardness : The hardness of the footstep shall be 62 RHC minimum.

This shall be checked occasionally by the Textiles Committee.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The Inserts shall be coated with rust proofing agent and shall be packed in suitable case for export, strong enough to withstand the normal hazards of storage and transport. This shall be packed in such a way that the Inserts do not get bent or scratched by pressing against one another or against the walls of the box.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector he may for the purpose of certifying himself that only the inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

RINGS FOR SPINNING AND DOUBLING AND TWISTING FRAMES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 or 1973 read with sub-clauses (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Com-

made with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title & Application :*

(A) These Regulations may be called RINGS FOR SPINNING AND DOUBLING AND TWISTING FRAMES Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions :*

(A) "Material" means RINGS FOR SPINNING AND DOUBLING AND TWISTING FRAMES.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quantity characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection :*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria :*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection :*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number

of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples :*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate :*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements :*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to sampling table 1 for tests (ii), (iii) and (iv).

(A) *Sampling Plan :*

TABLE NO. I

No. of Rings in	Sample size	Permissible No. of Non-conforming Rings	No. of Rings to be tested for profile
Upto —	100	8	0
101 —	300	13	1
301 —	500	20	1
501 —	1000	32	2
1001 —	3000	50	3
3001 & above		80	5

NOTE : All the Rings selected shall be as per Column 2 of Table under (8) (A) above for inspection (a) Workmanship and Finish, (b) Dimensions, (c) Flatness.

(d) Ovality and (e) Hardness, while for profile, the selection shall be as per column (4) of Table No. 1. All the rings taken for inspection for profile test shall satisfy the requirements mentioned under clause 4 of the Table under (8) (A) above.

B(i) *Raw Material :*

The rings shall be made from IS 105 MN 60 or any other suitable alloy/carbon steel so as to obtain the specified hardness and other qualities.

(ii) *Dimensions :*

The dimensional details of the rings shall conform to the specification/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

(a) Ovality :—

The Rings shall be concentric. However, limits of ovality shall not exceed the value specified for the respective inside diameter.

Inside Diameter	Limit of Ovality
Upto 41 mm.	0.2 mm.
Above 41 mm upto 51mm	0.3 mm.
Above 51 mm upto 70mm	0.4 mm.
Above 70 mm upto 90 mm	0.5 mm.
Above 90 mm.	As agreed between the buyer and the seller.

(b) Web thickness tolerance ± 0.05 mm.

(c) Fitting Diameter Tolerance of Rings for Spg. Frame :—

Fitting Diameter	Tolerance
Upto 57mm.	+0 mm—2.2mm.
Above 57mm upto 72mm	+0mm—0.25 mm.
Above 72mm	As agreed between the buyer and the seller.

Fitting Dia. Tolerance of Rings for Doubling and Twisting Frames :

Fitting Diameter	Tolerance
Upto 91mm	+0 mm—0.25mm.
Above 91mm upto 140mm	+0 mm—0.32 mm.
Above 140mm upto 163mm	+0 mm—0.4 mm.
Above 173 mm upto 263mm	+0 mm—0.55 mm.
Above 263mm.	As agreed between the buyer and the seller.

(d) Tolerance on the inside diameter at top :

Inside Diameter	Tolerance
Upto 41mm	± 0.2 mm
Above 41 upto 51mm	± 0.3 mm
Above 51 upto 70 mm	± 0.4 mm
Above 70 mm	± 0.5 mm

(iii) Hardness :

The hardness of the Rings shall be between 701 to 900 HV (at 30 Kg./load) or 81 to 85 HRA (60 Kg./load) or 60 to 67 HKC. (at 150 Kg./load).

*These are recommended loads for testing.

(iv) Finish :

The rings shall be smooth, free from dents, cracks, burrs, scratches, projections and wrapping.

(v) Profile Test :—

The profile of the ring shall be measured under a profile projector and a variation upto ± 5 per cent from manufacturer's standard profile shall be permissible.

(vi) In case of rings which are hardened, depth of the case at the range of places, where it comes in contact with the travellers shall be 0.25 mm. minimum. This shall be checked occasionally by the Textiles Committee.

(vii) Flatness :—

The rings shall be flat. A 0.25 mm. feeler gauge shall not pass between the ring and the surface plate when the former is seated freely on the plate.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The rings shall be coated with rust proofing agent and wrapped in oil paper to form a bundle. Suitable number of such bundles shall be packed in a suitable case, strong enough to withstand the normal hazards of storage and transport.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9) (i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

SPINDLES FOR RING SPINNING FRAME AND DOUBLING FRAMES (ORDINARY AND PLUG TYPES)

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called SPINDLES FOR RING SPINNING FRAME AND DOUBLING FRAMES (ORDINARY AND PLUG TYPE) Inspection Regulations. 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means SPINDLES FOR RING SPINNING FRAMES AND DOUBLING FRAMES (ORDINARY AND PLUG TYPE).

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is reinspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than these laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regu-

lation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :

TABLE No. 1

No. of spindles in the lot	Non Destructive Testing			Permissible of Non- conforming spindles
	No. of spindles			
Upto	100	.	8	0
101	300	.	13	0
301	500	.	20	1
501	1000	.	32	1
1001	3000	.	50	2
3001	10000	.	80	3
10001 & above	125			5

(B) (i) Raw Material :—

The spindle blade shall be made from chrome/ball bearing steel. This shall be checked against test certificate issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct test to verify the steel.

(ii) Dimensions :—

The dimensional details of the spindle blade shall conform to the specifications/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :—

(a) The spindle diameter tolerance at the bearing portion ± 0.000 mm. — 0.015 mm.

(b) The spindle diameter tolerance at the bottom tip shall be ± 0.015 m.

(c) The tolerance on the radius at the bottom tip of the spindle shall be ± 0.1 mm— 0.0 m.m.

(iii) Runout :—

Runout shall not be more than 0.05 mm. and this shall be checked at the top of the spindles as well as on the wharve.

(iv) Hardness :—

The hardness of the spindle shall be as follows or in accordance with the recommendations of insert manufacturers.

7 mm. from bottom tip—58 to 64 HRC.
Bearing portion—56 HRC Minimum.

3 samples to be tested for bearing portion test and all the samples shall conform to the requirement.

NOTE :—For the spindles to be worked in plain bearing inserts, the hardness of the spindle at the tip and bearing portion shall be as agreed between the buyer and the seller.

(v) The buttons in case of aluminium plug type spindles shall project atleast 0.7 mm. which would get flushed in level with the surface of the plug.

(vi) Workmanship and Finish :—

The spindles shall be free from soars, cracks traces of rust, burrs and other surface defects.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The spindles shall be coated with rust proofing agent and shall be packed in suitable cases for exports, strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling. This shall be packed in such a way that the spindles do not get bent or scratched by pressing against one another or against the walls of the box.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9) (i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

WARP TUBES FOR RINGS SPINNING AND DOUBLING FRAMES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 or 1973 read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called WARP TUBES FOR RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means WARP TUBES FOR RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection* :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-1).

(4) *Inspection Criteria* :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection* :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples* :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate* :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revaluated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements* :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below :—

SAMPLING PLAN

Table No. 1

Lot Size	Sample Size	Accepted Quality Level		
		Acceptance No.	Rejection No.	
Upto 3000	1st Sample	32	1	4
	2nd Sample	32	4	5
3001—10000	1st Sample	50	2	5
	2nd Sample	50	6	7
10001—35000	1st Sample	80	3	7
	2nd Sample	80	8	9
35001 & Above	1st Sample	125	5	9
	2nd Sample	125	12	13

(B)(i) *Raw Material* :—

(a) The warp tubes shall be made from kraft paper, synthetic or any other material as agreed between the buyer and the seller. The outer surface of the warp tube shall be smooth as per specifications/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller. The tubes with rolled in top shall have the top edge well rounded and smooth.

(b) *Metal Shield* :—

The warp tubes shall be firmly fitted with metal shields if prescribed in specification/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller. The thickness of the metal shield in that case shall not be less than 32 swg.

5. Samples shall be drawn for testing and all the samples shall conform to the above specifications.

(ii) *Dimensions* :—

The dimensional details of the Warp Tubes shall conform to the specification/drawing/approved sample, agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

The tolerances on fit and overall length are as follows :

Length	Tolerance on length
Upto 230 mm.	± 1.5 mm.
Over 230 mm	± 2.0 mm.
Over 300 mm	± 2.5 mm.
Over 340 mm	± 3.0 mm.
Over 380 mm.	± 3.5 mm.

Fit tolerance : The fit of the tube on the spindle shall be determined by sliding it on the gauge without undue pressure and without twisting. If the base of the tube lies within the two lines marked on the gauge, the warp tube shall be considered to be satisfactory in respect of fit. The two lines shall be marked at a distance of $\pm B^2$ from the nominal position (nominal bottom internal diameter) of the tube base on the gauge. The value for b shall be calculated as under :

$$\frac{b = D \times 3}{10}$$

Where, b=fit tolerance, and
D=internal diameter at bottom.

(iii) *Concentricity* :—

The concentricity of the tube shall be tested on a suitable fixture. The runout (Total Indicator Reading) shall not exceed 0.50 mm.

(iv) *Weight* :—

The Weight of the bobbins shall be as contracted between the buyer and the seller. The variations shall not exceed $\pm 8\%$. In case of warp tubes the average weight shall be

equal to ovendry weight ($103^{\circ} \pm 2^{\circ}\text{C}$ temperature) of the tube & 10% for moisture regain. Five samples of 100 each shall be drawn and tested and all samples shall conform to the specifications for acceptance.

(v) *Water Absorption :*

The tubes shall not gain more than 5% in weight when immersed in water at room temperature for 30 minutes. This shall be checked occasionally by the Textiles Committee. 5 samples to be taken and all samples shall conform to the requirement.

(vi) *Finish :*

The finish of surface of the Warp tubes shall be smooth.

(9) *Packing :—*

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

(a) Warp tubes shall be packed in suitable cases for exports, which can withstand normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) *Sealing :—*

The cases packed as required under Clause (9) (i) shall be sealed by the Inspection with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

STEEL TRAVELLERS FOR RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (c) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(A) These Regulations may be called STEEL TRAVELLERS FOR RING SPINNING AND DOUBLING FRAMES Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions :—*

(A) "Material" means Steel Travellers for Ring Spinning and Doubling Frames.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection :—*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria :—*

(A) The inspections of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection :—*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples :—*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate :—*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements :—*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

Table No. 1

Lot Size	Sample size	Acceptable Quality		No. of travellers	
		Acceptance No.	Rejection No.	to be tested for hardness	shape stretch test.
Upto—3000	Ist Sample	20	1	4	5
	2nd Sample	20	4	5	5
3001—10000	Ist Sample	32	2	5	8
	2nd Sample	32	6	7	8
10001—35000	Ist Sample	20	3	7	13
	2nd Sample	20	8	9	13
35001 & above	Ist Sample	80	5	9	20
	2nd Sample	80	12	13	20

For workmanship finished and width of the gap, the number of travellers to be inspected will be as per Column 2 for the second sample sizes, the second sampling necessary only if the number of non-conforming travellers exceed those specified under Column 3 and do not exceed those under Column 4.

For hardness, shape and stretch test, the number of travellers to be tested will be as per column 5 and all the travellers shall satisfy the requirements. For weight, two sets of specified number of travellers [see Clause 8(B) (vii)] will be taken if the lot size is upto 10000 and 5 sets if the lot size exceeds 10,000.

(B) (i) Raw Material :—

Suitable steel so as to obtain the Hardness specified under clause 8(B)(iv).

(ii) Workmanship and Finish :—

The Travellers shall have a smooth and bright surface. They shall be free from any trace of rust and other manufacturing defect, (for Sampling refer table No. 1).

(iii) Width of the Gap :—

The variation in width of the gap between the toes of the travellers shall not be more than ± 0.25 mm for sampling refer table No. 1.

(iv) Hardness :—

The travellers shall be hardened and tempered. The Vicker hardness tested under a load of 1, 2½ or 5 kg. depending upon the size of the travellers, shall be as under :—

For Ring Travellers :—

For Ring frame Travellers

Heavier than number 10	500—600 HV
Number 10 to number 17/0	580—677 HV
higher than No. 17/0	580—701 HV

(ii) For Ring doubling frame Travellers hardness shall be as follows :—

The hardness shall be between 485 HV to 700 HV provided that in a particular size and designation of Ring doubling Travellers the total variation shall not exceed 100 HV.

(v) Stretch Test (For Ring Frame Travellers) :—

The proper tempering of the ring frame travellers shall be tested by stretch test on a suitable testing fixture. The gap between the toes of the travellers shall neither be less than 3.5 mm. nor more than 6 mm. at the time of breaking when the toes are stretched on the testing fixtures.

(vi) Profile :—

The profile of the travellers shall be checked on a profile projector and variation upto $\pm 3\%$ from manufacturer's standard drawing shall be permissible.

(vii) Weight :—

The number of travellers to be weighed shall be as follows :

Convention No. of Travellers	No. of Travellers to be weighed
Weight of 100 travellers being 6 gms. and above	10
Weight of 100 travellers being below 6 gms.	100
tolerance on weight shall be +3%	10

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

(a) The travellers shall be packed in suitable containers to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(b) The travellers shall be packed in polythene bags along with suitable rust inhibitors so that their finish shall not be deteriorated on storage.

(ii) If the material is not packed in the direct or consecutive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed container/cases.

(10) Sealing :—

The containers/cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

METALLIC CARD CLOTHING WIRE FOR CYLINDER, DOFFER LICKER-IN GARNET WIRE AND SAW TOOTHED WIRE FOR WOOLLEN, WORSTED, ROLLER & WASTE CARDS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 of 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called Metallic Card Clothing Wire for Cylinder Doffer Licker-in Garnet Wire and Saw Toothing Wire for Woollen, Worsted Roller & Waste Cards Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means Metallic Card Clothing Wire for Cylinder, Doffer Licker-in Garnet Wire and Saw Toothing Wire for Woollen, Worsted, Roller & Waste Cards.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee (Act, 1963 (No. 41 of 1963) and or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respective assigned to them in the aforesaid Act and or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than these laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clause (B) of this documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate be revaluated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot size in Rolls	Sample size in rolls	Permissible No. of defective Units
Up to 50	5	0
51 — 100	8	0
101 — 150	13	0
151 — 300	20	1
301 & above	32	1

(B)(i) Raw Material :—

The Metallic Card Clothing shall be made out of carbon steel or suitable steel as agreed between the buyer and the seller. The Textiles Committee shall occasionally draw samples for the testing of the raw material.

(ii) Finish :—

The teeth of the metallic wire shall have a smooth finish, free from burrs or rust stains.

(iii) Flexibility :—

The flexibility of the metallic wire shall be tested by wrapping over a cylinder of 125 mm diameter. The wire shall show no signs of cracking, breaking or splitting.

Five samples of 20 ft. each shall be drawn from 5 different bundles and tested and all samples shall conform to the above specifications for acceptance.

(iv) Dimensions :—

The dimensional details and hardness of the metallic card clothing wire shall conform to the specifications/drawings approved samples agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :—

Check Point

Tolerance

	Pitch	Angle of teeth	Height of wire	Thickness at base	Hardness at tip	Hardness at base
1. Doffer wire	$\pm 0.05\text{mm}$	$\pm 0.^{\circ}30$	$\pm 0.03\text{mm}$	$\pm 0.02\text{mm}$	$\pm 3\text{HRC}$	$\pm 2\text{HRC}$
2. Cylinder wire	$\pm 0.05\text{mm}$	$\pm 0.^{\circ}30$	$\pm 0.03\text{mm}$	$\pm 0.02\text{mm}$	$\pm 3\text{HRC}$	$\pm 2\text{HRC}$
3. Licker in wire.	$\pm 0.1\text{mm}$	$\pm 0.^{\circ}30$	$\pm 0.05\text{mm}$	$\pm 0.05\text{mm}$	$\pm 2\text{HRC}$	$\pm 2\text{HRC}$

(v) Hardness :—

- (a) The hardness of the teeth at the tip and base for Cylinder and Doffer shall be as per the specifications/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller with a tolerance as indicated in table at (iv) or its equivalent H.V.
- (b) The hardness of the teeth at the tip and base of the Garnet Wire and Saw toothed wire for woollen, worsted, roller and waste cards at the tip and at the base shall be checked as per the specifications/drawing/approved samples agreed between the buyer and the seller. The tolerance on hardness shall be ± 3 HRC or equivalent HV.

Two tests shall be carried out from each sample roll, for 8(B)(ii), (iv) and (v) only.

9. Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following :—

- (a) The metallic wire shall be coated with a suitable antirust coating.
- (b) The wire shall be wound on suitable spools.
- (c) The spools shall be suitably packed in cases for export, which can withstand normal hazards of transport, storage and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only the inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

10. Sealing :—

The case packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

FLYER BOBBINS FOR SPEED FRAMES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (c) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called Flyer Bobbins for Speed Frames. Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means Flyer Bobbins for speed frames.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(1) Short Title & Application :—

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee (Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee

Amendment Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted succ near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements* :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below :—

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptance quality Level		Rejection No.
		Acceptance No.	Rejection No.	
Upto—3000	1st Sample	32	2	5
	2nd Sample	32	6	7
3001 - 10000	1st Sample	50	3	7
	2nd Sample	50	8	9
10001 & Above	1st Sample	80	5	9
	2nd Sample	80	12	13

(b) (i) *Raw material* :

The wooden bobbin shall be made of well seasoned timber of any of the following species or any other material such as as synthetic etc., as agreed upon by the buyer and the seller.

Trade Name	Botanical Name
Indian Beach	Fagus sp.
Birch	Betula sp.
Haldu	Adina Cordifolia Hook of
Kaim	Mitragyna Parvifolia Korth
Maple	Acer sp.
Mullilam	Zanthoxylum chesta DC
	Santhoxylum Eudrunya DC
White Cedar	Dsox ylum Malabaricum Bedd.

(ii) *Finish* :—

(a) The wooden flyer bobbin shall be varnished and shall be free from defects in the timber such as bark pockets, cracks, splits, worn holes and any other defect, which is likely to affect the life or usefulness of the flyer bobbin.

(b) The surface of all types of bobbins shall be smooth and free from scratches.

(iii) *Metal Shield* :—

The wooden flyer bobbin shall be fitted with metal shield at the top and bottom. The shields shall be made of iron or tery plate having a minimum thickness of 0.315 mm. (30 swg) or any other metal of thickness as agreed between the buyer and the seller subject to a tolerance of ± 0.03 mm. This shall be checked on 5 samples and all these samples shall conform to specified gauge.

The shields shall be fixed firmly to the bobbin.

(iv) *Dimensions* :—

The dimensional details of the bobbins shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :

Check point	Tolerance on wooden bobbin	Tolerance on synthetic bobbins
(a) Overall length	± 2.5 mm.	± 1.5 mm.
(b) Outside diameter (Barrel)	± 0.8 mm.	± 0.5 mm.
(c) Inside Diameter at top	± 0.5 mm.	± 0.1 mm.
(d) Inside Diameter at bottom	± 0.5 mm.	± 0.2 mm.
(e) Outside Diameter at bottom	± 0.8 mm.	± 0.5 mm.

(v) *Tackiness* :—

The bobbin shall not be tacky.

Take each bobbin in the test sample. Place it in one pan of a suitable balance, counterpoise it with weights in the second pan and add a 2.5 kg. weight. Press down the bobbin in the first pan with the thumb till the two pans are balanced. Hold the balance in that position for one minute and release the pressure of thumb slowly.

Report the bobbin to be in conformity, in respect of tackiness if it does not show any apparent tendency to stick to the thumb and the thumb impression on it, if any, is removable by wiping with dry cotton. Minimum 5 samples to be taken for this test and all shall conform to the requirements.

(9) *Packing* :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The bobbins shall be packed in suitable cases for export strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may, for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) *Sealing* :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal, bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

DIRECT AND REWOUND WEFT PIRNS FOR USE IN SHUTTLES FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title & Application* :—

(A) These Regulations may be called Direct and Rewound Weft Pirns for use in Shuttles for Looms, Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions* :—

(A) "Material" means Direct and Rewound Weft Pirns for use in Shuttles for Looms.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection* :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same

for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revaluated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable Quality Level		
		Acceptance No.	Rejection No.	
Up to	— 3000 Ist Sample	32	1	4
	2nd Sample	32	4	5
3001	— 10000 Ist Sample	50	2	5
	2nd Sample	50	6	6
10001	— 35000 Ist Sample	80	3	7
	2nd Sample	80	8	9
Above	35000 Ist Sample	125	5	9
	2nd Sample	125	12	13

(B)(i) Raw Material :—

The pirns shall be manufactured from well seasoned timber of any of the following species or as agreed upon by the buyer and the seller :—

Trade Name	Botanic al Name
Indian Beach	Fague Sp.
Birch	Betula Sp.
Haldu	Adina Cordifolia Hook
Kain	Mitragyna Purifolia Koren
Maple	Acer Sp.
Mullion	Zanthoxylum rheata DC.
	Zanthoxylum Budrun DC.
White Cedar	Dysoxylum Malabaricum Be

(i) Finish and Freedom from Defects :—

(a) The wooden pirns shall be free from defects in the timber such as bark pockets, cracks, gum ducts, honey combing, knots splits and worm holes and any other defects, which are likely to affect the life and usefulness of the weft pirn.

(b) The wooden weft pirns shall be enamelled, varnished or coated as agreed between the buyer and the seller. The surface of the pirn shall be free from cracks and scratches. In case of step marked pirns the edges of the steps shall be polished and well rounded off.

(iii) Metal Shield :—

The pirns shall be fitted with metal shields if agreed upon by the buyer and the seller. In such cases, the thickness of the metal shields shall be made of minimum 0.315 mm (30 swg). The shield shall be firmly fitted on to the pirns. This shall be checked on 5 samples and all the samples conform to the above.

(iv) In case of pirns in pirn changing looms, the pirn shall be fitted with the required number of rings. The rings shall be made from spring steel wire having diameter of 2.5 mm minimum and 2.8 mm maximum and shall have anti-rust finish. These rings shall be firmly fitted on the pirn. This shall be checked on 5 samples and all the samples shall conform to the above.

(v) Dimensions :—

The dimensional details of the pirns shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests :

- (a) Tolerance on overall length ± 1 mm.
- (b) Tolerance on outside diameter at base + 0.2 mm — 0.00 mm. (for auto looms).
- (c) Tolerance on outside diameter at base ± 0.5 mm. (for plain looms).
- (d) The following dimensional tests shall be carried out by cutting the pirns of taper fit. 5 samples shall be checked and all samples shall conform to specified tolerance.

Tolerance on length of let on ± 4 mm — 0 mm.
 Tolerance on inside diameter of bore at the base of the pirn ± 0.5 mm — 0.00 mm.

Pirns for Pirn changing automatic looms :—

- (e) Tolerance on outside diameter over the rings ± 0.7 mm — 0.00 mm.
- (f) Tolerance on distance between first ring and base of bobbin ± 0.2 mm.
- (g) Tolerance on centre to centre distance of rings ± 0.2 mm.

(vi) Fitting for taper fit pirns (Direct weft pirns) :—

- (a) The taper of a pirn with taper fit shall be checked on a gauge and shall be between the two lines marked at a distance of ± 2 mm. from the nominal position of the base of a standard pirn.

The taper off the gauge shall be equal to the taper of the pirn which has been agreed to between the buyer and the seller.

- (b) The fitting of the pirn on a standard spindle shall be such that the distance between the bottom of the pirns and the top of the wharve of spindle is as agreed between the buyer and the seller with a tolerance of ± 2 mm.

(vii) Eccentricity :—

In case of pirns with taper fit, the concentricity of the pirn shall be tested on a suitable fixture at two points (at 20 mm. below the top and at 20 mm. above the bottom) on the bobbin.

The run out (Total Indicator Reading) shall not exceed 0.5 mm at both the ends.

(viii) Weight :—

The collective weight of 100 pirns shall be within $\pm 4\%$ of the specified weight. Five samples of 100 each shall be drawn and tested and samples shall conform to the specification for acceptance.

(ix) Resistance to Moisture :—

In case of enabled pirn for taper fit spindles the pirns shall not absorb more than 3.5 per cent moisture when tested as stated below :

Weigh a pirn and immerse it in water at 50°C for 1 hour. Weigh again. Calculate the gain in weight and express it in percentage. The pirn shall be moisture resistance if the gain as determined above does not exceed 3.5 per cent.

Minimum 5 samples shall be tested in the above stated manner and all the 5 samples shall conform to the test.

(x) Tackiness :

A varnished pirn shall not show tackiness when tested in the following manner :

Take each pirn in the test sample and test it against your thumb with a weight of 2.5 kg. for one minute. This can be done on a suitable balance. Release weight slowly, bobbin shall not show tendency of sticking to the thumb. Also the thumb impression shall be such that it can be wiped off easily with cotton.

Minimum 5 samples shall be taken for this test and all the 5 samples shall conform as stated above.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

Pirns shall be packed in suitable cases for exports which can withstand the normal hazards of storage and transport.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be

sealed by the Inspector with a seal, bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

PICKING STICKS/SIDE LIVER STICKS FOR LOOMS.

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (c) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application:—

(A) These Regulations may be called PICKING STICKS/SIDE LIVER STICKS FOR LOOMS. Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions:—

(A) "Material" means PICKING STICKS/SIDE LIVER STICKS FOR LOOMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic (s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection:—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria:—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number

of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection:

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective units as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples:

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate:

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling plan and inspect as indicated below:

(A) Sampling Plan :

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample size for dimensions	permissible No. of defective units	Sample Size for weight		
				1	2
Upto 150	150	13	1	3	
151 — 300	300	20	1	5	
301 — 500	500	32	2	8	
501 — 1000	1000	50	3	13	
1001 & above		80	5	20	

The number of Picking Sticks/Side lever sticks under column 4 to be selected for determining weight from amongst those selected under Column 2 and each observed value shall satisfy the requirement.

(B) (i) Raw Material:

The picking sticks/side lever sticks shall be made from any of the following species of timber or any other suitable species of timber as agreed upon by the buyer and the seller:—

For Overpick Looms :

Trade Name	Botanical Name
(a) Light Coloured axle wood	Anogeissus Latifolia Wall.
(b) Babul . . .	Acacia arabica Willd.
(c) Dhaman . . .	Crewia tillaeifolia Vahl
(d) Hickory . . .	Hickoria Sp.
(e) Laurel . . .	Tarminalia Tomentosa, Weight etc. Aam
(f) Lendi . . .	Lagerstroemia parviflora Roxb.
(g) Sandan . . .	Ougeninia Ocojeinensis (Roxb) Hochreut
(h) Sissip . . .	Dalbergia Sissoo Roxb
(i) Light coloured tendu . . .	Dalbergia Sissoo Roxb
(j) White Chuglam . . .	Diospyros Melastoxylon Roxb
(k) Laminated wood . . .	

For Underpick Looms :— The Picking Sticks/Side lever sticks shall be made from any of the following species of timber or any other suitable species of timber as agreed upon by the buyer and the seller.

Trade Name	Botanical Name
(a) Light Coloured axle wood	Anogeissus Latifolia Wall.
(b) Babul . . .	Acacia arabica wild.
(c) Dhaman . . .	Growia tillaefolia Vhl.
(d) Laminated wood . . .	—

(ii) Finish and freedom from defects

(a) The picking sticks/side lever sticks shall have smooth finish and may be given a coat of varnish if prescribed by the buyer.

(b) The Picking sticks/Side lever sticks shall be free from checks, splits, blisters, overlaps, gaps and open joints or any other defect, which is likely to affect the life or usefulness of the Picking Sticks/Side Lever Sticks.

(iii) Dimensions :

The dimensional details of the Picking sticks/Side Lever sticks, shall conform to the specifications/drawings/approved samples agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

(a) Tolerance on length	± 3 mm.
(b) Tolerance on width and thickness	± 0.5 mm.
(c) Tolerance on Diameter	± 2 mm. (in case of Picking stick/Side Lever sticks for overpick looms only)
(d) Tolerance on dia. of the holes for underpick looms	+ 0.00 mm. — 0.03 mm.

(e) Tolerance on warping shall not be more than 1 mm per meter for Picking sticks/Side lever of underpick looms

(f) Tolerance on the height of first hole from bottom end ± 1 mm.

(g) Tolerance on the distance between each pair of hole ± 1 mm.

(h) Tolerance on weight for compressed wood picking sticks/side lever sticks ± 3%

(i) Natural wood picking sticks/Side lever sticks ± 5%

(iv) Specific Gravity :

The Picking sticks when manufactured from laminated wood shall have the following specific gravity :—

(a) Overpick Picking sticks shall be made from laminated wood which has weight between 60 to 65 lbs. per cu. ft.

(b) Under pick Picking sticks shall be manufactured from laminated wood having a weight of 70 to 75 lbs. per cu. ft.

(v) Lamination Test :

Wherever Picking sticks are manufactured from laminated wood the lamination shall be tested in the following manner :

A pc. of Picking stick of convenient dimension shall be boiled in water for one hour. After boiling the pc. of wood shall be hit with a light hammer.

If the lamination do not come apart the sample shall be considered to have passed the test.

Two samples from each lot shall be tested in this manner

(9) Packing :

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The Picking Sticks/Side lever sticks shall be packed in a suitable case for export to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) Scaling :

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite scaling wire and seals shall be provided by the manufacturer.

WOODEN CONES FOR WINDING MACHINE

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of subsection 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :

(A) These Regulations may be called WOODEN CONES FOR WINDING MACHINE Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :

(A) "Material" means WOODEN CONES FOR WINDING MACHINE.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection :

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria :

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standard and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirement :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :

TABLE NO. I

Lot Size	Sample Size	Permissible No. of Defective Units
Upto — 150	8	1
151 — 300	13	1
301 -- 500	20	2
501 — 1000	32	4
1001 and above	50	6

(B) (i) Raw Material :

The wooden cones shall be manufactured from well seasoned timber as listed below or as agreed upon by the buyers and sellers :—

Trade Name	Botanical Name
Amari	Amoora Sp.
Bola	Morus Leevigata Wall.
Champ	Michelia Champaca Linn.
Chikkrassy	Chuckrassia Tabularis Adrjuss
Haldu	Adina cordifolia Hook. f.
Hathiapalia	Atero-phermum acerifolium Willd.
Kaim (Kalam)	Mitragyna Parvifolia
Kurechi (Kurdic)	Pana/Karela
White Cedar	Holarrhena antidysentrica wall.
	Byzoxylum malaboricum Bedd.

The material used shall be free from bark pockets, checks or cracks, gum ducts, honey combing, knots, splits and other defect which is likely to affect the life or usefulness of the cones.

(ii) *Finish* :

The surface of the cones shall be smooth.

(iii) *Dimensions* :

The dimensional details of the cones shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances.

(a) Tolerance on overall length	2.0 mm
(b) Tolerance on external dia. at base	± 1.0 mm
(c) Tolerance on external dia. at top	± 1.0 mm
(d) Tolerance on inside bore dia	± 0.5 mm

(iv) *Weight* :

The weight shall be calculated on oven dry weight at 105°C to 110°C temperature of the cones till the dry weight becomes constant plus 10% for moisture content and shall be as per specification $\pm 4\%$.

(v) *Eccentricity* :

The eccentricity of the cone shall be tested on suitable testing fixture. The Runout (Total Indicator Reading) at base shall not exceed 0.50 mm. The run out at the top shall not exceed $1 \frac{1}{2}$ mm.

(9) *Packing* :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

(a) Wooden cones shall be packed in suitable cases, for export strong enough to withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) *Sealing* :—

The cases packed as required under clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal, bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

SHUTTLES FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 of 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title & Application* :—

(A) These Regulations may be called Shuttles for Looms. Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions* :—

(A) "Material" means Shuttles for Looms.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection* :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) *Inspection Criteria* :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection* :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection, shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples* :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate* :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements :*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) *Sampling Plan :*

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample size	Permissible No. of defective Units.
Upto — 25	3	0
26 — 50	5	0
51 — 100	8	0
101 — 150	13	1
151 — 300	20	1
301 — 500	32	2
501 & above	50	3

(B) (i) *Raw Material :*

The body of the shuttle shall be made from any of the following well seasoned wood :—

(a)	Trade name
Birch	Tendu
Cornel	Kharsu oak
Maple	White Cedar
Rubberwood	Hornbeam

OR

any other material as agreed between the buyer and the seller :—

(b) The body of the wooden shuttle shall be well seasoned, straight grained and free from checks, splits, honey combing, gum, vein bark pockets, worm holes and shall not have more than 3 pin knots and any other defects, which are likely to affect the life and usefulness of the shuttle.

(ii) *Finish :*

The surface of the shuttle shall be smooth so that in working the surface does not catch the yarn.

(iii) *Tips :*

- (a) The tips shall be convex or straight conical.
- (b) The hardness of the tip shall be between 520 to 590 HV (Vickers under load of 30 kgs. maintained for 15 seconds). This shall be occasionally checked by the Textiles Committee.
- (c) The tips shall be securely fixed to the body of the shuttle. The joint shall be perfectly smooth.

(iv) *Dimensions :*

The dimensional details of the shuttle shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

Tolerance on length \pm 1.0 mm for auto loom shuttles

Tolerance on length \pm 2.0 mm for non-auto loom shuttles

Tolerance on Width \pm 0.5 mm for auto loom shuttles

\pm 1.0 mm for non-auto loom shuttles

Tolerance on height \pm 0.5 mm (at the back and front wall) for auto looms shuttles.

Tolerance on height for \pm 1.0 mm (at the back and front wall) non-auto looms shuttles.

Tolerance on thickness of front and back wall \pm 0.5 mm.

Tolerance on angle of the shuttle \pm 0.5°.

Tolerance on inside width between two walls (cop space) \pm 0.5 mm.

(v) *Alignment :*

A pinn when in position in a shuttle, shall lie at equi-distance from inside opposite walls of the shuttle. The difference in gap on either side shall not exceed 1.0 mm.

(vi) *Tongue (For shuttles with tongues) :*

The tongue when lifted up slightly and released the same shall spring back to its original working position.

(vii) *Oil Impregnation :*

The wooden shuttles other than that of compressed wood shall be well impregnated with raw linseed oil or any other suitable oil. A minimum of 3 samples shall be checked for this test and all shall conform to the same. This shall be checked occasionally by Textiles Committee.

(viii) *Tilting of Shuttle :*

The shuttle with and without a pinn when held between two tips shall tilt towards back or front as specified.

(ix) *Weight :*

The weight of the shuttle shall be as per specification contracted between the buyer and the seller. The variation shall not exceed \pm 5%.

(x) *Dropping Test :*

When the shuttle is vertically dropped with one of its tips falling down from a height of one meter on a cast iron plate, the tip shall not get blunt.

(9) *Packing :*

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :

(a) Each individual shuttle shall be packed in polythene bag and sealed. The shuttle shall be packed in bundles and the bundles placed in a suitable case for export, which can withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(b) Each bundle shall be covered with craft paper.

(c) A thick card board piece shall be placed on either side of the bundle against the shuttle tips to protect the tips.

(d) All metal parts shall be coated with antirust material.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself only the inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) *Sealing :*

The cases packed as required under clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal, bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

CONES/CHEESES FOR WINDING MACHINES

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 or 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textiles Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title and Application*

(A) These Regulation may be called CONES/CHEESES FOR WINDING MACHINES Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions

(A) "Material" means CONES/CHEESES FOR WINDING MACHINES.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not up to the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipment required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form Appendix-I.

(4) Inspection Criteria

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8-A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8-A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/ party's premises for the

purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable Quality Level	
		Acceptance No.	Rejection No.
Upto—	3000	1st Sample 32 2nd Sample 32	1 4 5
3001—	10000	1st Sample 50 2nd Sample 50	2 6 7
10001—	35000	1st Sample 80 2nd Sample 80	3 8 9
35001—	150000	1st Sample 125 2nd Sample 125	5 12 13
150001—	500000	1st Sample 200 2nd Sample 200	7 18 19
500001 & above		1st Sample 350 2nd Sample 350	11 26 27

B(i) Raw Material

The cone/cheese shall be made from mill board or its equivalent/plastic or other material as agreed between the buyer and the seller.

(ii) Dimensions

The dimensional details of the cones/cheese shall conform to the specification/drawing approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances and tests.

The tolerance on overall length for cones/cheese shall be as follows :

Length	Tolerance on Length
Upto—200 mm	±1.5mm.
Above 200 mm and Upto 250 mm	±2.0 mm
Above 250 mm	±2.50 mm

The tolerance on the inside diameter of cheese shall be ± 0.5 mm.

(iii) Fitting Test for Cones

The fit of the Cones shall be determined by sliding it on the plug gauge having taper equal to angle of cone without undue pressure and twisting. If the base of the cone lies with two lines marked on the gauge. The cone shall be considered to be satisfactory in respect of fit. The two lines shall be marked at a distance of $\pm b/2$ from the nominal position of the cone base on the gauge. The value of 'b' shall be 3.2 mm.

(iv) Eccentricity

Concentricity of the cone/cheese shall be checked on a suitable testing fixture. The Run out (Total Indicator Reading) shall not exceed 1.0 mm.

(v) *Weight*

The weight of the cone/cheese shall be as per the contract between the buyer and the seller. The tolerance on weight $\pm 8\%$. The average weight shall be equal to average even dry weight at 103°C of the cone/cheese $+10\%$ for moisture regain.

Five samples of 100 each shall be drawn and tested and all samples shall conform to the specification for acceptance.

(vi) *Taper*

The taper of the cone shall conform to the following Cone Angle

Upto 4°—21'	Tolerance $\pm 0^{\circ}10'$
4°—21' onwards	Tolerance $\pm 0^{\circ}—20'$

Five samples shall be drawn and tested and all the samples shall conform to the above test for acceptance.

(vii) *Finish*

The cones shall have plain, grooved, embossed, valved or flock finish. The top edge of rolled in top cones shall be rounded and polished for a minimum length of 10 mm from the nose. The colour tipping of the cones wherever specified shall be such as not to stain the yarn during usage. There shall be no gap between the layers and the top layer shall be firmly pasted. There shall be no cracks on the tip and damage and deformity on the body of the cone.

(9) *Packing*

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The cones/cheese shall be packed in cases for export so as to withstand the normal hazards of transport, storage and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) *Sealing*

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

FLAT STEEL HEALDS FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textiles Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title and Application*

(A) These Regulations may be called FLAT STEEL HEALDS FOR LOOMS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means FLAT STEEL HEALDS FOR LOOMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not up to the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipment required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form Appendix-1).

(4) *Inspection Criteria*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8-A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under Clause 8-A "Sampling Plan".

(5) *Rectification and Rejection*

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) *Drawing of Samples*

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) *Certificate*

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) *Inspection Requirements*

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and Inspect as indicated below :—

(A) *Sampling Plan*

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptable Quality Level		
		Acceptance No.	Rejection No.	
Upto — 1000	1st Sample	50	2	5
	2nd Sample	50	6	7
10001 — 35000	1st Sample	80	3	7
	2nd Sample	80	8	9
35001 — 150000	1st Sample	125	5	9
	2nd Sample	125	12	13
150001 — 500000	1st Sample	200	7	11
	2nd Sample	200	18	19
500001 — above	1st Sample	315	11	16
	2nd Sample	315	26	27

(B) (i) *Raw Material*

Cold rolled steel flat strip highly polished and having round smooth edges. Carbon content of the strip shall be between 0.3 to 0.7 percent. This shall be checked against test certificate issued by the steel supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the carbon content.

(ii) *Dimensions*

The dimensional details of the flat steel healds shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerance (for Sampling refer Table-1).

- (a) Tolerance on length ± 0.5 mm.
- (b) Tolerance on end loop on major axis ± 0.5 mm.
- (c) Tolerance on end loop on minor axis -0.2 mm. + 0.1 mm.
- (d) Tolerance on thread eye length ± 0.1 mm.
- (e) Tolerance on thread eye width ± 0.1 mm.
- (f) Tolerance on thickness of strip ± 0.02 mm.
- (g) Tolerance on width of the strip ± 0.1 mm.
- (h) The position of the centre of the thread eye from the centre of the heald shall be as per manufacturer's specification.
Tolerance ± 0.5 mm.
- (i) Tolerance on the angle of twisting of the thread eye from the plane of the heald $\pm 5^\circ$.

(iii) *Plating*

The healds shall be plated with a suitable material as agreed between the buyer and the seller.

(iv) *Finish*

The healds shall be smooth and free from surface defects such as rust, cracks, burrs or any other flaws, which can cause breakage of yarn. Thread eye shall not have any sharp corners.

(9) *Packing*

- (i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

- (a) Healds shall be threaded by a suitable material, strong enough to withstand the handling.
- (b) Threaded heald sets/plate shall be packed in a suitable moisture proof cases for exports.

- (ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose

of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of 3 packed cases.

(10) *Sealing*

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

TWIN WIRE HEALDS/INSET MAIL WIRE HEALDS/ CONTACT WIRE HEALDS FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973) read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textiles Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) *Short Title and Application*

(A) These Regulations may be called TWIN WIRE HEALDS/INSET MAIL WIRE HEALDS/CONTACT WIRE HEALDS FOR LOOMS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) *Definitions*

(A) "Material" means TWIN WIRE HEALDS/INSET MAIL WIRE HEALDS/CONTACT WIRE HEALDS FOR LOOMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) *Offering for Inspection*

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not up to the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipment required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering later shall be sent to the Textiles Committee in the appended form Appendix-I.

(4) *Inspection Criteria*

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such

inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8-A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8-A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of Inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot Size	Sample Size	Acceptance Quality Level		Rejection No.
		Acceptance No.	Rejection No.	
Upto 10001	— 10000	1st Sample	50	2
		2nd Sample	50	6
35001	— 35000	1st Sample	80	3
		2nd Sample	80	8
35001	— 15000	1st Sample	125	5
		2nd Sample	125	12
150001	— 500000	1st Sample	200	7
		2nd Sample	200	18
500001 & above	1st Sample	315	11	16
	2nd Sample	315	26	27

(B)(i) Composition

The twin wire/inset mail wire for healds shall be made from carbon steel wire and its carbon content shall be between 0.35% and 0.65%. This shall be checked against test certificates issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the composition.

(ii) Tensile Strength

Not less than 85 kg. f/mm². This shall be checked against the test certificate issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee may draw samples and verify the test.

(iii) Dimensions

The dimensional details of the wire healds shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances (for sampling refer Table No. 1).

(a) Plan of the inset mail or minor axis of the thread eye and the plance of the end loops shall be at an angle of 45°, Tolerance ± 5 .

(b) Tolerance on length (from inside of the end loops) ± 1.0 mm.

(c) Tolerance on major axis for end loops ± 1.0 mm.

(d) Tolerance on minor axis for end loops ± 0.2 mm.

(e) Tolerance on thread eye major axis of twin wire healds ± 0.2 mm.

(f) Tolerance on thread eye minor axis of twin wire healds ± 0.1 mm.

(g) The tolerance on the diameter of the wire.

Diameter	Tolerance
Upto 0.55 mm.	± 0.01 mm.
0.56 mm. and above	± 0.02 mm.

(iv) Bend Test

The wire shall not show any sign of cracking, flaking or breaking when the wire is bent at two different points in opposite direction to make two half circles each with a diameter of 10 times a diameter of the wire. This test shall be carried out on the plated wire after removing the plating.

Five samples shall be drawn and all the samples shall conform to the above test for acceptance.

(v) Shape

The line joining the major axis of both the end loops and major axis of wire healds, as a whole, shall be parallel to each other.

The minor axis of both the end loops shall lie practically in the same plane.

(vi) Finish

The surface of the wire healds shall be smooth and free from rust, cracks, sharp corners and other flaws, which can cause breakage to yarn.

(vii) Plating/Soldering

Shall be lustrous, smooth and free from cracks and other flaws, which can cause the breakage of yarn. The groove formed by two adjoining pieces of wire shall not be filled up by plating.

(9) Packing

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

(a) The healds shall be threaded in bundles by a suitable material strong enough to withstand the handling.

(b) Threaded heald bundles shall be packed in suitable cases for export.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark. The requisite sealing wire and seals shall be provided by the Manufacturer.

PITCH BOUND WIRE REEDS/ALL METAL REEDS FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 of 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 24, 1971 Part III, Section 4.

(1) Short Title and Application

(A) These Regulations may be called PITCH BOUND WIRE REEDS/ALL METAL REEDS FOR LOOMS Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions

(A) "Material" means PITCH BOUND WIRE REEDS/ALL METAL REEDS FOR LOOMS.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-I).

(4) Inspection Criteria

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards or closer tolerances than these laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8-A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8-A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective unit as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot size	sample size	Permissible No. of defective units.
Upto 15	15	2
15 — 25	25	3
26 — 50	50	5
51 — 100	100	8
101 — 150	150	13
151 — 300	300	20
301 & above		32

(B)(i) Raw Material :—

The reed dents shall be made from bright mild steel flat wire with carbon content not exceeding 0.25% and sulphur and phosphorous not exceed 0.06%. The Chemical composition shall be checked against test certificate issued by the supplier and occasionally the Textiles Committee shall conduct the test to verify the composition.

(ii) Finish :—

(a) The reed shall be free from rust and shall be straight and uniform throughout its length.

(b) The dents shall be well polished and the edges rounded and finished smooth.

(c) The solder shall not have trickled down between the dents in case of all metal reeds, and cover the dents completely between the bulk.

(d) In case of Pitch bound reeds, the pitch shall not have trickled down from one baulk towards the other and it shall not have permeated the paper covering.

(iii) Dimension :—

The dimensional details of the reed shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :—

- (a) Count of the reed shall be same as per manufacturer's specifications.
- (b) Tolerance on overall length $\pm 2\text{mm}$.
- (c) Tolerance on overall height $\pm 1\text{mm}$.
- (d) Tolerance on working height $\pm 2\text{mm}$.
- (e) Tolerance on thickness of the baulk $\pm 1.0\text{ mm}$. in case of pitch bound reed and $\pm 0.55\text{ mm}$ in case of all metal reed.
- (f) Tolerance on depth of the dent $\pm 0.02\text{ mm}$ within a reed and $\pm 0.04\text{ mm}$ between the reeds in a lot.
- (g) Tolerance on angle of dent :—
For Pitch bound Reed $\pm 2^\circ$
For All Metal Reed $\pm 1^\circ$
- (h) Tolerance on width of the dent (Thickness) $\pm 0.01\text{ mm}$.
- (i) Tolerance on width of end dents :—
For Pitch bound Reed $\pm 0.5\text{m.}$
For All Metal Reed $\pm 0.25\text{m.}$

(iv) Spacing of dents and Flexibility :

The dents in the reed shall be uniformly spaced and straight. The dents shall be flexible and always retain their original position.

(v) Alignment of dents :—

All dents shall lie in one plane. The clearance at any point shall not exceed 0.15 mm. in case of all Metal Reeds and 0.3 mm. in case of Pitch Bound Reeds. This shall be checked with the straight edge of 150 mm. length.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

- (a) Each reed shall be well coated with an antirust coating and wrapped in wax paper or polythene covering dents completely.
- (b) Maximum No. of six/twelve such reeds shall be packed in one bundle, which shall be covered with water proof paper or alkathene and tied securely.
- (c) The reed bundles are placed in suitable cases for export which can withstand normal hazards of transport, storage and handling in case of outstation delivery.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only the inspected and approved material has been packed, open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

PICKERS FOR LOOMS

In exercise of the powers conferred on it under Section 23(3) of the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) as amended by the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 No. 51 of 1973 read with sub-clause (d) and (e) of sub-section 2 of section 4 of the same Act, the Textiles Committee with the previous sanction of the Central Government, makes the following Regulations establishing inspection standards for Textile Machinery Equipment meant for export specifying the type of inspection to be applied. This regulation cancels and supersedes the Inspection Regulation notified in the Gazette of India, dated January 23, 1971, Part III, Section 4.

(1) Short Title & Application :—

(A) These Regulations may be called Pickers for Looms. Inspection Regulations, 1980.

(B) It shall be applicable to all manufacturers including machinery manufacturers in case they are manufacturing the material as a part of the machine or otherwise.

(2) Definitions :—

(A) "Material" means Pickers for Looms.

(B) "Lot" means a collection of items purporting to be of one definite type and quality from which a sample is drawn and inspected to determine its acceptability.

(C) "Defective" means a defective unit (article, part, specimen etc.) containing one or more defects with respect to the quality characteristic(s) under consideration.

(D) "Inspector" means the person deputed by the Textiles Committee to inspect the material.

(E) All words and expressions used but not defined in the regulations and defined in the Textiles Committee Act, 1963 (No. 41 of 1963) and/or the Textiles Committee (Amendment) Act 1973 (No. 51 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in the aforesaid Act and/or amendment of the Act.

(3) Offering for Inspection :—

(A) The manufacturers will be responsible for carrying out pre-inspection of the material prior to offering the same for inspection so as to eliminate any material, which is not upto the required standard.

(B) The rejected lot shall not be offered again unless the same is re-inspected by the manufacturers.

(C) The pre-inspected material shall be kept properly in a well lighted shed near a table with attendant to assist the inspection. All the testing equipments required for carrying out the inspection shall be in working condition and made available by the party, who is arranging the inspection.

(D) An offering letter shall be sent to the Textiles Committee in the appended form (Appendix-1).

(4) Inspection Criteria :—

(A) The inspection of the material shall be in accordance with the standards and tolerances as indicated in this regulation except where the contract between the buyer and the seller stipulates higher standards of closer tolerances than those laid down in this Inspection Regulation, when the inspection shall be in accordance with such higher standards and closer tolerances. In case of any manufacturer having entered into an agreement/arrangement to manufacture material with a foreign collaborator/parent firm, the material shall be inspected as per the respective standard and tolerances laid down by the foreign manufacturer for such inspection check points appearing under Clauses (B) of this Inspection Regulation. The manufacturer shall furnish the documentary evidence in this regard.

(B) The lot shall be considered as acceptable if the number of rejected units do not exceed the permissible number of defective units as indicated in the table shown under Clause 8.A "Sampling Plan".

(C) The lot shall be considered as rejected if the number of rejected units exceed the permissible number of defective units as indicated in the table under clause 8.A "Sampling Plan".

(5) Rectification and Rejection :—

(A) The lot having passed as per this Inspection Regulation, the defective material detected in the course of inspection shall be replaced by good material or defects rectified.

(B) The defective material, which cannot be rectified or replaced shall be marked as rejected. However, the number of such units shall not exceed the permissible number of defective units as per this regulation.

(C) The Inspector shall reject the material if it does not conform to the standards and tolerances as stipulated in this Inspection Regulation subject to the number of defective units detected in the course of inspection exceed the permissible number of defective units as specified in this Inspection Regulation.

(6) Drawing of Samples :—

The Inspector may draw and take with him samples of material outside the manufacturer's/party's premises for the purpose of testing/checking, wherever the facilities for inspection are not available. However, such inspection may be carried out in the constructive presence of manufacturer or his representative.

(7) Certificate :—

In respect of each lot inspected and not rejected by the Inspector, a certificate shall be issued to the party concerned by an Officer of the Textiles Committee, authorised by the Textiles Committee in this behalf.

The validity of the above certificate shall be for a period of three months from the date of issue. The certificate may be revalidated after examining 5% of the total cases or 3 cases whichever is less.

(8) Inspection Requirements :—

The Inspector may select at random the requisite number of units conforming to the following Sampling Plan and inspect as indicated below :—

(A) Sampling Plan :—

TABLE NO. 1

Lot size	sample size	Permissible No. of Defective Units
Upto — 100	8	0
101 — 150	13	1
151 — 300	20	2
301 — 500	32	3
501 — 1000	50	5
1001 & above	80	7

B(i) Raw material

The Pickers shall be made out of a suitable material as agreed upon by the buyer and the seller.

(ii) Dimensions :—

The dimensional details of the Pickers shall conform to the specification/drawing/approved sample agreed between the buyer and the seller with the following tolerances :

Under pick Loom Picker	Over pick Loom Picker
(a) Width, thickness & height $\pm 2\%$ tolerance	$\pm 5\%$ tolerance
(b) slot width mm	$\pm 2\%$ tolerance $\pm 5\%$ tolerance Clarence of $\pm 1.0-0.0$ mm. over the corresponding spindle diameter.
(c) spindle hole dia	—
(d) Weight	$\pm 4\%$ tolerance $\pm 5\%$ tolerance

(iii) Finish :—

- (a) All the edges, corners and exposed surfaces of the pickers shall be smooth without any sharp or rough edges.
- (b) The slots for picking bands or picking sticks shall be free from protrusions and sharp or rough edges.

(iv) Fastners :—

Staples, rivets or any other fastners, if used in construction of the pickers, shall not protrude beyond the surface of the picker and shall be so located that they cannot damage the shuttle box or any other component in contact.

(v) Construction :—

In case of pickers made from raw hide or leather, the pickers shall be constructed in such a way that there are no interties between the layers.

(vi) Seasoning :—

In case of pickers from raw hide, they shall be fully steeped in sperm oil either by natural seasoning or by vacuum impregnation.

Three test samples shall be drawn and cut at the striking point of the shuttle to determine the proper impregnation of oil.

(9) Packing :—

(i) The lot inspected and passed shall be packed in the following manner :—

The Pickers shall be packed in suitable cases for export which can withstand the normal hazards of storage, transport and handling.

(ii) If the material is not packed in the direct or constructive presence of the Inspector, he may for the purpose of satisfying himself that only inspected and approved material has been packed open a maximum of three packed cases.

(10) Sealing :—

The cases packed as required under Clause (9)(i) shall be sealed by the Inspector with a seal bearing the Textiles Committee's Mark.

The requisite sealing wire and seals shall be provided by the manufacturer.

C. SRIDHARAN

Secretary

Textiles Committee, Bombay

APPENDIX I

APPLICATION FORM

Dated—

To,
The Director,
Machinery Inspection Wing,
Textiles Committee,
Bombay 18.
Dear Sir,

Please arrange to inspect— (name of the Articles)

the particulars of which are given below:

(1) Name & Address of the Exporter

(2) Name & Address of the Manufacturer

(2) (a) Name & Address of the Overseas Buyer

(3) No. & date of the export contract
(copy of the contract to be enclosed)

(7) Quantity contracted

(2) Quantity offered for Inspection

(3) Manufacturing particulars and specifications (attach a separate sheet if necessary)

(7) Place where the material will be offered for inspection

(8) Date on which inspection is required

(9) Destination of export

(10) F.O.B. Value of the consignment

(11) Case Nos. and Markings.

Yours faithfully,

CANTONMENT BOARD, LUCKNOW CANTONMENT

Lucknow Cantonment, the 26th November, 1980

No. S.R.O. 1/11/127/162—Whereas a draft of certain bye-laws to amend the Lucknow Cantonment (Regulation of Tehbazari) Bye-laws, was published with the Lucknow Cantonment Board's Lucknow Notice No. 1/11/127/119 dated the 17th October, 1979, as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), for inviting objections and suggestions within a period of thirty days from the date of publication of the said notice.

And whereas the said notice was put on the Lucknow Cantonment Notice Board on the 17th October, 1979.

And whereas no objections or suggestions were received from the public by the Cantonment Board Lucknow within the aforesaid period of thirty days,

And whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said draft bye-laws as required by sub-section (1) of section 284 of the said Act,

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (13) of section 282 of the said Act, the Cantonment Board, Lucknow hereby makes the following bye-laws, namely:—

1. (1) These bye-laws may be called the Lucknow Cantonment (Regulation of Tehbazari) Bye-laws (Amendment) 1980

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official Gazette.

2. For the Schedule of Daily Tehbazari Rates, to the Lucknow Cantonment (Regulation of Tehbazari) Bye-laws, the following Schedule shall be substituted namely:—

SCHEDULE OF DAILY TEHBАЗARI RATES

Sl. No.	Description	Rates
1.	Grain of all sorts on Cart per Cart	0.50
2.	Grain of all sorts on the Wheeled Thela per thela	0.50
3.	Grain of all sorts on animals other than Camel, per animal	0.15
4.	Grain of all sorts on Camel per animal	0.20
5.	Grain of all sorts on Cycle four wheeled thela	0.25
6.	Grain of all sorts on hand per head load	0.15
7.	Ghee/Vegetable Ghee per 37.50 Kgs.	0.50
8.	Oil per 37.50 Kg.	0.25
9.	Gur, Rab per 37.50 Kg.	0.25
10.	Chillies, per 37.50 Kg.	0.15
11.	Spices of all sorts per 37.50 Kg.	0.15
12.	Khowa per 37.50 Kg.	0.25
13.	Hemp Sutli, Band, Seenk (Broom of Coconuts or Bamboos per 37.50 Kg.	0.15

Sl. No.	Description	Rates
1	2	3
14.	Mangoes, Melons or Sugarcane per head load per basket	0.30
15.	Bottle leaves per basket	0.10
16.	Bhoosa (Straw) per head load	0.15
17.	Bhoosa (Straw) per cart	1.00
18.	Bhoosa (Straw) per truck	4.00
19.	Lime, Mud, Reh on cart per cart	0.25
20.	Lime, Mud, Reh on truck per truck	2.00
21.	Tobacco per 37.50 Kg.	0.25
22.	Earthen pots on head per head load	0.15
23.	Earthen pots on Cart per cart	0.50
24.	Earthen pots on truck per truck	2.00
25.	Earthen pots on animal per animal	0.25
26.	Eggs and birds per basket	0.25
27.	Eggs and birds on four wheeled cycle thela per thela	0.50
28.	Eggs and birds on behngi per behngi	0.30
29.	Khawanchas or hawkers, per tray or per basket	0.30
30.	Khawanchas or hawkers, per behngi	0.40
31.	Miscellaneous goods on Takhats per Takhat 2 x 1.25 Sq. mt. or less	0.75
32.	Miscellaneous goods on sheets per sheet 2 x 1.25 Sq. mt. or less	0.50
33.	Miscellaneous goods and sharbat on hand cart or four wheeled cycle thela	0.35
34.	Fruit of all sorts on hand cart of four wheeled cycle thela	0.50
35.	Fruit of all sorts on cart per animal cart	1.0
36.	Vegetable on hand cart or four wheeled cycle thela	0.40
37.	Vegetable on animal cart per animal cart	1.0
38.	Vegetable or fruit including dry fruit on head load or basket per basket	0.20
39.	Charcoal on hand cart or four wheeled cycle thela	0.40
40.	Charcoal on truck per truck	2.00
41.	Fuelwood on hand cart per cart	0.30
42.	Fuelwood on truck per truck	2.00

Sl. No.	Description	Rate
43.	Gras green and dry on two wheeled thela per thela	0·04
44.	Sellers of cloth per each bundle over head or on cycle	0·50
45.	Sellers of cloth on hard cart or four wheeled cycle thela	1·00
46.	Sellers of utensils on head or on cycle	0·50
47.	Sellers of utensils on hand cart or four wheeled cycle thela	1·00
48.	Sellers of articles of Aligree (Silver or gold) per head load	0·30
49.	Pedlars of miscellaneous traders per tray	0·10
50.	Animals brought for sale except sheep and goats per animal	1·00
51.	Sale of Sheep or goats per animals	0·50
52.	Sellers of Milk per cane	0·25
53.	Sale of cold drinks on cart or four wheeled cycle thela	0·50

(DG DL&C file No. 12/2/C/I.&C/77)

RAJINDER KUMAR
Cantonment Executive Officer
Lucknow

PUNJAB WAKF BOARD, AMBALA CANTT.

Ambala Cantt., the 9th September 1980

In exercise of the powers conferred under Section 22 of the Wakf Act, 1954, the Punjab Wakf Board vide its resolution No. 3 dated 9-9-1980 delegates the following powers to the Chairman, Punjab Wakf Board.

Resolved that the Punjab Wakf Board hereby delegates the following powers to the Chairman, Punjab Wakf Board Under Section 22 of the Wakf Act, 1954.

- (1) To supervise and control the administration of the Wakf Board generally in all matters.
- (2) To advise and direct the Secretary in the proper performance of the duties and exercise of powers conferred on him.
- (3) To sanction T.A. and other allowances to the Secretary, Members of the Board and Members of the Committee.
- (4) To sue and defend cases on behalf of the Board in Civil, Criminal and Revenue Courts and other Offices and engaging Advocates for the same and take all legal and proper steps concerning wakf properties, to sign papers on behalf of the Wakf Board, to sanction the prescribed court fee and expenses and to sanction legal fee upto Rs. 1,100/- in each case.

- (5) To institute and defend all appeals, Revisions, Review and execution applications in any court, Office or before any authority.
- (6) To exercise the power and performance of duties of the Board under the Act, Rules and Regulations in emergent cases, except in regard to the matters in which the Act prescribes the consent of a specific majority of the members of the Board. The Chairman should report the action taken by him in this behalf to the Board at its meeting.
- (7) Such other powers and duties as have been conferred or imposed on the Chairman by the Act or under the Rules and Regulations framed there under.
- (8) To sanction expenditure and make payments within the approved budget upto the extent of Rs. 1,000/- on a single item and in emergent cases upto Rs. 2,000/-.
- (9) Sanction repairs of Buildings upto Rs. 5000/- in each case and expenditure on Urs upto Rs. 1,000/- in each case.
- (10) Write of moveable property of value upto Rs. 500/-.
- (11) Sanction upto Rs. 1,000/-on repair of Vehicle at a time.
- (12) Sanction refund upto Rs. 2,000/-.
- (13) To order for auction and sanction sale where the value of the moveable property or article does not exceed Rs. 10,000/-.
- (14) To sanction lease of agricultural land upto Rs. 5,000/- per year and Urban tenancy upto Rs. 500/- per month and write off irrecoverable arrears of a property upto Rs. 1,000/- only.
- (B) The powers delegated to the Chairman under Board's Resolution No. 7, dated 30-9-1972 and Resolution No. 12, dated 21-11-1979 and subsequently delegated to the Administrative Committee under Board's resolution No. 2 and 3 dated 3-5-1980 and Resolution No. 4(1) dated 26-6-1980 respectively are withdrawn and delegated to the Chairman, Punjab Wakf Board.
- (C) All decisions taken and Acts done by the Chairman after election are hereby confirmed.

(Sd.) ELIEGBLE
Secretary,
Punjab Wakf Board,
Ambala Cantt.

Ambala Cantt., the 26th October 1980

The Punjab Wakf Board in its meeting held on 26-10-1980 in its office 50, Sardar Patel Marg, Ambala Cantt., passed the following resolution.

RESOLUTION NO. 5

Resolved that the acts done, powers exercised and proceedings commenced under the Wakf Act, Rules and Regulations by Shri G. A. Khan, Additional Secretary as Acting Secretary are hereby ratified. It is further resolved that he will continue and exercise all those powers till the appointment and joining of the new Secretary. Shri G. A. Khan, Additional Secretary as Acting Secretary is declared as competent to sign all communications and execute leases of immovable properties on behalf of the Board under Rule 7 of the Punjab Wakf Rules, 1964 till the appointment and joining of New Secretary.

(Sd.) ELIEGBLE
Acting Secretary,
Punjab Wakf Board,
Ambala Cantt.

**CENTRAL BOARD FOR THE PREVENTION AND
CONTROL OF WATER POLLUTION**

New Delhi, the 28th July 1980

CENTRAL BOARD FOR THE PREVENTION AND CONTROL OF WATER POLLUTION. [METHOD OF RECRUITMENT AND TERMS AND CONDITIONS OF SERVICE INCLUDING SCALES OF PAY OF OFFICERS (OTHER THAN MEMBER SECRETARY) AND OTHER EMPLOYEES]. REGULATIONS, 1980

NOTIFICATION

No. F/21/1/78-A&R.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section 3(A) of Section 12 of the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974, the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution, with the previous approval of the Central Government, hereby makes the following Regulations, namely :—

Part I—General

Short-title and Commencement

1. (i) These Regulations may be called the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution [Method of Recruitment and Terms & Conditions of service including scales of pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees] Regulations, 1980.
- (ii) These Regulations shall come or be deemed to have to come into force either in full or in parts on such date as may be prescribed by the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution.

Application

2. These Regulations shall apply to every employee of the Board.

Provided that the Board may, by order, exclude any class or group of employees from the operation of all or any of these Regulations.

Provided further that the Regulations in Part V shall not apply to any employee between whom and the Board an agreement subsists that the Regulations in Part V shall not apply to him.

Note : I Where the agreement between such an employee and the Board provides for application to him or to her of the Regulations in Part V those Regulations will apply to him or her, subject to the terms of such agreement.

Note : II Every employee of the Board to whom the Regulations in Part V apply shall be subscriber to the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employees Contributory Provident Fund.

Definitions

3. In these Regulations, unless the context otherwise requires :

- (a) "Act" means the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974.
- (b) "Accounts Officer" means such officer as may be nominated by the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution for the purpose of keeping accounts of the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employees Contributory Provident Fund.
- (c) "Appellate Authority" means the Authority specified as such in Regulation 52 of these Regulations.
- (d) "Appointing Authority" in relation an employee of the Board means :
 - (i) the Authority empowered to make appointments to the group of posts in which the employee is for the time being employed; or
 - (ii) the Authority empowered to make appointments to the posts which the employee for the time being holds; or

(iii) the Authority which appointed the employee to such grade or post, as the case may be, whichever authority is the higher authority.

- (e) "Board" means the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution set up under the Water (Prevention and Control of Pollution) Act, 1974;
- (f) "Chairman" means the Chairman of the Board;
- (g) "Continuous Service" means uninterrupted regular service, but shall include such service as is interrupted by authorised leave;
- (h) "Contribution" means any sum credited on behalf of a member out of his or her salary or by the Board out of its own moneys to the individual Contributory Provident Fund account of a member, but does not include any sum credited as interest;
- (i) "Disciplinary Authority" means the authority competent under the Regulations to impose on an employee any of the penalties specified in these Regulations and as specified in Regulations 40 and 41 of these Regulations.
- (j) "Emoluments" for the purpose of Contributory Provident Fund means all emoluments which are earned by an employee while on duty or leave with pay in accordance with the terms of his or her employment and which are paid or are payable to him or her but does not include—
 - (a) any dearness allowance and city Compensatory Allowance (that is to say, all cash payments by whatever name called paid to an employee on account of a rise in the cost of living); house rent allowance, overtime allowance, bonus, commission, or other allowance payable to the employee in respect of his employment or of work done in such employment;
 - (b) any honorarium or ex-gratia or present made by the Board.
- (k) "Employee" means :
 - (i) any person in the whole-time or part-time employment of the Board (excluding the Chairman and the Member Secretary and all those include who are employed on casual basis) and shall include all those persons whose services have been placed on temporary deputation with the Board and those whose services have been placed by the Board at the disposal of any other authority.
- (l) "Family" means :
 - (a) for the purposes of Regulations relating to conduct of the employee as in Part III—
 - (i) The wife or the husband, as the case may be, of the employee, whether residing with the employee or not, but does not include a wife or husband, as the case may be, separated from the employee by a decree or order of a competent court;
 - (ii) son or daughter or step-son or step-daughter or legally adopted son or daughter of the employee and wholly dependent on him but does not include a child or step-child who is no longer in any way dependent on the employee or of whose custody the employee has been deprived by or under any law;
 - (iii) Any other person related, whether by blood or marriage, to the employee or to the employee's wife or husband, as the

- case may be, wholly dependent on the employee.
- (b) for the purposes of Regulations relating to Contributory Provident Fund as in Part V—
- in the case of a male employee, the wife or wives and children, of the employee and widow or widows and children of a deceased son of the employee;

Provided that if a member proves that his wife has ceased by virtue of or under any law to be entitled to maintenance, she shall no longer be regarded a member of the subscriber's family for the purpose of the Fund, unless the employee concerned subsequently intimates in writing to the Board that she shall continue to be so regarded;

- In the case of a female employee, the husband and children of the employee, and widow of or widows and children of the deceased son of the employee.

Explanation 1

In either of the above two cases if the child of the employee has been adopted by another person, and if under the law of the adoptee, adoption is legally recognised, such a child shall be considered as excluded from the family of the employee.

Explanation 2

The term child shall include a legally adopted child.

- "Fund" shall mean the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employees' Contributory Provident Fund.
- "Member" means an employee of the Board who has been duly admitted as subscriber to Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employees' Contributory Provident Fund.
- "Member-Secretary" means the Member Secretary of the Central Board.
- "Pay" shall mean the amount drawn monthly by an employee, as
 - the pay other than special pay or pay granted in view of his personal qualifications which has been sanctioned for a post held by him substantively or in an officiating capacity; or to which he is entitled by reason of his position in a cadre; and
 - special pay, deputation pay and personal pay, and
 - any other emoluments which may be specially classed as pay by the Central Board.

Note I.—In the case of an officer under suspension pay shall be one which he or she was drawing in the post held by him or her just before the date of his or her suspension.

Note II.—In the case of re-employed person pay for the purpose of Regulations in Part V shall include the element of pension including the commuted value of the pension.

- "Prescribed Authority" for the purposes of Regulations in Part IV means
 - The Board in the case of an employee holding any Group 'A' post except where any of its officers is specifically specified by the Board for any purpose;
 - The Chairman in the case of an employee holding any Group 'B' post;
 - The Member-Secretary in the case of an employee holding any Group 'C' or Group 'D' post;

(iv) In respect of an employee on foreign service or on deputation to any other authority the Board except where any of its officers is specifically specified by the Board if the employee is holding any Group 'A' post.

(v) The Chairman in the case of an employee holding any Group 'B' post, the Member-Secretary in the case of an employee holding Group 'C' or Group 'D' post.

- "Year" means a financial year.

Saving

4. (i) In so far as Regulations in Part VI are concerned, nothing in these Regulations shall affect the appointments already made on regular basis to the posts in the Board and the appointments, for all purposes, shall be deemed to have been made under these Regulations;

(ii) In so far as Regulations in Part IV are concerned, with the commencement of the Regulations in that part, the enforcement of the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964 which were hitherto being followed by the Board to control the conduct of its employees shall be discontinued:

Provided that any order made or action taken under those Rules shall be deemed to have been made or taken under the corresponding provision of the Regulation in Part III;

Provided further that the decision not to follow the Central Civil Services (Conduct) Rules, 1964 after the commencement of the Regulations in Part III shall not affect the previous operation of those Rules in relation to the employees of the Board and contravention of those Rules shall be punishable as if it were a contravention of the Regulations in Part III.

(iii) In so far as Regulations in Part V are concerned, no action taken to constitute the Contributory Provident Fund and other action resulting therefrom shall be invalid, merely on the ground that these actions were not taken under these Regulations and all such action will be deemed to have been taken under those Regulations.

(iv) Nothing in these Regulations shall affect reservations and other concessions required to be provided for Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

Powers to relax

5. The Board may relax the provisions of any of these regulations in any case in which but for such relaxation, the regulation would operate harshly, or the Board is of the view that such relaxation is necessary in exceptional circumstances for reasons to be recorded in writing:

Provided that no relaxation as aforesaid shall be made by the Board in respect of any officers appointed by the Central Government".

Interpretation

6. If any doubt arises as to the meaning or application of these Regulations or any of them, the matter shall be referred to the Chairman of the Board whose decision shall be final.

Delegation of Powers

7. The Board may, by general or special order, direct that any power exercisable by it under these Regulations [except the power in Regulation (5) and this Regulation] subject to such conditions, if any, as may be specified in the order, be exercisable also by such officer or authority as may be specified in the order.

PART II

SALARIES, ALLOWANCE AND CONDITIONS OF SERVICE

Salaries and allowances of employees

8. The employees of the Board shall draw salaries in the scale of pay of the post held by them as mentioned in Schedule I annexed hereto or in the scales of pay of posts that may be added to the Schedule from time to time or in scales as may be revised from time to time. They will draw allowance as may be determined by the Central Government from time to time.

Grant of leave

9. In the matter of grant of leave, the employees of the Board shall be governed by the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, as applicable to the employees of the Central Government and orders issued by the Central Government thereunder from time to time.

Seniority

10. Seniority of the employees of the Board shall be governed by the orders issued on the subject by the Central Government from time to time.

Superannuation

11. The age of superannuation for all employees shall be 58 years, provided that, in the interest of the Board's work, the Chairman may grant extension to employees in Groups 'C' and 'D' upto the age of 60 years. All cases for grant of extension of service of employees holding Group 'A' or Group 'B' posts beyond 58 years shall be placed before the Board for consideration.

Conditions of service

12. Unless expressly provided for in these regulations to the contrary, the general terms and conditions of service of employees of the Board shall be governed *mutatis mutandis* by the Fundamental and Supplementary Rules, General Financial Rules, Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965 and by orders and decisions issued by the Central Government under those rules from time to time as applicable to the employees of the Central Government.

PART III

CONDUCT

General

13. (1) Every employee shall at all times—

- (i) maintain absolute integrity;
- (ii) maintain devotion to duty; and
- (iii) do nothing which is unbecoming of an employee of the Board.

(2) (i) Every employee holding supervisory post shall take all possible steps to ensure the integrity and devotion to duty of all employees for the time being under his or her control and authority;

(ii) No employee shall, in the performance of his or her official duties, or in the exercise of powers conferred on him or her, act otherwise than in his or her best judgment, except when he or she is acting under the direction of his or her official superior and shall, where he or she is acting under such direction in writing, wherever practicable, and where it is not practicable to obtain the direction in writing, he or she shall obtain written confirmation of the direction as soon thereafter as possible.

Explanation

Nothing in Clause (ii) of sub-regulation (2) shall be construed as empowering an employee to evade his or her responsibilities by seeking instructions from, or approval of, a superior officer or authority when such instructions are not necessary in the scheme of distribution of powers and responsibilities.

Employment of near relatives of employees in private undertakings having official dealings with the Central Board

14. (1) No employee shall use his or her position or influence as an employee of the Board directly or indirectly, to ensure employment for any member of his or her family in any company or firm.

(2) (i) No Group 'A' officer shall, except with the previous sanction of the Board, permit his wife or her husband, as the case may be, son, daughter or any other dependent to except employment to any private undertaking with which he or she has official dealings or which has or has had at any time such dealings with the Board:

Provided that where the acceptance of the employment cannot await prior permission of the Board or is otherwise considered urgent, the matter shall be reported to the Board; and the employment may be accepted provisionally subject to the permission of the Board.

(ii) An employee shall, as soon as he or she becomes aware of the acceptance by a member of his or her family of an employment in any Company or firm intimate such acceptance to the prescribed authority and shall also intimate whether he or she has or has had any official dealings with that company or firm has or has had at any time official dealings with the Board.

Provided that no such intimation shall be necessary in the case of Group 'A' officer, if he has already obtained the sanction of, or sent a report to the Board, under Clause (i).

(3) No employee shall, in the discharge of his or her official duties, deal with any matter or give or sanction any contract to any company or firm or any other person if any member of his or her family is employed in that company or firm or under that person or if he or she or any member of his or her family is interested in such matter or contract and the employee shall refer every such matter or contract to his official superior and the matter shall thereafter be disposed of according to the instructions of the authority to whom the reference is made.

Taking part in Politics and Elections

15.(1) No employee shall be a member of or be otherwise associated with, any political party or any organisation which takes part in politics nor shall he or she take part in, subscribe in aid of, or assist in any other manner, any political movement or activity;

(2) It shall be the duty of every employee to endeavour to prevent any member of his or her family from taking part in, subscribing in aid of, or assisting in any other manner any movement or activity which is, or tends directly or indirectly to be subversive of the Government as by law established and where an employee is unable to prevent a member of his or her family from taking part in, subscribing in aid of, or assisting in any other manner, any such movement or activity, he or she shall make report to that effect to the Board,

(3) If any question arises as to whether a party is a political party or whether any organisation takes part in politics or whether any movement or activity falls within the scope of sub-regulation (2) above, the decision of the Board thereon shall be final.

(4) No employee shall canvass, or otherwise interfere with, or use his or her influence in connection with or take part in, an election to any legislature or Local Authority:

Provided that--

(i) an employee qualified to vote at such election may exercise his or her right to vote, but where he or she does so, he or she shall give no indication of the manner in which he or she proposes to vote or has voted;

(ii) an employee shall not be deemed to have contravened the provisions of this sub-regulation by reason only that he or she assists in the conduct of an election in the due performance of a duty imposed in him or her by or under any law for the time being in force.

Explanation

The display by an employee on his or her person, vehicle or residence, or any electoral symbol shall amount to using his or her influence in connection with an election within the meaning of this sub-regulation.

Joining of Associations by employees

16. No employee shall join or continue to be a member of, an association, the objects or activities of which are prejudicial to the interests of the sovereignty and integrity of India, or public order, or morality.

Demonstrations and Strikes

17. No employee shall :—

- (i) engage himself or herself or participate in any demonstration which is prejudicial to the interests of the sovereignty and integrity of India, the security of the State, friendly relations with a foreign State, Public order, decency or morality, or which involves contempt of court, defamation or incitement to an offence, or
- (ii) resort to or, in any way, abet any form of strike or coercion or physical duress in connection with any matter pertaining to his or her service or the service of any other employee of the Board.

Connection with Press or Radio

18. (1) No employee shall, except with the previous sanction of the Board, own wholly or in part, or conduct or participate in the editing or management of any newspaper or other periodical publication;

(2) No employee shall, except with the sanction of the Board or of the prescribed authority or except in the *bona fide* discharge of his or her duties :

- (a) publish a book himself or herself or through a publisher or contribute an article to a book or compilation of articles, or
- (b) participate in a radio broadcast or contribute an article or write a letter to a newspaper or periodical either in his own or her own name or anonymously or pseudonymously or in the name of any other person :

Provided that no such sanction shall be required—

- (i) if such publication is through a publisher and is of a purely literary, artistic character and is not related to any aspect of the employee's position under the Board, or
- (ii) if such contribution, broadcast, or writing is of a purely literary, artistic or scientific character and is not related to any aspect of the employee's position under the Board.

Criticism of Government Board

19. No employee shall, in any radio broadcast or in any document published in his own name or anonymously or pseudonymously or in the name of any other person or in any communication to the Press or in any public utterance, make any statement of fact or opinion—

- (i) which has the effect of an adverse criticism of any current or recent policy or action of the Central Govt. or a State Government or the Board;
- (ii) which is capable of embarrassing the relations between the Central Government and the Government of any State, or between the Board and any State Government;
- (iii) which is capable of embarrassing the relations between the Central Government and the Government of any foreign State ;

Provided that nothing in this sub-regulation shall apply to any statement made or views expressed by an employee in his or her official capacity or in the due performance of the duties assigned to him.

Evidence before committees of any other authority

20. (1) Save as provided in sub-regulation (3), no employee shall, except with the previous sanction of the Board or of the authority prescribed by it for the purpose, give evidence in connection with any enquiry conducted by any person or Committee or Authority.

(2) Where any sanction has been accorded under sub-regulation (1), no employee giving such evidence shall criticise the policy or any action of the Central Government or of a State Government (which expression shall include a Union Territory Administration) or of the Board.

(3) Nothing in this regulation shall apply to :—

- (a) evidence given at an inquiry before an authority appointed by the Government, Parliament or State Legislature or the Central Board;
- (b) evidence given in any judicial inquiry; or
- (c) evidence given at any departmental inquiry ordered by an authority subordinate to the Central Government or by the Board or by any authority subordinate to the Board.

Unauthorised communication of information

21. No employee shall, except in accordance with any general or special order of the Board, or in the performance in good faith of the duties assigned to him or her, communicate, directly or indirectly, any official document or any part thereof or information to any other employee of the Board or any other person to whom the employee concerned is not authorised to communicate such document or information.

Explanation

Quotation by an employee (in his representation to the Board) of or from any letter, circular or office memorandum or from the notes from any file to which he or she is not authorised to have access, or which he or she is not authorised to keep in his or her personal custody or for personal purposes, shall amount to unauthorised communication of information within the meaning of this regulation.

Subscriptions

22. No employee shall, without the previous sanction of the Board or of prescribed authority, ask for or accept contributions to, or otherwise associate himself or herself with, the raising of, any funds or other collections in cash or in kind in pursuance of any object whatsoever.

Acceptance of Gifts

23. (1) Save as otherwise provided in these Regulations, no employee shall accept, or permit any member of his or her family or any other person acting on his or her behalf to accept, any gift.

Explanation

I. The expression 'gift' shall include free transport, boarding, lodging, or other service or any other pecuniary advantage when provided by any person other than a near relative or personal friend having no official dealings with the employee.

II. A casual meal, list or other social hospitality shall not be deemed to be a gift.

III. An employee shall avoid accepting lavish hospitality from any individual or from any industrial firm or firms, organisation, etc. having official dealings with him or her.

(2) On occasions, such as wedding anniversaries, the funerals, or religious functions, when the making of a gift is in conformity with the prevailing religious or social practice, an employee may accept gifts from a near relative or personal friend having no official dealings with him, but will, in no case, without the prior approval of the Board, shall he or she accept or permit any member of his or her family to accept on his or her behalf any gifts, of whatever value, from any of his subordinates or from any contractor, supplier or any other person of firm or undertaking with whom he or she has or had at any such dealings with the Board.

Dowry

23A. No employee shall : -

- (i) give or take or abet the giving or taking of dowry; or
- (ii) demand, directly or indirectly, from the parents or guardians of a bride or bride-groom, as the case may be, any dowry.

Explanation

For the purpose of this Rule, "dowry" has the same meaning as in the Dowry Prohibition Act, 1961 (28 of 1961).

Public Demonstrations in honour of an employee of the Central Board

24. No employee shall, except with the previous sanction of the Board, receive any complimentary or valedictory address or accept any testimonial or attend any meeting or entertainment held in his or her honour or in the honour of any other employee :

Provided that nothing in this regulation shall apply to : -

- (i) A farewell entertainment of a substantially private and informal character held in honour of the employee or any other employee on the occasion of his or her retirement or transfer or any person who has recently quit the service of the Board; or
- (ii) the acceptance of simple and inexpensive entertainments arranged by public bodies or institutions.

Note : —Exercise of pressure or influence of any sort on any employee to include him or her to subscribe towards any farewell entertainment, even if it is of a substantially private or informal character, and the collection of subscriptions from Group 'C' and 'D' employees of the Board, under any circumstances, for the entertainment of any employee, not belonging to Group 'C' and Group 'D' is forbidden.

Private Trade or Employment

25. (1) No employee shall, except with the previous sanction of the Board engage, directly or indirectly, in any trade or business or negotiate or undertake any other employment :

Provided that an employee may, without such sanction, undertake honorary work of a social or charitable nature or occasional work of a literary, artistic or scientific character, subject to the conditions that his or her official duties do not thereby suffer, but he or she shall not undertake, or shall discontinue such work if so directed by the Board.

Explanation

Convassing by an employee in support of the business of insurance agency, Commission agency, etc., owned or managed by his wife or husband, as the case may be, or any other member of his or her family, shall be deemed to be a breach of this sub-regulation.

(2) Every employee shall report to the Board if any member of his or her family is engaged in a trade or business or owns or manages an insurance agency or commission agency.

(3) No employee shall, without the previous sanction of the Board, except in the discharge of his or her official duties, take part in the registration, promotion or management of any Bank or other company which is required to be registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956), or any other law for the time being in force, or any co-operative society for commercial purposes :

Provided that an employee may take part in the registration, promotion or management of a co-operative society substantially for the benefit of employees registered under the Co-operative Societies Act, 1912 (2 of 1912), or any other law for the time being in force, or a literary, scientific or charitable society, registered under the Societies Registration Act, 1860 (21 of 1860), or any corresponding law in force.

(4) No employee shall accept any fee for any work done by him or her for any public body or any private person without the sanction of the prescribed Authority.

Investment leading and borrowing :

26. (1) No employee shall speculate in any stock, share or other investment.

Explanation.—Frequent purchase or sale or both, of shares, or other investment shall be deemed to be speculation within the meaning of this sub-regulation.

(2) No employee shall make, or permit any member of his or her family or any person acting on his or her behalf to make any investment which is likely to embarrass or influence him or her in the official duties.

(3) If any question arises whether any transaction is of the nature referred to in sub regulation (1) or sub regulation (2), the decision of the Board thereon shall be final.

(4) (i) No employee shall, save in the ordinary course of business with a bank or a firm of standing duly authorised to conduct banking, or a public limited company, whether himself or herself or through any member of his or her family or any other person acting on his or her behalf;

(a) lend or borrow money, as principal agent to or from any person within the local limits of his or her authority or with whom he or she is likely to have official dealings or otherwise place himself or herself under any pecuniary obligation to such person; or

(b) lend money to any person at interest or in a manner whereby return in money or in kind is charged or paid.

Provided that an employee may, give to, or accept from, a relative or a personal friend a purely temporary loan of a small amount, free of interest, or operate a credit account with a bonafide tradesman or make an advance of pay to his private employee.

Provided further that nothing in this sub regulation shall apply in respect of any transaction entered into by an employee with the previous sanction of the Board.

(ii) When an employee is appointed or transferred to a post of such nature as would involve him or her in the break of any of the provisions of sub regulation (2) or sub regulation (4), he or she shall forthwith report the circumstances to prescribed authority and shall thereafter act in accordance with such order as may be made by such authority.

Insolvency and habitual indebtedness :

27. An employee shall so manage his or her private affairs as to avoid habitual indebtedness or insolvency. An employee, against whom any legal proceeding is instituted for the recovery of any debt due from him or her or for adjudging him or her as an insolvent, shall forthwith report the full facts of the legal proceedings to the Board.

Note.—The burden of proving that the insolvency or indebtedness was the result of circumstances, which, the exercise of ordinary diligence, the employee could not have foreseen or over which he or she had no control and had not proceeded from extravagant or dissipated habits, shall be upon the employee.

Movable and immovable valuable property :

28. (1) Every employee shall, on his or her first appointment to any post under the Board, submit a return of his or her assets and liabilities in the form as may be prescribed by the Board giving full particulars regarding :

(a) the immovable property inherited by him or her or owned or acquired by him or her held by him or her on lease or mortgage, either in his or her own name, or in the name of any member of his or her family, or her family, or in the name of any other person;

(b) shares, debentures and cash including bank deposits, inherited by him or her or similarly owned acquired, or held by him or her;

- (c) other movable property inherited by him or her or similarly owned, acquired or held by him or her;
- (d) debt and other liabilities incurred by him or her directly or indirectly.

Note I.—Sub-regulation (1) shall not ordinarily apply to Group 'D' employee but the Board may direct that it shall apply to any employee or class of such employees.

Note II.—In all returns, the value of items of movable property worth less than Rs. 2,000 (Rupees two thousand) may be added and shown as a lump sum. The value of articles of daily use, such as clothes, utensils, crockery, books etc. need not be included in such return.

Note III.—Every employee who is in service on the date of the commencement of these regulations shall submit a return under this sub-regulation on or before such date as may be specified by the Board after commencement.

(2) No employee shall, except with the previous knowledge of the prescribed authority, acquire or dispose of any immovable property by lease, mortgage, purchase, sale, gift or otherwise, either in his or her own name or in the name of any member of his or her family;

Provided that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained by the employee if any such transaction is

(i) with a person having official dealings with the employee, and,

or

(ii) otherwise than through a regular or reputed dealer.

(3) Where an employee enters into a transaction in respect of movable property either in his or her own name or in the name of a member of his or her family, he or she shall, within one month from the date of such transaction, report the same to the prescribed authority if the value of such property exceeds Rs. 2,000/- in the case of an employee holding any Group 'A' or Group 'B' post or Rs. 1,000/- in the case of an employee holding any Group 'C' or Group 'D' post;

Provided that the previous sanction of the prescribed authority shall be obtained if any such transaction is

(i) with a person having official dealings with the employee, and,

or

(ii) otherwise than through a regular or reputed dealer.

(4) The Board or the prescribed authority may, at any time, by general or special order, require an employee to furnish within a period specified in the order, a full and complete statement of such movable or immovable property held or acquired by him or her, or on his or her behalf, or by any member of his or her family, as may be specified in the order. Such statement shall, if so required by the Board or by the prescribed authority, include the details of the means by which or the sources from which such property was acquired.

(5) The Board may exempt any category of employees belonging to Group 'C' or Group 'D' from any of the provisions of this regulation except sub-regulation (4).

Explanation I :

For the purpose of this regulation :

- (i) the expression 'movable property' includes—
 - (a) jewellery, insurance policies, the annual premia of which exceeds Rs. 1,000/- or one-sixth of the total annual emoluments received by the employee from the Board, whichever is less; shares, securities, and debentures;
 - (b) loans advanced by the employee whether secured or not;
 - (c) motor cars, motor vehicles, horses, or any other means of conveyance; and

- (d) refrigerators, radios, radiograms, tape-recorders, calculators, and television sets.

Explanation :

For the purpose of this regulation "lease" means, except where it is obtained from, or, granted, to a person having official dealings with the employee, a lease of immovable property from year to year or for any term exceeding one year or reserving a yearly rent.

Restrictions in relation to Acquisition and Disposal of immovable property outside India and transaction with Foreigners, etc. :

29. Notwithstanding anything contained in sub-regulation (2) of Regulation 28, no employee shall except with the previous sanction of the prescribed authority,

- (a) acquire, by purchase, mortgage, lease, gift or otherwise, either in his or her own name or in the name of any member of his or her family, any immovable property situated outside India;
- (b) dispose of, by sale, mortgage, gift, or otherwise, or grant any lease in respect of immovable property situated outside India which was acquired or is held by him or her either in his or her own name or in the name of any member of his or her family;
- (c) enter into any transaction with any foreigner, foreign Government, foreign organisation or concern,
 - (i) for the acquisition, by purchase, mortgage, lease, gift or otherwise, either in his or her own name or in the name of any member of his or her family, of any immovable property;
 - (ii) for the disposal of, by sale, mortgage, gift or otherwise or the grant of any lease in respect of any immovable property which was acquired or is held by him either in his or her own name or in the name of any member of his or her family.

Vindication of acts and character of employees :

30. (1) No employee shall, except with the previous sanction of the Board, have recourse to any Court or to the Press for the vindication of any official act which has been a subject matter of adverse criticism or any attack of a dematory character.

(2) Nothing in this regulation shall be deemed to prohibit an employee from vindicating his or her private character or any act done by him or her in his or her private capacity and where any action vindicating his or her private character or act done by him or her in his or her private capacity is taken, the employee shall submit a report to the prescribed authority regarding such action.

Note.—“Prescribed Authority” for the purpose of this regulation shall have the same meaning as in Regulation 28.

Canvassing of non-official or other influence :

31. No employee shall bring or attempt to bring any political or other influence to bear upon any superior authority to further his or her interests in respect of matters pertaining to his or her service in the Board.

Restrictions regarding marriages

32. (1) No employee shall enter into, or contract a marriage with a person having a spouse living; and

(2) No employee having a spouse living shall enter into, or contract a marriage with any person :

Provided that the Board may permit an employee to enter into or contract any such marriage as is referred to in sub-regulation (1) or sub-regulation (2) if it is satisfied that—

- (a) Such marriage is permissible under the personal law applicable to such employee and the other party to the marriage;

(b) there are other grounds for so doing;

(3) an employee, who has married or marries a person other than that of Indian Nationality, shall forthwith intimate the fact to the Board.

Consumption of intoxicating drinks and drugs

33. An employee shall—

- (a) strictly abide by any law relating to intoxicating drinks or drugs in force in any area in which he or she may happen to be for the time being;
- (b) not be under the influence of any intoxicating drinks or drugs during the course of his or her duty and shall also take due care that the performance of his or her duties at any time is not affected in any way by the influence of such drink or drug;
- (c) refrain from consuming any intoxicating drink or drug in a public place;
- (d) not appear in a public place in a state of intoxication; and
- (e) not use any intoxicating drink or drugs in excess.

Explanation

For the purpose of this regulation 'public place' means any place or places (including a conveyance) to which the public have or are permitted to have access, whether on payment or otherwise.

PART IV

CLASSIFICATION, CONTROL AND APPEAL

Classification of posts

34. All posts under the Board shall be classified as follows :

Sl. No	Description of posts	Classification
1.	A post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs.1,300	Group 'A'
2.	A post carrying a pay or a scale of pay with a maximum of not less than Rs. 900/- but less than Rs. 1,300/-	Group 'B'
3.	A post carrying a pay or a scale of pay with the maximum of over Rs. 290/- but less than Rs. 900/-	Group 'C'
4.	A post carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is Rs.290/- or less.	Group 'D'

Appointing Authority

35. (1) All appointments to Group 'A' posts, the maximum of the scale of which is more than Rs. 1600/- per month, shall be made by the Chairman with the prior approval of the Central Government.

(2) All appointments to Group 'A' posts carrying a pay or a scale of pay the maximum of which is not less than Rs. 1300/- per month but is not more than Rs. 1600/- per month to Group 'B' posts and to Group 'C' posts shall be made by the Chairman.

(3) All appointments to posts in Group 'D' shall be made by the Member Secretary.

Suspension

36. (1) The appointing authority or any other authority to which it is subordinate or the disciplinary authority or any other authority empowered in that behalf by the Board, by general or special order, may place an employee under suspension;

- (a) where a disciplinary proceeding against him/her is contemplated or is pending; or
- (b) where, in the opinion of the authority aforesaid, he/she has engaged himself/herself in the activities prejudicial to the interests of the security of the State or of the Board; or

- (c) where a case against him/her in respect of any criminal offence is under investigation, inquiry or trial;

Provided that where the order of suspension is made by an authority lower than the appointing authority such authority shall forthwith report to the appointing authority the circumstances in which the order was made.

(2) An employee shall be deemed to have been placed under suspension by an order of the appointing authority—

- (a) with effect from the date of his/her detention if, he or she is detained in custody whether on a criminal charge or otherwise for a period exceeding 48 hours;
- (b) with effect from the date of his/her conviction if, in the event of a conviction for an offence, he/she is sentenced to a term of imprisonment exceeding 48 hours and is not forthwith dismissed or removed or compulsorily retired consequent to such conviction.

Explanation

The period of 48 hours referred to above in Clause (b) of this sub regulation shall be computed from the commencement of the imprisonment after the conviction and for this purpose, intermittent periods of imprisonment, if any, shall be taken into account.

(3) Where a penalty of dismissal, removal or compulsory retirement from service imposed upon an employee under suspension is set aside in appeal or on review under these regulations and the case is remitted for further inquiry or action or with any other direction, the order of his/her suspension shall be deemed to have been continued in force on and from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall remain in force until further orders.

(4) Where a penalty of dismissal removal or compulsory retirement from service imposed upon an employee is set aside or declared or rendered void in consequence of or by a decision of a Court of Law, and the disciplinary authority on consideration of the circumstances of the case, decides to hold a further inquiry against him/her on the allegations on which the penalty of dismissal, removal or compulsory retirement was originally imposed, the employee shall be deemed to have been placed under suspension by the appointing authority from the date of the original order of dismissal, removal or compulsory retirement and shall continue to remain under suspension until further orders.

5. (a) An order of suspension made or deemed to have been made under this regulation shall continue to remain in force until it is modified or revoked by the authority competent to do so.

(b) where an employee is under suspension or is deemed to have been suspended (whether in connection with any disciplinary proceedings or otherwise) and any other disciplinary proceeding is commenced against him/her during the continuance of that suspension, the authority competent to place him/her under suspension may, for reasons to be recorded by him in writing, direct that the employee shall continue to be under suspension until the termination of all or any of such proceedings.

(c) An order of suspension made or deemed to have been made under this rule may, at any time, be modified or revoked by the authority which made or is deemed to have made an order or by any other authority to which that authority is subordinate.

37. An employee who is placed under suspension or is deemed to have been placed under suspension shall during the period of his/her suspension be entitled to the following payments, namely :—

(a) Subsistence allowance equal to half the salary that the employee would draw if he/she had been on leave and, in addition, dearness allowance, if admissible on the basis of such leave salary :

Provided that where the period of suspension exceeds three months, the authority which made or is deemed to have made the order of suspension shall be competent to vary the

amount of subsistence allowance consequent to the period of first three months as follows :—

- (i) The amount of subsistence allowance may be increased by a suitable amount not exceeding 50% of the subsistence allowance admissible during the period of the first three months, if, in the opinion of the said authority, the period of suspension has been prolonged for reasons, to be recorded in writing, not directly attributable to the employee;
 - (ii) the amount of subsistence allowance may be reduced by a suitable amount not exceeding 50% of the subsistence allowance admissible during the period of first three months, if in the opinion of the said authority, the period of suspension has been prolonged due to reasons, to be recorded in writing, directly attributable to the employee;
 - (iii) The rate of dearness allowance will be based on increased or decreased amount as the case may be of subsistence allowance admissible under sub-clause (i) and sub-clause (ii) above.
- (b) Any other compensatory allowance admissible from time to time on the basis of pay which the employee was in receipt of on the date of suspension subject to the fulfilment of other conditions laid down for the drawal of such allowance.

38. No payment under sub-regulation (1) (a) shall be made unless the employee furnishes a certificate that he/she is not engaged in any other employment/business/profession or vocation;

Provided that, in the case of an employee dismissed, removed or compulsorily retired from service and who is deemed to have been placed or continues to be under suspension from the date of such dismissal, removal or compulsory retirement under sub-regulation (3) and sub-regulation (4) and fails to produce such a certificate for any period or periods during which he/she is deemed to have been placed or continues to be under suspension he/she shall be entitled to subsistence allowance and other allowances equal to the amount by which his/her earnings during such period or periods as the case may be, fall short of the amount of the subsistence allowance and other allowances that would otherwise be admissible to him/her. Where the subsistence allowance and other allowances admissible to him/her are equal to or less than the amount earned by him/her nothing in this proviso shall apply to him/her.

Penalties

39. The following penalties may for good and sufficient reasons and as hereinafter provided be imposed on an employee, namely,

Minor penalties

- (i) Censure;
- (ii) Withholding of his/her promotion;
- (iii) Recovery from his/her pay of the whole or part of any pecuniary loss caused by him/her to the Board by negligence or breach of orders;
- (iv) Withholding of increments of pay;

Major penalties

- (v) Reduction to a lower stage in the time scale of pay for a specified period with further directions as to whether or not the employee will earn increments of pay during the period of such reduction and whether on the expiry of such period, the reduction will or will not have the effect of postponing the future increments of his/her pay;

- (vi) Reduction to a lower time scale of pay, grade or post which shall ordinarily be a bar to the promotion of the employee to the time scale of pay, grade or post from which he was reduced, with or without further directions regarding conditions of restoration to the grade or post from which the employee was reduced and his/her seniority and pay on such restoration to that grade or post;

- (vii) Compulsory retirement;
- (viii) Removal from service which shall not ordinarily be a disqualification for future employment under the Board;
- (ix) Dismissal from service which shall be disqualification for future employment under the Board;

Explanation

The following shall not amount to a penalty within the meaning of this regulation, namely,

- (i) Withholding of increments of pay of an employee for his/her failure to pass any departmental examination in accordance with the rules or orders governing the post he/she holds or the terms of his/her appointment;
- (ii) Stoppage of an employee at an Efficiency Bar in the time-scale of pay on the ground of his/her unfitness to cross the bar;
- (iii) Non-promotion of an employee, whether in substantive or officiating capacity, after consideration of his/her case to a grade or post for promotion to which he/she is eligible;
- (iv) Reversion of an employee officiating in a higher grade or post to a lower grade or post on the ground that he/she is considered to be unsuitable for such higher grade or post on any administrative ground unconnected with his/her conduct;
- (v) Reversion of an employee appointed on probation to any other grade or post to his/her permanent grade or post during or at the end of the period of probation in accordance with the terms of his/her appointment or the rules and orders governing such probation;
- (vi) Replacement of the services of an employee, whose services had been borrowed from a State Government, or an authority under the control of a State Government or from any other authority, at the disposal of the State Government or the authority from which the services of such employee had been borrowed;
- (vii) Compulsory retirement of an employee in accordance with the provisions relating to his/her superannuation or retirement;
- (viii) Termination of service :
 - (a) of an employee appointed on probation, during or at the end of the period of his/her probation, in accordance with the terms of his/her appointment or the rules and orders governing such probation; or
 - (b) of a temporary employee in accordance with the provisions of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965.
 - (c) of an employee, employed under an agreement in accordance with the terms of such agreement.

Disciplinary Authorities

40. (1) The Chairman may impose on any employee any of the penalties specified in regulation 39 :

Provided that before imposing any penalty mentioned in clauses (v) to (ix) of regulation 39 on any employee holding a post with the time scale of pay the maximum of which is more than Rs. 1600/- p.m., he shall obtain the prior approval of the Central Government.

(2) Without prejudice to the provisions of sub-regulation (1) any of the penalties specified in regulation 39 may be imposed on an employee by the appointing authority or by any other authority empowered in this behalf by a general or special order of the Board.

Explanation

Where an employee holding a post of any group is promoted, whether on probation or temporarily, to a post of the next higher group, he/she shall be deemed for the purpose of this regulation, to hold the post of such higher group.

Authority to Institute Proceedings

41. (1) The Chairman may

- (a) institute disciplinary proceedings against any employee;
- (b) direct a disciplinary authority, where he himself is not the disciplinary authority, to institute proceedings against any employee on whom that disciplinary authority is competent to impose under these regulations any of the penalties specified in regulation 39.

(2) A disciplinary authority competent under these regulations to impose any of the penalties specified in clauses (1) to (iv) of regulation 39 may institute disciplinary proceedings against any employee for the imposition of any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 notwithstanding that such disciplinary authority is not competent under these regulations to impose any of the latter penalties.

PROCEDURE FOR IMPOSING MAJOR PENALTIES***Procedure for Imposing Penalties***

42. (1) No order imposing any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 shall be made except after an inquiry held, as far as may be, in the manner provided in this regulation and regulation 43.

(2) Whenever the disciplinary authority is of the opinion that there are grounds for inquiring into the truth of any imputation of any misconduct or misbehaviour against any employee, it may itself inquire into, or appoint under this regulation, an authority to inquire into the truth thereof.

Explanation : Where the disciplinary authority itself holds the inquiry, any reference in sub-regulation (7) to sub-regulation (2) and in sub-regulation (22) to the inquiring authority shall be construed as a reference to the disciplinary authority.

(3) Where it is proposed to hold an inquiry against an employee under this regulation and regulation 43, the disciplinary authority shall draw up or cause to be drawn up—

- (i) the substance of imputations of misconduct or misbehaviour into definite and distinct articles of charge;
- (ii) a statement of imputations of misconduct or misbehaviour in support of each article of charge which shall contain—
 - (a) statement of all relevant facts including any admission or confession made by the employee;
 - (b) a list of documents by which, and a list of witnesses by whom, the articles of charge are proposed to be sustained.

(4) The disciplinary authority shall deliver or cause to be delivered to the employee a copy of the articles of the charge, a statement of imputations of misconduct or misbehaviour and a list of documents by which and witnesses by whom such article of charge is proposed to be sustained and shall require the employee to submit, within such time as may be specified, a written statement of his/her defence and to state whether he/she desires to be heard in person.

(5) (a) On receipt of the written statement of defence, the disciplinary authority may itself inquire into such of the articles of charge as are not admitted, or if it considers necessary so to do, appoint, under sub-regulation (2), an inquiring authority for the purpose, and where all articles of charge have been admitted by the employee in his/her written statement of defence, the disciplinary authority shall record its findings on each charge after taking such evidence as it may think fit, and shall act in the manner laid down in regulation 43.

(b) if no written statement of defence is submitted by the employee, the disciplinary authority may itself inquire into the articles of charge or may, if it considers it necessary to do so, appoint under sub-regulation (2) an inquiring authority for the purpose.

(c) Where the disciplinary authority itself inquires into any article of charge or appoints an inquiring authority for holding an inquiry into such charge, it may, by an order, appoint one or its other employees or a Legal Practitioner, to be known as the "Presenting Officer", to present on its behalf the case in support of the articles of charge.

(6) The disciplinary authority shall, where it is not the inquiring authority, forward to the inquiring authority—

- (i) a copy of the articles of charge and the statement of imputations of misconduct or misbehaviour;
- (ii) a copy of written statement of defence, if any, submitted by the employee;
- (iii) a copy of the statement of witnesses, if any referred to in sub-regulation (3);
- (iv) evidence proving the delivery of the documents referred to in sub-regulation (3) to the employee; and
- (v) a copy of the order appointing the Presenting Officer.

(7) The employee shall appear in person before the inquiring authority on such day and at such time within ten working days from the date of receipt by him/her of the articles of charge and the statement of imputations of misconduct or misbehaviour, as the inquiring authority may, by a notice in writing, specify in this behalf or within such further time, not exceeding ten days, as the inquiring authority may allow.

(8) The employee may take the assistance of any other employee of the Central Board or any other Central Government Servant to present the case on his/her behalf, but may not engage a legal practitioner for the purpose unless the Presenting Officer appointed by the disciplinary authority is a legal practitioner or, the disciplinary authority, having regard to the circumstances of the case, so permits.

NOTE : The employee shall not take assistance of any other employee of the Board or any Central Government servant, who has two pending disciplinary cases on hand in which he has to give assistance.

(9) If the employee who has not admitted any of the articles of charge in his/her written statement of defence or has not submitted any written statement of defence, appears before the inquiring authority, such authority shall ask him/her whether he/she is guilty or has any defence to make and if he/she pleads guilty to any of the articles of charge, the inquiring authority shall record the plea sign the record and obtain the signature of the employee thereon.

(10) The inquiring authority shall return the finding of guilt in respect of those articles of charge to which the employee pleads guilty.

(11) The inquiring authority shall if the employee fails to appear within the specified time or refuses or omits to plead, require the Presenting Officer to produce the evidence by which he proposes to prove the articles of charge, and shall adjourn the case to a later date not exceeding thirty days, after recording an order that the employee may, for the purpose of preparing his/her defence :

- (i) inspect within five days of the order or within such further time not exceeding five days as the inquiring authority may allow, the documents, specified in the list referred to in regulation (3);
- (ii) submit a list of witnesses to be examined on his/her behalf;

NOTE : If the employee applies orally or in writing for supply of copies of statement of witnesses mentioned in the list referred to in sub-regulation (3), the inquiring authority shall furnish his/her with such copies as early as possible and in any case not later than three days before the commencement of the

examination of the witnesses on behalf of the disciplinary authority.

- (iii) give notice within ten days of the order or within such further time not exceeding ten days as the inquiring authority may allow, for the discovery of production of any documents which are in the possession of the Board but not mentioned in the list referred to in sub-regulation (3).

NOTE : The employee shall indicate the relevance of the documents required by him to be discovered or produced by the Board.

(12) The inquiring authority shall, on receipt of the notice of discovery or production of documents, forward the same or copies thereof, to the authority in whose custody or possession the documents are kept, with the requisition for the production of the documents by such date as may be specified in such requisition:

Provided that the inquiring authority may, for reasons to be recorded in writing, refuse to requisition such of the documents as are, in its opinion, not relevant to the case.

(13) On receipt of the requisition referred to in sub regulation (12) every authority having the custody or possession of the requisitioned documents shall produce the same before the inquiring authority:

Provided that if the authority having the custody or possession of the requisitioned documents is satisfied for reasons to be recorded by it in writing that the production of all or any such documents would be against the public interest or security of the State or that any of such documents contains information, the disclosure of which will adversely affect the freedom and candour of expression of the officers of the Board, it shall inform the inquiring authority accordingly and the inquiring authority, on being so informed, communicate the information to the employee and withdraw the requisition made by it for the production or discovery of such documents.

(14) On the date fixed for the inquiry, the oral and documentary evidence by which the articles of charge are proposed to be proved shall be produced by or on behalf of the disciplinary authority. The witnesses shall be examined by or on behalf of the Presenting Officer and may be cross-examined by or on behalf of the employee. The Presenting Officer shall be entitled to re-examine the witnesses on any points on which they have been cross-examined, but not on any new matter, without the leave of the inquiring authority. The inquiring authority may also put such questions to the witnesses as it thinks fit.

(15) If it shall appear necessary before the close of the case on behalf of the disciplinary authority, the inquiring authority may, in its discretion, allow the Presenting Officer to produce evidence not included in the list given to the employee or may itself call for new evidence or recall or re-examine any witness and in such cases the employee shall be entitled to have, if he demands it, a copy of the list of further evidence proposed to be produced and an adjournment of the inquiry for three clear days before the production of such new evidence exclusive of the day of adjournment and the day to which the inquiry is adjourned. The inquiring authority shall give the employee an opportunity of inspecting such documents before they are taken on the record. The inquiring authority may also allow the employee to produce new evidence if it is of the opinion that the production of such evidence is necessary in the interest of justice.

NOTE : New evidence shall not be permitted or called for nor shall any witness be recalled to fill up any gap in the evidence. Such evidence may be called for only when there is an inherent lacuna or defect in the evidence which has been produced originally.

(16) When the case for the disciplinary authority is closed the employee shall be required to state his defence, orally or in writing, as he may prefer. If the defence is made orally, it shall be recorded and the employee shall be required to sign the record. In either case, a copy of the statement of defence shall be given to the Presenting Officer, if any, appointed. The evidence on behalf of the employee shall then be produced. The employee may examine himself in his own behalf if he so prefers. The witnesses produced by the employee shall then be examined and shall be liable to

cross-examination, re-examination and examination by the inquiring authority according to the provisions applicable to the witnesses for the disciplinary authority.

(17) The inquiring authority may, after the employee closes his case, and shall, if the employee has not examined himself, generally question him/her on the circumstances appearing against him/her in the evidence for the purpose of enabling the employee to explain any circumstances appearing in the evidence against him/her.

(18) The inquiring authority, may, after the completion of production of evidence, hear the Presenting Officer, if any, appointed, and the employee, or permit them to file written briefs of their respective case, if they so desire.

(19) If the employee to whom a copy of the articles of charge has been delivered does not submit a written statement of defence on or before the date specified for the purpose or does not appear in person before the inquiring authority or otherwise fails or refuses to comply with the provisions of this rule, the inquiring authority may hold the inquiry *ex parte*.

(20) (a) Where a disciplinary authority competent to impose any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of regulation 39 but not competent to impose any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 has itself inquired into or caused to be inquired into the articles of any charge and that authority, having regard to its findings or having regard to its decision or any of the findings of any inquiring authority appointed by it, is of the opinion that the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 should be imposed on the employee, that authority shall forward the records of the inquiry to such disciplinary authority as is competent to impose the last mentioned penalties.

(b) The disciplinary authority to which the records are so forwarded may act on the evidence on the record or may, if it is of the opinion that further examination of any of the witnesses is necessary in the interest of justice, recall the witnesses and examine, cross-examine and re-examine the witnesses and may impose on the employee such penalty as it may deem fit in accordance with these regulations.

(21) Whenever any inquiring authority, after having heard and recorded the whole or any part of the evidence in an inquiry, ceases to exercise jurisdiction therein, and is succeeded by another inquiring authority which has and which exercises such jurisdiction, the inquiring authority so succeeding may act on the evidence so recorded by its predecessor or partly recorded by its predecessor and partly recorded by itself:

Provided that if the succeeding inquiring authority is of the opinion that further examination of any of the witnesses whose evidence has already been recorded is necessary in the interest of justice, it may recall, examine, cross-examine and re-examine any such witnesses as hereinbefore provided.

(22) (i) After the conclusion of the inquiry a report shall be prepared and it shall contain—
 (a) the articles of charge and the statement of the imputations of misconduct or misbehaviour;
 (b) the defence of the employee in respect of each article of charge;
 (c) an assessment of the evidence in respect of each article of charge;
 (d) the findings on each article of charge and the reasons therefor.

Explanation :—If, in the opinion of the inquiring Authority the proceedings of the inquiry establish any article of charge different from the original article of charge, it may record :

Provided that the findings on such article of charge shall not be recorded unless the employee has either admitted the facts on which such article of charge is based or has had a reasonable opportunity of defending himself, against such article of charge.

- (ii) The inquiring authority, where it is not itself the disciplinary authority, shall forward to the disciplinary authority the records of inquiry which shall include :—
- the report prepared by it under clause (i),
 - a written statement of defence, if any, submitted by the employee;
 - the oral or documentary evidence produced in the course of inquiry;
 - written briefs, if any, filed by the Presenting Officer or the employee or both during the course of inquiry; and
 - the orders, if any, made by the disciplinary authority and the inquiring authority in regard to the inquiry.

Action on the Inquiry Report

43. (1) The disciplinary authority, if it is not itself the inquiring authority, may, for reasons to be recorded by it in writing, remit the case to the inquiring authority or further inquiry and report and the inquiring authority shall thereupon proceed to hold the further inquiry according to the provisions of regulation 42 as far as may be.

(2) The disciplinary authority shall, if it disagrees with the findings of the inquiring authority on any article of charge, record its reasons for such disagreement and record its own findings on such charge, if the evidence on record is sufficient for the purpose.

(3) If the disciplinary authority having regard to its findings on all or any of the articles of charge is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of regulation 39 should be imposed on the employee, it shall, notwithstanding anything contained in regulation 44, make an order imposing such penalty.

(4) If the disciplinary authority having regard to its findings on all or any of the articles of charge, is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 should be imposed on the employee it shall :

- furnish to the employee a copy of the report of inquiry held by it and its findings on each article of charge, or, where the inquiry has been held by an inquiring authority appointed by it, a copy of the report of the authority and a statement of its findings on each article of charge together with brief reasons for its disagreement, if any, with the findings of the inquiring authority;
- give the employee a notice stating the penalty proposed to be imposed on him/her and calling him/her to submit within fifteen days of the receipt of the notice or such further time not exceeding fifteen days, as may be allowed, such representation as he/she may wish to make on the proposed penalty on the basis of the evidence adduced during the inquiry held under regulation 42,
- consider the representation, if any, made by the employee in pursuance of the notice given to him/her under clause (b) and determine what penalty, if any, should be imposed on him/her and make such order as it may deem fit.

Procedure for imposing minor penalties :

44. (1) Subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 43, no order imposing on an employee any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of regulation 39 shall be made except after—

- informing the employee in writing of the proposal to take action against him/her and of the imputations of misconduct or misbehaviour on which it is proposed to be taken and giving him/her a reasonable opportunity of making such representation as he/she may wish to make against the proposal;
- holding an inquiry in the manner laid down in sub-regulation (3) to (22) of regulation 42 in every case where the disciplinary authority is of the opinion that such inquiry is necessary;

- taking the representation, if any, submitted by the employee under clause (a) and the record of inquiry, if any, held under clause (b) into consideration; and
- recording of finding on each imputation of misconduct or misbehaviour.

(2) Notwithstanding anything contained in clause (b) of sub-regulation (1), if in a case it is proposed, after considering the representation, if any, made by the employee under clause (e) of that sub-regulation, to withhold increments of pay for a period exceeding three years or to withhold increments of pay with cumulative effect for any period, an inquiry shall be held in the manner laid down in sub-regulation (3) to (22) of regulation 42 before making any order imposing on the employee any such penalty.

(3) The record of the proceedings in such cases shall include—

- a copy of the intimation to the employee of the proposal to take action against him/her;
- a copy of the statement of imputations of misconduct or misbehaviour delivered to him/her;
- his/her representation, if any;
- the evidence produced during the inquiry;
- the findings on each imputation of misconduct or misbehaviour; and
- the orders on the case together with the reasons therefor.

Communication of Orders

45. Orders made by the disciplinary authority shall be communicated to the employees who shall be supplied with a copy of the report of the inquiry, if any, held by the disciplinary authority and a copy of its findings on each article of charge, or, where the disciplinary authority is not an inquiring authority a copy of the report of the inquiring authority and a statement of the findings of the disciplinary authority together with brief reasons for its disagreement, if any, with the findings of the inquiring authority (unless they have already been supplied to him/her).

Common Proceedings

46. (1) Where two or more employees are concerned in any case, the Board or any other authority competent to impose the penalty of dismissal from service on all such employees may make an order directing that disciplinary action against all of them may be taken in a common proceedings—

Note.—If the authorities competent to impose a penalty of dismissed on such employees are different, an order for taking disciplinary action in a common proceedings may be made by the highest of such authorities with the consent of the others.

(2) Any such order shall specify—

- the authority which may function as the disciplinary authority for the purpose of such common proceeding;
- the penalties specified in regulation 39 which such disciplinary authority shall be competent to impose;
- whether the procedure laid down in regulation 42 and regulation 43 or regulation 44 shall be followed in the proceeding.

Special Procedure in certain cases

47. Notwithstanding anything contained in regulations 42 to 46—

- Where any penalty is imposed on an employee on the ground of conduct which has led to his/her conviction on a criminal charge, or
- where the disciplinary authority is satisfied for reasons to be recorded by it in writing that it is not reasonably practicable to hold an inquiry in the manner provided in these regulations, or
- where the Board or any other authority competent to impose the penalty of dismissal from service on all employees being proceeded with is satisfied that in the interest of the security of the State, it is not

- expedient to hold any inquiry in the manner provided in these regulations;
- (iv) the disciplinary authority may consider the circumstances of the case and make such orders thereon, as it deems fit.

Provisions regarding officers lent to other authorities etc.

48. (1) Where the services of any employee are lent by the Board to any other authority (hereinafter in this regulation referred to as "the borrowing authority"), the borrowing authority shall have the powers of the appointing authority for the purpose of placing such employees under suspension and of the disciplinary authority for the purpose of taking a disciplinary proceeding against him/her:

Provided that the borrowing authority shall forthwith inform the Board of the circumstances leading to the order of suspension of such employees or the commencement of the disciplinary proceedings, as the case may be.

(2) In the light of the findings in the disciplinary proceedings conducted against the employee:

- (i) if the borrowing authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of regulation 39 should be imposed on the employee, it may, after consultation with the Board, make such orders in the case as it may deem necessary;

Provided that in the event of a difference of opinion between the borrowing authority and the Board, the services of the employee shall be replaced at the disposal of the Board:

- (ii) If the borrowing authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 should be imposed on the employee, it shall replace his/her services at the disposal of the Board and transmit to it the proceeding of the inquiry and thereupon, the Chairman, if he is the disciplinary authority, shall pass such orders thereon as it may deem necessary or if he is not the disciplinary authority, remit the case to the disciplinary authority which shall pass such orders on the case as it may deem necessary:

Provided that before passing any such order the disciplinary authority shall comply with the provisions of sub-regulations (3) & (4) of regulation 43.

Explanation

The disciplinary authority may make an order under this clause on the record of the inquiry transmitted to it by the borrowing authority, or after holding such further inquiry as it may deem necessary, as far as may be, in accordance with regulation 42.

Provisions regarding officers borrowed from other authorities etc.

49. (1) Where an order of suspension is made or a disciplinary proceeding is conducted against an employee whose services have been borrowed by the Board from any Department of the Central Govt. or an authority subordinate thereto or a local or any other authority, the authority subordinate thereto or a local or any other authority, the authority lending his/her services (hereinafter in this regulation referred to as "the lending authority") shall forthwith be informed of the circumstances leading to the order of the suspension of the employee or of the commencement of the disciplinary proceeding, as the case may be.

(2) In the light of the findings of the disciplinary proceeding conducted against the employee:

- (i) if the disciplinary authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (i) to (iv) of regulation 39 should be imposed on him/her, it may, subject to the provisions of sub-regulation (3) of regulation 43, pass such order on the case as it may deem necessary:

Provided that in the case of a difference of opinion between the Board and the lending authority, the services of the employee shall be replaced at the disposal of the lending authority.

- (ii) if the disciplinary authority is of the opinion that any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 imposed on the employee, it shall replace the services of such employee at the disposal of the lending authority and transmit to it the proceedings of the inquiry for such action as it may deem necessary.

APPEALS

Orders against which no appeal lies

50. Notwithstanding anything contained in this Part, no appeal shall lie against:

- (i) any order made by the Board;
- (ii) any order of an interlocutory nature or of the nature of a step-in-aid for the final disposal of a disciplinary proceeding other than an order of suspension;
- (iii) any order passed by an inquiring authority in the course of an inquiry under regulation 42.

Orders against which appeal lies

51. Subject to the provisions of regulation 50 an employee may prefer an appeal against all or any of the following orders, namely:

- (i) an order of suspension made or deemed to have been made under regulation 36;
- (ii) an order imposing any of the penalties specified in regulation 39 whether made by the disciplinary authority or by any appellate or reviewing authority;
- (iii) an order enhancing any penalty imposed under regulation 39;
- (iv) an order which—
- (a) denies or varies to his/her disadvantage his/her pay, allowances or other conditions of service as regulated by rules or regulations or by agreement; or
 - (b) interprets to his/her disadvantage the provisions of any such rule regulation or agreement;
- (v) an order—
- (a) stopping him/her at the Efficiency Bar in the time scale of pay on the ground of his/her unfitness to cross the bar;
 - (b) reverting him/her while officiating in a higher grade or post to a lower grade or post otherwise than as a penalty;
 - (c) reducing or withholding the amount representing other benefits payable to the employee on retirement or denying the maximum gratuity and other retirement benefits admissible to him/her under the regulations;
 - (d) determining the subsistence and other allowances to be paid to him/her for the period of suspension during which he/she is deemed to be under suspension or for any portion thereof;
 - (e) determining his/her pay and allowances—
 - (i) for the period of suspension;
 - (ii) for the period from the date of his/her dismissal, removal or compulsory retirement from service or from the date of his/her reduction to a lower grade, post, time scale or stage in a time scale of pay to the date of his/her reinstatement or restoration to his/her grade or post, or - (f) determining whether or not the period from the date of his/her suspension or from the date of his/her dismissal, removal, compulsory retirement or reduction to a lower grade, post, time scale or pay or stage in a time-

scale of pay to the date of his reinstatement or restoration to his/her grade or post shall be treated as a period spent on duty for any purpose.

Explanation—In this regulation the expression 'employee' includes a person who has ceased to be in the Board's employment.

Appellate Authorities

52. (1) An employee, including a person who has ceased to be in the Board's employment, may prefer an appeal against all or any of the orders specified in regulation 51 to the authority specified by a general or special order of the Board and where no such authority is specified—

- (i) where such employee is or was holding a Group 'A' post or a Group 'B' post or a Group 'C' post,
 - (a) to the appointing authority where the order appealed against is made by an authority subordinate to it; or
 - (b) to the Board where such order is made by any other authority;
 - (ii) Where such employee is or was holding a Group 'D' post to the authority to which the authority making the order appealed against is immediately subordinate.
- (2) Notwithstanding any thing contained in sub-regulation (1)—
- (i) an appeal against an order in a common proceeding held under regulation 46 shall lie to the authority to which the authority functioning as the disciplinary authority for the purpose of that proceeding is immediately subordinate;
 - (ii) where the person who made the order appealed against becomes, by virtue of his subsequent appointment or otherwise, the appellate authority in respect of such order, an appeal such order shall lie to the authority to which such person is immediately subordinate.

Period of Limitation for Appeals

53. No appeal preferred under these regulation shall be entertained unless such appeal is preferred within a period of 45 days from the date on which a copy of the order appealed against is delivered to the appellant:

Provided that the appellate authority may entertain the appeal after the expiry, of the said period, if it is satisfied that the appellant had sufficient cause for not preferring the appeal in time.

From and Content of Appeal

54. (1) Every employee preferring an appeal shall do so separately and in his/her own name.

(2) The appeal shall be presented to the authority to whom the appeal lies a copy being forwarded by the appellant to the authority which made the order appealed against. It shall contain all the material statements and arguments on which the appellant relies, it shall not contain any disrespectful or improper language, and shall be complete in itself.

(3) The authority which made the order appealed against shall, on receipt of a copy of the appeal, forward the same with its comments thereon, together with the relevant records, to the appellate authority without any avoidable delay and without waiting for any direction from the appellate authority.

Consideration of Appeal

55. (1) In the case of an appeal against an order of suspension, the appellate authority shall consider whether, in the light of the provisions of regulation 36 and having regard to the circumstances of the case, the order of suspension is justified or not and confirm or revoke the order accordingly.

(2) In the case of appeal against an order imposing any of the penalties specified in regulation 39 or enhanc-

ing any penalty imposed under the said regulation the appellate authority shall consider:—

(a) Whether the procedure laid down in these regulations has been complied with, and whether such non-compliance if any, has resulted in the violation of any provisions of the Constitution of India or in the failure of justice;

(b) whether the findings of the disciplinary authority are warranted by the evidence on the record; and

(c) whether the penalty or the enhanced penalty imposed is adequate, inadequate, or severe;

and pass order—

(i) confirming, enhancing, reducing or setting aside the penalty; or

(ii) remitting the case to the authority which imposed or enhanced the penalty or to any other authority with such direction as it may deem fit in the circumstances of the case:

Provided that if the enhanced penalty which the appellate authority proposes to impose is one of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 and an inquiry under regulation 42 has not already been held in the case, the appellate authority shall, subject to the provisions of regulation 47 itself, hold such inquiry or direct that such inquiry be held in accordance with the provisions of regulation 42 and thereafter on consideration of the proceedings of such inquiry and after giving the appellant a reasonable opportunity, as far as may be in accordance with provisions of sub-regulation (4) of regulation 43 of making a representation against the penalty proposed on the basis of the evidence adduced during such inquiry make such orders as it may deem fit;

(iii) if the enhanced penalty which the appellate authority proposes to impose is one of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 and an inquiry under regulation 42 has already been held in the case, the appellate authority shall, after giving the appellant a reasonable opportunity, as far as may be in accordance with the provisions of sub-regulation (4) of regulation 43 making a representation against the penalty on the basis of the evidence adduced during the inquiry, make such orders as it may deem fit; and

(iv) no order imposing or enhancing penalty shall be made in any other case unless the appellant has been given a reasonable opportunity as far as it may be in accordance with the provisions of regulation 44 of making a representation against such enhanced penalty.

(3) In an appeal against any other order specified in regulation 51, the appellate authority shall consider all the circumstances of the case and make such orders as it may deem just and equitable.

Implementation of Orders in Appeal

56. The authority which made the order appealed against shall give effect to the orders passed by the appellate authority.

Review

57. Notwithstanding anything contained in these regulations :

- (i) the Board in the case of an employee holding a Group 'A', 'B' or 'C' post;
- (ii) the Chairman in the case of other employees;
- (iii) the appellate authority, within six months of the date of the order proposed to be reviewed; or
- (iv) any other authority specified in this behalf by the Board, by a general or special order, and within such time, as may be prescribed in such general or special order;

may at any time either on his or its own motion or otherwise call for records of any inquiry and review any order made under these regulations from which appeal is allowed but from

which no appeal has been preferred or from which no appeal is allowed—

- (a) confirm, modify or set aside the order; or
- (b) confirm, reduce, enhance or set aside the penalty imposed by the order or impose any penalty where no penalty has been imposed; or
- (c) remit the case to the authority which made the order or to any other authority, directing such authority to make such further inquiry as it may think proper in the circumstances of the case; or
- (d) pass such other orders as he or it may deem fit.

Provided that no order imposing or enhancing any penalty shall be made by any reviewing authority, unless the employee concerned has been given a reasonable opportunity of making a representation against the penalty proposed and where it is proposed to impose any of the penalties specified in clauses (v) to (ix) of regulation 39 or to enhance the penalty imposed by the order sought to be reviewed to any of the penalties specified in those clauses, no such penalty shall be imposed except after an inquiry in the manner laid down in regulation 42 and after giving a reasonable opportunity to the employee concerned of showing cause against the penalty proposed on the evidence adduced during the inquiry.

Provided further that no power of review shall be exercised by the Chairman unless:

- (i) the authority which made the order in appeal or
- (ii) the authority to which the appeal would lie where no appeal has been preferred, is subordinate to him.

(2) No proceeding for review shall be commenced until after—

- (i) the expiry of the period of limitation for appeal
- (ii) disposal of the appeal where any such appeal has been preferred.

(3) The application for review shall be dealt with in the same manner as if it were an appeal under these regulations.

Service of Orders, Notices Etc.

58. Every order, notice, and other process made or issued under these regulations shall be served in person on the employee concerned or communicated to him by registered post.

Power to relax time-limit and to condone delay

59. Save as otherwise expressly provided in these regulations, the authority competent under these regulations to make any order may, for good or sufficient reasons or if sufficient cause is shown, extent the time specified in these rules for anything required to be done under these rules or condone any delay.

PART V

CONTRIBUTORY PROVIDENT FUND

Constitution of the Fund

60. A Fund shall be created in the Board to be called the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employees' Contributory Provident Fund. It shall consist of the following and no other sums :

- (a) the amount subscribed by the members;
- (b) the amount contributed by the Board;
- (c) the interest (simple and compound) credited on the above sums;
- (d) securities, if any, purchased with the above sums;
- (e) any capital gains arising out of sale, exchange or transfer of capital assets of the Fund, and
- (f) Provident Fund money transferred from any other organisation covered under the Employees' Provident Fund Act, 1952,

Nominations

61(1) Every subscriber shall, at the time of joining the Fund, send to the Accounts Officer a nomination in Form 'A', 'B', 'C' or 'D' (annexed hereto) as the case may be conferring on one or more persons the right to receive the amount that may stand to his or her credit in the event of his or her death before the amount has become payable or having become payable has not been paid :

Provided that if, at the time of making nomination, the subscriber has a family, the nomination shall not be in favour of any person or persons other than the members of his or her family.

Provided further that the nomination made by the subscriber in respect of any other Provident Fund to which he or she was subscribing before joining the Fund shall, if the amount to his or her credit in such other funds has been transferred to his or her credit in this Fund be deemed to be a nomination duly made under this rule until he or she makes a nomination in accordance with this rule.

(2) If a subscriber nominates more than one person under sub-regulation (1), he or she shall specify in the nomination the amount or share payable to each of the nominees in such a manner as to cover the whole of the amount that may stand to his or her credit in the Fund at any time.

(3) Every nomination shall be in such of the four forms mentioned in sub-regulation (1) above as is proper in the circumstances.

(4) A subscriber may, at any time, cancel a nomination by sending a notice in writing to the Accounts Officer. The subscriber shall along with such notice or separately send a fresh nomination in accordance with provisions of this regulation.

Note : A subscriber shall be entitled to effect changes in the nomination already made by him or her while in service, and even after he or she retires from service, so long as the amount at the credit of the subscriber is not actually paid.

(5) A subscriber may provide in a nomination—

(a) in respect of any specified nominee that in the event of his or her death pre-deceasing the subscriber the right conferred upon that nominee shall pass on to such other person or persons as may be specified in the nomination provided that such other person or persons shall, if the subscriber has other members of his or her family, be such other member or members. Where the subscriber confers such a right on more than one person under this clause, he or she shall specify the amount of share payable to each of such persons in such a manner as to cover the whole of the amount payable to the nominee;

(b) that the nomination shall become invalid in the event of the happening of a contingency specified therein:

Provided that if at the time of making a nomination the subscriber has no family, he or she shall provide in the nomination that it will become invalid in the event of his or her subsequently acquiring a family :

Provided further that if at the time of making a nomination the subscriber has only one member of the family, he or she shall provide in the nomination that the right conferred upon the alternate nominee under clause (a) shall become invalid in the event of his or her subsequently acquiring other member or members in his or her family.

(6) immediately on the death of a nominee, in respect of whom no special provision has been made in the nomination under clause (a) of sub-regulation (5), or on the occurrence of any event by reason of which the nomination becomes invalid in pursuance of clause (b) of sub-regulation (5), or the proviso thereto, the subscriber shall send to the Accounts Officer a notice in writing cancelling the nomination made in accordance with the provisions of this Regulation.

(7) Every nomination made and every notice of cancellation given, by a subscriber, shall, to the extent that it is valid, take effect on the date on which it is received by the Accounts Officer.

Note : Where a nomination or a revised nomination is made by a subscriber, but his death takes place before the nomination or the revised nomination is received by the Accounts Officer, the fact that the nomination or the revised nomination did not reach the Accounts Officer before the subscriber's death shall not invalidate the nomination.

(8) If a subscriber has no family or has no other person, except the nominee, constituting his/her family as defined in these rules, the person to whom the right of the nominee should pass may be someone other than a member of the family of the employee subject, of course, to what is stated in sub-regulation (b).

Subscriber's Account

62(1) An account shall be opened in the name of each subscriber and in which shall be shown :

- (i) his or her subscription;
- (ii) contribution made under Regulation 67 by the Board to his or her account;
- (iii) interest as provided by Regulation 68 on subscription;
- (iv) interest as provided by Regulation 68 on contribution;
- (v) advances and withdrawals from the Fund.

(2) Every subscriber's account will be given a distinct number to identify it from other subscriber's accounts.

Conditions of subscriptions

63(1) Every subscriber shall subscribe monthly to the Fund when on duty or foreign service but not during and period of suspension :

Provided that a subscriber on reinstatement after a period passed under suspension shall be allowed the option of paying in one sum or in instalments, any sum not exceeding the maximum amount of arrears of subscription permissible for that period.

(2) A subscriber may at his or her option, not subscribe during leave which either does not carry and leave salary or carries leave salary equal to or less than half pay or half average pay.

(3) The subscriber shall intimate his election not to subscribe during the leave referred to in sub-regulation (2) by a written communication to the Chairman of the Board before he or she proceeds on leave. Failure to make due and timely intimation shall be deemed to constitute an election to subscribe.

(4) A subscriber who has under regulation 88 withdrawn the amount of subscription and interest thereon, shall not subscribe to the Fund after such withdrawal, unless he or she returns to duty.

(5) If a subscriber dies during the course of a month, proportionate subscription shall be recovered for that month from his or her emoluments i.e., for the number of days during which he or she was alive in the month.

Rate of subscription

64(1) The amount of subscription shall be fixed by the subscriber himself or herself, subject to the following conditions, namely :

(a) it shall be expressed in whole rupees;

(b) it may be any sum, so expressed, not less than 8 1/3 per cent of his or her emoluments and not more than his or her emoluments.

(2) For the purpose of sub-regulation (1) the emoluments of a subscriber shall be

(a) in the case of a subscriber who was in service of the Board on the March 31 of the preceding year,

the emoluments to which he or she was entitled on that date;

Provided that—

- (i) if the subscriber was on leave on the said date and elected not to subscribe during such leave or was under suspension on the said date, his or her emoluments shall be the emoluments to which he or she was entitled on the first day after his or her return to duty;
- (ii) if the subscriber was on deputation out of India on the said date or was on leave on the said date and continues to be on leave and has elected to subscribe during such leave, his or her emoluments shall be the emoluments to which he/she would have been entitled had he/she been on duty in India;
- (iii) if the subscriber joined the Fund on a date subsequent to the said date, his or her emoluments shall be the emoluments to which he or she was entitled on such subsequent date.
- (iv) In the case of a subscriber who was not in the service of the Board on the March 31 of the preceding year the emoluments to which he or she was entitled on the first day of his or her service, or if he or she joined the Fund for the first time on a date subsequent to the first day of his or her service the emoluments to which he or she was entitled on such subsequent date :

Provided that if the emoluments of the subscriber are of a fluctuation nature they shall be calculated in such a manner as the Chairman may direct.

(3) The subscriber shall intimate the fixation of the amount of his monthly subscription in each year in the following manner :

- (a) if he or she was on duty on March 31 of the preceding year, by the deduction which he or she desires to be made by a notice in writing sent in his or her behalf to the Accounts Officer;
- (b) if he or she was on leave on March 31 of the preceding year and elected not to subscribe during such leave or was under suspension on that date, by the deduction which he or she desires to be made by a notice in writing to the Accounts Officer from his/her first pay bill after his or her return to duty ;
- (c) if he or she has entered service of the Board for the first time during the year, or joins the Fund for the first time, by the deduction he or she desires to be made in this or her behalf by a notice in writing to Accounts Officer, from his or her pay bill for the month during which he or she joins the Fund;
- (d) if he or she was on leave on March 31 of the preceding year, and continues to be on leave and has elected to subscribe during such period by deduction which he or she causes to be made in his or her behalf from his or her pay bill for that month by a notice in writing to the Accounts Officer;
- (e) if he or she was on foreign service on the March 31 of the preceding year, by the amount credited by him or her into the Fund on account of subscription for the month of April, in the current year;
- (f) if his or her emoluments are of nature referred to in the proviso to sub-regulation (2) in such a manner as the Chairman may direct.

(4) The amount of subscription so fixed may be enhanced or reduced once at the time during the course of a year :

Provided that when the amount of subscription is so reduced, it shall not be less than the minimum prescribed in sub-regulation (1) :

Provided further that if a subscriber is on duty for a part of the month and on leave for the remainder of that month, and if he or she has not elected to subscribe during leave, the amount of subscription payable

shall be proportionate to the number of days spent on duty in the month.

Transfer to foreign service on deputation out of India

65. When a subscriber is transferred to foreign service and sent on deputation out of India, he or she shall remain subject to the rules of Fund in the same manner as if he or she was not so transferred or sent on deputation.

Realisation of subscription

66. Recovery or subscription to the Fund and of the Principal and interest on advances shall be made from the emoluments of the subscriber by the Board :

Provided that, in the case of subscribers on deputation to any other authority, the subscriber shall authorise the authority concerned to recover and forward to the Accounts Officer such subscriptions and principal and interest on advances.

Contribution by the Board

(1) The Board shall, with effect from March 31 of each year, make a contribution to the account of each subscriber :—

Provided that if a subscriber quits the service or dies during a year, contribution shall be credited to his account for the period between the close of the preceding year and the date of casualty :

Provided further that no contribution shall be payable in respect of any period for which the subscriber is permitted under the rules not to, or does not, subscribe to the Fund.

(2) The contribution by the Board shall be $8\frac{1}{3}$ per cent of the subscriber's emoluments drawn on duty during the year or period, as the case may be;

Provided that if, through oversight or otherwise, the amount subscribed is less than the minimum subscription payable by the subscriber under sub-regulation (1) of regulation 64, and if the short subscription together with the interest accrued thereon is not paid by the subscriber within such time as may be specified by the Board, the contribution payable by the Board, shall be equal to the amount actually paid by the subscriber or the amount normally payable by the Board, in any particular case, otherwise directs.

(3) If the subscriber is on deputation out of India, the emoluments which he/she would have drawn had he/she been on duty in India shall for the purpose of this rule be deemed to be emoluments drawn on duty.

(4) Should the subscriber effect to subscribe during leave, the leave salary shall, for the purposes of this regulation, be deemed to be emoluments drawn on duty.

(5) Should a subscriber elect to pay arrears of subscriptions in respect of a period of suspension, the emoluments or portion of emoluments which may be allowed for that period on reinstatement shall, for the purpose of this rule, be deemed to be emoluments drawn on duty.

(6) The amount of contribution payable in respect of a period of foreign service shall, unless it is recovered by the Board from the subscriber.

(7) The amount of contribution payable shall be rounded to the nearest whole rupee (50 paise counting as the next higher rupee).

Note :— In the case of a re-employed pensioner, the element of pension shall be treated as emoluments for the purpose of contribution to be made by the Board towards the Contributory Provident Fund of the concerned employee.

Interest

68(1) The Board shall pay to the credit of the account of a subscriber interest, at such rate as Government may from time to time prescribe for the payment of interest on subscriptions to the General Provident Fund on the amount to his or her credit in the Fund.

(2) Interest shall be credited with effect from March 31 of each year in the following manner :

- (i) On the amount to the credit of a subscriber on the March 31 of the preceding year, less any sums withdrawn during the current year minus interest for 12 months.
- (ii) On sums withdrawn during the current minus interest from April 1 of the current year upto the last day of the month preceding the month of withdrawal.
- (iii) On all sums credited to the subscriber's account after the March 31 of the preceding year, interest from the date of deposit upto the March 31 of the current year.
- (iv) The total amount of interest shall be rounded to the nearest rupee in the manner provided in sub-regulation (7) of regulation 67.

Provided that when the amount standing to the credit of the subscriber has become payable, interest shall thereupon be credited under this sub-regulation in respect of only of the period from the beginning of the current year or from the date of deposit, as the case may be, upto the date on which the amount standing to the credit of the subscriber became payable.

(3) For the purpose of this regulation the date of deposit shall, in the case of recoveries from emoluments, be deemed to be the first day of the month in which they are recovered; and in the case of amounts forwarded by the subscriber, shall be deemed to be first day of the month of receipt, if they are received by the Accounts Officer before the 5th day of that month or, if they are received on or after the 5th day of that month the first day of the next succeeding month;

Provided that where there has been delay in the withdrawal of pay or leave salary and allowances of a subscriber and consequently in the recovery of the subscription towards the Fund, the interest on such subscriptions shall be payable from the month in which the pay or leave salary of the subscriber was due under the regulations, irrespective of the month in which it was actually drawn :

Provided further that in the case of an amount forwarded in accordance with the proviso to sub-regulation (2) of regulation 67, the date of deposit shall be deemed to be the first day of the month if it is received by the Accounts Officer before the 15th day of that month :

Provided further that where the emoluments for a month are drawn and disbursed on the last working day of the same month, the date of deposit shall, in the case of recoveries of a subscription, be deemed to be the first day of the succeeding month.

(4) In addition to any amount to be paid under regulation 92, interest thereon upto the end of the month preceding that in which payment is made or upto the end of the sixth month after the month in which such amount became payable, whichever of these periods be less, shall be payable to the person to whom such amount is to be paid:

Provided that no interest shall be paid in respect of any period after the date which the Accounts Officer has intimated to that person (or his agent), as the date on which he is prepared to make payment in cash, or if he pays by cheque after the date on which the cheques in the person's favour is put in the post.

Explanation : 1. Payment of interest beyond a period of six months up to a period of one year may be authorised by the Chairman after he has personally satisfied himself that the delay in payment was occasioned by circumstances beyond the control of the subscriber and that the administrative delays involved in the matter had been duly investigated and action, if any required, taken.

Explanation 2.—When a subscriber retires on the last day of a month, the period of six months for the purpose of sub-regulation (4) shall be counted after excluding the immediate succeeding month.

Explanation 3.—If a subscriber dies in the forenoon of the last day of a month before retirement, the day of the death of the subscriber shall be treated as the last day of his service and he/she shall be deemed to have quit the service the following day. In all such cases, therefore, the period of six months for the purpose of sub-regulation (4) shall be reckoned from the second month following the month in which the subscriber dies.

(5) Interest shall not be credited to the account of a subscriber if he/she informs the Accounts Officer that he/she does not wish to receive it; but if he or she subsequently asks for interest, it shall be credited with effect from the 1st April of the year for which he or she asks for it.

(6) Interests on amounts which under regulation 99 or regulation 100 are replaced to the credit of the subscriber in the Fund, shall be calculated at such rates as may be successively prescribed under sub-regulation (1) of this regulation :

Provided further that where a subscriber on deputation to a body corporate, owned or controlled by the Government, is subsequently absorbed in such body corporate with effect from a retrospective date, for purpose of calculating the interest due on the Fund accumulations of the subscriber, the date of issue of the orders regarding absorption shall be deemed to be the date on which the amount to the credit if the subscriber became payable subject, however, to the condition that the amount recovered as subscription during the period commencing from the date of absorption and ending with the date of issue of orders of absorption shall be deemed to be subscription to the Fund only for the purpose of awarding interest under this sub-regulation.

Advances from the Fund

69(1) The Chairman or any other officer empowered by him in this behalf may on receipt of an application from the subscriber in Form 'E' annexed hereto sanction the payment to any subscriber of an advance consisting of a sum of whole rupees and not exceeding in amount of three months' pay or half the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, whichever is less, for one or more of the following reasons:

- (a) To pay expenses in connection with the illness, confinement, or a disability including where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his/her family or any other person actually dependent on him/her;
- (b) to meet the cost of higher education, including where necessary, travelling expenses of the subscriber and members of his/her family, or any person actually dependent on him/her in the following cases, namely :
 - (i) For education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the High School stage; and
 - (ii) for any medical, engineering or technical or specialised course in India beyond the High School stage, provided that the course of study is not less than three years.

Note 1. The institutions listed in Schedule IV annexed here to shall be treated as recognised institutions for medical course in Homoeopathy, Unnani, Ayurvedic systems for the purposes of grant of advances/withdrawals from C.P.F. provided that the course of study is not less than three years duration and is beyond the High School stage.

Note 2. The Courses listed in Schedule V annexed hereto shall be treated as technical in nature for the purposes of this sub-regulation, provided that the course of study is of not less than three years duration and is beyond the High School stage.

(c) To pay obligatory expenses on a scale appropriate to the subscriber's status which by customary usages the subscriber has to incur in connection with betrothal/marriage, funerals or ceremonies.

Note : A temporary advance under this sub-regulation may be granted to meet expenditure in connection with the first annual Sradh ceremony of a person who, prior to his or her death, was a member of the subscriber's family or was dependent upon him or her or was one of his/her close relatives. In cases, where the first Sradh ceremony is performed within a month from the date of death as distinct from "the first annual Sradh ceremony" a temporary advance may be given to meet the expenditure theron, provided that no advance will be sanctioned on the first annual Sradh ceremony.

(d) To meet the cost of legal proceedings instituted by the subscriber to vindicate his position in regard to any allegation made against him/her in respect of any act done or purporting to be done by him/her in the discharge of his or her official duty, the advance in this case being available in addition to any advance admissible for the same purpose from any other source :

Provided that the advance under this sub-clause shall not be admissible to a subscriber who institutes legal proceedings in any court of law either in respect of any matter unconnected with his or her official duty or against the Central Board in respect of any condition of service or penalty imposed on him or her.

(e) To meet the cost of his or her defence where the subscriber is prosecuted by the Board in any court of law or where the subscriber engages a legal practitioner to defend himself/herself in an inquiry in respect of any alleged official misconduct on his/her part.

(2) The Chairman may, in special circumstances sanction the payment to any subscriber of an advance if he is satisfied that the subscriber concerned required the defence for reasons other than those mentioned in sub-regulation 69.

(3) An advance shall not, except for special reasons to be recorded, be granted to any subscriber in excess of the limit laid down in sub-regulation (1) or until repayment of the last instalment of any previous advance :

Provided that advance shall in no case exceed the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

Note 1. A subscriber shall be permitted to take an advance once in every six months under item (b) of sub-regulation (1) of this regulation.

Note 2: A temporary advance may be given even after the expenditure has been incurred, subject to the discretion of the Chairman to reject an application submitted long after the event to which the application for the advance relates; such discretion being limited to a contingency which cannot be foreseen viz; cases of prolonged illness, funerals etc.

(4) Where an advance is sanctioned under sub-regulation (2) before the payment of last instalment of any previous advance is completed, the balance of any previous advance not recovered shall be added to the advance so sanctioned and the instalments for recovery shall be fixed with reference to the consolidated amount.

Recovery of advances

70 (1) An advance shall be recovered from the subscriber in such number of equal monthly instalments as the sanctioning authority may direct; but such number shall not be less than 12, unless the subscriber so elects, and more than 24. In special cases where the amount of advance exceeds three months' pay of the subscriber under sub-regulation (3) of regulation 69, the sanctioning authority may fix such number of instalments to be more than 24 but in no case more than 36. A subscriber may, at his option, make repayment in a smaller number of instalments

than that prescribed. Each instalment shall be a number of whole rupees, the amount of advance being raised or reduced, if necessary, to admit of the fixation of such instalments.

(2) The recovery shall be made in the manner prescribed in regulation 67 for the realisation of subscription, and shall commence with the issue of pay for the month following the one in which the advance was drawn. The recovery shall not be made, except with the subscriber's consent, while he is in receipt of subsistence grant or is on leave, as the case may be. The recovery may be postponed, on the subscriber's written request, by the sanctioning authority during the recovery of an advance of pay granted to the subscriber.

(3) If an advance has been granted to a subscriber and drawn by him or her and the advance is subsequently disallowed before repayment is complete, the whole or the balance of the amount withdrawn, shall forthwith be repaid by the subscriber to the Fund or, in default, be ordered by the Accounts Officer to be recovered by deduction from the emoluments of the subscriber in a lump sum or in monthly instalments not exceeding 12, as may be directed by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under sub-regulation (3) of regulation 69.

(4) Recoveries under this regulation shall be credited, as they are made, to the account of the subscriber in the Fund.

Wrongful use of advance

71. Notwithstanding anything contained in these regulations, if the sanctioning authority is satisfied that the money drawn as advance from the Fund under regulation 69 has been utilised for a purpose other than that for which sanction was given to the withdrawal of the money, the amount in question shall forthwith be repaid by the subscriber to the Fund, or in default, be ordered to be recovered by deduction in one sum from the emoluments of the subscriber, even if he or she be on leave. If the total amount to be paid is more than half the subscriber's emoluments, recoveries shall be made in monthly instalments of moiety of his/her emoluments till the entire amount is repaid by him/her.

Withdrawal from the Fund

72. (1) Subject to the conditions specified herein, on receipt of an application in Form 'F' annexed hereto withdrawals may be sanctioned by the Chairman or by any other officer empowered by him in this behalf to sanction an advance for special reasons under sub-regulation (3) of regulation 69, at any time after completion of 20 years of service (including broken periods of service, if any) of a subscriber or within 10 years before the date of his retirement on superannuation, whichever is earlier, from the amount of subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, for one or more of the following reasons, namely :

- (a) Meeting the cost of higher education, including where necessary, the travelling expenses of any child of the subscriber in the following cases, namely :—
 - (i) for education outside India for academic, technical, professional or vocational course beyond the high school stage;
 - (ii) for any medical, engineering or other technical or specialised course in India beyond the high school stage provided that the course of study is not less than three years.

Note : For the purposes of this sub-regulation, the courses of study for the advance/withdrawals shall be those listed in Schedules V and VI annexed hereto.

- (b) Meeting the expenditure in connection with the betrothal/marriage of a subscriber's son or any other female relation actually dependent on him.
- (c) Meeting the expenditure in connection with illness, including where necessary, the travelling expenses of the subscriber and members of his or her family or any person actually dependent on him/her.

- (d) Building or acquiring a suitable house for his/her residence, including the cost of the site or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose, or re-constructing or making additions or alterations to a house already owned or acquired by a subscriber.
- (e) Purchasing a house site or repaying any outstanding amount on account of loan expressly taken for this purpose.
- (f) For constructing a house on a site purchased utilising the sum withdrawn under clause (c).
- (g) For acquiring a farm and or business premises or both within six months before the date of the subscriber's retirement.

(2) When a subscriber is in a position to satisfy the sanctioning authority about the amounts standing to his/her credit in the Contributory Provident Fund Account with reference to his latest available statement of the Contributory Provident Fund Account together with the evidence of subsequent contribution, the sanctioning authority may sanction withdrawal within the prescribed limits as in the case of a refundable advance. In doing so, the concerned authority shall take into account any withdrawal or refundable advance already sanctioned by it in favour of the subscriber. Where, however, the subscriber is not in a position to satisfy the sanctioning authority about the amount standing to his or her credit, the sanctioning authority shall after ascertaining from the Accounts Officer the amount standing to the credit of the subscriber determine and sanction the amount of withdrawal as admissible. The sanction for the withdrawal shall prominently indicate the Contributory Provident Fund Account No. and the Accounts Officer maintaining the account and a copy of the sanction shall invariably be endorsed to the Accounts Officer, who on receipt thereof, shall ensure that withdrawal is noted in the ledger account of the subscriber.

(3) An employee who has completed 28 years service or who has less than three years to attain the age of superannuation may be permitted to make final withdrawals from the Contributory Provident Fund for purchasing/extensive repairs or overhauling of a motorcar/scooter or for repaying a loan already taken by him or her for the purpose subject to the following conditions :

- (a) In the case of purchase/extensive repairs or overhauling of a motor car :
 - (i) the officer's emoluments are Rs. 1,000 or more;
 - (ii) the amount of the withdrawal is limited to Rs. 12,000 or 1/4 of the amount standing to the credit of the subscriber in the Contributory Provident Fund or 1/4 of the amount of subscriptions with interest thereon standing to the credit of the subscriber C.P.F., as the case may be, or the actual price of the car, whichever is the least, in the case of purchase; and to Rs. 3,000/- or 1/4 of the amount standing to the credit of the subscriber in the C.P. Fund or 1/4 of the subscription with interest thereon standing to his or her credit in the C.P. Fund or the actual cost of repairing/overhauling, whichever is the least.
- (b) In the case of a purchase/extensive repairs or overhauling of motor cycle/scooter :
 - (i) the officer's emoluments are Rs. 500/- or more;
 - (ii) the amount of withdrawal is limited to Rs. 5,000/- or 1/4 of the amount standing to the credit of the subscriber in the C.P.F. or 1/4 of the amount of the subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund, as the case may be, or actual price of the motor cycle/scooter, whichever is the least in the case of purchase, and to Rs. 500/- or 1/4 of the amount standing to the credit of the subscriber in the C.P. Fund or 1/4 of the subscriber with interest thereon standing to his or her credit in the C.P. Fund or the actual cost of repairing/overhauling, whichever is the least.

Note : Such withdrawal shall be allowed only once in four years.

Conditions for withdrawal

73 (1) Any sum withdrawn by a subscriber at any one time for one or more of the purpose specified in regulation 72 from the amount standing to his or her credit in the Fund shall not ordinarily exceed one-half of the amount of the subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund or six months of the emoluments of the subscriber whichever is less. The sanctioning authority may, however, sanction withdrawal of an amount in excess of this limit upto 3/4 of the amount of the subscriptions and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund having due regard to (i) objective for which withdrawal is being made; (ii) the status of the subscriber and (iii) the amount of subscription and interest thereon standing to the credit of the subscriber in the Fund.

Provided that in no case, the maximum amount of withdrawal shall exceed Rs. 1.25 lakh or 75 times the monthly emolument whichever is less.

Provided further that in case of a subscriber who has availed himself/herself of any assistance for construction or acquisition of a house from any other Government source, the sum withdrawn under this sub-regulation together with the amount of assistance taken from the other source shall not exceed Rs. 1.25 lakhs or 75 times his or her monthly emoluments, whichever is less.

Note 1. For the purposes of sub-regulation (1) of regulation 73, the amount of subscription with interest thereon standing to the credit of the subscriber in the account at the time of conversion plus the outstanding amount of advance shall be taken as the balance. Each withdrawal shall be treated as a separate one and the same principle shall apply in the event of more than one conversion.

Note 2. A subscriber shall be permitted to take a withdrawal once in every six months under clause (a) of sub-regulation (1) of regulation 72. Every such withdrawal shall be treated as withdrawal for a separate purpose for purpose of sub-regulation (1) of regulation 73.

Note 3 : In case where a subscriber has to pay any instalments for a site or a house purchased or a house constructed through a House Building Cooperative Society or a similar agency, he or she shall be permitted to make withdrawal as and when he or she is called upon to make a payment of any instalment. Every such payment shall be treated as a payment for a separate purpose for the purposes of sub-regulation (1) of regulation 72.

Note 4 : In case the sanctioning authority is satisfied that the amount standing to the credit of a subscriber in the Fund is insufficient and he is unable to meet his/her requirements otherwise than by withdrawal, the amount already withdrawn by the subscriber from the Fund to finance any insurance policy or policies under regulation 74, together with interest thereon, calculated at the rate provided in regulation 68, may be taken into account as an addition to the actual amount standing to his/her credit in the Fund for the purpose of the limit laid down in this sub-regulation. After the amount of withdrawal admissible has been so determined :—

- (i) if the amount so determined exceeds the amount already withdrawn from the Fund to finance insurance policy or policies under regulation 76, the amount so withdrawn may be treated as final withdrawal and the difference, if any, between the amount so treated and the total amount of withdrawal admissible may be paid in cash; and
- (ii) if the amount so determined does not exceed the amount already withdrawn from the Fund to finance any insurance policy or policies under regulation 76, the amount so withdrawn may, irrespective of the limit specified in sub-regulation (1) be treated as final withdrawal.

For the above purpose, the Accounts Officer shall reassign the policy or policies to the subscriber or to the subscriber and the joint assured, as the case may be, and make it over to the subscriber who will then be free to utilise the same for the purpose for which it has been released.

(2) A subscriber who has been permitted to withdraw money from the Fund under regulation 72 shall satisfy the sanctioning authority within a reasonable time as may be specified by the authority that the money has been utilised for the purpose for which it was withdrawn and if he or she fails to do so, the whole of the sum so withdrawn or so much thereof as has not been applied for the purpose for which it was withdrawn shall forthwith be repaid in one lumpsum by the subscriber to the Fund and in default of such payment it shall be ordered by the sanctioning authority to be recovered from his emoluments either in one lumpsum or in such number of monthly instalments as may be determined by the Chairman.

(3) (a) A subscriber who has been permitted under clause (d), clause (e) or clause (f) of sub-regulation (1) of regulation 72, to withdraw money from the amount of subscription together with interest thereon standing to his or her credit in the Fund, shall not part with the possession of the house built or acquired or housesite purchased with the money so withdrawn, whether by way of sale, mortgage (other than mortgage to the Chairman), gift, exchange, or otherwise without the previous permission of the Chairman.

Provided that such permission shall not be necessary for :—

- (i) the house or house-site being leased for any term not exceeding three years; or
- (ii) its being mortgaged in favour of a Housing Board, the Life Insurance Corporation or any other Corporation owned or controlled by the Central Government which advances loans for the construction of a new house or her making additions or alterations to an existing house.

(b) The subscriber shall submit a declaration not later than the 31st day of December of every year as to whether the house or the house-site, as the case may be continues to be in his/her possession or has been mortgaged, otherwise transferred or let out as aforesaid and shall, if so required, produce before the sanctioning authority on or before the date specified by that authority, in that behalf, the original sale, mortgage or lease deed and also the documents on which his/her title to the property is based.

(c) If at any time before his/her retirement, the subscriber parts with the possession of the house or house-site without obtaining the previous permission of the Chairman, he/she shall forthwith repay the sum so withdrawn by him/her in a lumpsum to the Fund, and, in default of such repayment, the sanctioning authority shall, after giving the subscriber a reasonable opportunity of making a representation in the matter, cause the said sum to be recovered from the emoluments of the subscriber either in a lumpsum or in such number of monthly instalments, as may be determined by it.

Note 1 : A subscriber who has taken loan from Government and in lieu thereof has mortgaged the house or house-site to the Government shall be required to furnish the declaration to the following effect, namely,

I do hereby certify that the house or house-site for the construction of which or for the acquisition of which I have taken a final withdrawal from the Provident Fund continue to be in my possession but stands mortgaged to Government."

Note 2 : A subscriber shall not be granted a second withdrawal for house-building purpose at any place if he has already been granted a final withdrawal for similar purpose on the same or another place. In other words, the final withdrawals for the purpose of building or acquiring a house shall not be allowed for more than one house and more than ones in the service career of an employee.

Note 3 : A separate final withdrawal from the Contributory Provident Fund will be permissible for additions and alterations to a house, irrespective of the fact

whether the house was constructed/built or purchased with the assistance of the CPF money and such additions and the alterations to the house would be treated as a separate purpose.

Conversion of Advance into a withdrawal

74. A subscriber who has already drawn or may draw in future an advance under regulation 69 for any of the purposes specified in clauses (a), (b) and (c) of sub-regulation (1) of regulation 72 may convert, at his discretion by written request as in form G annexed here to addressed to the Accounts Officer, through the sanctioning authority the balance outstanding against him or her into a final withdrawal on his or her satisfying the condition laid down in regulation 72 and 73. The Chairman may ask the Accounts Officer to stop recoveries from the paybill of the subscriber when an application for such conversion is received by him.

Payment towards Insurance Policies

75. On receipt of an application in form H annexed hereto and subject to the conditions contained in Regulations 76 to 86.

- (a) Payments towards a policy of life insurance may at the option of a subscriber be substituted for the whole or part of subscriptions to the Fund;
- (b) the amount of subscription with interest thereon standing to the credit of a subscriber in the Fund may be withdrawn to meet :
 - (i) payments towards a policy on life insurance;
 - (ii) purchase of a single payment insurance policy;

Provided that no amount shall be withdrawn (1) before the details of the proposed policy have been submitted to the Accounts Officer and accepted by him as suitable, or (2) to meet any payment or purchase made or effected more than three months before the date of application or presentation of claim for withdrawal or (3) to meet payment of any premium or subscription more than three months in advance of the due date of payment.

Note : The due date of payment for the purpose of this proviso will be the date upto which the payment can be made including the grace period allowed by the insurance Companies.

Explanation : Under clause (3) of this proviso, no withdrawal from the Fund for financing a policy of life insurance shall be made after the due date of payment without production of the premium receipt in token of such payment :

Provided further that payments towards an educational endowment policy may not be substituted for subscription to the Fund and that no amounts may be withdrawn to meet any payment or purchase in respect of such a policy if that policy is due for re-payment in whole or part before the subscriber's age of normal superannuation.

- (c) Any amount withdrawn under clause (b) shall be paid in whole rupees only rounded to the nearest rupee in the manner provided in sub-regulation (7) of regulation 67.

Number of policies that can be financed from the Fund

76. (1) The number of policies in respect of which substitution for subscriptions due to the Fund or withdrawal of subscriptions from the Fund may be permitted under regulation 75, shall not exceed four.

(2) The premium for a policy in respect of which withdrawal of subscriptions from the Fund may be permitted under regulation 75 shall not be payable otherwise than annually.

Explanation : In computing the maximum number of policies specified in sub-regulation (1), the policies which have matured or have been converted into paid-up policies shall be excluded.

Payment of Difference between Substituted payments and minimum subscriptions

77. (1) If the total amount of any subscriptions or payment substituted under clause (a) of regulation 75 is less than the amount of the minimum subscriptions payable to the Fund under regulation 64 the difference shall be rounded off to the nearest rupee in the manner provided in sub-regulation (7) of regulation 67 and paid by the subscriber as a subscription to the Fund.

(2) If the subscriber withdraws any amount standing to his or her credit in the Fund for any of the purposes specified in clause (b) of regulation 75 he or she shall subject to his/her option under clause (a) of the rule continue to pay to the Fund the subscription payable under regulation 64.

Reduction of subscription in certain cases

78. (1) A subscriber who desires to substitute a subscription or payment under clause (a) of regulation 75 may reduce his subscription to the Fund accordingly :

Provided that the subscriber shall (a) intimate to the Accounts Officer on his pay bill or by letter the fact of, and reasons for the reduction; (b) send to the Accounts Officer within such period as the Accounts Officer may require, the receipts or certified copies of receipts in order to satisfy the Accounts Officer that the amount by which the subscription has been reduced was duly applied for the purposes specified in clause (a) of regulation 75.

(2) A subscriber who desires to withdraw any amount under clause (b) of regulation 75 shall—

- (a) intimate the reason for the withdrawal to the Accounts Officer by letters;
- (b) make arrangements with the Accounts Officer for withdrawal; and
- (c) send to the Accounts Officer, within such period as the Accounts Officer may require, receipts or certified copies of receipts in order to satisfy the Accounts Officer that the amount withdrawn was duly applied for the purposes specified in clause (b) of regulation 75.

(3) The Accounts Officer shall order the recovery of any amount by which subscriptions have been reduced or any amount withdrawn in respect of which he has not been satisfied in the manner required by clause (b) of sub-regulation (1) and clause (c) of sub-regulation (2) from the emoluments of the subscriber and place it to the credit of subscriber in the Fund.

Board not to make payments to insurer on behalf of subscriber

79. (1) The Board shall not make any payment on behalf of subscribers to the Life Insurance Corporation, not take steps to keep the policy alive.

(2) It is, immaterial what form the policy takes, provided that it shall be one effected by the subscriber himself or herself on his/her own life and shall (unless it is a policy expressed on the face of it to be for the benefits of his wife/her husband or his wife/her husband and children or any of them) be such as may be legally assigned by the subscriber himself/herself to the Central Board.

Explanation 1 : A policy on the joint lives of the subscriber and his wife/her husband shall be deemed to be a policy on the life of the subscriber for the purpose of this sub-regulation.

Explanation 2 : A policy which has been assigned of the subscriber's wife/husband shall not be accepted unless either the policy is first reassigned to the subscriber or the subscriber and his wife/her husband both join in an appropriate assignment.

(3) The policy may not be affected for the benefit of any beneficiary other than the wife/husband of the subscriber or his wife/her husband and children or any of them.

Assignment of policies

80. (1) The policy within six months after the first withholding of a subscription or withdrawal from the Fund in respect of the policy shall—

- (a) unless it is a policy expressed on the face of it to be for the benefit of the wife/husband of the subscriber or of his wife/husband and children, or any of them, be assigned to the Board as security for the payment of any sum which may become payable to the Fund under Regulations 82 to 86, and delivered to the Accounts Officer, the assignment being made by endorsement on the policy in Form I or Form J or Form K or Form L or Form M annexed hereunto accordingly as the policy is on the life of the subscriber or on the joint lives of the subscriber and his wife/her husband or the policy has previously been assigned to the subscriber's wife/husband.
- (b) if it is a policy expressed on the face of it to be for the benefit of the wife/husband of the subscriber or his wife/her husband and children, or any of them, delivered to the Accounts Officer.

(2) The Accounts Officer shall satisfy himself by reference to the Life Insurance Corporation that no prior assignment of the policy exists.

(3) Once a policy has been accepted by the Accounts Officer for the purpose of being financed from the Fund, terms of the policy shall not be altered, nor shall the policy be exchanged for another policy without the prior consent of the Chairman to whom the details of the alterations or of the new policy shall be furnished.

(4) If the policy is not assigned and delivered, or delivered, within the said period of six months or such further period as the Accounts Officer may under sub-regulation (1) have fixed, any amount withheld or withdrawn from the Fund in respect of the policy shall forthwith be paid or repaid, as the case may be, by the subscriber to the Fund, or, in default, be ordered by the Accounts Officer to be recovered by deduction from the emoluments of the subscriber by instalments or otherwise, as may be directed by the competent authority to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under sub-regulation (2) of regulation 69.

(5) Notice of assignment of the policy shall be given by the subscriber to the Life Insurance Corporation and the acknowledgement of the notice by the insurer shall be sent to the Accounts Officer within three months of the date of an assignment.

Bonus on Policies

81. The subscriber shall not during the currency of the policy draw any bonus the withdrawal of which during such currency is optional under the terms of the policy and amount of any bonus which under the terms of the policy the subscriber has no option to refrain from drawing during its currency shall be paid forthwith in to the Fund by the subscriber or in default recovered by reduction from his/her emoluments by instalments or otherwise, as may be directed by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under sub-regulation (3) of regulation 69.

Re-assignment of Policies

82. (1) Save as provided by regulation 85 when the subscriber—

- (a) quite the service, or
- (b) has proceeded on leave preparatory to retirement and applies to the Accounts Officer for re-assignment or return of the policy, or
- (c) While on leave, has been permitted to retire or declared by competent medical authority to be unfit for further service and applies to the Accounts Officer for re-assignment or return of the policy, or
- (d) pays or repays to the Fund the whole of any amount withheld or withdrawn from the fund for any of the purposes mentioned in sub-clause (i) to clause (a)

and sub-clauses (i) & (ii) of clause (b) of regulation 75, the Accounts Officer shall—

- (i) if the policy has been assigned to the Central Board under regulation 80, reassign the policy in Form 'N' annexed hereto to the subscriber or to the subscriber and the joint assured, as the case may be, and make it over to the subscriber, together with a signed notice of the re-assignment addressed to the L.I.C.;
- (ii) if the policy has been delivered to him under clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 80 make over the policy to the subscriber;

Provided that if the subscriber after proceeding on leave preparatory to retirement, or after being, while on leave, permitted to retire or declared by competent medical authority to be unfit for further service, returns to duty, any policy so re-assigned or made over, shall, if it has not matured, or been assigned or charged or encumbered in any way, be again assigned to the Chairman and delivered to the Accounts Officer, or again be delivered to the Accounts Officer, as the case may be in the manner provided in regulation 80 and thereupon the provisions of these regulations shall, so far as may be, again apply in respect of the policy;

Provided further that if the policy has matured or been assigned or charged or encumbered in any way, the provisions of sub-regulation (4) of regulation 80 applicable to a failure to assign and deliver a policy shall apply.

(2) Save as provided by regulation 85, when the subscriber dies before quitting the service, the Account Officer shall—

- (i) if the policy has been assigned to the Chairman under regulation 80, re-assign the policy in Form 'O' annexed hereto to such person as may legally be entitled to receive it, and shall make over the policy to such person together with a signed notice of the re-assignment addressed to the Life Insurance Corporation;
- (ii) if the policy has been delivered to him under clause (b) of sub-regulation (1) of regulation 80, make over the policy to the beneficiary, if any, or if there is no beneficiary, to such person as may be legally entitled to receive it.

Note 1 : The fees demanded by the Life Insurance Corporation for registering the assignment and re-assignment in favour of the Chairman and the policy holder shall be payable by the policy holder himself/herself.

Note 2 : No partial re-assignment of the policy to the Chairman will be permissible.

Procedure on maturity of policies

83. (1) If the policy assigned to the Chairman under regulation 80 matures before the subscriber quits the service or if a policy on the joint lives of a subscriber and his wife/her husband, assigned under the said rule, falls due for payment by reason of the wife/husband's death, the Accounts Officer shall, save as provided, but regulation 85 processed as follows :

- (i) if the amount assured together with the amount of any accrued bonuses is greater than the whole of the amount withheld or withdrawn from the Fund in respect of the policy, the Accounts Officer shall reassess the policy in the Form in the Fourth Schedule to the subscriber or the subscriber and the joint assured, as the case may be, and make it over to the subscriber, who shall pay or repay to the Fund the whole or any amount withheld or withdrawn and in default, the provisions of regulation 86 shall apply as they apply in relation to cases where money withheld or withdrawn from the Fund under clause (a) or clause (b) of regulation 85 has been utilised for a purpose other than that for which sanction was given to the withholding or withdrawal;

(ii) if the amount assured together with the amount of any accrued bonuses is less than the whole of the amount withheld or withdrawn the Accounts Officer shall realise the amount assured together with any accrued bonuses and shall place the amount so realised to the credit of the subscriber in the Fund :

(2) Save as provided by regulation 85, if a policy delivered to the Accounts Officer under clause (b) of sub-regulation (1) or regulation 80 matures before the subscriber quits the service, the Accounts Officer shall make over the policy to the subscriber :

Provided that if the interest on the policy of the wife/husband of the subscriber, or of his wife/her husband and children, or any of them, as expressed on the face of the policy, expires when the policy matures, the subscriber, if the policy moneys are paid to him/her by the Life Insurance Corporation, shall immediately on receipt thereof pay or repay to the Fund either—

(i) the whole of any amount withheld or withdrawn from the Fund in respect of the policy.

Or

(ii) an amount equal to the amount assured together with any accrued bonuses, whichever is less, and, in default, the provisions of regulation 86 shall apply as they apply in relation to cases where money withheld or withdrawn from the Fund under clause (a) or clause (b) of regulation 75 has been utilised for a purpose other than for which sanction was given to the withholding or withdrawal.

Lapse of wrongful assignment of policies

84. If the policy lapses or becomes assigned otherwise than to the Chairman under regulation 80, charged or encumbered, the provision of sub-regulation (4) of regulation 80 applicable to a failure to assign and deliver a policy shall apply.

Duty of Accounts Officer when he receives notice of assignment charged or encumbrance

85. If the Accounts Officer receives notice of—

- (a) an assignment (after than an assignment to the chairman under regulation 80)
 - or
 - (b) a charge or encumbrance,
 - or
 - (c) an order of a Court restraining dealings with the policy or any amount realised thereon, the Accounts Officer shall not—
 - (i) re-assign or make over the policy as provided in regulation 82.
 - or
 - (ii) realise the amount by the policy, or re-assign or make over the policy as provided in regulation 83, but shall forthwith refer the matter to the Chairman.

Wrongful use of money withheld or withdrawn

86. Notwithstanding anything contained in these regulations if the sanctioning authority is satisfied that money withheld or withdrawn from the Fund under clause (a) or clause (b) of regulation 75 has been utilised for purpose other than for which sanction was given to the withholding or withdrawal of the money, the amount in question shall forthwith be repaid or paid, as the case may be, by the subscriber to the Fund, or in default be ordered to be recovered by deduction in one sum from the emoluments of the subscriber, even if he or she may be on leave. If the total amount to be repaid or paid, as the case may be, be more than half the subscriber's emoluments, recoveries shall be made in monthly instalments of his/her emoluments till the entire amount is repaid or paid as the case may be by him or her.

Final withdrawal of accumulations in the Fund

87. When a subscriber quits the service, the amount standing to his or her credit in the Fund shall, subject to any deduction in regulation 91, become payable to him/her :

Provided that a subscriber, who has been dismissed from service and is subsequently reinstated in service, shall, if required to do so by the Chairman, repay any amount paid to him/her from the Fund in pursuance of this regulation, with interest thereon at the rate provided in regulation 76 in the manner provided in the proviso to regulation 88. The amount so repaid shall be credited to his/her account in the Fund.

Explanation : A subscriber who is granted refused leave shall be deemed to have quit the service from the date of compulsory retirement or on the expiry of an extension of service.

Retirement of Subscriber

88. When a subscriber—

- (a) has proceeded on leave preparatory to retirement or
- (b) while on leave has been permitted to retire or declared by competent medical authority to be unfit for further service,

the amount of subscriptions and interest thereon standing to his/her credit in the Fund, shall, upon application in Form 'P', annexed hereto made by him/her in that behalf to the Accounts Officer, become payable to the subscriber :

Provided that the subscriber if he/she returns to duty shall, except where the Chairman decides otherwise, repay to the Fund for credit to his or her account the amount paid to him/her from the Fund in pursuance of this regulation, with interest thereon at the rate provided in regulation 68 in cash or securities, or partly in cash and partly in securities, by instalments or otherwise, by recovery from his emoluments or otherwise, as may be directed by the authority competent to sanction an advance for the grant of which special reasons are required under sub-regulation (2) or regulation 69.

Procedure on death of subscriber

89. Subject to any deduction under regulation 91, on the death of a subscriber before the amount standing to his/her credit has become payable, or where the amount has become payable, before payment has been made :

(i) when the subscriber leaves a family—

(a) if a nomination by the subscriber in accordance with the provisions of regulation 61 in favour of a member or members of his/her family subsists, the amount standing to his/her credit in the Fund or the part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his/her nominee or nominees in proportion specified in the nomination;

(b) If no such nomination in favour of a member or members of the family of the subscriber subsists, or such nomination relates only to a part of the amount standing to his/her credit in the Fund, the whole amount or the part thereof to which nomination does not relate, as the case may be, shall, notwithstanding any nomination purporting to be in favour of any person or persons other than a member or members of his/her family, become payable to the members of his/her family in equal shares and shall be so paid on receipt of an application in Form Q annexed hereto.

Provided that no share shall be payable to—

- (1) sons who have attained majority;

- (2) sons of a deceased son who have attained majority;
- (3) married daughters whose husbands are alive;
- (4) married daughters of a deceased son whose husbands are alive;

if there is any member of the family other than those specified in clauses (1), (2), (3) and (4);

Provided also that the widow or widows and the child or children of a deceased son shall receive between them in equal parts only the share which that son would have received if he had survived the subscriber and had been exempted from the provisions of clause (1) of the first proviso.

- (ii) When the subscriber leaves no family if a nomination made by him/her in accordance with the provisions of regulation 61 in favour of any person or persons subsists the amounts standing to his/her credit in the Fund or a part thereof to which the nomination relates, shall become payable to his/her nominee or nominees in the proportion specified in the nomination.

Note 1. When a nominee is a dependent of the subscriber in clause (c) of section 2 of the Provident Funds Act, 1925, the amount vests in such nomination under sub-section (2) of section 3 of that Act.

Note 2. When the subscriber leaves no family and no nomination made by him/her in accordance with the provisions of regulation 4 subsists or if such nomination relates only to part of the amounts standing to his/her credit in the Fund, the relevant provisions of clause (b) and of sub-clause (ii) of clause C of subsection (1) of section 4 of the Provident Funds Act, 1925, are applicable to the whole amount or the part thereof to which the nomination does not relate.

Disbursement of Provident Fund moneys to persons on behalf of minors

90. Payment of Provident Fund moneys to the extent of Rs. 5,000/- (or first Rs. 5,000/- where the amount exceeds Rs. 5,000) on behalf of the minor(s) may be made to his/her/their natural guardian, or, where no natural guardian exists, to the person considered fit by the Chairman to receive payment on behalf of minor(s) without requiring him/her to produce a guardianship certificate. The person receiving payment on behalf of the minor(s) shall be required to execute a bond in Form 'R' annexed hereto signed by two sureties agreeing to indemnify the Board against any subsequent claim. The balance in excess of Rs. 5,000/-, if any, shall be paid in accordance with the normal regulations. In case where the natural guardian is a Hindu widow or widower, the payment of the Provident Fund moneys on behalf of her/his minor children shall be made to her/him irrespective of the amount involved without production of a guardianship certificate or any indemnity bond, unless there is anything contrary to show that the interests of the mother/father are adverse to those of the minor children.

Note 1—A step-mother shall not be considered a natural guardian of her minor step children.

Note 2—A posthumous child shall be considered as a member of the subscriber's family if the existence (*en vertre de sa mere*) of a posthumous child is brought to the notice of the Disbursing Officer. The amount which will be due to the child in the event of his being born alive shall be retained and the balance disbursed in the normal way. If the child is born alive, the payment of the amount retained shall be made as in the case of a minor child; but if no child is born or a child is still-born, the amount retained shall be distributed among the family in accordance with the ordinary regulations.

Deductions

91. Subject to the condition that no deduction may be made which reduces the credit by more than the amount of any contribution by the Board with the credit of the subscriber in the Fund is paid out of the fund.

- (A) The Chairman of the Central Board direct deduction therefrom and payment to the Board of—

- (i) All amounts representing such contributions and interest, if the subscriber is dismissed from service due to mis-conduct, insolvency or inefficiency;

Provided that where the Chairman is satisfied that the deduction would cause exceptional hardship to the subscriber, he may, by order, exempt such deduction of amount not exceeding two-thirds of the amount of such contributions and interest which would have been payable to the subscriber, if he had retired on medical grounds;

Provided further that if any such order of dismissal is subsequently cancelled, the amount so deducted shall on his/her reinstatement in service be replaced to his/her credit in the Fund.

- (ii) All amounts representing such contributions and interest, if the subscriber within five years of the commencement of his/her service as such, resigns from the service or ceases to be an employee under the Central Board otherwise by reason of death, superannuation, or a declaration by a competent medical authority that he is unfit for further service or the abolition of the post or reduction of establishment.

- (B) The Chairman may direct deduction therefrom and payment to the Board of any amount due under liability incurred by a subscriber to the Board.

Note : For the purpose of sub-clause (ii) of Clause (A) of this regulation reckoned from the commencement of the subscriber's continuous service under the Central Board :

- (b) Resignation from service in order to take up appointment in any Department of the Central Government or under State Government or under a Body Corporate owned or controlled by Government and /or by an autonomous organisation registered under the Societies Registration Act 1860 (21 of 1860) without any break and with appropriate permission of the Board, shall not be treated as resignation from the service of the Board.

Note : While transferring the Provident Fund Account together with the contribution of the Central Board to the individual account under the autonomous body, it shall be stipulated that in case the employee were to resign his fresh appointment under the Body before completing five years' service including his previous service under the Board, the amount of contribution made by the Board which was transferred to the Body shall be re-transferred to Board.

Manner of payment of amount in the Fund

92. When the amount standing to the credit of the subscriber in the Fund or the balance thereof after any deduction under regulation 91 becomes payable, it shall be the duty of the Accounts Officer, after satisfying himself when no deduction has been directed under that rule that no deduction is to be made, to make payment on receipt of a written application in this behalf, as provided in sub-regulation (3).

(2) If the person to whom under these regulations any amount or policy is to be paid/assigned/re-assigned or deli-

vered is a lunatic for whose estate a Manager has been appointed in this behalf under the Indian Lunacy Act, 1912, the payment or assignment or delivery will be made to such Manager and not to the lunatic :

Provided that where no Manager has been appointed and the person to whom the amount is payable is certified by the Magistrate to be a lunatic, the payment shall, under the orders of the Collector be made in terms of sub-section (1) of section 95 of the Indian Lunacy Act, 1912 to the persons having charge of such lunatic, and the Chairman shall authorise the Accounts Officer to pay only the amount which he thinks fit to the person having charge of the lunatic and the surplus, if any, or such part thereof, as he thinks fit, shall be paid for the maintenance of such members of the lunatic's family as are dependent on him/her for maintenance.

(3) Payments of the amount withdrawn shall be made in India only. The persons to whom the amounts are payable shall make his/her own arrangement to receive payment. The following procedure shall be adopted for claiming payment by a subscriber namely :—

(i) To enable a subscriber to submit an application for withdrawal of the amount in the Fund, the Accounts Officer shall send to every subscriber necessary forms either one year in advance of the date on which the subscriber attains the age of superannuation or before the date of his/her anticipated retirement if earlier, with instructions that those should be returned to him duly completed within a period of one month from the date of receipt of the forms by the subscriber shall submit the application to the Chairman for payment of the amount in the Fund. The application shall be made :—

(A) for the amounts standing to his/her credit in the Fund as indicated in the Accounts Statement for the year ending one year prior to the date of his/her superannuation, or his/her anticipated date of retirement, or
 (B) for the amount indicated in the Ledger Account in case the Accounts statement has not been received by the subscriber.

(ii) The Accounts Officer shall, on receipt of the subscriber's application, after verification from the Ledger Account, issue an authority for the amount indicated in the application at least a month before the date of superannuation. In issuing the authority, the Accounts Officer shall take into account the advance which are still current and the number of instalments yet to be recovered in respect of each advance and also the withdrawals, if any taken by the subscriber.
 (iii) The authority mentioned in clause (ii) will constitute the first instalment of payment. A second authority for the purpose will be issued as soon as possible after the superannuation. This will relate to the contribution made by the subscriber subsequent to the amount mentioned in the application submitted in clause (i) plus the refund of instalments against advances which were current at the time of the first application.

Number of Account to be quoted at the time of payment of subscription Annual Statement of account to be supplied to the subscriber.

93. When paying subscription either by deduction from emoluments or in cash, a subscriber shall quote the number of his account in the Fund already communicated to him by the Accounts Officer.

(1) As soon as possible after the 31st March of each year, the Accounts Officer shall send to each subscriber a statement of his/her account in the Fund, showing the opening balance on the 1st April, of the year, the total amount credited or debited during the year, the total amount of interest credited as on the 31st March of the year and the closing balance on that date. The Accounts Officer shall attach to the Statement of Account an inquiry whether the subscriber

(a) desires to make any alteration in any nomination made under rule 4 ;

(b) has acquired a family in cases where the subscriber has made no nomination in favour of his/her family under the proviso to sub-regulation (1) of regulation 61.

(2) Subscribers should satisfy themselves as to the correctness of the annual statement and error, if any, brought to the notice of the Accounts Officer within three years of receipt of the statement.

(3) The Accounts Officer shall, if required by the subscriber, once but not more than once in a year inform the subscriber of the total amount standing to his/her credit in the Fund at the end of the last month for which his/her account has been written up.

Relaxation of the provisions of the rules in the individual cases

94. When the Chairman is satisfied that the operation of any of these rules causes or is likely to cause undue hardship to a subscriber, he may, notwithstanding anything contained in these regulations, deal with the case of such subscriber in such manner as may appear to him to be just and equitable.

PART VI

RECRUITMENT OF STAFF

MINISTERIAL AND OTHER MISCELLANEOUS POSTS

Method of recruitment, age-limit, and other qualifications

95. The number of and particulars/technical/scientific ministerial non-ministerial and other miscellaneous posts; the method of recruitment thereto, age limits, qualifications and other matters relating to the posts shall be as specified in columns 5 to 12 of Schedules VI & VII annex hereto.

Provided that the same methods, age limits, qualifications and other matters shall apply also to new cadres/posts which may be created in future by amending/adding to the Schedule.

Provided further that the upper age limit prescribed for direct recruits may be relaxed in the case of Schedule Castes and Schedule Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time;

Provided further that the Chairman of the Board may without following the normal method of recruitment through the Employment Exchange, employ the son/daughter/near relative of the employee who dies in harness and, in exceptional circumstances, such as indigent conditions of the family of the employees, even of an employee retired on medical grounds, to any Group 'C' or Group 'D' post if :—

- (i) he/she posses the essential education qualifications required for the post;
- (ii) there is no other earning member in the family, or even if there is an earning member, the circumstances of the case warrant such employment;
- (iii) such employment is made within a period of two years from the date of the death of the employee concerned; and
- (iv) such appointments on compassionate ground do not cover more than 5% of the vacancies in any calender year after allowing reservations for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and other special categories.

Disqualifications

96. (i) No person :

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the aforesaid posts.

Provided that the Central Board may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this regulation.

(ii) No person shall be appointed by direct recruitment unless he/she is, after such medical examination as the Chairman of the Board may prescribe, found to be free from any mental or physical defect which is likely to interfere with the discharge of his duties to which he/she is to be appointed.

NILAY CHAUDHURI
Chairman

No. F. 21/1/78-A&R
New Delhi, the 28th July, 1980

SCHEDULE-I

Scales of pay of posts in the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution.

Sl. No.	Name of post	Scale of pay		
		1	2	3
		Rs.		
1.	Afministrative Officer	1200-50-1600		
2.	Law Officer	1200-50-1600		
3.	Media Officer	1100-50-1600		
4.	Environmental Engineer	1100-50-1600		
5.	Scientist 'C'	1100-50-1600		
6.	Scientist 'B'	700-40-900-EB-40-1100-50-1300.		
7.	Assistant Media Officer	700-40-900-EB-40-1100-50-1300.		
8.	Documentation Officer	700-40-900-EB-40-1100-50-1300.		
9.	Accounts Officer	840-40-1000-EB-40-1200		
10.	Assistant Engineer	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-40-1200		
11.	Section Officer	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200		
12.	Private Secretary	Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040		
13.	Technical Assistant	Rs. 550-25-750-EB-30-900		
14.	Senior Scientific Asstt.	Rs. 550-25-750-EB-30-900		
15.	Selection Grade Stenographer	Rs. 550-25-750-EB-30-900		
16.	Junior Accounts Officer	Rs. 500-20-700-EB-25-900		
17.	Assistant	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800		
18.	Hindi Translator-cum-Asstt.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800		
19.	Stenographer Grade II	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.		
20.	Publication Assstt.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800		
21.	Accounts Assistant	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.		
22.	Sr. Technician	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700-EB-25-800.		
23.	Junior Scientific Assistant	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700		
24.	Senior D'Man	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-700.		

1	2	3
25.	Technician Grade I	Rs. 380-12-500-EB-15-560.
26.	Junior D'Man	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560.
27.	U.D.C.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-15-560.
28.	Stenographer Grade III	Rs. 330-10-380-EB-12-500-15-560.
29.	Apprentice Scientist	Rs. 500-fixed in the first year & Rs. 600-fixed in 2nd year
30.	Sr. Driver	Rs. 320-6-326-8-390-10-400.
31.	L.D.C.	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
32.	Operator-cum-Clerk	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
33.	Telex Operator-cum-Clerk	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
34.	Hindi Typist	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
35.	Receptionist-cum-Clerk	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
36.	Junior Lab. Assistant	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
37.	Despatch Rider-cum-Clerk	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.
38.	Driver	Rs. 260-8-326-EB-8-350.
39.	Field Assistant-cum-cleaner-cum-helper	Rs. 225-5-260-6-290-EB-6-308.
40.	Daftry	Rs. 200-3-206-4-234-EB-4-250.
41.	Peon	Rs. 196-3-220-EB-3-232.
42.	Chowkidar	Rs. 196-3-220-EB-3-232.
43.	Safaiwala	Rs. 196-3-220-EB-3-232.

SCHEDULE-II

Courses of study for which advances/withdrawals may be given—The courses detailed below should be treated as technical in nature provided that the course of study is not less than 3 years duration and is beyond high school stage :

- (a) Diploma courses in the various fields of Engineering and Technology, e.g., Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering, Tele-communication/Radio Engineering, Metallurgy, Automobile-Engineering, Textile Technology, Leather Technology, Printing Technology, Chemical Technology, etc. etc. conducted by recognised technical institutions.
- (b) Degree courses in the various fields of Engineering and Technology, e.g. Civil Engineering, Mechanical Engineering, Electrical Engineering, Tele-Electrical-Communication Engineering and Electronics, Mining Engineering, Metallurgy, Aeronautics Engineering, Chemical Engineering, Chemical Technology, Textile Technology, Leather Technology, Pharmacy, Ceramics, etc. etc. conducted by Universities and Recognised Technical Institutions.
- (c) Post-graduate courses in the various fields of Engineering and Technology conducted by the Universities and recognised institutions.
- (d) Degree and Diploma Courses in Architecture, Town Planning and allied fields conducted by recognised institutions.

- (e) Diploma and Certificate courses in Commerce conducted by recognised institution.
- (f) Diploma courses in Management conducted by recognised institutions.
- (g) Degree courses in Agriculture, Veterinary Science and allied subjects conducted by recognised Universities and institutions.
- (h) Courses conducted by Junior Technical Schools.
- (i) Courses conducted by Industrial Training Institute under the Ministry of Labour and Employment (D.G.E. & T.).
- (j) Degree and Diploma courses in Art/Applied Art and allied subjects conducted by recognised institutions.
- (k) Draftsmanship courses by recognised institutions.
- (l) Medical Courses (including Allopathic, Homeopathic, Ayurvedic and Unani systems) conducted by recognised institutions.
- (m) B.Sc. (Home Science) Courses.
- (n) Diploma course in Hotel Management conducted by recognised institutions.

FORM 'A'

FORM OF NOMINATION

I. When the subscriber has a family and wishes to nominate one member thereof.

I hereby nominate the person mentioned below, who is a member of my family as defined in regulation of the Central Board for Prevention & Control of Water Pollution [Method of Recruitment and Terms and Condition of service including scales of Pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees] Regulations, 1980, to receive the amount that may stand to my credit in the Fund in the event of my death before that amount has become payable, or having become payable has not been paid.

Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	Contingencies on the happening of which the nomination shall become invalid	Name, address and relationship of the person/persons if any, to whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber

Dated this day of 19.....
at

Signature of subscriber

Two witnesses to signature

- (1)
(2)

FORM 'B'

FORM OF NOMINATION

II. When the subscriber has a family and wishes to nominate more than one member thereof.

I hereby nominate the persons mentioned below, who are members of my family as defined in regulation of the Central Board for Prevention & Control of Water

Pollution [Method of Recruitment and Terms and Conditions of service including scales of Pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees] Regulations, 1980, to receive the amount that may stand to my credit in the Fund in the even of my death before that amount has become payable or having become payable has not been paid and direct that the said amount shall be distributed among the said persons in the manner shown below against their names :—

Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	*Amount or share of accumulations to be paid to each	Contingencies on the happening of which the nomination shall become invalid	Name, address and relationship of the person/persons if any to whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber

ate this day of 19.....
at

Signature of subscriber

Two witnesses to signature

1

2

*Note :—This column should be filled in so as to cover the whole amount that may stand to the credit of the subscriber in the Fund at any time.

FORM 'C'

FORM OF NOMINATION

III. When the subscriber has no family and wishes to nominate one person.

I having no family as defined in regulation.....
of the Central Board for Prevention & Control of Water

Pollution [Method of Recruitment and Terms and Conditions of service including scales of Pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees] Regulations, 1980, hereby nominate the person mentioned below to receive the amount that my stand to my credit in the Fund, in the event of my death before that has become payable or having become payable has not been paid :—

Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	*Contingencies on the happening of which the nomination shall become invalid	Name, address and relationship of the person/persons if any, to whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber

Dated this..... day of..... 19
at.....

Signature of subscriber

Two witnesses to signature

1.....

2.....

*Note :—Where a subscriber who has no family makes a nomination he shall specify in this column that the nomination shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family

FORM 'D'

FORM OF NOMINATION

IV. When the subscriber has no family and wishes to nominate more than one person.

I having no family as defined in regulation.....
of the Central Board for Prevention & Control of Water

Pollution [Method of Recruitment and Terms and Conditions of service including scales of Pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees] Regulations, 1980, hereby nominate the persons mentioned below to receive the amount that my stand to my credit in the Fund, in the event of my death before that amount has become payable, or having become payable has not been paid and direct that said amount shall be distributed among the said persons in the manner shown below against their names :—

Name and address of nominee	Relationship with subscriber	Age	Amount or share of accumulations to be paid to each	**Contingencies on the happening of which the nomination shall become invalid	Name, address and relationship of the person/persons if any, to whom the right of the nominee shall pass in the event of his predeceasing the subscriber

Dated this..... day of..... 19
at.....

Signature of subscriber

Two witnesses to signature

1

2

*Note : This column should be filled in so as to cover the whole amount that may stand to the credit of the subscriber in the fund at any time

**Note :—Where a subscriber who has no family makes a nomination, he shall specify in this column that the nomination shall become invalid in the event of his subsequently acquiring a family

F O R M 'E'

PROFORMA I—*Form of Application for a Temporary Advance from Contributory Provident Fund.*

1. Name of the subscriber
2. Account No.
3. Designation.
4. Pay.
5. Balance at credit of the subscriber on the date of application.
6. Amount of advances outstanding if any and the purpose for which advance was taken then.
7. Amount of advance required.
8. Purpose for which the advance is required (Regulation 69(1))
9. Amount of the consolidated advance (items 6 and 7) and number (amount) of monthly instalments in which the consolidated advance is proposed to be repaid.
10. Full particulars of the pecuniary circumstances of the subscriber, justifying the application for the temporary withdrawal.

Signature of applicant.

F O R M 'E'

PROFORMA II—*Form of sanction to temporary advances from CPF.*

Sanction is hereby accorded under regulation.....

(A)..... for the grant of a temporary advance of Rs. (Words) Rs. to Shri/Shrimati/Kumari from his/her C.P.F. Account No. to enable him/her to defray expenses on (B)

(C) The advance will be recovered in monthly instalments of Rs. each, commencing from the salary of payable in (D) A sum of Rs. (in words) out of advance of Rs. (in words) sanctioned and paid to him/her in.... has not been recovered as on date. This amount together with the advance now sanctioned aggregating Rs. (in words) Rs. will be recovered in monthly instalments of Rs. each commencing from the salary of payable in.....

(A) Quote the relevant rule.

(B) Give particulars of the purpose for which advance has been sanctioned.

(C) This clause will be used only when a previous advance is not outstanding for recovery strike out if not applicable.

(D) This clause will be used when a previous advance is outstanding. Strike out if not applicable. If applicable and if more than one advance is outstanding from recovery as on the date of sanction of the fresh advance, full details of the temporary advances paid earlier and outstanding on the date of sanction of fresh advance and amount of unrecovered balance of each of the outstanding advances should be indicated clearly.

F O R M 'F'

Form of application for final withdrawals of Provident Fund money for House Building, Purchase of redemption of house sites, higher education purposes or marriage or medical expenses.

1. Name of subscriber
2. Designation

3. Pay

4. Provident Fund Account No.

5. (a) Balance of the subscriber on the date of application (Amount actually subscribed alongwith interest thereon in the case of a contributory Provident Fund subscriber).

NOTE : In the case of a withdrawal for house building and marriage purposes, as well as purchase of house sites, the total balance at the credit of all the Provident Funds should be taken into account if the subscriber subscribes to more than one Provident Fund.

- (b) If it is a second withdrawal for the purpose of carryingout additions and alterations to or reconstructions of a house acquired with the help of withdrawal already made or which may be made in future from the Provident Fund.

(i) Amount of withdrawal already taken.

(ii) Balance at credit at the time of making the first withdrawal.

6. Amount required (in the case of construction of a house or for the purchase of a house site, the number of instalments in which it is required should be stated).

7. The purpose for which the amount is required.

8. If it is for house building or for the purpose of purchasing a house-site or for the express purpose of repayment of any loan taken.

(i) for purchasing a house.

(ii) for constructing/reconstructing a house.

(iii) for redemption of a house.

(iv) for making additions or alterations to a house.

(v) for purchase of a house.

(vi) for repayment of a loan expressly taken for the Purchase of a house site.

(vii) for payment of any loan taken.

B. If it is for higher education :

(i) Relationship with the person (who is actually dependent on the subscriber) for whom the withdrawal is required).

(ii) the specific course taken by the person and the name of the institution with its situation.

(iii) Whether the course is for more than 3 years and beyond the High School stage.

(iv) Whether this is the first or second withdrawal for the current year.

(v). The date of previous withdrawal or advance, if any, taken for this purpose.....

(C) If it is for marriage expenses :

(i) whether for, the marriage of the subscriber's daughter/son or for any other female relation dependent on the subscriber, who has no daughter..

(ii) Whether any advance under ordinary rules has been drawn in respect of the marriage for which the present withdrawal is sought for.....

(iii) Actual date fixed for celebration of the marriage.

(D) If the application is for conversion of an advance already taken into a final withdrawal.....

(i) Particulars of advance taken (amount) and date of payment.

(ii) Balance outstanding that is sought to be treated as a final withdrawal and amount of interest accrued.

8. (i) Total service including broken periods, if any.
(ii) Period of service required on the date of application for obtaining the age of superannuation.
(iii) The date of superannuation.
9. (a) (i) Actual cost of acquiring the house or house sites.
(ii) Anticipated cost of house proposed to be built/rebuilt.
(iii) Anticipated cost of additions or alterations to be made to the house.
(iv) Actual amount required for redemption of the house or house site.
(v) Total amount on date of loan taken for the purchase of house site and the amount outstanding against that on date.....
- (b) Particulars of expenses required to be incurred on the higher Education.....
- (c) Amount required for meeting marriage expenses (indicating the number of marriage to be celebrated)
10. Amount of instalment or instalments last taken, if any for house building or/and purchase of house sites (State particulars of amount dates on which taken).
11. Amount, if any received already from.....for purchase of house sites or house building purposes other than from the Provident Fund.....

Recommended/Not recommended

Signature of Unit Officer

Designation
No.

Signature of Applicant
Designation

Dated the

The above particulars have been verified to be correct.

Certified that :—

- (i) The amount of withdrawal does not exceed one-half/three-fourth of the subscription and interest thereon standing to the credit of Shri/Smt..... in the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund :.....
- (ii) That the total amount drawn from all sources including the present withdrawal from the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund by SHRI/Smt... for house building purposes does not exceed Rs. One lakh or his 75 months pay, whichever is less;
- (iii) No withdrawal has been sanctioned to Shri/Smt. for this purpose during the last six months. I have satisfied myself that Shri/Smt. is a owner of the site on which he/she proposes to construct the house for which final withdrawal from the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund is sanctioned in this letter/Shri/Smt. has produced before me the deed of ownership and also the original building plans duly approved by the local body concerned.
- (iv) I have verified the progress of construction of the house and that the second/third/fourth instalment of the withdrawal may be paid.
- (v) I have satisfied myself that the applicant has not taken any loan/assistance under any schemes sponsored by the Government of India or from any other Government source and the necessary note has been made to this effect.
- (vi) No final withdrawal has been granted previously to the subscriber for the same purpose.

- (vii) In addition to this withdrawal no temporary advance has been granted to the subscriber for the same purpose now.

Note : -- Delete certificates not applicable.

Place :

Dated :

Signature
Designation :-----

FORM 'G'

Form of Application for conversion of an advance into final withdrawal

1. Name of subscriber
2. Designation and office to which attached
3. Pay
4. Name of the Provident Fund and Account Number
5. Balance at credit on the date of application (amount actually subscribed by him alongwith interest due thereon in the case of CPF subscriber)
6. (a) Balance outstanding to be covered into a final withdrawal
(b) Interest due on the amount of advance taken
7. (a) Purpose for which advance taken
(b) Date of payment of advance
(c) Amount of advance sanctioned.
8. Particulars of communication under which advance was sanctioned.
9. Whether any advance or final withdrawal has been drawn previously for the purpose mentioned above, if so, particulars thereof
10. (a) Total service, including broken periods, if any, on date of this application
(b) Period of service left on the date of application for attaining the age of superannuation
(c) The date of Superannuation

Place :

Date :

Signature of the Applicant
Dated :

The above particulars have been verified to be correct.
Signature and designation of recommending authority.

Sanction of the Competent Authority
Dated

Sanction of is hereby conveyed/accorded under Regulation of the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution [Method of Recruitment and Terms & Conditions of service including scales of pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees Recitation, 1980, for conversion into final withdrawal of an amount of Rs. being the outstanding balance of the CPF Account of sanctioned on 19.... and drawn in Bill No. of for the (purpose alongwith the interest due thereon, to Shri/Shrimati/Kumari of the Office of the (CPF Account No.)]

Signature
Designation
Dated

No.
Copy forwarded to :

(i)
(ii)
(iii) etc. etc.
Signature
Designation

FORM 'H'

Form of Application for withdrawals from Provident Fund for Financing of Life Insurance Policies

1. Name of the subscriber
2. Name of Provident Fund and Account Number
3. Balance at Credit in the Fund on the date of application.
4. Amount of withdrawal required (premium notice to be attached, if available)
5. Name of the Policy
6. Name of the Insurance Unit to whom the Policy belongs.
7. Actual amount of premium
8. Mode of payment.
9. Total number of policies financed from Provident Fund
10. Whether policy is assigned to the Government. If so, particulars of the acceptance of the policy by the Account Officer
11. Particulars of the Account Officer in whose custody the policy is kept
12. Particulars of the amount of withdrawals last taken for the same purpose

I undertake to submit the premium receipt within one month of withdrawal of the amount from Provident Fund.

Signature of applicant :
Designation :
Office :

Date
No.

Dated :

Sanction of the is hereby accorded for the withdrawal of a sum of Rs. (Rupees) towards the payment of premium for the Life Insurance Policy No.

Certified that I am satisfied that the amount previously withdrawn on the same account by the subscriber has been utilised for the purpose for which it was intended and that the necessary premium receipt therefore has been duly encashed by me.

Signature and Designation of the sanctioning authority

Copy to the Accounts Officer

FORM 'T'**FORMS OF ASSIGNMENT**

I, A. B. of hereby assign unto the Chairman the within policy of assurance as for payment of all sums which under regulation of the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution [Method of recruitment and Terms & Conditions of service including scales of pay of Officers (other than Member Secretary) and other employees]. Regulations, 1980, I may hereafter become liable to pay to the said Fund.

I hereby certify that no prior assignment of the within policy exists.

Dated this day of 19
Station
One witness to Signature

Signature of subscriber

FORM 'T'**FORM OF ASSIGNMENT**

We, A. B. (the subscriber of and C.D. (the joint assured) of.....

in consideration of the Chairman agreeing at our request to accept payment towards policy of assurance in substitution for the subscriptions payable by me the said A. B. to the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund (as the case may be, to accept the withdrawal of the sum of Rs. from the sum of the credit of the said A.B. in the said Fund for payment of the premium of the within policy of assurance) hereby jointly and severally assign unto the said Chairman, the within policy of assurance as security for payment of all sums which under regulation of the regulations of the said Fund, the said A. B. may hereafter become liable to pay to that Fund.

We hereby certify that no prior assignment of the within policy exists.

Dated this day of 19
Station

Signature of subscriber and the joint Assured

One witness to signature.

FORM 'K'**FORM OF ASSIGNMENT**

I, C. D. wife of A. B. and the assignee of the within policy, having at the request of A. B. the assured, agreed to release my interest in the policy in favour of A. B. in order that A. B. may assign the policy to the Chairman, who has agreed to accept payments towards the within policy of assurance in substitution for the subscription payable by A. B. to Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund hereby at the request and by the direction of A. B. assign and I the said A. B. assign and confirm unto the Chairman the within policy of assurance as security for payment of all sums which under regulation of the regulations of the said Fund, the said A. B. may hereafter become liable to pay to the Fund.

We hereby certify that no prior assignment of the within policy exists.

Dated this day of 19
Station

Signature of the assignee and the subscriber

One witness to signature

FORM 'L'**FORM OF ASSIGNMENT**

Form of single tenant assignment to be used in cases where a subscriber to the Provident Fund who has effected an insurance policy under the regulations of that Fund is admitted to Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund.

I of
(Subscriber's Name) (Subscriber's address)

assign unto the Chairman the within policy of assurance as security for the payment of all sums which under regulation of the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund, the said may hereafter become liable to pay to the Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund.

I hereby certify that except an assignment to the Chairman as security for payment of all sums which the said has become liable to pay (subscriber's name) under Regulation of the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund, no prior assignment of the within policy exists.

Dated this day of 19
Station

Signature of subscriber

One witness

FORM 'M'
FORM OF ASSIGNMENT

Form of joint tenant assignment to be used in cases where a subscriber to the Provident Fund who has effected an insurance policy under the Regulations of that Fund is admitted to the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund.

We of
(Subscriber's Name) (Subscriber's address)
and wife of
(wife's name)

hereby jointly and severally further assign unto the Chairman, the within policy of assurance as a security for the payment of all sums which under regulation of the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund, the said (subscriber's name)

may hereafter become liable to pay to the Central Board for Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund.

We hereby certify that except an assignment to the Chairman as security for payment of all sums which the said has become liable to (subscriber's name) may under regulation of the Provident Fund Regulations, no prior assignment of the within policy exists.

Dated this day of 19
Station
One witness

Signature of the subscriber and Joint tenant.

Note :—The assignment may be executed on the policy itself either in the subscriber's hand writing or in type, or alternatively a typed or printed slip containing the assignment may be pasted on the blank space provided for the purpose on the policy. A type or printed endorsement must be duly signed and if pasted on the policy it must be initiated across all four margins.

FORM 'N'

Forms of Reassignment and Assignment by the Chairman of the Central Board

FORM (1)

All sums which have become payable by the above named A. B. under regulation of the Contributory Fund Regulations having been paid and/or all liability for payment by him of any such sums in the future having ceased the Chairman of the Central Board doth hereby reassign the within policy of assurance to be said A.B.

A.B. & C.D.

Dated this day of 19
Executed by

Account Officer of the X. Y.

Fund for and on behalf of the Chairman of the Central Board in the presence of (Signature of the Accounts Officer)

Y. Z.
(One witness who should add his designation and address)

(FORM 2)

The above named A. B. having died on the day of 19 the Chairman of the Central Board doth hereby assign the within policy of assurance to C. D.

25—359GT|80

Dated this day of 19

Executed by

Account Officer of the Fund for and on behalf of the Chairman of the Central Board in the presence of } X. Y. } Signature of the Accounts Officer

Y.Z.

(One witness who should add his designation and address).

FORM 'O'

Form of Reassignment by the Chairman, Central Board

The Chairman Central Board doth hereby reassign the within policy to the said A.B.

A. B. & C. D.

Dated this day of 19

Executed by

Accounts Officer of the Fund and on behalf of the Chairman, Central Board } X.Y. } Accounts Officer Signature of the

Y.Z.

(One witness who should add his designation and address)

FORM 'P'

(Schedule)

Form of Application for Final Payment/Transfer to Bodies Corporate/Other—Governments of Balances in the—Contributory Provident Fund

To

The Chairman,

.....
.....
.....

Sir,

I am due to retire/have retired/have proceeded on leave preparatory to retirement for months/have been discharged/dismissed/have been permanently transferred to /have resigned finally from Government service under Government to take up appointment with and my resignation has been accepted, with effect from forenoon/afternoon. I joined on forenoon/afternoon.

2. My Provident Fund Account No. is

PART I

(To be filled in when the application for final payment is submitted upto one year prior to retirement)

3. I request that the amount of Rs. standing to the credit in my Contributory Provident Fund Account as indicated in the Accounts Statement issued to me for the year (enclosed)/as appearing in my ledger account being maintained by the Accounts Officer in your office, may please be arranged to be paid to me.

4. Certified that I had taken the following advances in respect of which instalments of Rs. are yet to be repaid to the Fund account. I had taken the following final withdrawals :

Temporary advances Final Withdrawal

- | | |
|----|-------|
| 1. | |
| 2. | |
| 3. | |
| 4. | |

5. Certified that the following amounts were withdrawn by me to finance my Life Insurance Policy from my Provident Fund Account :

1.
2.
3.

6. Certified that after the payment of first instalment of my Provident Fund balance, I will apply for the payment of the subsequent instalments in Part II of the form immediately on retirement.

Signature of the subscriber
Name and address

CERTIFICATE BY THE ADMINISTRATIVE OFFICER

Certified that the above information has been verified from the records being maintained in this Office and is correct.

Signature of the Administrative Officer.

PART II

(To be submitted by the subscriber after his retirement)

(This part is also applicable in the case of subscriber who applies for final payment for the first time after the date of superannuation, discharge, resignation etc.).

3. In continuation of my application for final payment to you vide No. dated I request that the balance in my Provident Fund Account may please be paid to me.

Or.

I request that the entire amount at my credit with interest due under the rules may be paid to me may be transferred to my Contributory Fund Account. My Provident Fund Account is

4. A sum of Rs. (Rupees) was last deducted as Provident Fund subscription and recover on account of refund of advance from my pay bill for the month of for Rs. encashed on

5. I certify that I have neither drawn any advance nor made any final withdrawal from my Provident Fund Account during the 12 months immediately preceding the date of my quitting service under

amounts were withdrawn by me from my Provident Fund Account during the 12 months immediately preceding the date of my quitting service under Government/ proceeding on leave preparatory to retirement or thereafter for payment of insurance premia or for the purchase of a new policy.

Amount Date

1.
2.

6. The particulars of the Life Insurance Policies financed by me from the Provident Fund which are to be released by you are given below :

Policy Number	Name of the Company	Sum assured
1.
2.
3.
4.

Yours faithfully,

Station :
Date :

Signature
Name & Address

Certified by the Administrative Officer

Forwarded to the Accounts Officer, Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution.

1. (a) It is certified after due verification with reference to the records in this office, that no temporary advance/final withdrawal was sanctioned to the applicant from his/her Provident Fund Account during the 12 months immediately preceding the date of his/her quitting service under Government/proceeding on leave preparatory to retirement or thereafter.

Or.

2. It is certified after verification with reference to the records in this office, that the following temporary advances/final withdrawals were sanctioned to and drawn by the applicant from his/her Provident Fund Account during 12 months immediately preceding the date of his/her quitting service under Government/proceeding on leave preparatory to retirement or thereafter.

Amount of ad-vance/withdrawal	Date	Voucher Number
1.
2.
3.

3. It is certified that no demands/following demands of the Board are due for recovery.

4. Certified that he/she has not resigned from the service of the Board with prior permission of the Chairman, Central Board to take up an appointment in a Department of the Central Government or under State Government or under a body corporated owned or controlled by the State.

Signature
Administrative Officer

*Please score out if not necessary.

Form of Application for Final Payment of Balance in the Provident Fund Account or a SUBSCRIBER to be used by the nominees or any other claimants where no Nomination subsists.

To

The Chairman,

.....
.....
.....

Sir,

It is requested that arrangements may kindly be made for the payment of the accumulations in the Provident Fund Account of Shri/Smt. The necessary particulars required in this connection are given below :

1. Name of the employee
2. Date of Birth
3. Post held by the employee
4. Date of death
5. Proof of death in the form of a death certificate issued by the Municipal authorities, etc., if available.
6. Provident Fund Account No. allotted to the subscriber.
7. Amount of Provident Fund money standing to the credit of the subscriber at the time of his death, if known.

8. Details of the nominees alive on the death of the subscriber if a nomination subsists.

Name of the nominee	Relationship with the subscriber	share of the nominee
1.
2.
3.
4.

9. In case the nomination is in favour of a person other than a member of the family, the details of the family if the subscriber subsequently acquired family.

Name	Relationship with the subscriber	Age on the date of death
1.
2.
3.

10. In case no nomination subsists, the details of the surviving members of the family on the date of death of the subscriber. In the case of a daughter or of a daughter of a deceased son of the subscriber, married before the death of the subscriber, it should be stated against her name whether her husband was alive on the date of death of the subscriber.

Name	Relationship with the subscriber	Age on the date of death
1.
2.
3.

11. In the case of amount due to a minor child whose mother (widow of subscriber) is not a Hindu, the claim should be supported by Indemnity Bond or Guardianship certificate, as the case may be

12. If the subscriber has left no family and no nomination subsists, the names of persons to whom the Provident Fund money is payable (to be supported by letters of probate or succession certificate etc.)

Name	Relationship with the subscriber	Address
1.
2.
3.

13. Religion of the claimant(s)

14. Yours faithfully,

(Signature of Claimant)
Full Name and Address

1. The particulars furnished above have been duly verified.
2. The Provident Fund Account No. of Shri/Smt./Kumari (as verified from the annual statements furnished to him/her is

3. He/she died on A death certificate issued by the Municipal authorities has been produced/is not required in this case as there is no doubt about his/her death.

4. The last fund deduction was made from his/her pay for the month of drawn in this office Bill No. dated for Rs. (Rupees) cash voucher No. of the amount of deduction being Rs.

5. Certified that he/she was neither sanctioned any temporary advance nor any final withdrawal from his/her Provident Fund Account during the 12 months immediately preceding the date of his/her death.

Or

Certified that the following temporary advances/final withdrawals were sanctioned to him/her and drawn from his/her Provident Fund during the 12 months immediately preceding the date of his/her death.

Amount of advance withdrawal	Date & Place of encashment	Voucher Number
1.
2.
3.

6. Certified that no amount was withdrawn the following amounts were withdrawn from his/her Provident Fund Account during the 12 months immediately preceding the date of his/her death for payment of insurance premia or for the purchase of a new policy.

Policy number and name of the company	Amount	Date	Voucher number
1.
2.
3.

7. It is certified that no demand of following demands Government/Board are due for recovery.

8. Certified that no advance/following advance sanctioned in terms of the Ministry of Finance Office Memorandum No. J0(3)-E.V.(A)/65 dated the 1st November, 1965 is due for recovery.

(Signature of the Administrative Officer)

F O R M 'R'

Form of Bond of Indemnity for drawal of provident Fund money due to the minor Child/Children of deceased subscriber by a person other than its/their natural guardian.

(to the extent of Rs. 5000/-)

(a) Full name of claimant (s) KNOW ALL MEN BY THESE presents we (a).....son/daughter/wife of (hereinafter called 'obligor')

(b) Name and address of the resident of and (b) (1) son/daughter/wife of and resident of and b (2) (hereinafter called the 'sureties') Son/daughter of and resident of Sureties on her/his their behalf

are held firmly to the Chairman of the Central Board for prevention and Control of Water pollution (hereinafter called the 'Chairman' in the sum of Rupees .. (in words and figures) to be paid to the chairman of his successors or assigns for which payments to be well and truly made, each of us severally binds himself and

his heirs, executors, administrators and assigns and every two and all of us jointly bind ourselves and our respective heirs, executors, administrators and assigns firmly by these presents.

Signed this day of one thousand nine hundred and

(c) Name of the deceased.

WHEREAS (e) was at the time of his death a subscriber to the General Provident Fund and Whereas the said (c) died on the day of One thousand, nine hundred and and a sum of Rupees (in words and figures) payable by the Board on account of his Contributory Provident Fund accumulations AND Whereas the above bounden obligator to the aforesaid sum on behalf of the minor child/children of the said (c) has/have not obtained a guardianship Certificate.

(d) Name and designation of the officer

(AND WHEREAS the Obligor(s) has/have satisfied the (d) (Officer concerned) that he/she/ they are entitled to the aforesaid sum and that it would cause undue delay and hardship if the claimant were required to produce a guardianship certificate and WHEREAS the Chairman desires to pay the said sum to the claimant but under Central Board for the Prevention and Control of Water Pollution Employee's Provident Fund Regulations and orders, it is necessary that the claimant should first execute a bond with two sureties to indemnify the Chairman against all claims to

the amount so due as aforesaid to the said (e) (deceased). Before the said sum can be paid to the claimant which the obligor and at his/her request the sureties have agreed to do.

NOW THE CONDITION of this bond is such that if after payment has been made to the claimant the Obligor or Sureties shall in the event of a claim being made by any other persons against the Chairman with respect to the aforesaid sum of Rs. and shall otherwise indemnify and keep the claimant harmless and indemnified from all liabilities in respect of the aforesaid sum and all costs incurred in consequence of any claim thereto THEN the above written or obligations shall be void but otherwise the same shall remain in full force, effect and virtue. The Chairman has agreed to bear the stamp duty if any chargeable on these presents.

IN WITNESS WHEREOF the Obligor and the Surety/Sureties hereto have set and subscribed their respective hand hereunto on the day, month and year above written.

Signed by the above name 'Obligor' in the presence of

(1)
.....
(2)
.....

Signed by the above named 'Surety/Sureties'

1.....
2.....

in the presence of
(Name & Designation of Witness)

SCHEDULE III

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications for direct recruits	Whether age and educational qualification and experience prescribed for direct recruits will apply in the case of promotedees	Period of probation, if any.	Method of recruitment Whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation transfer to be made	If a Selection committee exists what is its composition
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
1. Admin. Officer	1	Group 'A'	Rs.1200-50-1600	Selection	35 yrs	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act, a provincial Act, or a State Act, or of a foreign University recognised by the Govt. of India with at least 7 years' experience in administration out of which atleast 3 years' experience should be in a supervisory capacity. Experience in training staff will be an additional qualification.	Educational qualification & experience will apply but age qualification will be relaxable	Two yrs. for direct recruits but may be curtailed in case of outstanding performance	By promotion failing which by transfer on deputation failing which by direct recruitment	From the grade of Section Officer	The Committee Consists of :
2. Law Officer	1	Group 'A'	Rs. 1200-50-1600	Selection	45 years	Bachelor's degree in law from a University established or incorporated by or under a Central Act, Provincial Act, or a State Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India, with at least 5 years experience as a practising lawyer at the Bar.	Not Applicable	2 years	100% by direct recruitment failing which by deputation	Deputation from the Grade of Assistant-Legal-Adviser or Assistant-Legal Counsel of the Central Legal Service, Ministry of Law Govt. of India	Selection Committee shall consist of : Chairman, 1. Central Board—Chairman 2. Member Secretary, Central Board-Member 3. An Expert from the Ministry of Law. 4. Dy. Secretary, Ministry of Works and Housing. 5. An expert to be nominated by CCB

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
3. Media Officer	1	Group 'A'	Rs. 1100-50-1600	Selection	35 yrs	A post-graduate degree in Science/ or graduate in Engg/ Medicine with 5 yrs experience in public Health problems as affected by water pollution and measures for their prevention and control Desirable Diploma in Mass Communication/ Journalism	Not applic- able	2 years	100% by direct recruit- ment failing which by deputation	—	Selection Committee shall consist of: 1. CCB-Chairman 2. MS-Member 3. Deputy Secre- tary, M/o Works and Housing 4. An expert/User to be nominated 5. Administrative Officer
Env. Enggr.	5	Group 'A'	Rs. 1100-50-1600	Selection	35 yrs relaxable at the discretion of the Central Board	At least a 2nd class Bachelor's Degree in any discipline of Engg. with 10 years experience out of which 3 years experience should be in pollution activity.	Educational qualifica- tions will apply, age qualifications will be relaxable	2 yrs but may be curtailed to 1 year in case of outstanding performance	75% by direct recrt. and 25% by pro- motion pro- vided persons of required qualifica- tions and experience are avail- able. Other- wise 100% by direct.	From the grade Asst. Engr.	The Committee consists of : 1. Chairman of the Central Board—Chairman 2. Two experts from relevant disciplines to be nominated by the Chairman 3. Representative of Ministry of Works and Housing to be nominated by the Chairman 4. Member Secre- tary Central Board
5. Scientist 'C'		Group 'A'	Rs. 1100-50- 1600	Selection	35 years	Essential Ph. D. in basic science/Life science/ Earth science/Economics/Statistics with 12 years experience, out of which 5 years should be in pollution control activity. Desirable Research experience in Environmental and related field.	Educational qualifica- tions will apply but age qualifica- tions will be relaxable	2 years but that may be curtailed to one year in the case of out- standing per- formance	75% by direct re- cruitment & 25% by promotion. If persons of adequate qualifica- tion & ex- perience are available. Otherwise 100% by direct re- cruitment.	From the Grade of Scientist 'B'	The Committee consists of : 1. Chairman, Central Board —Chairman 2. Two experts from relevant disciplines to be nominated by the Chairman. 3. A representative of the M/o Works and Hous- ing to be no- minated by the Chairman. 4. Member Secretary Central Board.

6. Scientist 'B'	4	Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Selection	30 years	At least 2nd class M.Sc. in basic science/ Life science/Earth Science/Economics/ Statistics with 8 yrs experience in Environmental quality management of which 3 years experience should be in water pollution control activity.	Educational qualifications will apply but age qualifications will be relaxable.	2 years but that may be curtailed to one year in the case of outstanding performance.	75% by direct recrt. and 25% by promotion. If persons of adequate qualification & experience are available. Otherwise 100% by direct recruitment.	From the Grade of Senior Scientific Asstt with 10 years experience.	The Committee consists of : 1. Chairman, Central Board —Chairman 2. Two experts from relevant disciplines to be nominated by the Chairman. 3. A representative from the M/o Works and Housing to be nominated by the Chairman.
7. Assistant Media Officer	1	Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	35 yrs.	Selection	Graduate with minimum of 5 years experience in a Mass Media Organisation publicity etc.	Not applicable	2 years	100% by direct recruitment failing which by deputation.	—	Selection Committee shall consist of: 1. CCB—Chairman 2. MS—Member 3. Deputy Secretary, Ministry of Works & Housing. 4. An expert/User to be nominated by CCB. 5. Administrative Officer.
8. Documentation Officer	1	Group 'A'	Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300	Selection	35 years	Post graduate degree in any discipline of Science/Engg. Technology with 5 years experience in documentation and dissemination of information on subject relating to public health problems.	Not applicable	2 years	100% by direct recruitment failing which by deputation.	—	Selection Committee shall consist of 1. CCB—Chairman 2. MS—Member 3. Deputy Secretary Ministry of Works and Housing. 4. An expert/User to be nominated by CCB.
9. Accounts Officer	1	Group 'B'	Rs. 840-40-1000-EB-40-40-1200	Selection	35 years	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act or a State Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India,	Educational qualifications will apply but age qualification will be relaxable.	Two years for direct recruits but may be curtailed in case of outstanding performance.	By promotion failing which by transfer on deputation, failing which by direct recruitment.	From the grade of Junior Accounts Officer.	The Committee consists of : 1. Chairman Central Board —Chairman. 2. One expert to be nominated by the Chairman, Central Board —Member

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
						with at least 7 years experience of governmental or Commercial accounting procedure, or a SAS Accountant with at least 7 years' experience of Govt. accounts with knowledge of commercial accounts. Experience in Govt. Department will be preferred. Chartered accountancy will be an additional qualification.					3. Member Secretary Central Board —Member 4. Adm. Officer, Central Board —Member
10. Asstt. En- gineer	7	Group 'B'	Rs. 650-30- 740-35-810- EB-35-880- 40-1000- 40-1200	Selection	30 years	Ist class graduate in Engg. preferably with Master's Degree in any discipline of Engg. from a recognised university. Any experience in pollution control will be considered as an addl. qualification.	Educational qualification will apply but age qualification will be relaxable	2 years but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	75% by direct recrt. and 25% by promotion pro- vided persons of required qualifica- tions are available otherwise 100 % by direct recruitmet.	From the grade of Tech. Asstt.	The Committee consist of : 1. Chairman of the Central Board—Chairman 2. Two experts from relevant disciplines to be nominated by the Chairman. 3. A representative of M/o W & H to be nominated by the Chairman 4. Member Secretary Central Board.
11. Section Offi- cer	1	Group 'B'	Rs. 650-30- 740-35-810- EB-35-880- 40-1000EB- 40-1200	Selection	35 yrs	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act, or a State Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India with at least 5 years' experience in administration in a post not lower than that of an Assistant or an equivalent post.	Educational and exper- ience qualifi- cation will apply, but age qualifi- cation will be relaxable	2 years for direct recruit but may be curtailed to one year in case of out- standing performance.	By promo- tion, failing which trans- fer on de- putation failing which by direct recruit- ment	From the grade of Asstt.	The Committee consists of : 1. Chairman, Cen- tral Bd.—Chairman 2. One expert to be nominated by Chairman, Central Board— Member 3. Dy. Secy, M/o W & H—Member 4. Member Secre- tary, Central Board—Member 5. Administrative Officer, Central Board—Member

12. P.S.	1	Group 'B'	Rs. 650-30- 740-35-880- EB-40-1040.	Selection	35 years	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act, Provincial Act, or a State Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India with speed of 120 words per minute in Shorthand and 40 words per minute in typewriting. Knowledge of Hindi shorthand and typewriting will be an addl. qualification. Should have seven years' experience in the post of Stenographer Grade II or in an equivalent post.	Educational qualification and experience will apply but age qualification will be relaxable.	Two years for direct recruits, but may be curtailed in case of outstanding performance.	By promotion failing which by transfer or deputation failing which by direct recruitment	From the grade of stenographer Grade II	The Committee consists of : 1. Chairman, Central Board —Chairman 2. One expert to be nominated by the Chairman, Central Board—Member 3. Dy. Secretary, M/o W&H—Member 4. Member Secretary, Central Board-Member 5. Administrative Officer, Central Board-Member
13. Tech. Assistant	5	Group 'B'	Rs. 550- 25-750-EB- 30-900.	Selection	25 yrs	Bachelor's Degree in any discipline of Engineering. Any experience in Engg. line will be an additional qualification.	Does not arise	2 years but may be curtailed to one yr. in case of outstanding performance	By direct recruitment	Does not arise	The committee consists of : 1. Member Secretary, Central Board—Chairman 2. A representative of the Ministry of Works and Housing to be nominated by the Chairman-Member 3. Administrative Officer, Central Board —Member 4. An expert to be nominated by the Chairman —Member 5. Environmental Engr./Scientist 'C' to be nominated by the Chairman—Member
14. Senior Scientific Asstt.	1	Group 'B'	Rs. 550-25- 750-EB-30- 900	Selection	25 yrs	At least IIInd class M. Sc. in Basic Science/Life Science/Earth Science/Economics/Statistics with 3 years experience in Envl. Quality Management.	Educational qualifications will apply but age qualification will be relaxable.	Two years but may be curtailed to one year in case of outstanding performance	50 % by direct recruitment and 50% by promotion if persons with required qualifications & experience are available. Others	From the grade of Junior Scientific Asstt. or Apprentice Chemist.	The Committee consists of : 1. Chairman, Central Board—Chairman 2. Two experts from relevant discipline to be nominated by the Chairman. 3. A representative of the M/o Work and Housing to

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
15. Selection Grade Steno- grapher	2	Grade 'C'	Rs. 550-25- 750-EB-30- 900	Selection	30 yrs	Bachelor Degree of a University established or in- corporated by or under a Central Act, a provincial Act, or a State Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India with a speed of 120 words per minute in short hand and 40 words per minute in type- writing. Knowledge of Hindi Shorthand and Hindi typewrit- ing will be an addi- tional qualification. Should have at least four years experi- ence in a post of stenographer Grade II or in an equivalent post.	Educational qualifica- tions and experience will be re- laxable	Two years for direct recruitment but may be curtailed in case of outstanding performa- nce.	By promo- tion fail- ing which by direct recruitment failing whi- ch by trans- fer on de- putation	From the grade of Stenogra- pher Grade II	wise 100% by direct recruitment	be nominated by the Chairman 4. Member Secre- tary, Central Board.
16. Junior Ac- counts Offi- cer	1	Group 'C'	Rs. 500-20- 700-EB-25- 900	Selection	30 yrs	Bachelor's Degree of a University estab- lished or incorpo- rated by or under a Central Act, a Pro- vincial Act, or a State Act, or a foreign university recognis- ed by the Govt. of India, with at least 5 yrs' experience of governmental or commercial account- ing procedures or a SAS Accountant with at least 5 years' ex- perience of Govt. accounts with know- ledge of commer- cial accounts.	Educational and exper- ience qual- ification will apply but age quali- fication will be re- laxable	Two years for direct recruits but may be cur- tailed to one yr. in case of outstand- ing perfor- mance	By promo- tion fail- ing which by direct re- cruitment, failing whi- ch by trans- fer on de- putation	From the grade of Accounts Asst:	The Committee consists of: 1. Member Secre- tary Central Board—Chairman 2. One expert to be nominated by the Chairman, Central Board—Member 3. Dy. Secretary, M/o W&H— Member 4. Administrative Officer Central Board—Member 5. Accounts Officer, Central Board —Member	
17. Assistant	5	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15-560- 20-700 EB-25-800	Selection	30 years	Bachelor's Degree of a University es- tablished or incor- porated by or under a Central Act, a Pro- vincial Act, or a State Act or of a	Educational and exper- ience qual- ifications will apply but age	Two years for direct recruits but may be cur- tailed to one yr. in	By Pro- motion fail- in which by direct ! ² recruitment	From the grade of UDC & stenogra- pher Grade III	The Committee con- sists of: 1. Member Secy., Central Board— Chairman 2. Dy. Secy., M/o W&H—Member 3. Two experts to be nominated by	

					foreign University recognised by the Govt. of India, with at least three years' experience in conducting correspondence independently and of Secretarial practices. will be required to pass a test in English typewriting at a speed of 30 words per minute within a period of two years from the date of appointment to earn increments.	qualification will be re- taxable	case of out-standing performance		the Chairman, Central Board—Member		
18. Hindi Trans- lator cum- Asstt;	2	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15 560-20- 700-EB-25 -800	Selection	30 years	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India with Hindi and English as subjects and with at least 4 years' experience in translation from English to Hindi and Vice Versa will be required to pass a test in Hindi typewriting at a speed of 30 words per minute within period of two years from the date of appointment to earn increments.	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable	Two years for direct recruits but may be curtailed to one yr. in case of outstanding performance	By promotion, fail-in which by direct recruitment failing which by transfer on deputation	From the grade of UCC & stenographer grade III	4. Administrative Officer, Central Board—Member
19. Stenogra- pher Grade II	1	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15 560-20-700- EB-25-800	Selection	25 years	Matriculation Exam. of a University incorporated by an Act of the Central or State legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School course for the award of School leaving Secondary School or High School Certificate or otherwise in possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable	Two years for direct recruits but may be curtailed to one year in case of outstanding performance	By promotion failing which by direct recruitment fail in which by transfer on deputation	From the grade of Stenographer-III	The Committee consists of : 1. Member Secretary, Central Board—Chairman 2. Deputy Secretary, M/o W&H—Member 3. Two experts to be nominated by the Chairman, Central Board—Member 4. Administrative Officer, Central Board—Member

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
20. Publication Assistant	1	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15 560-20-700 EB-25-800	Selection	35 years	Graduate with Printing/Publication experience for 3 yrs or Diploma in prin- ting Desirable Printing Organisation experience in a large Govt./Semi-Govt. Organisation.	Not appli- cable	2 years	100 % by direct recru- itment fail- ing which by deputa- tion	—	Selection Committee shall consists of : 1. MS—Chairman 2. Deputy Secre- tary, Ministry of W&H 4. An expert/User to be nominated by CCB. 4. A.O.	
21. Accounts Asstt.	1	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15- 560-20-700 EB-25-800	Selection	30 years	Bachelor's degree of a University esta- blished or incorpor- ated by or under a Central Act, or a State Act, or of a foreign university rec- ognised by the Govt. of India. Should have experience of at least 3 yrs. in accounts.	Educational and experi- ence qualifi- cations will apply but age qualifi- cation will be re- laxable	Two years for direct recruits but may be cur- tailed to one year in case of outstanding perfor- mance	By prom- otion fail- ing which by direct recruitment	From the grade of U.D.C.	The Committee consists of : 1. Member Secre- tary, Central Board—Chairman 2. Deputy Secretary, M/o W&H,— Member 3. One expert to be nominated by the Chairman, Cent- ral—Member 4. Administrative Officer, Central Board—Member 5. Accounts Officer— Member	
22. Sr Technician	1	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15- 560-20-700 EB-25-800	Selection	Not more than 35 yrs	1. Essential Diploma in Mechanical Auto- mobile Engineer- ing 2. Experience of 2 years of handling of internal com- bustion engines. Desirable Experience of hand- ling of engines of H.T.V.	Educa- tional qualifi- cation and experience will apply	2 years	100 % dir- ect recru- itment fail- ing which by promo- tion failing which by deputation	Promotion Frc m the grade of Drivers & equivalent Post. De- putation from the equivalent grades in other depts.	1. Member Secre- tary—Chairman 2. Two experts to be nominated by CCB—Member 3. Administrative Officer of the Central Board— Member 4. A senior scientific/Tech. Officer of the Board— Member	

23. Junior Sci- entific Assistant	2	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15 560-20-700	Selection	25 years	At least IIInd class M. S. in Basic Sci- ence/Life Science/ Earth Science/Eco- nomics/ Statistics with 3 years ex- perience in Evnl. Quality Management	Does not arise	Two years but may be curtailed to one year in case of outstanding perfor- mance	Direct re- cruitment	Does not arise	The Committee consists of: 1. Chairman, Central Board—Chairman 2. Two experts from relevant discipline to be nominated by the Chair- man 3. A representative of the Ministry of Works and Housing to be no- minated by the Chairman 4. Member Secre- tary, Central Board.
Senior D'Mam	1	Group 'C'	Rs. 425-15- 500-EB-15- 560-20-700	Non-select- ion	30 years	<u>Essential</u> Higher Secondary with mathematics and/or Engg. drawing or equivalent. For- mal academic train- ing in Draftsmanship or Diploma in Civil Engg. from a recog- nised polytechnic/ institution with a minimum experience of four years in pre- paration of plans, maps detailed Engg. drawings. <u>Desirable</u> Experience in pre- paration of Public Health Engg. Draw- ings Statistical dia- grams etc.	Does not arise	Two yrs. but may be curtailed to one year in case of outstanding perfor- mance	50% by recruitment but may be curtailed to one year in case of outstanding perfor- mance	Direct arise	The Committee consists of: 1. Member Secre- tary Central Board—Chairman 2. A representative of the M/o Works & Housing to be nominated by the Chairman 3. An expert to be nominated by the Chairman 4. Admn. Officer Central Board— Member 5. Environmental Engineer/Sci- entist C to be no- minated by the Chairman —Member
5 . Technician Grade I	1	Group 'C'	Rs. 380-12- 500-EB-15 560	Selection	Not more than 30 yrs	<u>Essential</u> 1 Matriculation or Higher/or equiv- alent Qualification. 2 Certificate from ITI in the trade. (3) Three years ex- perience in Servicing laboratory instru- ments etc. <u>Desirable</u> Knowledge of repairs of electrical ins- truments 1. Secondary	Educational qualifica- tions and experience will apply	2 yrs	100% direc trecre- it fail- ing which by promo- tion failing which by de- deputation	Promotion from the grade of Jr. Lab. Assit/Dri- ver etc. Deputation for equivalent Grade in other de- partments	1. M. S. Chairman 2. Two experts to be nominated by CCP—Member 3. A.O. Central Board—Member 4. A senior Sci- entific/Technical Officer of the Board—Member

a 1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
26. Junior D' Man	1	Group 'C'	Rs 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Non selec- tion	25 years	Higher Secndry with m ^{ath} ematics and/or Engg.Drawing or equivalent. Former academic training in Draftsmanship or Diploma in Civil Engg. from a Polytechnique/institution with a minimum of two years experience in preparation of plans and detailed Engg. drawings.	Does not arise	Two yrs. but may be curtailed to one year in case of outstanding performance	Direct recruitment	Does not arise	The Committee consists of: 1. Member Secretary Central Board—Chairman 2. A representative of the M/o Work and Housing to be nominated by the Chairman 3. An expert to be nominated by the Chairman 4. Admn. Officer, Central Board—Member 5. Environmental Engr/Scientist C to be nominated by the Chairman-Member
27. UDC	1	Group 'C'	Rs. 330-10-380-EB-12-500-EB-15-560	Non-Selec- tion	25 years	Bachelor's Degree of a University established or incorporated by or under a Central Act or a provincial Act or of a foreign University recognised by the Govt. of India, with one year's experience in handling correspondence independently. (Will be required to pass a test in English type writing at a speed of 30 words per minute within a period of two years from the date of appointment for earning increments)	Experience will apply but educational and age qualification will be relaxable	Two yrs. for direct recruitment but may be curtailed to one year in case of cut-off standing	By promotion failing which by direct recruitment	From the grade of LDC including operator-cum-clerk Hindi Typist-cum-clerk despatch Rider-cum-Clerk and Receptionist-cum-Clerk	The Committee consists of: 1. Member Secretary, Central Board Chairman 2. Dy/Secretary M/o Works and Housing—Member 3. One expert to be nominated by the Chairman Central Board—Member 4. Admn. Officer Central Board—Member 5. A senior officer from the Engg. or Sc. cadre to be nominated by the Chairman of the Central Board—Member
28. Stenographer Grade-III	7	Group 'C'	Rs. 330-10-380-EB-12-500-15-560	Non-select- ion	25 years	Matriculation Examination of a University established or incorporated by or under an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of	Educational Qualification and experience will be relaxable	Two years for direct recruitment but may be curtailed to the age qualification will be relaxable	50% by direct recruitment & 50% LDC.	From the grade of LDC.	The Committee consists of: 1. Member Secretary, Central Board-Chairman 2. Dy. Secretary, M/o Works & Housing-Member 3. Two experts to be nominated by

29. Apprentice Scientist	2	Group 'C'	Rs. 500/- fixed in the first year and Rs.600 fixed in the second year.	Selection	25 years	the Secondary School Course for the award of Schoolleaving, Secondary-School certificate or otherwise possession of any qualification, which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualifications. Should have a speed of 100 words per minute in shorthand and 40 words per minute in typewriting. Should have worked as Stenographer for at least one year. Knowledge of Hindi Shorthand and Hindi typewriting will be an additional qualification.	At least 2nd class M. Sc. in Basic Science/Life Science/Earth Science/Economics/Statistics or equivalent.	Does not arise	One year	Direct recruitment	Does not arise	The Committee consists of :—	the Chairman-Central Board-Member
30. Sr. Driver	1	Group 'C'	Rs. 320-6-326-8-390-10-400	Selection	'Not more than 35 yrs	1. Essential 8th class pass from a recognised School. Must hold valid licence for HTV 2. Five years experience of driving HTV. Desirable Experience of driving of double decker bus/tractor is desirable	Educational qualification and experience will apply.	2 years	100% by promotion failing which by direct recruitment/deputation	Promotion from the grade of Driver Deputation from equivalent grade in other Govt. Department	1. M. S. C. B.—Chairman 2. Two experts to be nominated by CCB-Member 3. A.O.-Member C.B. 4. A senior Scientific/Technical Officer of the Board—Member	4. Admn. Officer, Central Board—Member	

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
31. LDC	12	Group 'C'	Rs. 260-6- 290-EB-6- 326-8-366- EB-8-390- 10-400	Selection	25 years	Matriculation Exam. of a University established or incorporated by or under a Act of the Central or state Legislature in India or an examination held by the State Education Bd. at the end of the Secondary School course for the award of School leaving Secondary School or High School/Certificate or otherwise possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualifications with a knowledge of English typewriting at a minimum speed of 30 words per minute. Knowledge of typing in Hindi will be an addl. qualification.	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable.	Two years but may be curtailed in case of outstanding performance.	80% by direct recruitment and 20% by promotion.	From the grade of Peon, Driver Chowkidar and Safaiwala and equivalent posts provided persons of required qualifications and experience are available in the following ratio and order:	The Committee consists of :— 1. Member Secretary Central Board-Chairman 2. Dy. Secy., M/o W & H- Member 3. One expert to be nominated by the Chairman, Central Board-Member available in 4. Adm. Officer, Central Board-Member 5. A senior Officer from Engg. or Scientific Cadres of the Board to be nominated by the Chairman, Central Board-Member 14% from the grade of peon 2% from the grade of Driver 2% from the grade of Chowkidar 2% from the grade of Safaiwala Otherwise 100% by direct recruitment. Note (1) All clerical posts in scale as in Col. 4 will be taken into account in determining the above percentages. (2) In case of suitable candidates not being available in a particular grade, promotion will be made from the	

candidate of
the next grade
in order
of priority
as indicated
above.

32. Operator-cum-Clerk	1	Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Selection	25 yrs	Matriculation Examination of a University established or incorporated by or under an Act of Central or State Legislature in India or an examination held by a State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of School leaving, Secondary School, or High School certificate or otherwise possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualification, with knowledge of English typewriting at a speed of at least 30 w.p.m. Experience in operation of photostat copying machines, duplicating machines and ammonia print machines will be additional qualification.	Educational experience qualification will apply but age qualification will be relaxable.	Two years for direct recruits but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	80% by direct recruitment and 20% by promotion	As mentioned against the post at Sr. No. 14 (LDC)	The Committee consists of :— 1. Member Secretary, Central Board—Chairman 2. Dy. Secy., M/o. W & H—Member 3. One expert to be nominated by the Chairman, Central Board—Member 4. Admn. Officer, Central Board—Member. 5. A Senior Officer from Engg. and Scientific Cadres of Board to be nominated by the Chairman, Central Board—Member
33. Telex operator-cum-Clerk	1	Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Selection	25 years	Matriculation Examination of a University established or incorporated by or under an Act of the Central or State Legislature in India, or an examination held by a State Education Board at the end of Secondary School course for the award of School Leaving Secondary/School or High School Certificate.	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable.	Two years for direct recruits but be curtailed to one year in case of outstanding performance.	80% by direct recruitment and 20% by promotion	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC).	The Committee consists of :— As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC).

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
34. Hindi Typist	1	Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Selection	25 years	ficate or otherwise possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualifications with knowledge of English Typewriting at a speed of at least 30 w.p.m. Experience in Telex operation and knowledge of Hindi typewriting will be an additional qualification.	Matriculation Examination of a University established or incorporated by or under an Act of the Central or State Legislature in India or an examination held by the State Education Board at the end of the Secondary School Course for the award of the School Leaving Secondary School or High School Certificate or otherwise possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualifications with Hindi as one of the subjects. Should have a speed of at least 30 w. p. m. in Hindi typewriting. Knowledge of English typewriting will be an additional qualification.	Education and experience qualifications will be relaxable.	Two years for direct recruits but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	80% by direct recruitment and 20% by promotion.	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC).	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC).
35. Receptionist cum Clerk	1	Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Selection	25 years	Matriculation Exam. of a University established or incorporated by or under an Act of the Central or State legislature in India or an examination held by the State Education	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable.	Two yrs for direct recruits but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	80% by direct recruitment and 20% by promotion.	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC).	As mentioned against the post at SL. No. 14(LDC)	

36. Junior Lab. Assistant	Group 'D'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400.	Non-selection	25 years	Board at the end of the Secondary School course for the award of School leaving Secondary school of High School certificate or otherwise possession of any qualification which has been recognised by Govt. as equivalent to any of the above qualification with knowledge of English typewriting at a speed atleast 30 w.p.m. Should have a pleasing personality and be able to converse fluently both in English and Hindi knowledge of Hindi. Knowledge of Hindi typewriting will be an additional qualification.	Matriculation or equivalent not with Science subjects.	Does not arise	2 years but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	Direct recruitment	Does not arise
37. Despatch Rider-cum-Clerk.	I Group 'C'	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Selection	25 years	Matriculation Examination of a University established or incorporated by or under an Act of the Central or State Legislature in India or an Examination held by the State Education Board at	Education-al and ex-perience qualifica-tions will apply but age qualifi-cation will be relaxable	Two years for direct recruits but may be curtailed to one year in case of outstanding performance.	80% by direct re-cruitment & 20% by promotion	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC)	As mentioned against the post at Sl. No. 14 (LDC)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	
						the end of the Secondary School course for the award of School leaving, Secondary School or High School Certificate or otherwise possession of any qualification recognised by the Govt. as equivalent to any of the above qualifications, with knowledge of English typewriting at a speed of at least 30 w.p.m. Should hold a licence to drive a light including a motorcycle scooter. Knowledge of Hindi typewriting will be an addl. qualification						
38. Driver	6	Group 'C'	Rs. 260-8-326-EB-8-350	Selection	25 years	VIII Standard Examination of recognised School. Should hold a licence for driving both heavy and light vehicles and have experience of driving heavy vehicles for at least three years	Educational and experience qualifications will apply but age qualification will be relaxable	Two years	80% by direct recruitment and 20% by promotion provided persons of required qualifications and experience are available otherwise 100% by direct recruitment	From the grade of peon, Chowkidar, Safaiwala and other equivalent posts.	The Committee consists of:— 1. Member Secretary, Central Board, Chairman 2. A senior Officer either from Engg. or Scientific cadre of the Central Board to be nominated by the Chairman of the Central Board—Member 3. Under Secretary M/o Works & Housing—Member 4. Admin. Officer, Central Board—Member	
39. Field Assistant-cum-cleaner cum-Helper	1	Group 'C'	Rs. 225-5-260-6-290-EB-6-308	Selection	Not more than 35 yrs.	Essential Matriculation or equivalent Desirable Candidate must possess robust health and must be good in swimming	Educational qualification and experience will apply	2 years	100% by direct recruitment failing which by deputation	Deputation from equivalent grades or other departments	1. M. S.—Chairman 2. Two experts to be nominated by CCB—Member 3. A.O. Central Board—Member 4. A senior Scientific/Technical Officer of the Board—Member	

40. Dafty	3	Group 'D'	Rs. 200-3- 206-4-234- EB-4-250	Non-select- tion	25 years	8th class pass certi- cate from a recogni- sed school with at least 3 years experi- ence in the post of peon, Chowkidar of Safaiwala	Educational and exper- ience quali- fications will apply, but age qualifi- cation will not apply	One yr.	100% by promo- tion failing which by direct recru- itment	From the grade of Pccn, CECW- 1 kdar & sa- faiwala with at least 3 yrs experience in the follow- ing ratio and order : 70% from the grade of 3. Under Secretary Peon 15% from the grade of 4. Admn. Officer, Safaiwala*** In case of a suitable can- didate not be- ing available in a particu- lar grade, by promotion of a suitable candidate of the next grade in order of priority as above ***15% from the grade of Chowki- dar	The Committee consists of : 1. Member Secretary, Central Board—Chairman 2. A sr. officer either from Engg. or sci- entific Cadre to be nominated by the Chairman, Central Board—Member 3. Under Secretary M/o W & H,— Member. 4. Admn. Officer, Central Board— Member
41. Peon	10	Group 'D'	Rs. 196-3- 220-EB-3- 232	Selection	25 years	VIII class pass certi- ficate from a recogni- sed School	Does not arise	2 years	Bg direct re- cruitm't arice through Em- ployment Exchange	Does not arise	The Committee consists of : 1. Member Secre- tary, Central Board—Chairman 2. A Senior Officer either from Engg. or Scientific cadre of the Central Board to be no- minated by the Chairman of the Central Board— Member ; 3. Under Secretary, M/o of Works and Housing— Member 4. Administrative Officer, Central Board—Member
42. Chowkidar	3	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
43. Safaiwala	1	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-	-do-
						Primary Pass certi- ficate from a recogni- sed school					

PRAN NATH, Administrative Officer

